वार्षिक प्रतिवेदन

2014–2015

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(समविश्वविद्यालय)

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित)

राष्ट्रिय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद् द्वारा 'ए' श्रेणी में प्रत्यायित

56–57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी,

नई दिल्ली–110058

प्रकाशक:
कुलसचिव
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(सम विश्वविद्यालय)
56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058
ईपीएबीएक्स : 28524993, 28521994, 28524995
तार : संस्थान
ई मेल : rsks@nda.vsnl.net.in
वेबसाईट : www.sanskrit.nic.in

विषय-सूची

		पृष्ठ
1.	**पर्यवलोकन**	**5-7**
2.	**प्राधिकरण एवं संरचना**	**8**
3.	**छात्रों/शिक्षार्थियों के आंकड़े**	**12**
4.	**2013-2014 के दौरान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के क्रियाकलाप**	
	4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप	**17-39**
	4.1.1 प्रशासन अनुभाग	19
	4.1.2 वित्त अनुभाग	19
	4.1.3 शैक्षणिक अनुभाग	20
	4.1.4 शोध एवं प्रकाशन अनुभाग	21
	4.1.5 परीक्षा अनुभाग	22
	4.1.6 पुस्तकालय	24
	4.1.7 विक्रय इकाई	24
	4.1.8 योजना अनुभाग	25
	4.1.9 छात्रवृत्ति अनुभाग	27
	4.1.10 अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा	31
	4.1.11 आदर्श महाविद्यालय/शोधसंस्थान	33
	4.1.12 परियोजनाएँ	34
	4.1.13 पालि एवं प्राकृत	35
	4.1.14 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण	36
	4.1.15 पत्राचार अनुभाग	39
	4.1.16 मुक्तस्वाध्यायपीठम् (दूरस्थ शिक्षा संस्थान)	39
	4.2 परिसरों के क्रियाकलाप	**41-90**
	4.2.1 श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)	43
	4.2.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा)	46
	4.2.3 श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)	49
	4.2.4 गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)	53
	4.2.5 जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)	58
	4.2.6 लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	62
	4.2.7 श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक)	67

4.2.8 वेदव्यास परिसर, बलाहार (हिमाचल प्रदेश) 70
4.2.9 भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश) 77
4.2.10 के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र) 83
4.2.11 दिल्ली परिसर मुख्यालय (नई दिल्ली) 87
4.2.12 एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा) 88

5. वर्ष 2014-2015 की प्रमुख गतिविधियाँ 91-100

5.1 संस्कृत सप्ताहोत्सव 93
5.2 स्वच्छ भारत अभियान 94
5.3 स्थापना दिवस 95
5.4 राष्ट्रीय एकता दिवस 96
5.5 राष्ट्रीय शिक्षा दिवस 96
5.6 12वाँ संस्कृत नाट्योत्सव 99

6. संलग्नक 101-207

क. प्रबन्ध-मण्डल के सदस्यों की सूची 103
ख. विद्वत् परिषद के सदस्यों की सूची 105
ग. वित्त-समिति के सदस्यों की सूची 111
घ. संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण 112
ङ. विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण 121
च. सम्बद्ध संस्थाएँ 125
छ. परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें 134
ज. परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय 137
झ. वार्षिक अनुदान स्वीकृत स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों की राज्य-वार संख्या का विवरण 143
ञ. संस्थान की वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण 144
ट. प्रकाशन अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण 144
ठ. वार्षिक अनुदान प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का विवरण 146
ड. वर्ष 2014-2015 के लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा 149
ढ. 'महानिदेशक लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय व्यय' के द्वारा प्रदत्त 2014-15 वर्ष की रिपोर्ट 203

1. पर्यवलोकन

1.1 संस्था

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (इसमें इसके बाद इसे संस्थान कहा जाये) की संस्थापना 15 अक्टूबर, 1970 में, सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 (1860 का अधिनियम XXI) के अन्तर्गत पंजीकृत एक स्वायत्त संगठन के रूप में, पूरे देश में संस्कृत के समग्र विकास तथा प्रोन्नयन हेतु हुई। अपने निर्माण काल से ही यह भारत-सरकार द्वारा पूर्णरूपेण निधि प्रदत्त है। यह संस्कृत के प्रसार तथा विकास हेतु शीर्ष निकाय के रूप में कार्यरत है तथा संस्कृत अध्ययन के विकास हेतु, विभिन्न योजनाओं तथा कार्यक्रमों के निर्माण तथा कार्यान्वयन में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की सहायता करता है। संस्कृत भाषा के प्रतिरक्षण, प्रसार तथा विकास और इसके सभी पक्षों की शिक्षा हेतु, 1956 में भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्थापित संस्कृत आयोग की विभिन्न संस्तुतियों के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु इसने एक केन्द्रीय अभिकरण के रूप में सक्रिय भूमिका निभाई है।

पारम्परिक संस्कृत शिक्षण के संवर्धन और सम्प्रसारण के क्षेत्र में संस्थान का योगदान (जिसमें संस्कृत-शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसन्धान आदि गतिविधियाँ सम्मिलित हैं) इसको देखते हुए भारत सरकार ने इसे 7 मई, 2002 से प्रभावी, समविश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया है, जो अधिसूचना संख्या एफ. 9-28/2000 यू 3 के अन्तर्गत है तथा जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या एफ 6-31/2001 (सी.पी.पी.-1), दिनांक 13 जून 2002 से अनुगत किया गया है। राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद् (नैक) बैंगलूरु द्वारा दिनांक 5.7.2012 के दिन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (समविश्वविद्यालय), नई दिल्ली को 'ए' श्रेणी से सम्मानित किया गया। समविश्वविद्यालयों की पुनरीक्षण योजना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) ने संस्थान के मुख्यालय एवं सभी परिसरों का निरीक्षण किया। संस्थान द्वारा शैक्षणिक स्तर को बनाए रखने की भूमिका को सराहा है और आगे समविश्वविद्यालय की स्थिति की संस्तुति की।

1.2 भूमिका एवं कार्य

संस्था के बहिर्नियम में निर्देशित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्य उद्देश्य संस्कृत शिक्षण और शोध का प्रसारण, विकास व प्रोत्साहन है जिनका पालन करते हुए;

i. उच्च शिक्षा प्रदान करना ताकि विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग की रिपोर्ट (1948) और भारत में उच्चतर शिक्षा के नवीकरण एवं पुनरुद्धार (2009) और समविश्व-विद्यालयों के लिए समीक्षा समिति की रिपोर्ट (2009) के द्वारा विश्वविद्यालय के संदर्भ से पूर्णतया सहमत स्नातकोत्तर और अनुसंधान डिग्री स्तरों पर उचित मानी जाने वाली ज्ञान की ऐसी शाखाओं में उत्कृष्टता और नवाचार का प्रावधान करना।

ii. परम्परागत संस्थाओं द्वारा प्रदान किए जाने वाले कला, विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, डेंटल, फार्मेसी, प्रबंध आदि विषयों में परम्परागत डिग्रियों तक पहुँचने के लिए सामान्य स्वरूप के कार्यक्रमों से अकादमिक विनियोजन को अलग करने वाले - विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली के लक्ष्यों में महत्त्वपूर्ण भागीदारी करने के लिए योग्यता वाले विशिष्ट क्षेत्रों में लगना।

iii. विभिन्न विषयों में पर्याप्त संख्या में पूर्णकालिक संकाय/अनुसंधान शिक्षाविदों (पीएच्.डी. और पोस्ट डॉक्टोरल) द्वारा विभिन्न आन्तरिक अनुसंधान कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च गुणवत्तापरक शिक्षण और अनुसंधान हेतु तथा ज्ञान की प्रगति और उसके वितरण हेतु प्रावधान करना।

iv. अकादमिक समुदाय के विशिष्ट व्यक्तियों के साथ विचार विमर्श की प्रक्रिया से विनिर्दिष्ट हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए अथवा देश की प्रमुख आवश्यकताओं के लिए महत्त्वपूर्ण समझे जाने पर राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार अथवा केन्द्र सरकार द्वारा अध्ययन और अनुसंधान के विशिष्ट क्षेत्रों में प्रायोजित - "नए" वर्ग के अंतर्गत ऐसे विशेष और उभरते क्षेत्रों में जिन्हें परंपरागत अथवा वर्तमान संस्थाओं द्वारा कार्य में नहीं लाया जा रहा है, के अंतर्गत समविश्वविद्यालय

संस्थाओं के सृजन में सहायता करना।

v. संस्कृत अध्ययन की सभी शाखाओं में शोध कार्य करवाना, उस हेतु सहायता-प्रदान करना, प्रोत्साहन और संयोजन करना जिसमें शिक्षक-प्रशिक्षण, पाण्डुलिपि विज्ञान आदि संदर्भगत सम्बद्ध क्षेत्रों में उन आधुनिकतम शोधकार्यों के परिणामों को अन्तः सम्बन्धित करने के साथ पुस्तकों का प्रकाशन भी सम्मिलित होगा।

vi. संस्कृत के विकास के लिए भारत सरकार के केन्द्रक अभिकरण के रूप में कार्य कर सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और विभिन्न योजनाओं को लागू करना।

vii. ज्ञान की उन शाखाओं में अनुदेश और प्रशिक्षण का प्रबन्ध करना, जिन्हें संस्थान उचित मानता हो।

viii. विद्या के प्रचार, प्रसार और अभिवृद्धि के लिए शोध का प्रावधान करना।

ix. समाज के विकास में योगदान करने के लिए बहिर्विश्व-विद्यालयी अध्ययन, विस्तार कार्यक्रम एवं विभिन्न क्षेत्रीय गतिविधियों को आयोजित करना।

x. संस्थान के उद्देश्यों की पूर्ति और विकास के लिए आवश्यक या अपेक्षित विभिन्न प्रकार के ऐसे अन्य सभी कार्यक्रमों को आयोजित करना।

1.3 कार्यक्रम एवं क्रियाकलाप

संस्थान अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निम्नलिखित प्रमुख कार्यक्रमों और क्रियाकलापों में कार्यरत है:

- विभिन्न राज्यों में परिसरों की स्थापना।
- माध्यमिक, पूर्वस्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर स्तरों पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षण तथा डाक्टरेट की उपाधि के स्तर पर शोध का संचालन करना।
- स्नातक स्तर पर शिक्षक- प्रशिक्षण शिक्षा शास्त्री (बी. एड.) का संचालन करना।
- संस्कृत के विभिन्न क्षेत्रों में शोध-कार्य का संचालन व समन्वयन।
- उभयनिष्ठ अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं के प्रायोजन में अन्य संगठनों से सहयोग।
- संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन तथा प्रकाशन।
- स्वीकृत निर्धारित पाठ्यक्रम/शोध को संतोषजनक रूप से पूर्ण करके निर्धारित परीक्षाएँ उत्तीर्ण करने वाले व्यक्तियों को उपाधियाँ प्रदान करना और डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र देना।
- विज़िटरशिप, फेलोशिप, छात्रवृत्तियाँ, वज़ीफे, पुरस्कार तथा पदकों का संस्थापन एवं उन्हें प्रदान करना।
- दूरस्थ शिक्षा-कार्यक्रमों का संचालन।
- संस्कृत के प्रोन्नयन हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की योजनाओं का कार्यान्वयन।

1.4 अध्यापन

संस्थान के अपने बारह परिसरों में, संस्थान द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम के आधार पर प्राक्शास्त्री से आचार्य स्तर तक शिक्षण का संचालन किया जाता है तथा संस्थान से सम्बद्ध संस्थाओं में प्रथमा से आचार्य तक शिक्षण का प्रबन्ध किया जाता है।

स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा संचालित और संस्थान से सम्बद्ध संस्कृत संस्थाएँ भी उसी पाठ्यक्रम के साथ शिक्षण प्रदान करती हैं।

1.5 शिक्षक-प्रशिक्षण

परिसरों में शिक्षण अभ्यास पर बल देते हुए एक शैक्षिक वर्ष हेतु शिक्षक-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है, जिसमें बी.एड के समकक्ष शिक्षा-शास्त्री की उपाधि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, एम. एड. के समकक्ष शिक्षा-आचार्य उपाधि पाठ्यक्रम का संचालन पुरी, जयपुर, जम्मू तथा भोपाल परिसरों में किया जाता है।

1.6 शोध

संस्थान के सभी परिसरों में शोध हेतु छात्रों का पंजीकरण होता है और इसके सफल समापन पर उन्हें पीएच्.डी. के समकक्ष विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की जाती है।

यद्यपि संस्कृत की चयनित शाखाओं में गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद विशेष रूप से अनुसन्धान गतिविधियों को समर्पित हैं। परिसर का पुस्तकालय देश के सबसे उच्च पुस्तकालयों में से एक है। पुस्तकालय में 57,957 से अधिक दुर्लभ पाण्डुलिपियों का संग्रह है। यह भी पुस्तकालय में सरंक्षित है।

1.7 प्रकाशन

शोध पत्रिकाएँ एवं पुस्तकें

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान '**संस्कृत विमर्श:**' और '**गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद शोध पत्रिका**' नामक दो शोध पत्रिकाएँ प्रकाशित करता है। जबकि पहली पत्रिका संस्थान के मुख्यालय द्वारा प्रकाशित होती है, दूसरी गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित की जाती है। इनके अतिरिक्त, परिसरों से वार्षिक साहित्यिक पत्रिकाएं भी प्रकाशित की जाती हैं। भोपाल एवं जयपुर परिसर ने अपनी वार्षिक पत्रिका का उन्नयन कर शोध-पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया है।

संस्थान एवं परिसरों द्वारा विद्वत्तापूर्ण प्रकाशनों, मूल पाठों एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों का प्रकाशन किया गया है। प्रकाशन एवं पुनर्मुद्रण योजना के अन्तर्गत अब तक कुल 588 दुर्लभ एवं अनुपलब्ध पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है।

'संस्कृत वार्ता' एक तिमाही समाचार बुलेटिन का भी नियमित रूप से प्रकाशन किया जाता है।

2. प्राधिकरण एवं संरचना

2.1 मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत-सरकार, संस्थान के कुलाधिपति होते हैं। प्रतिवेदन-वर्ष के दौरान 27 मई, 2014 से **माननीया श्रीमती स्मृति ज़ुबिन इरानी, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत-सरकार,** संस्थान के कुलाधिपति हैं। कुलपति संस्थान के प्रधान शैक्षिक एवं प्रशासनिक अधिकारी हैं। वे संस्थान के सभी प्राधिकरण समितियों के अध्यक्ष भी हैं। वे संस्थान के मामलों पर सामान्य पर्यवेक्षण तथा नियन्त्रण रखते हैं, नीतियों और कार्यक्रमों का निष्पादन करते हैं तथा संस्थान के सभी प्राधिकरणों के निर्णयों को लागू करते हैं। इस वर्ष के दौरान अधोनिर्दिष्ट व्यक्ति कुलपति प्रभारी कुलपति के रूप में आसीन रहे। 1. डॉ. एन्.आर. कण्णन् (प्र.कुलपति) 01.04.2014 से 06.07.2014 तक। 2. श्री आर.पी. सिसोदिया, संयुक्त सचिव (भाषाएँ) (प्र.कुलपति) 07.07.2014 से 12.10.2014 तक। 3. श्री शशि प्रकाश गोयल, संयुक्त सचिव (भाषाएँ) (प्र. कुलपति) दिनांक 13.10.2014 से 13.11.2014 तक। 4. डॉ. सुखबीर सिंह सन्धू, संयुक्त सचिव (केन्द्रीय विश्वविद्यालय एवं भाषाएँ), (प्र.कुलपति) दिनांक 14.11.2014 से 31.03. 2013 तक। कुलाध्यक्ष के अतिरिक्त संस्थान के निम्नलिखित स्वीकृत प्राधिकरण हैं:

1. **प्रबन्ध मण्डल**–संस्थान में प्रबन्धन का प्रमुख अंग है। यह नीति-निर्णयों के निर्धारण तथा निर्णयों के कार्यान्वयन प्रतिपादन हेतु अधिकार-सम्पन्न है।
2. **विद्वत् परिषद्**-शिक्षा, शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा और शोध कार्यक्रमों के मानदण्डों के अनुरक्षण हेतु उत्तरदायी प्रधान शैक्षिक निकाय है।
3. **वित्त समिति**-प्रबन्ध मण्डल के समक्ष वार्षिक लेखा व वित्तीय प्राक्कलन रखने, कुल व्यय की सीमाएँ निर्धारित करने और हर प्रकार के पदों के सृजन की संस्तुति हेतु उत्तरदायी प्रमुख वित्त निकाय है।
4. **योजना तथा पर्यवेक्षण मण्डल**-विकास कार्यक्रमों के परिवीक्षण हेतु उत्तरदायी प्रमुख योजना निकाय है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, संस्थान में अन्य निकाय भी संघटित हैं, जो अपने-अपने कार्य के स्वरूप के आधार पर संस्तुतियाँ तैयार करते हैं, यथा–सहायता अनुदान समिति, प्रकाशन समिति, छात्रवृत्ति चयन समिति, शोध मण्डल तथा परीक्षा मण्डल।

वर्ष 2014-2015 में संस्थान के प्राधिकरणों/निकायों द्वारा आयोजित बैठकों की संख्या दर्शाने वाली तालिका नीचे दी जा रही है:

मण्डल/परिषद्/समिति	बैठक तिथियाँ
प्रबन्ध मण्डल	
40वीं बैठक	25.07.2014
41वीं बैठक	12.01.2015
विद्वत्परिषद्	04.06.2014
अध्ययन मण्डल (बोर्ड ऑफ स्टडीज)	25.03.2015
वित्त समिति	
26वीं बैठक	26.06.2014
27वीं बैठक	12.01.2015
योजना तथा पर्यवेक्षण मण्डल	--

प्रबन्ध मण्डल, विद्वत्परिषद तथा वित्त समिति का संघटन क्रमश: **संलग्नक 'क', 'ख' एवं 'ग'** में दिया गया है।

2.2 राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का मुख्यालय एवं परिसर

2.2.1 मुख्यालय

संस्थान की गतिविधियाँ इसके मुख्यालयाधीन विभिन्न विभागों, अनुभागों व इकाइयों द्वारा सञ्चालित हैं जो कि अधोनिर्दिष्ट है:

1. सामान्य, वैयक्तिक, परिसरीय, शैक्षिक एवं प्रशासनिक अनुभागों का प्रशासन
2. वित्त अनुभाग
3. शोध एवं प्रकाशन अनुभाग
4. परीक्षा अनुभाग
5. शैक्षणिक अनुभाग
6. पुस्तकालय
7. विक्रय ईकाई
8. योजना अनुभाग
9. छात्रवृत्ति अनुभाग
10. आदर्श महाविद्यालय/शोध संस्थान
11. परियोजना विभाग
12. पालि एवं प्राकृत विभाग
13. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण
14. पत्राचार पाठ्यक्रम
15. मुक्तस्वाध्यायपीठम्

2.2.2 परिसर :

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (सम विश्वविद्यालय) द्वारा देश के विभिन्न भागों में निम्नलिखित परिसरों का संचालन किया जा रहा है :

क्रम सं.	परिसरों के नाम	स्थान
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर	इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश
2.	श्री सदाशिव परिसर	पुरी, ओडिशा
3.	श्री रणवीर परिसर	जम्मू, जम्मू और कश्मीर
4.	गुरुवायूर परिसर	त्रिचूर, केरल
5.	जयपुर परिसर	जयपुर, राजस्थान
6.	लखनऊ परिसर	लखनऊ, उत्तरप्रदेश
7.	श्री राजीव गांधी परिसर	शृंगेरी, कर्णाटक
8.	वेद व्यास परिसर	बलाहर, हिमाचलप्रदेश
9.	भोपाल परिसर	भोपाल, मध्यप्रदेश
10.	के.जे. सौमैया सं. वि. परिसर	मुम्बई, महाराष्ट्र
11.	दिल्ली परिसर (मुख्यालय)	जनकपुरी, नई दिल्ली
12.	एकलव्य परिसर	अगरतला, त्रिपुरा

दिल्ली परिसर से पत्राचार पाठ्यक्रम और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। दिल्ली परिसर के पास पुस्तकालय, प्रकाशन विभाग, शोध केन्द्र एवं प्रदर्शनी कक्ष उपलब्ध है। शेष सभी परिसरों में सभी उपस्करों सहित पुस्तकालय, प्रयोगशाला, छात्रकक्ष, स्टाफ क्वार्टर तथा छात्रावास उपलब्ध हैं। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान अधोनिर्दिष्ट नियमित पाठ्यक्रमों (कार्यक्रमों) अपने परिसरों के माध्यम से सञ्चालित करता है।

परिसरों में पढ़ाए जाने वाले नियमित पाठ्यक्रमों का विस्तृत विवरण प्रत्येक परिसर की गतिविधियों में जोड़ा गया है।

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	के समकक्ष
1.	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री	सीनियर सेकेण्डरी
2.	शास्त्री	बी.ए.
3.	आचार्य	एम.ए.
4.	शिक्षाशास्त्री	बी.एड्.
5.	शिक्षा आचार्य	एम.एड्.
6.	विद्यावारिधि	पीएच्.डी.

दूरस्थशिक्षा के पाठ्यक्रम/कार्यक्रम

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य (व्याकरण, ज्योतिष और साहित्य में) तथा अन्य प्रमाणपत्रीय/परिचय पाठ्यक्रमों का सञ्चालन अपने मुक्तस्वाध्यायपीठम् (दूरस्थ शिक्षा संस्थान) के द्वारा करता है, जो कि दिल्ली स्थित मुख्यालय और देश के विभिन्न स्थानों में संस्थापित परिसरों के स्वाध्याय केन्द्रों में क्रियान्वित किये जाते हैं। (विस्तृत विवरण के लिए प्रतिवेदन के 4.1. 16 अनुभाग को देखें)

3. छात्रों/शिक्षार्थियों के आंकड़े

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के विविध कार्यक्रमों मे अध्येताओं की कुल संख्या **20602** है। जिसका पाठ्यक्रम/प्रणालीवार विवरण अधोलिखित है।

3.1. परिसरों में नियमित अध्येताओं की संख्या

		कक्षा									
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री	आचार्य		शिक्षा आचार्य	विद्या-वारिधि
क्रम.सं.	परिसर	I	II	I	II	III	-	I	II	-	-
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद	–	–	–	–	–	–	–	–	–	46
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	119	111	117	118	91	128	288	239	32	53
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	45	29	43	39	29	127	28	18	22	12
4.	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर	44	23	58	28	48	127	34	14	–	04
5.	जयपुर परिसर, जयपुर	48	43	153	136	161	126	183	98	29	82
6.	लखनऊ परिसर, लखनऊ	14	18	62	52	41	129	52	44	–	55
7.	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	29	29	52	65	57	128	50	35	–	17
8.	वेदव्यास परिसर, बलहार	29	39	143	124	58	131	67	67	–	35
9.	भोपाल परिसर, भोपाल	28	34	79	60	39	127	46	31	34	54
10.	के.जे.सौमैया सं. वि. परिसर, मुम्बई	07	04	07	07	05	95	19	07	–	22
11.	दिल्ली परिसर, नई दिल्ली	–	–	–	–	–	–	–	–	–	40
12.	एकलव्य परिसर, त्रिपुरा	10	03	06	04	–	32	12	08	–	03
	योग	**373**	**333**	**720**	**633**	**529**	**1150**	**779**	**561**	**117**	**423**
								कुल योग - 5618			

3.2 सम्बद्धताप्राप्त संस्थाओं में नियमित रूप में कक्षावार छात्रों की संख्या

क्र.सं.	संस्था का नाम	कोड सं.	पी.-III	पू.म.-I	पू.म.-II	उ.म.-I	उ.म.-II	प्राश-I	प्राश-II	शा-I	शा-II	शा-III	आ-I	आ-II	योग
	बिहार														
1	जे.एन.बी. + 2 विद्यालय	**6**	10	43	41	26	15	–	–	–	–	–	–	–	**135**
2	देवरहा बाबा भक्तशिव	**7**	–	14	16	–	–	12	09	–	–	–	–	–	**51**
3	डॉ. रामजी मेहता आदर्श	**8**	–	03	–	–	–	38	19	20	10	14	21	10	**135**
4	राजकुमारी गणेश शर्मा	**10**	–	–	–	–	–	30	25	14	22	32	19	36	**178**
5	सरस्वती आदर्श संस्कृत म.वि.	**12**	–	07	07	03	05	17	07	08	07	07	10	13	**91**
6	रामसुन्दर संस्कृत वि.वि.	**13**	03	57	49	18	14	23	17	28	33	18	26	21	**307**
7	डा. मण्डन मिश्र संस्कृत म.वि.	**14**	–	45	35	–	–	30	28	14	21	22	–	–	**195**
8	अजीत कुमार संस्कृत शिक्षण	**15**	02	13	–	06	02	–	–	08	–	–	–	–	**31**
9	लक्ष्मी हरिकान्त प्राथमिक	**16**	02	62	92	21	19	–	–	–	–	–	–	–	**196**
10	दीनानाथ मिथिला संस्कृत	**18**	57	49	20	17	–	–	–	–	–	–	–	–	**143**
11	जे.एन.बी. आदर्श संस्कृत म.वि.	**19**	–	–	–	–	–	14	34	24	37	22	23	17	**171**
	दिल्ली														
12	श्री मोतीनाथ संस्कृत म.वि.	**26**	14	16	15	14	14	–	12	25	14	26	31	17	**208**
13	ब्रह्मऋषि राम पी.	**27**	04	07	04	04	04	–	–	–	–	–	–	–	**23**
14	श्री राम ज्यौतिष कर्मकाण्ड	**28**	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	10	01	**11**
15	वसन्तग्राम आदर्श संस्कृत	**29**	15	18	11	09	07	01	–	–	–	–	–	–	**61**
16	रामदल संस्कृत म.वि.	**31**	08	04	01	14	09	–	–	11	04	07	–	–	**58**
17	शारदादेवी संस्कृत विद्यापीठ	**32**	25	34	30	34	37	–	–	16	17	16	–	–	**209**
18	सामन्त भद्रा संस्कृत म.वि.	**33**	–	–	–	–	–	13	18	14	06	09	11	10	**81**
19	श्री महावीर विश्व विद्यापीठ	**34**	09	18	07	–	–	18	06	32	23	18	20	17	**168**
20	श्री हनुमान संस्कृत म.वि.	**35**	25	25	19	16	11	05	02	10	06	05	–	–	**124**
21	आर्य कन्या गुरुकुल	**36**	05	10	04	06	05	–	–	–	–	–	–	–	**30**
22	श्री रामऋषि संस्कृत म.वि.	**37**	–	16	10	12	11	03	04	19	13	05	–	–	**93**
23	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ	**38**	07	02	–	–	–	15	09	07	14	09	–	–	**79**
24	बाल विद्या मन्दिर	**39**	24	11	12	–	–	04	05	–	–	–	–	–	**56**
	गुजरात														
25	श्री रघुवर रामानन्द	**47**	–	04	06	04	10	–	–	12	05	03	08	05	**57**
	हरियाणा														
26	आलोक संस्कृत महाविद्यालय	**52**	–	–	–	–	–	13	–	31	34	24	–	–	**102**
27	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ	**53**	–	–	–	–	–	–	–	20	17	17	24	20	**98**
28	श्री रामानन्द ब्रह्मऋषि संस्कृत	**55**	–	10	12	08	08	–	03	09	03	08	–	–	**61**
29	श्री लज्जाराम संस्कृत म.वि.	**56**	09	07	21	06	–	11	25	27	46	36	22	14	**224**
	जम्मू														
30	श्री गुरु गंगादेवजी संस्कृत	**62**	15	21	28	20	23	04	–	11	14	07	01	03	**147**
	झारखण्ड														
31	लक्ष्मीदेवी सर्राफ आदर्श संस्कृत	**09**	–	–	–	–	–	16	14	08	05	04	18	22	**87**

	केरल														
32	भारतीय संस्कृत म.वि.	**66**	–	–	–	–	–	07	08	06	08	11	04	04	**48**
33	श्री रामकृष्ण आदर्श संस्कृत म.वि.	**67**	–	–	–	–	–	35	17	09	10	07	03	03	**84**
34	श्री शंकर संस्कृत वी. इड्डाकडोम	**68**	–	–	02	–	–	27	09	06	07	01	–	–	**52**
35	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ	**70**	–	–	–	–	–	48	36	57	20	19	09	09	**198**
36	कोडंगलूर विद्वत्पीठम्	**71**	–	–	–	–	–	18	05	09	02	07	05	04	**50**
37	श्री शंकर संस्कृत वि. हीरा एच.	**73**	–	–	–	–	–	13	06	–	–	–	–	–	**19**
38	माहेश्वरी संस्कृत कालेज	**75**	–	–	–	–	–	16	10	–	–	–	–	–	**26**
	महाराष्ट्र														
39	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत म.वि.	**81**	–	–	–	–	–	08	06	09	05	11	14	18	**71**
40	श्री अम्बाजी संस्कृत म.वि.	**82**	–	–	–	–	–	–	03	–	–	–	–	–	**03**
	मणिपुर														
41	मणिपुर संस्कृत म.वि.	**86**	–	20	12	04	03	35	28	19	15	23	21	19	**199**
42	राधा माधव संस्कृत म.वि.	**87**	10	93	89	41	21	52	50	31	39	49	15	17	**507**
	पंजाब														
43	श्री बाबा हरदीत गिरीजी	**96**	–	–	–	–	–	14	11	17	11	07	05	11	**76**
44	श्री सरस्वती संस्कृत कालेज	**97**	–	–	–	–	–	14	16	13	15	22	–	–	**80**
	राजस्थान														
45	नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ	**102**	–	18	10	–	–	–	–	–	–	–	–	–	**28**
46	श्रीमती लाडदेवीशर्मा	–	–	–	–	–	–	11	25	–	–	–	–	–	**36**
	उत्तर प्रदेश														
47	रानी पद्मावती टी.टी. उचा.म.	**113**	01	24	26	–	–	–	–	–	–	–	–	–	**51**
48	श्री बटुकनाथ संस्कृत म.वि.	**114**	02	14	16	13	14	12	10	74	56	49	25	20	**305**
49	गिन्नीदेवी मोदी संस्कृत विद्यापीठ	**115**	04	06	06	06	04	–	–	02	–	06	–	–	**34**
50	श्री टिबरीनाथ सांगवेद संस्कृतम.वि.	**118**	22	34	33	28	17	–	–	04	01	–	–	–	**139**
51	गांधी संस्कृत म.वि.	**119**	–	–	–	–	–	08	07	70	36	69	58	26	**274**
52	अनन्तदेवी संस्कृत म.वि.	**120**	–	–	–	–	–	06	13	112	70	109	123	54	**487**
53	रानी पद्मावती टी.टी. आदर्श	**123**	–	–	–	–	–	36	30	31	28	52	25	29	**231**
	उत्तरांचल														
54	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ	**112**	01	05	03	04	08	–	–	08	05	02	–	–	**36**
55	ज्वाल्पादेवी आदर्श संस्कृत म.वि.	**122**	–	–	–	–	–	–	–	–	04	04	–	–	**08**
	पश्चिम बंगाल														
56	श्री सीताराम वैदिक आ.सं.म.वि.	**127**	–	–	–	–	–	03	02	19	28	19	304	261	**636**
57	ठाकुर गदाधर संस्कृत वि.पी.	**128**	06	61	29	–	–	45	56	–	–	–	–	–	**197**
58	कालियाचक विक्रमकिशोर आदर्श	**129**	–	–	–	–	–	05	01	70	35	52	150	108	**421**
59	मदर उषा एम.ओरियण्टल	**130**	03	42	49	–	–	48	59	–	–	–	–	–	**201**
60	भारती चतुष्पति संस्कृत म.वि.	**131**	–	–	–	–	–	18	10	207	135	78	102	96	**646**
61	रामकृष्ण मठ	**132**	–	09	11	06	07	–	–	–	–	–	–	–	**33**
62	हरेश्वर संस्कृत म.वि. लिंगसे	**106**	10	16	09	–	–	07	11	03	07	04	–	–	**67**
63	पगलानन्द संस्कृत म.वि.	**126**	17	44	04	–	–	111	–	–	–	–	–	–	**176**
	योग		**303**	**898**	**744**	**334**	**269**	**853**	**641**	**1141**	**893**	**908**	**1107**	**885**	**8976**

3.3 दूरस्थ शिक्षण कार्यक्रमों की छात्र संख्या (सत्र 2014-15) :

पाठ्यक्रम	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष
प्राक्शास्त्री सेतु	14	.	.
प्राक्शास्त्री	49	22	.
शास्त्री सेतु	118	.	.
शास्त्री	61	58	16
आचार्य सेतु	67	.	.
आचार्य	449	273	.
प्रारम्भिक-पालि-ज्ञान पाठ्यक्रम	.	.	.
प्रारम्भिक-प्राकृत-ज्ञान पाठ्यक्रम	04	.	.
पालि-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम	18	.	.
प्राकृत-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम	04	.	.
संस्कृत-पत्रकारिता-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम	14	.	.
कुल	798	353	16
कुल योग	1167		

3.4 अनौपचारिक संस्कृतशिक्षण केन्द्रों से लाभान्वित अध्येताओं की संख्या :

क्रम सं	राज्य	केन्द्र	छात्र संख्या (द्वितीय चक्र)
1.	पूर्वोत्तर राज्य	69	1951
2.	पश्चिम बंगाल	01 (अनुदान रहित)	
3.	कर्णाटक	01 (अनुदान रहित)	
4.	महाराष्ट्र	01 (अनुदान रहित)	
	कुल	69+3=72	1951

3.5 पत्राचार पाठ्यक्रम के लिए नामांकित छात्रों की संख्या :

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	छात्रों की संख्या
1.	हिन्दी माध्यम (प्रथम वर्ष)	1107
2.	हिन्दी माध्यम (द्वितीय वर्ष)	0095
3.	अंग्रेजी माध्यम (प्रथम वर्ष)	1658
4.	अंग्रेजी माध्यम (द्वितीय वर्ष)	0026
5.	विदेशी छात्रों की संख्या	0004
	कुल	**2890**

विभिन्न कक्षाओं में प्रविष्ट छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की संख्या निम्नलिखित हैं–

कक्षा	योग	पुरुष	स्त्री	अनु. जाति	अनु. जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग
प्राक् शास्त्री-I	373	209	164	28	21	70
प्राक् शास्त्री-II	333	208	125	18	14	68
शास्त्री-I	720	445	275	64	26	165
शास्त्री-II	633	367	266	63	18	134
शास्त्री-III	529	334	195	45	19	124
शिक्षा-शास्त्री	1150	646	504	115	42	210
आचार्य-I	779	377	402	57	21	197
आचार्य-II	561	245	316	40	20	175
शिक्षा-आचार्य	117	87	30	19	0	17
विद्यावारिधि	423	304	119	25	8	74
कुल योग	**5618**	**3222**	**2396**	**474**	**189**	**1234**

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप

4.1.1 प्रशासन

संस्थान की प्रशासनिक सेवाएँ अधोलिखित अनुभागों/उपविभागों के द्वारा सम्पादित की जाती हैं जो उन नामित अनुभाग के अधिकारियों द्वारा संचालित हैं।

(क) सामान्य प्रशासन/स्थापना

(ख) वैयक्तिक प्रशासन

(ग) परिसरीय प्रशासन

भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश) एवं श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा) में द्वितीय चरण के अन्तर्गत तथा एकलव्य परिसर, अगरतला, (पश्चिम त्रिपुरा) में चारदीवारी का निर्माणकार्य प्रगति पर है। श्रृंगेरी परिसर के महिला छात्रावास प्रथम एवं द्वितीय तलों के निर्माण हेतु रु० 6,24,57,000/- तथा प्रशासनिक सह कक्षा भवन के संक्षिप्त भाग के निर्माण हेतु रु० 1,80,51,000/- की धनराशि जारी की गई है।

सूचना के अधिकार के अधीन मुख्यालय कार्यालय में कुल 126 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये। जिसमें से 102 के उत्तर दिये जा चुके है। 24 प्रार्थना पत्र सम्बन्धित परिसरों को स्थानान्तरित किये गये हैं।

4.1.2 वित्त एवं लेखा

वर्ष के दौरान इस अनुभाग के द्वारा प्रतिवेदित महत्त्वपूर्ण गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं–

बजट (2014-2015) :

वर्ष 2013-14 की रु. 4778.46 लाख रूपये (रु. 3418.33 लाख योजनागत जिसमें रु. 1360.13 लाख योजनेतर हेतु) की अप्रयुक्त शेष धनराशि को वित्तीय वर्ष 2014-2015 में समाविष्ट किया गया। मन्त्रालय के द्वारा (गत वर्ष के अव्ययित शेष सहित) 17358.46 लाख रुपये का कुल बजट स्वीकृत किया गया। इस राशि को संस्थान के अधीन इकाईयों को निम्नलिखित रूप से आबंटित किया गया:–

(रु. की संख्या लाखों में)

क्रमांक	एकक का नाम	योजना	योजनेतर	योग
1.	मुख्यालय	6923.01	3947.80	10870.81
2.	पुरी परिसर	4.40	767.17	771.57
3.	जम्मू परिसर	2.51	505.84	508.35
4.	इलाहाबाद परिसर	7.98	403.13	411.11
5.	गुरुवायूर परिसर	15.10	625.76	640.86
6.	जयपुर परिसर	21.52	788.01	809.53
7.	लखनऊ परिसर	23.00	627.42	650.42
8.	श्रृंगेरी परिसर	1257.32	0.00	1257.32
9.	गरली परिसर	368.99	0.00	368.99
10.	भोपाल परिसर	512.61	0.00	512.61

11.	मुम्बई परिसर	246.23	0.00	246.23
12.	एकलव्य परिसर	310.66	0.00	310.66
	कुल योग	**9693.33**	**7665.13**	**17358.46**

वर्ष के दौरान यह धन वेतन और भत्ते, छात्रवृत्तियाँ, प्रख्यात संस्कृत विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान एवं संस्कृत शिक्षण के विकास के अन्तर्गत अन्य विभिन्न योजनाओं तथा व्यय के अन्य रख-रखाव सम्बन्धी मदों पर उपयोग में लाया गया।

लेखा

यह अनुभाग संस्थान के विविध एककों से प्राप्त लेखों के समेकन और लेखा-परीक्षा हेतु महानिदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय व्यय को प्रस्तुत करने के लिए उत्तरदायी है। वर्ष 2014-15 हेतु परीक्षित वार्षिक लेखा तथा लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन **संलग्नक-'ड'** एवं **'ढ'** में रखे गए हैं।

भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण

यह अनुभाग मुख्यालय के अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के वेतन व भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण करता है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अविलम्ब प्रत्येक सदस्य को वार्षिक भविष्य निधि खाते का विवरण प्रदान किया जाता है।

लेखा-परीक्षा आपत्तियों का निराकरण

वर्ष में लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाने के लिए संगठित प्रयास किए गए। इसके लिए सभी परिसरों को ये निर्देश दिए गए कि वे आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करें। इसके अनुपालन के उत्तर लेखा-परीक्षा अधिकारियों को भेजे गए। इस प्रकार इस वर्ष में बहु-संख्यक लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाया गया।

4.1.3 शैक्षणिक अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व हैं :-

- संस्थान के शैक्षिक क्रियाकलापों को सुव्यवस्थित करना।
- प्रथमा से आचार्य तक के विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम बनाने के लिए अध्ययन मण्डल के द्वारा विभिन्न विषयों की समितियों का गठन करना।
- विद्वत परिषद् की बैठक व अध्ययन मण्डल की बैठक के आयोजन का समन्वय करना और अनुवर्ती कार्रवाई करना।
- यह विभाग शैक्षणिक गुणवत्ता एवं शैक्षिक कार्यक्रमों का कार्यक्रम भी निर्धारित करता है।
- वर्ष के दौरान 4 जून 2014 को विद्वत परिषद् की बैठक आयोजित की गई। विभिन्न विषयों में संस्थान का पाठ्यक्रम संशोधित किया गया है। आयोजित की गई विभिन्न विषयों के अध्ययन मण्डल की बैठकों की अनुशंसाओं के आधार पर विभिन्न कक्षाओं के पाठ्यक्रमों में अपेक्षित संशोधन कर मुद्रण हेतु तैयार किया गया। इसके अतिरिक्त शिक्षा शास्त्री (बी.एड.) और शिक्षा आचार्य (एम.एड.) के पाठ्यक्रमों को भी राष्ट्रिय अध्यापक शिक्षा परिषद् (NCTE) के नये निर्देशों के अनुसार संशोधित किया गया। जिसके तहत इन पाठ्यक्रमों को द्विवार्षिक पाठ्यक्रम और शिक्षा की सत्रार्द्ध (Semester) पद्धति के अनुसार परिवर्तन किया गया। प्रस्तुत वर्ष के अंत तक यह प्रक्रिया अभी जारी है।

संस्थान से सम्बद्ध संस्थाओं की सूची इस रिपोर्ट के संलग्नक **'च'** में दी गई है।

4.1.4 शोध एवं प्रकाशन अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण दायित्व हैं -

1. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के शोध सम्बद्ध क्रियाकलापों का समन्वयन।

2. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के प्रकाशन कार्य का अवलोकन।

उपरोक्त कार्यों के सञ्चालन हेतु केन्द्रीय शोध मण्डल और प्रकाशन समिति के उपवेशनों का आयोजन करना भी इस अनुभाग का दायित्व है।

संस्थान के केन्द्रीय शोध-मंडल की बैठक 16.05.2014, 25-26.11.2014 तथा 31.03.2015 को हुई। विद्यावारिधि शोध उपाधि पाठ्यक्रम हेतु विभिन्न परिसरों में 423 शोध छात्रों के पंजीकरण की स्वीकृति प्रदान की गई। विद्यावारिधि में 15 कनिष्ठ शोध अध्येताओं का पंजीकरण किया गया है।

संस्थान ने अपनी प्रकाशन-समिति के माध्यम से दिनांक 06-05-2014 को महत्त्वपूर्ण शीर्षकों के प्रकाशन हेतु स्वीकृति दी।

संस्थान ने अपनी प्रकाशन योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित ग्रन्थ प्रकाशित किए:-

1. बोधिसत्त्व –डॉ. प्रफुल्ल गडपाल
2. तुलसीसूरकाव्यसंग्रह (तृतीय भाग) (पं. प्रेमनारायण द्विवेदीरचनावलि:) -डॉ. ऋषन् भारद्वाज
3. पिपीलिका विपणीं गच्छति (संस्कृत बालगीत संग्रह) -डॉ. हर्षदेव माधव
4. हरिश्चन्द्रचरितम् –डॉ. राजाराम हजारी पाठक
5. पोन्नियिन् सेल्वन् (नूतन बाढम्) प्रथम भाग –डॉ. राजलक्ष्मी श्रीनिवासन
6. पोन्नियिन् सेल्वन् (झञ्झावात्) द्वितीय भाग –डॉ. राजलक्ष्मी श्रीनिवासन
7. पोन्नियिन् सेल्वन् (हननछुरिका) तृतीय भाग –डॉ. राजलक्ष्मी श्रीनिवासन
8. पोन्नियिन् सेल्वन् (मणिमुकुटम्) चतुर्थ भाग –डॉ. राजलक्ष्मी श्रीनिवासन
9. पोन्नियिन् सेल्वन् (त्यागशिखरम्) पञ्चम भाग –डॉ. राजलक्ष्मी श्रीनिवासन
10. सुगत-शासन-सार –प्रो. संघसेन सिंह

संस्थान ने पुनर्मुद्रण प्रकाशन योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित ग्रन्थों का प्रकाशन किया।

1. मीमांसा श्लोक वार्तिक
2. प्रथमा दीक्षा

इसके अतिरिक्त 'संस्कृत वार्ता' नामक त्रैमासिक वार्तापत्रिका के अंक भी प्रकाशित किये गये।

4.1.5 परीक्षा अनुभाग

परीक्षा अनुभाग का मुख्य दायित्व, विभिन्न परीक्षाओं का आयोजन तथा संस्थान के परीक्षा पत्रों का मूल्यांकन कराना है। संस्थान के द्वारा प्रथमा से आचार्य, शिक्षाशास्त्री, शिक्षा-आचार्य तथा विद्यावारिधि जैसी विभिन्न परीक्षाओं का संचालन किया जाता है। इन परीक्षाओं में अंगीभूत परिसरों तथा सम्बद्ध संस्थाओं के छात्र प्रवेश पाते हैं। ये परीक्षाएँ शैक्षिक परिषद् एवं परीक्षा मंडल द्वारा निर्धारित मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार संचालित की जाती हैं।

वर्ष 2014-2015 में केन्द्रीय रूप से आयोजित, विभिन्न परीक्षाओं एवं उनमें उत्तीर्ण होने वाले छात्रों का कक्षावार विवरण निम्नलिखित है:-

कक्षा	छात्र संख्या	सम्मिलित छात्र	उत्तीर्ण छात्र	EP/Com.	FL	उत्तीर्ण%
पूर्वमध्यमा-I	941	Home Exam	–	–	–	–
पूर्वमध्यमा-II	834	783	660+4 RL	101	18	84.80
उत्तरमध्यमा-I	401	Home Exam	Home Exam	—	—	—
उत्तरमध्यमा-II	337	314	283	30	01	90.12
प्राक्शास्त्री-I	1082	Home Exam	Home Exam	—	—	—
प्राक्शास्त्री-II	966	904	729+54 RL	108	13	86.61
शास्त्री-I	865	794-30=764	624+14 RL	111	10	84.16
शास्त्री-II	691	655-23=632	527	96	09	83.38
शास्त्री-III	917	889	808	59	8+14=22	90.88
आचार्य-I	460	410-2=408	372	32	04	91.17
आचार्य-II	367	348-3=344	325+1 RL	13	05	94.76
शिक्षा शास्त्री	1246	1231	1219+4 RL	—	08	99.35
शिक्षा आचार्य-I सेमेस्टर	119	119	119	—	—	100
शिक्षा आचार्य-II सेमेस्टर	119	118	118	—	—	100
शास्त्री-I सेमेस्टर	1069	1034	871	150	13	84.23
शास्त्री-II सेमेस्टर	937	915	780	131	04	85.24
शास्त्री-III सेमेस्टर	964	950	878	66	06	92.42
शास्त्री-IV सेमेस्टर	886	874-2=872	833+1 RL	38	—	95.64
शास्त्री-V सेमेस्टर	557	555	542	13	—	97.65
शास्त्री-VI सेमेस्टर	537	536	509	04	01+22+23	94.96
आचार्य-I सेमेस्टर	1358	1277	1164	99	14	91.15
आचार्य-II सेमेस्टर	1224	1186	1103+33 RL	48	02	95.78
आचार्य-III सेमेस्टर	1102	1087	1043	40	04	95.95
आचार्य-IV सेमेस्टर	1063	1053	990+3 RL	23	01+36=37	94.30
योग	**19042**	**15971 Home Exam**	**14616 Home Exam**	**1162**	**193**	**92.02**

परिसरों के छात्रों ने 2014–15 की वार्षिक परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन किया। निम्नांकित ग्राफ परिणाम की प्रतिशतता को प्रति कक्षानुसार/सेमेस्टरनुसार दर्शाता है–

परिसरों में प्रशिक्षित नियमित शिक्षण संकाय है। नियमित शिक्षकवर्ग कमी को पूरा करने के लिए अनुबन्ध आधार पर तथा अंशकालिक अध्यापकों को नियुक्त किया गया है। परिसरों के संकाय सदस्यों का विवरण **संलग्नक-'घ'** में दिया गया है।

इस वर्ष के दौरान 54 छात्रों को विद्यावारिधि की उपाधि से पुरस्कृत किया गया। इन शोध-छात्रों का विवरण **संलग्नक-'ङ'** में दिया गया है।

वार्षिक परीक्षा 2014–2015 में पाठ्यक्रमानुसार सर्वोच्च स्थान पाने वाले छात्रों का विवरण निम्नलिखित है:

क्र.सं.	अनुक्रमांक	छात्र का नाम	कक्षा/विषय	परिसर/संस्थान
1.	141618	मृत्युंजय कुमार पाण्डेय	पूर्व माध्यमा–II	श्री बटुकनाथ सं.म.वि.शंकुधरा, वाराणसी
2.	142112	सोनू कुमार पाठक	उत्तर माध्यमा–II	वसंत ग्राम आदर्श सं.वि. वसंत विहार
3.	142352	महेश्वरी मणि	उत्तर माध्यमा–II	श्री बटुकनाथ सं.म.वि.शंकुधरा, वाराणसी
4.	143135	ऐश्वर्या	प्राक् शास्त्री–II	रा.सं.सं., राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी
5.	11398	वाणी मंजुनाथ हेगड़े	शास्त्री–III (नव्य–न्याय)	रा.सं.सं., राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी
6.	22277	रागिणी शर्मा	आचार्य–II (नव्य–व्याकरण)	रा.सं.सं, भोपाल परिसर, भोपाल
7.	21683	विक्रम	आचार्य–II (प्रा.व्याकरण)	रा.सं.सं., वेद व्यास परिसर, बलाहार
8.	22191	प्राची गोस्वामी	आचार्य–II (साहित्यम्)	मुम्बा देवी आदर्श सं.म.वि., मुम्बई
9.	22595	यश शर्मा	आचार्य–II (सि.ज्योतिषम्)	जयपुर परिसर, जयपुर, राजस्थान
10.	22410	चिन्मयी साहू	आचार्य–II (फ.ज्योतिषम्)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी

11.	22515	तिलोत्तमा नायक	आचार्य-II (सर्व.दर्शनम्)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी
12.	22382	रंजीता कर	आचार्य-II (धर्मशास्त्र)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी
13.	22439	मगधमाला जेना	आचार्य-II (पुराणेतिहास)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी
14.	22330	श्रद्धांजलि दास	आचार्य-II (पुराणेतिहास)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी
15.	21867	ब्रज भूषण आचार्य	आचार्य-II (वेद)	श्री राम सुन्दर सं.वि.वि.पी., दरभंगा
16.	145009	अरिबम गोपेश्वर शर्मा	आचार्य-II (पुरोहित्यम्)	मणिपुर सं.म.वि., इम्फाल, मणिपुर
17.	21655	प्रतीती जैन	आचार्य-II (जैन-दर्शन)	रा.सं.सं., जयपुर परिसर, जयपुर
18.	22884	बेबी मजूमदार	आचार्य-II (बौद्धदर्शनम्)	श्री सीताराम वैदिक आदर्श सं.म.वि.क.
19.	22470	किशोरी प्रधान	आचार्य-II (सांख्ययोग)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी
20.	20939	योगानन्द झा	आचार्य-II (नव्य-न्याय)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी
21.	22156	प्रशान्त रामाचन्द्र गोन्कर	आचार्य-II(मीमांसा)	श्री राजीव गांधी परिसर, शृङ्गेरी
22.	22152	वैभव सवालेराम रक्षे	आचार्य-II(अद्वैत-वेदान्त)	श्री राजीव गांधी परिसर, शृङ्गेरी
23.	16028	शुभलक्ष्मी गजानन यजी	शिक्षा-शास्त्री	जयपुर परिसर, जयपुर, राजस्थान
24.	759	अरुण कुमार दूबे	शिक्षा-आचार्य	भोपाल परिसर, भोपाल, मध्यप्रदेश

4.1.6 पुस्तकालय

ग्यारह परिसरों के समृद्ध पुस्तकालयों के अतिरिक्त संस्थान मुख्यालय में भी शैक्षणिक कार्यकलापों और आगन्तुक विद्वानों की सुविधा हेतु 27,200 से भी अधिक संस्कृत ग्रन्थों से युक्त पुस्तकालय है। संस्थान के अधीन सभी पुस्तकालयों की नेटवर्किंग 2012-2013 में आरम्भ की गई है। 2,20,278 प्रविष्टियाँ की जा चुकी हैं।

संस्थान के पुस्तकालय हेतु इस वर्ष प्राप्त ग्रन्थों पर हुए व्यय का विवरण निम्नलिखित है-

1. ग्रन्थों के क्रयण पर प्रयुक्त राशि	रूपये 1,550.00
2. उपहार स्वरूप में प्राप्त ग्रन्थों का मूल्य	रूपये 17,724.00

4.1.7 विक्रय इकाई

संस्थान के मुख्यालय में विद्यमान विक्रय इकाई राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के प्रकाशनों को सर्वजनसाधारण तक पहुँचाने के लिए निर्गमद्वार के रूप में कार्य करती है। यह इकाई अधोलिखित क्रियाकलापों को सञ्चालित करती है -

- संस्थान के प्रकाशनों के विक्रयण हेतु मुख्यालय के विक्रय-केन्द्र का सञ्चालन
- विभिन्न परिसरों के मान्यताप्राप्त विक्रय-केन्द्रों को विक्रय हेतु पुस्तकों/प्रकाशनों को वितरित करना।
- देश सम्पूर्ण देश में विविध संगठनों द्वारा आयोजित पुस्तक मेलों के दौरान संस्कृत ग्रन्थों के प्रचार एवं विक्रय को बढ़ाने के लिए संस्थान का प्रतिनिधित्व करना।

मुख्यालय में विक्रय इकाई द्वारा प्रकाशनों के विक्रय से प्राप्त राशि का विवरण अधोलिखित हैं -

1. मंत्रालय पुस्तकें (पुनर्मुद्रित)	रूपये	02,34,907.00
2. संस्थान के प्रकाशन	रूपये	11,81,715.00
3. डी.वी.डी./सान्द्रमुद्रिकाएँ	रूपये	01,85,340.00
कुल योग	**रूपये**	**16,01,962.00**

4.1.8 योजना अनुभाग

यह अनुभाग संस्कृत भाषा और साहित्य के संवर्धन तथा प्रचार हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा अन्तरित निम्नलिखित योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु उत्तरदायी है:–

योजना

योजना-I
संस्कृत शिक्षण हेतु वित्तीय सहायता
(क) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/महाविद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों के वेतन हेतु
(ख) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/महाविद्यालयों के आधुनिक विषयों के शिक्षकों के वेतन हेतु
(ग) माध्यमिक/उच्चमाध्यमिक विद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों के वेतन हेतु

योजना-II
असहाय परिस्थितियों में विद्यमान प्रसिद्ध संस्कृत पण्डितों को सम्मान राशि

योजना-III
संस्कृत के प्रोन्नयन सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रमों/गतिविधियों और शोध परियोजनाओं पर स्वैछिक संगठनों/संस्थाओं को वित्तीय सहायता।

योजना-IV
प्रकाशन, दुर्लभ संस्कृत ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण तथा संस्कृत ग्रन्थों का थोक क्रय

योजना-V
असहाय साहित्यिक संस्कृत विद्वानों (शास्त्रचूड़ामणि) को सेवानिवृत्ति के उपभोग हेतु वित्तीय सहायता।

योजना-VI **(व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना)**
पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं, संस्थाओं, पंजीकृत शैक्षिक संगठनों के छात्रों को "प्रायोगिक प्रशिक्षण", व्यावसायिक प्रशिक्षण हेतु वित्तीय सहायता

योजना-VII
संस्कृत शिक्षण के स्तरवर्धन के लिए विश्वविद्यालयों/मानित विश्वविद्यालयों/सी.बी.एस.ई./एन.सी.ई.आर.टी./एस.सी.ई.आर.टी को वित्तीय सहायता।

योजना-VIII
संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों/विद्यालयों के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करना।

योजना-IX
अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

I. संस्कृत शिक्षण के लिए वित्तीय सहायता

(क) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/ महाविद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों के वेतन हेतु वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संगठनों को उनके संस्कृत अध्यापकों को वेतन, छात्रों को छात्रवृत्ति, पुस्तकालय अनुदान और संस्थान-भवन के निर्माण के रूप में वित्तीय सहायता की स्वीकृति दी जाती है।

इस योजना के अन्तर्गत वर्ष में संस्थान द्वारा रुपये 608.06 लाख की राशि व्यय की गई। वर्ष के दौरान 359 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

(ख) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में आधुनिक विषयों के शिक्षकों के वेतन हेतु वित्तीय सहायता

संस्कृत संवर्धन की इस योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में शिक्षकों हेतु आधुनिक विषयों के लिए प्रतिमास रु. 6000/- प्रति विषय के हिसाब से वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। योजनानुसार प्रत्येक संस्था में वित्तीय सहायता को आधुनिक विषयों में तीन शिक्षकों तक सीमित किया गया है।

संस्थान द्वारा वर्ष 2014-15 में इस योजना के अन्तर्गत रु. 91.23 लाख व्यय किए गए। 104 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

(ग) विभिन्न राज्यों के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों के वेतन हेतु वित्तीय सहायता

संस्कृत संवर्धन योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान विभिन्न राज्यों में सरकारी विद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। यह सहायता एक संस्कृत शिक्षक के वेतन हेतु प्रदान की जाती है। वर्ष 2014-15 में कुल 46 सरकारी विद्यालय लाभग्राही थे और इस योजना के अधीन रु. 19.96 लाख की राशि का उपयोग किया गया। देखें **संलग्नक 'झ'**

II. असहाय परिस्थितियों में विद्यमान प्रसिद्ध संस्कृत पण्डितों को सम्मान राशि

इस योजना के अन्तर्गत, 55 वर्ष की आयु-सीमा से अधिक आयु वाले प्रसिद्ध उन योग्य विद्वानों को सम्मानराशि दी जाती है, जिन्होंने संस्कृत को अपना जीवन समर्पित कर दिया है, लेकिन कोई स्थायी आय-स्रोत नहीं है ऐसे सुझाव राज्य सरकारों से सीधे प्राप्त होते हैं अथवा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के माध्यम से पहुँचते हैं। प्रत्येक चयनित विद्वान् को रुपये 24000/- प्रतिवर्ष, अन्य आय की कटौती बिना दिये जाते हैं। इस उद्देश्य हेतु केवल उन्हीं पण्डितों पर विचार किया जाता है जिसकी आय रुपये 24000/- प्रतिवर्ष से कम है।

III. संस्कृत के स्तरोन्नयन के विभिन्न कार्यक्रमों/ गतिविधियों और शोध परियोजनाओं पर स्वैछिक संगठनों, संस्कृत विश्वविद्यालयों/संस्थाओं को वित्तीय सहायता

एवं

VII. संस्कृत शिक्षण के स्तरवर्द्धन के लिए विश्व-विद्यालयों/ समविश्वविद्यालयों/सी.बी.एस.ई./ एन.सी.ई.आर.टी./एस्.सी.ई.आर.टी. इत्यादि को वित्तीय सहायता।

गैर सरकारी संगठन/मानित संस्कृत विश्वविद्यालयों/ विश्व-विद्यालयों/संस्थाओं द्वारा संस्कृत के विकास एवं प्रचार हेतु आरम्भ की गई विविध परियोजनाओं व कार्यक्रमों से सम्बन्धित शत-प्रतिशत व्यय का वहन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा किया जाता है। वर्ष 2014-15 में संस्थान ने विभिन्न परियोजनाओं हेतु रु. 15.69 लाख व्यय किए।

IV. प्रकाशन, दुर्लभ संस्कृत ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण तथा संस्कृत ग्रन्थों का थोक क्रय

वर्ष 2014-2015 में संस्थान की अनुदान समिति की बैठक दिनांक 15.01.2015 को हुई जिसमें विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत कई महत्त्वपूर्ण प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। इन योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु रु. 35,35,964/- लाख जारी किए गए, जिनसे कि योजनाओं पर व्यय पूरा किया जा सके।

संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना के अन्तर्गत संस्थान की वित्तीय सहायता से विभिन्न विद्वानों ने 08 ग्रन्थों का सम्पादन एवं प्रकाशन किया तथा 14 अन्य ग्रन्थों के प्रस्तावों को प्रकाशन अनुदान हेतु स्वीकृति प्रदान की गई जिसका विवरण **संलग्नक 'ञ'** एवं **'ट'** में द्रष्टव्य है। इसके अतिरिक्त 36 संस्कृत पत्रिकाओं को भी वार्षिक प्रकाशन अनुदान प्रदान किया गया।

इस वर्ष का ग्रन्थ क्रय योजना से संबंधित विवरण

निम्नलिखित है–

आवेदकों की संख्या	087
प्रस्तुत किए गए शीर्षकों की संख्या	195
कुल क्रय किए गए शीर्षकों की संख्या	165

V. शास्त्रचूडामणि योजना

इस योजना के अन्तर्गत आदर्श पाठशालाओं और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे संस्कृत महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं स्वैच्छिक संगठनों में सेवानिवृत्त प्रख्यात संस्कृत विद्वानों की सेवाओं का उपयोग किया जाता है।

इस योजना को आरम्भ करने का उद्देश्य यह है कि परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षा प्रदान करने वाले केन्द्रों में विभिन्न शास्त्रीय विषयों के गहन अध्ययन को संरक्षित किया जा सके। योजना के अनुसार परम्परागत-संस्कृत विद्वानों की नियुक्ति विभिन्न संस्थाओं में की जाती है। प्रत्येक विद्वान् को रुपये 6000/- प्रति माह दो वर्ष की अवधि हेतु दिए जाते हैं। अनुदान समिति की संस्तुति पर एक वर्ष हेतु इनकी नियुक्ति का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है।

वर्तमान में नियुक्त विद्वानों के अतिरिक्त 28 अन्य शास्त्रचूडामणि विद्वानों का चयन वर्ष 2014-15 में किया गया। इस योजना के अन्तर्गत रु. 55.26 लाख व्यय किए गए।

VI. व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संस्थाओं को उनके ज्योतिष, कर्म-काण्ड, पुरालिपि-शास्त्र, सूची-निर्माण, पाण्डुलिपि विज्ञान, संस्कृत आशुलिपि और टंकण आदि विद्या विशेषों में कार्यशालाओं के आयोजन तथा प्रायोगिक प्रशिक्षण के संचालन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2014-15 में रु. 1.56 लाख व्यय किए गए।

VIII. छात्रवृत्तियाँ

यह योजना छात्रवृत्ति अनुभाग द्वारा सञ्चालित है, इससे सम्बद्ध विवरण 4.1.2 व 3 में दर्शाया गया है।

IX. अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

'अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा' नाम से 22 विभिन्न शास्त्रीय स्पर्धाओं का आयोजन किया जाता है। 2014-15 के दौरान कार्यक्रम का विवरण वार्षिक प्रतिवेदन के 4.1.10 भाग में दिया गया है।

4.1.9 छात्रवृत्ति अनुभाग

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान तीन प्रकार की छात्रवृत्तियाँ आवंटित करता है -

1. आंतरिक छात्रवृत्ति, जो कि संस्थान के अपने परिसरों में पारम्परिक रूप से संस्कृत का अध्ययन करने वाले नियमित छात्रों को प्रदान की जाती है।

2. प्रतिभाधारित छात्रवृत्ति जो कि नवमी कक्षा से Ph.D. तक के आधुनिक पद्धति से पढ़ने वाले संस्कृत छात्रों को अखिल भारतीय स्तर पर प्रदान की जाती है।

3. प्रतिभाधारित छात्रवृत्ति जो कि पारंपरिक संस्कृत संस्थाओं में पूर्वमध्यमा से विद्यावारिधि तक अथवा तत्समकक्ष कक्षाओं में पढ़ रहे छात्रों को दी जाती है।

पूर्वोक्त 1, 2, 3 प्रकार की छात्रवृत्तियों में प्रकार '1' की छात्रवृत्ति (परिसरीय छात्रों को दी जाने वाली आन्तरिक छात्रवृत्ति) अर्हों को संस्थान के परिसरों के द्वारा साक्षात् दी जाती है। प्रकार '2' और '3' की छात्रवृत्तियाँ भारत सरकार के 'संस्कृत शिक्षा का विकास' योजना के अन्तर्गत प्रदान की जाती है। योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियों का आवंटन संस्थान मुख्यालय के छात्रवृत्ति विभाग द्वारा क्रियान्वित होता है।

आन्तरिक (प्रकार-1) छात्रवृत्तियाँ

प्राक्शास्त्री, शास्त्री, शिक्षा-शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों हेतु परिवर्धित छात्रवृत्ति की दर क्रम से 600/- रुपये, 800/- रुपये, 800/- रुपये तथा 1000/- रुपये प्रतिमास है। विद्यावारिधि उपाधि के प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील शोध में जुटे शोध-छात्रों को 8000/- रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती है, साथ ही दो वर्षों के लिए 3000/- रुपये वार्षिक सांयोगिक धनराशि भी दी जाती है।

निम्नलिखित तालिका वर्ष 2014-15 में छात्रों को दी गई छात्रवृत्तियों का विवरण दर्शाती है :-

		कक्षा									
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री	आचार्य		शिक्षा आचार्य	विद्या-वारिधि
क्रम.सं.	परिसर	I	II	I	II	III	-	I	II		
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद	–	–	–	–	–	–	–	–		15
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	25	25	60	60	60	66	135	135	18	–
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	45	29	43	39	29	127	28	18	22	12
4.	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर	25	21	45	23	37	65	29	14	–	05
5.	जयपुर परिसर, जयपुर	25	25	60	60	60	64	69	57	18	–
6.	लखनऊ परिसर, लखनऊ	09	15	50	41	31	64	30	36	–	15
7.	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	25	25	54	60	57	64	47	35	–	17
8.	वेदव्यास परिसर, बलहार	29	39	143	124	58	66	67	67	–	35
9.	भोपाल परिसर, भोपाल	19	19	39	43	31	64	37	23	18	21
10.	के.जे.सौमैया सं. वि. परिसर, मुम्बई	06	04	07	07	05	50	16	06	–	03
11.	दिल्ली परिसर, नई दिल्ली	–	–	–	–	–	–	–	–	–	14
12.	एकलव्य परिसर, त्रिपुरा	2	3	4	4	–	20	09	08	–	–
	योग	**210**	**205**	**505**	**461**	**368**	**650**	**467**	**399**	**76**	**137**
							कुल योग - 3478				

छात्रवृत्ति प्रदान किये गए छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ावर्ग के छात्रों की कक्षावार संख्या निम्नलिखित है–

कक्षा	योग	पुरुष	स्त्री	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग
प्राक् शास्त्री-I	210	120	90	10	08	37
प्राक् शास्त्री-II	205	132	73	11	08	35
शास्त्री-I	505	275	230	42	18	104
शास्त्री-II	461	252	209	37	13	98
शास्त्री-III	368	189	179	31	12	85
शिक्षा शास्त्री	650	354	296	44	16	98
आचार्य-I	467	239	228	25	12	105
आचार्य-II	399	188	211	20	10	94
शिक्षा आचार्य	76	54	22	08	-	09
विद्यावारिधि	137	90	47	13	-	35
कुल योग	**3478**	**1893**	**1585**	**241**	**97**	**700**

योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियाँ

(प्रकार 2 व 3) पाठ्यक्रम/स्तर	**राशि**
* 9वीं एवं 10वी तथा समकक्ष	रु. 250/- प्रतिमाह
* 11वीं एवं 12वी तथा समकक्ष	रु. 300/- प्रतिमाह
* बी.ए./बी.ए. (आनर्स) तथा समकक्ष	रु. 400/- प्रतिमाह
* एम.ए. (संस्कृत)/पालि/प्राकृत तथा समकक्ष	रु. 500/- प्रतिमाह
पी.एच.डी. तथा संस्कृत/पालि/ प्राकृत समकक्ष	रु. 1500/- प्रतिमाह रु. 2000/-प्रतिवर्ष सांयोगिक अनुदान।

योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियों की संख्या :

योजना के अन्तर्गत प्रतिवर्ष प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्तियों की संख्या का निश्चय भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई धनराशि के आधार पर अधिकाधिक प्रतिशतता वाले छात्रों की कट-ऑफ लिस्ट के अनुसार किया जाता है। इस संदर्भ में भारत सरकार की आरक्षण नीति का भी पालन किया जाता है।

वर्ष-2014-2015 के लिए छात्रवृत्ति हेतु 51418 आवेदन पत्र इस योजना के अन्तर्गत संस्थान को प्राप्त हुए है जिनमें से 11103 आवेदनों को निर्धारित मानदण्ड के अनुसार आधुनिक तथा परम्परागत धारा के संस्थाओं/ महाविद्यालय/ विद्यालयों में नवमी कक्षा से पी.एच.डी. तक के छात्रों को छात्रवृत्ति के लिए चुना गया। प्रदत्त छात्रवृत्ति का विवरण निम्न प्रकार से है :

आधुनिक वर्ग

कक्षा	कुल छात्र संख्या					छात्र संख्या+ छात्रवृत्ति दर	कुल राशि
	सामान्य	अनु.जाति	अनु.जन.जाति	पिछड़ा वर्ग	विकलांग		
9वीं	1064	51	17	218	02	1352x2500	रु.33,80,000
10वीं	1113	51	24	277	03	1468x2500	रु.36,70,000
11वीं	919	72	21	638	02	1652x3000	रु.49,56,000
12वीं	1655	151	64	1345	04	3219x3000	रु.96,57,000
बी.ए.-प्रथम	284	40	08	238	02	572x4000	रु.22,88,000
बी.ए.-द्वितीय	158	26	02	80	01	267x4000	रु.10,68,000
बी.ए.-तृतीय	103	15	03	37	00	158x4000	रु.06,32,000
एम.ए.-प्रथम	117	09	04	44	00	174x5000	रु.08,70,000
एम.ए.-द्वितीय	25	03	04	34	00	66x5000	रु.03,30,000
पी.एच.डी.	17	02	00	05	00	24x20000	रु.04,80,000
पूर्व वर्ष उपाधिप्राप्त (पी.एच.डी.)	--	--	--	--	--	66x20000	रु.13,20,000
कुल	**5455**	**420**	**147**	**2916**	**14**	**8952+66=9018**	**2,86,51,000**

परम्परागत वर्ग

कक्षा	कुल छात्र संख्या					छात्र संख्या+ छात्रवृत्ति दर	कुल राशि
	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन. जाति	पिछड़ा वर्ग	विकलांग		
पूर्व मध्यमा-प्रथम/9वीं	317	38	03	150	00	508x2500	12,70,000
पूर्व मध्यमा-द्वितीय 10वीं	79	07	00	15	00	101x2500	2,52,500
उत्तरमध्यमा प्रथम/प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष/11वीं	97	10	04	36	01	148x3000	4,44,000
उत्तरमध्यमा द्वितीय/प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष/12वीं	275	28	10	212	00	525x3000	15,75,000
शास्त्री प्रथम	159	22	06	80	01	268x4000	10,72,000
शास्त्री द्वितीय	113	15	02	36	01	167x4000	6,68,000
शास्त्री तृतीय	159	19	08	39	01	226x4000	9,04,000
आचार्य प्रथम	37	03	00	09	00	49x5000	2,45,000
आचार्य द्वितीय	47	06	00	18	00	71x5000	3,55,000
विद्यावारिधि	04	00	00	00	00	4x20000	80,000
पूर्व वर्ष उपाधिप्राप्त (पी.एच.डी.)	--	--	--	--	--	18x20000	3,60,000
कुल	**1287**	**148**	**33**	**595**	**04**	**2067+18=2085**	**72,25,500**

सब योग

			कुल छात्र संख्या					
वर्ग	सामान्य	अनु.जाति	अनु.जन. जाति	पिछड़ा वर्ग	विकलांग	कुल		कुल राशि
आधुनिक	5455	420	147	2916	14	8952+66	9018	2,86,51,000
परम्परागत	1287	148	33	595	04	2067+18	2085	72,25,500
कुल योग	**6742**	**568**	**180**	**3511**	**18**	**11019+84**	**11103**	**3,58,76500**

4.1.10 53वीं अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

संस्कृत विश्वविद्यालयों, पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं एवं गुरुकुलों में अध्ययनरत प्रतिभान्वित छात्रों के उत्साहवर्धन के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। राष्ट्रियस्तर पर भागग्रहण के लिए अर्ह स्पर्धियों के चयन हेतु राज्य स्तर पर भी शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं।

वर्ष 2014-15 में राज्यस्तरीय शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ निम्न राज्यों एवं स्थानों में आयोजित की गईं।

1. जम्मू और कश्मीर : रणबीर परिसर, जम्मू
2. हिमाचल प्रदेश : वेद व्यास परिसर, बलाहर
3. दिल्ली : श्री ला.ब.शा.रा.सं. विद्यापीठ, नई दिल्ली
4. उत्तराखण्ड : श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरिद्वार
5. ओडिशा : सदाशिव परिसर, पुरी
6. बिहार और झारखण्ड : दरभङ्गा सं.वि.वि. बिहार
7. पश्चिम बंगाल : सीताराम आदर्श संस्कृत महा-विद्यालय, कोलकाता
8. राजस्थान : जयपुर परिसर, जयपुर
9. उत्तर-प्रदेश : लखनऊ परिसर, जयपुर
10. मध्यप्रदेश/छत्तीसगढ़ : भोपाल परिसर, भोपाल
11. गुजरात : दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, अहमदाबाद
12. महाराष्ट्र, गोवा : के.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई
13. आन्ध्र प्रदेश : रा.सं. विद्यापीठ, तिरुपति
14. तमिलनाडु एवं पाण्डिचेरी : मद्रास आदर्श सं महाविद्यालय, चेन्नई
15. केरल : गुरुवायूर परिसर, केरल
16. कर्णाटक : कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय स्तर की 53वीं अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन दिनांक 17 से 20 मार्च 2015 तक नई दिल्ली में वसन्तु कुंज में श्रीकृष्ण धाम में किया गया। राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में चयनित 281 छात्रों ने 22 विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे - 8 विभिन्न शास्त्रीय विषयों पर भाषणस्पर्धा, 7 परम्परागत शास्त्रीय ग्रन्थों से सम्बन्धित विषयों पर विभिन्न शलाका परीक्षा, धातुरूप, काव्य, अमरकोश एवं अष्टाध्यायी पर 4 कंठपाठ प्रतियागिता, शास्त्रार्थ-विचार; समस्यापूर्ति एवं अन्ताक्षरी में भाग लिया।

निम्न निर्दिष्ट मूर्धन्य विद्वान् प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में आमन्त्रित किये गए -

1. आ. श्रीरामशर्मा
2. आ. रामानुजदेवनाथः
3. आ. रामकुमारशर्मा

4. आ. कमलेशझा:
5. आ. भगवच्छरणशुक्ल:
6. आ. रमेशकुमारपाण्डेय:
7. आ. देवनारायणझा:
8. आ. सुरेश्वरझा:
9. आ. रामलखनपाण्डेय:
10. आ. रामनारायणदास:
11. आ. अर्कनाथचौधरी
12. आ. रामकिशोरत्रिपाठी
13. आ. कृष्णमूर्तिशास्त्री
14. आ. मणिद्राविड:
15. आ. सोमनाथनेने
16. आ. हरिराममिश्र:
17. आ. जयप्रकाशनारायण द्विवेदी
18. आ. रामचन्द्रझा:
19. आ. नागेन्द्रपाण्डेय:
20. आ. शिवकान्तझा:
21. आ. एन्.आर्. कण्णन्
22. आ. राजारामशुक्ल:
23. आ. जनार्दनहेगडे
24. आ. विष्णुनम्बूदिरि:
25. आ. किशोरचन्द्र महापात्र:
26. आ. का ई देवनाथ:
27. आ. गङ्गाधरपण्डा
28. श्री नयनभाई सोनी
29. श्री भट्ट हेमल
30. ए.वी. नागसंपिगे

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमश: स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक सहित रु. 10000/-, 7000/-, 5000/- से पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त शलाका परीक्षा में 80 प्रतिशत और अधिक एवं प्रथम श्रेणी 65 प्रतिशत सहित प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को विशेष पुरस्कार क्रमश: रु. 2000/- एवं रु. 1500/- प्रदान किये गये। कर्णाटक राज्य ने सभी प्रदर्शनों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर विजयवैजयन्ती प्राप्त की।

समारोह का उद्घाटन दरभङ्गा वि.वि. के पूर्व कुलपति, आ. ब्रह्मचारी सुरेन्द्र कुमार ने किया। संस्थान के कुलसचिव डॉ. बी.के. सिंह, जम्मू परिसर के प्राचार्य प्रो. रामानुज देवनाथन, परीक्षानियन्त्रक डॉ. गोपीरमण मिश्र उपस्थित थे। पूर्वाह्न में प्रवृत्त शास्त्रीय उपोद्घात सत्र में आ. सर्वनारायण झा ने अध्यक्षता की। आचार्य देवनाथन ने उद्बोधन किया।

समापन समारोह का आयोजन 20.03.2015 के अपराह्न में हुआ। इसकी अध्यक्षता कामेश्वर सिंह दरभंगा विश्वविद्यालय के आचार्य रामचन्द्र झा ने किया। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के जम्मू परिसर के प्राचार्य प्रो. रामानुज देवनाथन और पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिर के निदेशक डॉ. ए.वि. नागसंपिगे ने विशिष्ट भाषण किया। लगभग 1000 छात्र एवं युवा विद्वान् कार्यक्रम से लाभान्वित हुए।

4.1.11 आदर्श महाविद्यालय/शोध संस्थान

योजना का नाम

मान्यता प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थानों को वित्तीय सहायता

परिचय

मान्यता-प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों को वित्तीय सहायता प्रदान कर भारत सरकार द्वारा इन्हें प्रारम्भ किया गया है। भारत सरकार द्वारा पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/संस्कृत संस्थाओं के विकास हेतु इनका समर्थन किया गया। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सर्वप्रथम मंत्रालय के पत्रांक फा. 30-19/88-संस्कृत-I दिनांक 7 जुलाई 1993 को आदर्श योजना नियमावली बनाई गयी, बाद में मंत्रालय के पत्रांक फा.-83/94-संस्कृत-I दिनांक 17.07.1995 के द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को कार्यान्वयन हेतु भेजा गया। वर्ष 2012 में मंत्रालय के पत्रांक एफ.एन. 31-4/2009-संस्कृत-I दिनांक 29 जून, 2012 को आदर्श योजना नियमावली 1995 को संशोधित कर इस योजना के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में 26 संस्थाएँ भारत सरकार की वित्तीय सहायता से संस्थान के अधीन चल रही हैं। वर्तमान में आदर्श योजनान्तर्गत 22 आदर्श महाविद्यालय एवं 4 शोध संस्थान चल रहे हैं, जिसमें से एक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय श्रीमती लाडदेवी शर्मा पंचोली आदर्श संस्कृत महाविद्यालय भीलवाड़ा राजस्थान को मार्च 2015 में मान्यता मिली है। इस योजना के लिए वित्त का बड़ा भाग संस्थान द्वारा जारी किया जाता है। इस योजना के अन्तर्गत मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को व्यय के आवर्ती मदों पर 95 प्रतिशत तथा अनावर्ती मदों पर 75 प्रतिशत संस्थान द्वारा अनुदान दिया जाता है।

उद्देश्य

परम्परागत पद्धति से संस्कृत का प्रचार-प्रसार करना इस योजना का उद्देश्य है। इस उद्देश्य के लिये शास्त्री से आचार्य तक और शोध संस्थानों में शोध के लिये आदर्श महाविद्यालयों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/आदर्श शोध संस्थानों की सूची (देखें परिशिष्ट-ठ)

आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/आदर्श शोध संस्थान को 2014-15 प्राप्त वित्तीय सहायता का विवरण प्रस्तुत है।

क्र.सं.	राज्य	संस्थाओं की संख्या	निर्गत धनराशि (रु. लाख में)
1.	आन्ध्र प्रदेश	1	50.71
2.	बिहार	5	481.68
3.	हरियाणा	2	197.11
4.	हिमाचल प्रदेश	2	288.75
5.	झारखण्ड	1	176.54
6.	कर्नाटक	1	74.23
7.	केरल	2	172.03
8.	महाराष्ट्र	2	59.37
9.	मणिपुर	1	29.00
10.	तमिलनाडु	2	216.99
11.	उत्तराखण्ड	1	95.04
12.	उत्तर प्रदेश	3	308.40
13.	पश्चिम बंगाल	2	258.10
14.	राजस्थान	1	-
कुल निर्गत अनुदान राशि		**26**	**2407.95**

4.1.12 परियोजनाएँ

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने वर्ष 2003 से कुछ परियोजनायें प्रारम्भ की हैं। निम्नलिखित उन सम्पन्न/प्रवर्तमान योजनाओं में यद्यपि इस प्रतिवेदन-वर्ष में उल्लेखनीय प्रगति नहीं है तथापि सूचना की दृष्टि से विवरण दिया जा रहा है।

1. भाषा मन्दाकिनी (दूरदर्शन प्रसारण)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान सितम्बर, 2003 से संस्कृत कार्यक्रमों का प्रसारण इग्नू के ज्ञान दर्शन चैनल के द्वारा प्रतिदिन एवं सप्ताह में तीन दिन क्रमशः डी.डी. भारती और डी.डी. इण्डिया से कराता है। प्रारम्भ से अभी तक तीस मिनट के 730 कथानक इग्नू से प्रसारित हो चुके हैं।

2. संस्कृत साहित्य का राष्ट्रिय ई-डाटा बैंक (ई-टैक्स्ट्)

परियोजना का उद्देश्य संस्कृत में ई-लर्निंग विकसित करना एवं ई-संस्कृत संग्रह को इलैक्ट्रानिक्स टैक्स्टों एवं इन्टरनेट के माध्यम से जन सामान्य को उपलब्ध कराना है। संस्थान के विभिन्न परिसरों के शिक्षकों को उनकी विशेषज्ञता एवं अध्ययन के क्षेत्र के आधार पर ग्रंथ आबंटित किये गये हैं। ग्रंथों को टंकित करने एवं कम्प्यूटर पर फाईल तैयार करने के लिए डाटा एन्ट्री आपरेटरों की नियुक्ति की गयी है। 104 ग्रन्थ वेबसाईट पर डाल दिये गये हैं।

3. श्रव्य/दृश्य माध्यमों के द्वारा संस्कृत शिक्षण (मल्टी मीडिया परियोजना)

इस परियोजना में, डीवीडी एलबम तैयार किये जा चुके है। संस्कृत भाषा शिक्षण, वैदिक गणित, संक्षेप रामायणम्, नाट्यविंशतिका, कथादशकम्, प्रथमा दीक्षा वी.सी.डी. तदेव गगनं सैव धरा, कविभास्करी, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, शब्दकल्पद्रुम एवं भासनाटकचक्रम् विक्रय हेतु उपलब्ध हैं।

4. एम.पी.-3 ऑडियो

प्रो. के.ई. देवनाथन, तिरुपति द्वारा रिकार्डिड 'तत्त्वचिन्तामणि' तथा श्री वेदमूर्ति प्रभाकरशास्त्री बापट एवं श्री पुण्डलिक कृष्ण भागवत के द्वारा तैयार की गई 'राणायणीयं सामगानम्' एम.पी-3 ऑडियो विक्रय हेतु उपलब्ध है।

5. ई-ग्रन्थालय

ई-ग्रन्थालय साफ्टवेयर के द्वारा संस्थान एवं सभी परिसरों के पुस्तकालयों को नेटवर्किंग के माध्यम से निकट भविष्य में जोड़ा जा रहा है। प्रथम स्तर पर 3,05,567 प्रविष्टियां की जा चुकी हैं।

6. मानस साफ्टवेयर

मानस साफ्टवेयर के द्वारा इलाहाबाद परिसर में स्थित संस्कृत पाण्डुलिपियों का डाटा बैंक तैयार किया जा रहा है।

7. हू इज हू (Who is Who)

संस्थान के द्वारा संस्कृत के विद्वानों का डाटा बैंक पुस्तक के रूप में और साफ्टवेयर के रूप में तैयार किया गया है। पुस्तक के रूप में 'संस्कृतविद्वत्परिचायिका' नाम से संस्कृत विद्वानों की एक पंजिका 15 वें विश्व संस्कृत सम्मेलन के अवसर पर जनवरी 2012 में प्रकाशित हो चुकी है और अन्तर्जाल में स्थापित भी की जा चुकी है।

8. संस्कृत शब्दकोश

अन्तर्भाषायी अध्ययन भाषाओं के प्रोत्साहन व संरक्षण के लिये एक उपयुक्त मार्ग उपलब्ध करा सकता है। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने 'बोलियों व उप-बोलियों सहित संस्कृत एवं अन्य भारतीय भाषाओं का शब्दकोश' की एक परियोजना प्रारम्भ की है। यह परियोजना 2009 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन वित्तीय सहायता के साथ शुरू की गयी है। यह परियोजना विविध भारतीय बोलियों व उप-बोलियों में समान पारिभाषिक शब्दों के अध्ययन के माध्यम से पारम्परिक ज्ञान एवं भाषाई दक्षता के संरक्षण एवं सुरक्षा में योगदान देगी। निम्नलिखित शब्दकोशों का विवरण इस प्रकार है-

(i) भोपाल परिसर, भोपाल में 'बुन्देली-संस्कृत-शब्दकोश' एवं 'मालवी-संस्कृत-शब्दकोश' तैयार किये जा रहे हैं। **'बुन्देली-संस्कृत-शब्दकोश'** में बुन्देली के 14000 शब्दों के संकलन का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा स्वर, कवर्ग, च, छ, ज वर्णों से प्रारम्भ होने वाले बुन्देली शब्दों के बुन्देली से

संस्कृत शब्दार्थ का कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष शब्दों का संकलन कार्य पूर्ण हो चुका है। **'मालवी- संस्कृत-शब्दकोश'** में मालवी के 15000 शब्दों के संकलन एवं टंकण का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा स्वर, कवर्ग, चवर्ग के मालवी शब्दों का संस्कृत रूपान्तर का कार्य पूर्ण हो चुका है।

(ii) संस्कृत साहित्य परिषद्, कोलकाता में चल रहे **'पूर्व एवं पूर्वोत्तर राज्य की बोलियाँ एवं उपबोलियाँ'** परियोजना के अन्तर्गत उड़िया एवं बांग्ला भाषाओं के कुल 11487 शब्दों का चयन किया गया है।

(iii) संस्थान मुख्यालय में **'संस्कृत-फारसी-उर्दू-हिन्दी-शब्दकोश'** तैयार किया जा रहा है। इस योजना के अन्तर्गत स्वरों पर आधारित प्रथम भाग प्रकाशित हो चुका है तथा व्यञ्जनों में 'क' से 'ध' तक का कार्य किया जा चुका है। शेष पर कार्य जारी है।

9. सांख्ययोग/पातञ्जल योग दर्शन

इस परियोजना में पातञ्जल योगदर्शन के नवीन संस्करण को तैयार किया जा रहा है जिसमें समृद्ध अलंकारपूर्ण पारिभाषिक शब्दों एवं बारह पौराणिक टीकाओं का समावेश है। यह प्राच्य संस्कृत पाठ्यपुस्तकों के संरक्षण में सहायक होगी। इस विशाल परियोजना में दो वरिष्ठ शोध अध्येता राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली में सहयोग कर रहे हैं। इस योजना में प्रथम चरण का कार्य सम्पन्न हो चुका है, जिसमें प्रथम पाद के 51 सूत्रों पर 11 टीकाओं एवं उनमें उपलब्ध पारिभाषिक शब्दों को संयोजित किया गया है। परिशिष्टात्मक भाग में योग सूत्र के पाठभेद एवं उद्धृत श्लोकों को अकारादिक्रम से संयोजित कर प्रथम खण्ड को प्रकाशन हेतु शोध एवं प्रकाशन विभाग को दिया गया है। पातञ्जलयोगसूत्र की 7 एवं सांख्यप्रवचनभाष्य की 4 टीकाओं पर कार्य किया जा रहा है।

10. पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन एवं एकत्रीकरण हेतु विशेष अभियान

संस्थान के सभी परिसरों में स्वतंत्र पुस्तकालय हैं। इसके अतिरिक्त इलाहाबाद, पुरी, गुरुवायूर एवं लखनऊ परिसरों में पाण्डुलिपियों हेतु अलग से ग्रन्थालय का प्रावधान है। 2008-09 से गुरुवायूर परिसर द्वारा पाण्डुलिपियों को एकत्र करने हेतु विशेष अभियान चलाया गया है। संस्थान द्वारा उपलब्ध पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन हेतु परिसरों के विभिन्न पुस्तकालयों में पहल की जा रही है। डिज़िटाईजेशन का कार्य राष्ट्रीय सूचना केन्द्र (एन.आई.सी.) के माध्यम से सम्पन्न होगा।

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, नई दिल्ली से प्राप्त जानकारी के अनुसार इलाहाबाद परिसर में 52000 पाण्डुलिपियों में से कुल 40000 पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन का कार्य सम्पन्न हो चुका है।

4.1.13 पालि एवं प्राकृत

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की पहल पर वर्ष 2009 में चालू की गई पालि-प्राकृत परियोजना वर्तमान पंचवर्षीय योजना (वर्ष 2012-2017) में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा.वि.) की संचालित योजनाओं का अभिन्न अंग बन चुका है। इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2014-2015 में दिल्ली, जयपुर एवं लखनऊ केन्द्रों में निम्नलिखित मुख्य गतिविधियाँ सम्पन्न हुईं–

दिल्ली केन्द्र :

1. पालि भाषा एवं व्याकरण के विविध आयाम का सम्पादन।
2. जातक पालि द्वितीय भाग की संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अंग्रेजी अनुवाद।
3. रूपारूपविभाग के हिन्दी अंग्रेजी अनुवाद एवं व्याख्या।
4. जैनागमिक कथाओं का संग्रह।
5. उपदेशमाला की संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद।
6. पउमचरियं के प्रथम भाग की संस्कृतच्छाया।
7. जयसेन कथा की संस्कृतच्छाया।
8. भगवती आराधना की संस्कृतच्छाया हिन्दी अनुवाद सहित।

9. भारतीयपरम्परायां प्राकृतभाषायाः साहित्यस्य च अवदानम्, वर्ष 2012 में आयोजित राष्ट्रिय प्राकृत संगोष्ठी के लेखों का सम्पादन

जयपुर केन्द्र-

1. दंसणकहरयणकरंडु (पाण्डुलिपि) संपादन एवं हिन्दी अनुवाद 1-11 सन्धि।
2. मागधी प्राकृत एक खोज, खण्ड 1-3।
3. गाहारयणकोस की संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद।
4. वसुदेवहिण्डी संस्कृतच्छाया 1-4 लम्ब।

लखनऊ-

1. अपदानपालि - द्वितीय की संस्कृतच्छाया।
2. थूपवंस का हिन्दी अनुवाद।
3. कथावत्थु के 1-23 प्रकरणों का हिन्दी अनुवाद।
4. धम्मसंगणि के चित्तुप्पादकण्ड एवं रूपकण्ड की संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद।
5. प्राकृतशब्दकोश आनलाइन कार्य के 700 नये शब्दों का कार्य।
6. महानिद्देस पालि के 3 निद्देसों की संस्कृतच्छाया एवं 10 निद्देसों का हिन्दी अनुवाद।
7. महावंशपालि के शेष 12 अध्यायों की संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद।
8. पटिसम्भिदामग्ग के 100 पृष्ठों की संस्कृतच्छाया।
9. बुद्धवंस के 29 काण्डों का हिन्दी अनुवाद एवं कथावत्थुपालि की संस्कृतच्छाया।
10. अपदानपालि प्रथम के तिमिरवग्ग, सुधावग्ग, भिक्खदायिवग्ग, महापरिवारवग्ग सेरेय्यवग्ग का हिन्दी अनुवाद।
11. पालि-प्राकृत अनुशीलनम्, प्रथम-संस्करण।
12. पालि-प्राकृत अनुशीलनम्, द्वितीय-संस्करण।

4.1.14 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान शैक्षिक वर्ष 2014-2015 में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण विभाग के माध्यम से निम्नलिखित कार्यक्रमों का संचालन किया :

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र
2. आवासीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग (होजाई)
3. आवासीय संस्कृत भाषा बोधन वर्ग

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम

2014-2015 के मध्य अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रथमा, द्वितीया एवं तृतीया दीक्षा के एक अनुदानित चक्र का संचालन भारत के केवल पूर्वोत्तर राज्यों में किया गया। पूर्वोत्तर राज्यों एवं पश्चिम बंगाल, कर्णाटक एवं महाराष्ट्र के 72 केन्द्रों में लगभग 1951 अध्येताओं ने त्रैमासिक अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों में भाग लिया। ऐसे केन्द्रों की संख्या का विवरण इस वार्षिक प्रतिवेदन के 3.4 भाग में दिया गया है।

सम्पूर्ण देश में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के माध्यम से लोगों ने संस्कृत एवं भारत की सांस्कृतिक विरासत का ज्ञान अर्जित किया है। समाज के सभी वर्गों के लोगों ने संस्कृत सीखने में अति उत्साह दिखाया। विभिन्न केन्द्रों पर भव्य उद्घाटन तथा समापन समारोह आयोजित किए गए। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा तैयार की गई प्रथमा, द्वितीया एवं

तृतीया दीक्षा की पाठ्य-सामग्री विभिन्न केन्द्रों में संस्कृत शिक्षण का मुख्य आधार है। अध्येताओं ने इस पाठ्य-सामग्री की भूरिशः प्रशंसा की है। प्रथमा, द्वितीया एवं तृतीया दीक्षा की समाप्ति पर प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इन केन्द्रों में आकर छात्रों, अध्यापकों, प्राध्यापकों, चिकित्सकों, अभियन्ताओं, बैंककर्मियों, उद्योगपतियों, अधिकारियों, वकीलों, वैज्ञानिकों, कृषकों तथा गृहिणियों आदि ने इस कार्यक्रम का लाभ उठाया।

इन अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का संचालन न केवल देश के नगरों और महानगरों में किया गया, अपितु दूरवर्ती छोटे गाँवों और छोटे कस्बों, जम्मू व कश्मीर तथा उत्तर-पूर्व राज्यों के दुर्गम क्षेत्रों में भी किया गया। केन्द्र के समीप शिक्षकों के अनुपलब्ध होने पर दूर-दूर से आकर संस्थान के द्वारा प्रशिक्षित शिक्षकों के द्वारा केन्द्रों का संचालन किया गया। देश भर में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का संचालन विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों (डिग्री कॉलेजों), इण्टर कॉलेजों, उच्च और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों, कनिष्ठ उच्च विद्यालयों, पब्लिक स्कूलों और स्वैच्छिक एवं सामाजिक संस्थाओं में किया जाता है। इसका परिणाम अत्यन्त उत्साहवर्धक रहा।

इन केन्द्रों की सम्यक् क्रियाशीलता हेतु सम्बद्ध राज्यों से प्रान्तसंयोजक के माध्यम से केन्द्रों, केन्द्र-संयोजकों और शिक्षकों के लिए प्रस्ताव प्राप्त होने पर, राज्यों में केन्द्रों, केन्द्र-संयोजकों और शिक्षकों को नामित किया गया।

राज्य-संयोजक (अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र)

क्र.सं.	राज्य	संयोजक का नाम एवं पता
1.	आन्ध्र प्रदेश	डॉ. वी. सुब्रह्मण्यम्, उपनिदेशक, संस्कृतपरिषद्, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद (आन्ध्रप्रदेश)
2.	बिहार+झारखण्ड	डॉ. श्रीप्रकाश पाण्डेय, सहाचार्य, संस्कृतविभाग, बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, क्वा. नं.-23, विश्वविद्यालय परिसर, मुजफ्फरपुर-1 (बिहार)
3.	दिल्ली	डॉ. हरिराम मिश्र, विशिष्टसंस्कृताध्ययनकेन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली-110067.
4.	गुजरात	डॉ. भा.वं. रामप्रिय, प्राचार्य, दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, एस्.जी.वी.पी. सर्किल, ए.जी. हाईवे छारोडी, अहमदाबाद-3284818 (गुजरात)
5.	हरियाणा	डॉ. सुरेन्द्र मोहन मिश्र, संस्कृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र-136119 (हरियाणा)
6.	हिमाचल प्रदेश	डॉ. भक्तवत्सल शर्मा, प्राचार्य, सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, जिला-ऊना, हिमाचल प्रदेश-174307
7.	जम्मू एवं कश्मीर	प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, 3/127, इन्दिरा विहार, ओल्ड जानीपुर, जम्मू-180007
8.	कर्णाटक	प्रो. ए.पी. सच्चिदानन्द, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री राजीव गान्धी परिसर, शृङ्गेरी-577139, जिला-चिकमंगलूर, कर्णाटक
9.	केरल	डॉ. सुब्रमण्यम् शर्मा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान गुरुवायूरु परिसर, डाकघर-पुरनाट्टुकड़ा-680551, जिला त्रिचूर (केरल)
10.	महाराष्ट्र	प्रो. रविन्द्र अंबादास मुले, संस्कृत प्रगत अध्ययन केन्द्र पुणेविश्वविद्यालय, गणेश खिन्द रोड, पुणे-411037 (महाराष्ट्र)

क्र.सं.	राज्य	संयोजक का नाम एवं पता
11.	म.प्र.+छत्तीसगढ़	डा. हंसधर झा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बागसेवनिया, भोपाल-462043 (मध्यप्रदेश)
12.	उत्तर पूर्व राज्य	डॉ. नृपेन्द्रनाथशर्मा, पांचजन्य, लक्ष्मीनगर, राधा गोविन्द बरुआ मार्ग, गुवाहाटी 781005 (असम)
13.	ओडिशा	डॉ. सुकान्त कुमार सेनापति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव परिसर, पुरी-752001 (ओडिशा)
14.	पंजाब	डॉ. इन्द्रमोहन सिंह, संस्कृत विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला-147002 (पंजाब)
15.	राजस्थान	डॉ. पूर्ण चन्द्र उपाध्याय, संस्कृत विभागाध्यक्ष, राजकीय बिरला महाविद्यालय, भवानी मंडी, राजस्थान-326502
16.	तमिलनाडु	डॉ. आर. रामचन्द्रन्, व्याख्याता, संस्कृतविभाग, रामाकृष्णमिशन, विवेकानन्द कॉलेज, मैलापुर, चेन्नई (तमिलनाडु)
17.	उत्तराखण्ड	डॉ. बुद्धदेव शर्मा, 11, नालापानी रोड़, चुग कालोनी, देहरादून (उत्तराखण्ड)
18.	उत्तर प्रदेश	डॉ. धनीन्द्र झा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान विशाल खण्ड-04, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (उत्तर-प्रदेश)
19.	पश्चिम बंगाल	डॉ. तन्मय कुमार भट्टाचार्य, ए एफ-159, रवीन्द्रपल्ली, पत्रालय-प्रफुल्लकानम् कृष्णपुरम्, कोलकाता (पश्चिम बंगाल)

डॉ. रत्न मोहन झा, सहायकाचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रिय संयोजक के दायित्व का निर्वहण किया गया।

2. आवासीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा संस्कृत विषय को संस्कृत के माध्यम से पढ़ाने हेतु निम्नलिखित स्थानों पर 21 दिवसीय आवासीय अनौपचारिक संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। विवरण निम्नलिखित है-

अनौपचारिक-संस्कृतशिक्षक-प्रशिक्षणवर्ग

क्रमांक	स्थान	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	विदग्ध व्यक्ति
1.	गीता आश्रम, होजाई, जिला-नौगांव, आसम	22.03.2014 से 04.04.2014 एवं 16.07.2014 से 25.07.2014	68	प्रो. वाई.एस. रमेश डॉ. रामकृष्ण पेजत्ताय श्री योगेश पण्ड्या श्रीमती मीनाक्षी मिश्रा श्रीमती मीनाक्षी शर्मा श्रीमती कृष्णा सिन्हा डॉ. छबिलाल उपाध्याय श्री ध्रुवज्योति महान्त डॉ. रत्नमोहन झा

4.1.15 पत्राचार पाठ्यक्रम

संस्थान भारत और विदेश में संस्कृत के सामान्य अध्येताओं के लिए हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम से संस्कृत भाषा सीखने के लिए दो वर्ष की अवधि वाले पत्राचार पाठ्यक्रमों का संचालन दो स्तरों पर करता है, अर्थात्

(अ) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-प्रथम वर्ष हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम

(ब) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-द्वितीय वर्ष हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम।

वर्ष 2014-2015 के दौरान पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से अध्ययन हेतु 2890 (2886 भारतीय एवं 4 विदेशी) नये छात्रों ने पंजीयन करवाया।

4.1.16 मुक्तस्वाध्यायपीठम्

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा मुक्तस्वाध्यायपीठम् के माध्यम से दूरस्थ शिक्षा द्वारा परम्परागत पाठ्यक्रमों का शुभारम्भ अगस्त, 2010 में किया गया।

मुक्तस्वाध्यायपीठम् के सभी पाठ्यक्रम दूरस्थ शिक्षा परिषद् (अब दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो, यू.जी.सी.) इन्दिरा गांधी राष्ट्रिय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त हैं। मुक्तस्वाध्यायपीठम् दूरस्थ शिक्षा परिषद् से मान्यता प्राप्त राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की एक स्वायत्त संस्था है। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय (नई दिल्ली) सहित सभी परिसरों में संचालित इसके अध्ययन केन्द्रों को स्वाध्याय केन्द्र कहा जाता है।

संचालित पाठ्यक्रम

1. प्राक्शास्त्री (2 वर्ष)-साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
2. प्राक्शास्त्री सेतु/संस्कृतावतरणी (6 माह)
3. शास्त्री (3 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
4. शास्त्री सेतु/संस्कृतावगाहनी (1 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
5. आचार्य (2 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
6. आचार्य सेतु/शास्त्रावगाहनी (1वर्ष)-साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
7. संस्कृत पत्रकारिता प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (06 माह)
8. पालि प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (06 माह)
9. पालि प्रारंभिक ज्ञान पाठ्यक्रम (03 माह)
10. प्राकृत प्रारंभिक ज्ञान पाठ्यक्रम (03 माह)
11. पाकृत प्रमाणपत्रीय पाठक्रम (06 माह)

सत्र 2014-15 में प्रवेश लेने वाले छात्रों का विवरण

मुक्तस्वाध्यायपीठम् के सभी स्वाध्याय केन्द्रों में वर्ष 2014-15 में कुल 1167 छात्रों ने प्रवेश लिया, जिनका विस्तृत विवरण इस वार्षिक प्रतिवेदन के क्र.सं. **3.3** में दिया गया है।

अभिकल्प समिति की बैठकें

अभिकल्प समिति मुक्तस्वाध्यायपीठ की नियामक परिषद है। इस वर्ष अभिकल्प समिति की बैठक संस्थान मुख्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 28.05.2014 को आयोजित की गई।

शैक्षिक सत्र : 2014-2015 में तिथिवार आयोजित कार्यशाला/संगोष्ठी

क्र.सं.	दिनांक	कार्यशाला/कार्यक्रम का नाम
1.	08.05.2014 से 17.05.2014	स्वाध्याय सामग्री निर्माण कार्यशाला
2.	15.05.2014 से 24.05.2014	स्वाध्याय सामग्री निर्माण कार्यशाला
3.	09.12.2014 से 19.12.2014	स्वाध्याय सामग्री निर्माण कार्यशाला
4.	06.01.2015 से 10.01.2015	स्वाध्याय सामग्री निर्माण कार्यशाला

सम्पर्क कक्षाएँ

स्वाध्यायकेन्द्र (मुक्तस्वाध्यायपीठम्) द्वारा संचालित सभी पाठ्यक्रमों की परामर्श सह सम्पर्क कक्षाएँ निर्धारित समय पर एक सत्र में क्रमशः पाँच बार (15-15 दिनों के लिए) चलायी जाती है।

4.2 परिसरों की गतिविधियाँ

4.2.1 श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उत्तरप्रदेश)

1. परिसर परिचय

गंगा, यमुना, सरस्वती के पावन तट पर बसे तीर्थराज प्रयाग के सुरम्य भूभाग पर गंगानाथ झा शोध-संस्थान की स्थापना 17 नवम्बर, 1943 ई. को महामना पं. मदनमोहनमालवीय, डा. सर तेजबहादुर सप्रू, डा. भगवानदास, डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन्, न्यायमूर्ति श्री कमलाकान्त वर्मा, डॉ. गोपीनाथ कविराज, डॉ. अमरनाथ झा, डा. ईश्वरी प्रसाद, डा. बाबूराम सक्सेना, ले.गवर्नर आदित्यनाथ झा, एवं उनके अनुयायियों, शिष्यों एवं विभिन्न पारिवारिक व्यक्तियों के द्वारा डॉ. गंगानाथ झा की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर की गयी थी।

शोध संस्थान के भवन की योजना को सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 के अन्तर्गत 12.1.1945 को पंजीकृत करा लिया गया था। म.म. डा. उमेश मिश्र के प्रयत्न से उ.प्र. सरकार से कम्पनी बाग में चन्द्रशेखर आजाद पार्क के पार्श्व में, 1.5 एकड़ भूमि प्राप्त होने पर, इस भवन का शिलान्यास 3.2.1945 को उ.प्र. के तत्कालीन राज्यपाल सर मारिस हैलेट के करकमलों से सम्पन्न हुआ। सर मॉरिस ने बड़े भाव-भीने शब्दों में कहा कि डॉ. झा किसी प्रदेश-विशेष से सम्बन्धित न होकर पूरे राष्ट्र के थे। प्रयाग के प्रति उनके लगाव को देखते हुये यह बहुत उचित है कि उनकी स्मृति में यहाँ एक शोध संस्थान बने जहाँ से उनके अवशिष्ट कार्य को गति मिले।

इसके प्रथम अध्यक्ष डा. सर तेजबहादुर सप्रू (1943-49) तक थे। उसके बाद डॉक्टर भगवानदास (1949-59) तथा डॉ. एस. राधाकृष्णन् (1959-63), न्यायमूर्ति श्री कमलाकान्त वर्मा (1963-65), डॉ. गोपीनाथ कविराज (1965-71) रहे। उपाध्यक्ष के रूप में डॉ. अमरनाथ झा, डा. आदित्यनाथ झा, डॉ. ईश्वरी प्रसाद और डॉक्टर बाबूराम सक्सेना इस संस्था में अपना योगदान करते रहे। संस्थान के सचिव प्रारम्भ से ही डॉ. उमेश मिश्र (1967) रहे। इनके अनवरत प्रयास, देखभाल एवं परिश्रम से संस्थान की उल्लेखनीय प्रगति हुई और विश्व में भारतीय विद्या के क्षेत्र में इसका महत्त्वपूर्ण स्थान निर्मित हुआ।

उनकी मृत्यु के पश्चात् उनके सुयोग्य पुत्र डॉ. जयकान्त मिश्र, प्रो. अंग्रेजी विभाग, प्रयाग विश्वविद्यालय, ने दक्षतापूर्वक सचिव के रूप में इसका कार्यभार संभाला और इसकी कीर्ति को अक्षुण्ण रखा। संस्थान का प्रशासन 10 सदस्यों की प्रबन्ध समिति द्वारा होता था। डॉ. बाबूराम सक्सेना, डॉ. ईश्वरी प्रसाद, डॉ. एस.पी. चतुर्वेदी, पं. के.सी. चट्टोपाध्याय इस समिति में थे। इस समय तक शोध संस्थान का प्रमुख कार्य 'जर्नल' का प्रकाशन रहा।

महामहोपाध्याय डॉ. पी.वी. काणे, सर सर्वपल्ली राधाकृष्णन्, डॉ. एफ. डब्ल्यू. थॉमस (आक्सफोर्ड), प्रो. फ्रैंकलीन एडगर्टन (न्यूयार्क), मौलवी सईद सुलेमान नकवी (आजमगढ़) और प्रो. मोहम्मद सफी इसके सम्मानित सदस्य रहे। श्री गोपालस्वरूप पाठक, डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, सर एस. वरदाचारी, जस्टिस रघुबर दयाल, एस.सी. देव और सर सीताराम इसके आजीवन सदस्य रहे। इन विद्वानों के वरदहस्त से इस संस्था की निरन्तर गौरव-वृद्धि होती रही।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली (मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के अधीनस्थ) द्वारा इसका अधिग्रहण अपने अंगीभूत विद्यापीठ के रूप में वर्ष 1971 में किया गया तब से यह ''गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ'' के नाम से जाना गया। सन् 2002 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के समविश्वविद्यालय बनने के पश्चात् इसका नामकरण 'गंगानाथ झा परिसर' किया गया। यह परिसर एक ऐसा प्रतिष्ठित शोध-केन्द्र है जो संस्कृत विद्या की विभिन्न विधाओं के शोध-कार्य हेतु समर्पित है।

2. परिसर की अवस्थिति

गंगानाथ झा परिसर, चन्द्रशेखर आजाद पार्क कम्पनी बाग के अन्दर इण्डियन प्रेस चौराहा के नजदीक चन्द्रशेखर आजाद शहीद स्थल के पास अवस्थित है। परिसर के सम्मुख पन्नालाल रोड है, उत्तर की ओर जवाहर लाल नेहरु रोड (जी. टी. रोड) परिसर के पीछे इलाहाबाद संग्रहालय कमला नेहरु रोड पर स्थित है। परिसर सिविल लाइंस बस अड्डा से 3

किमी. इलाहाबाद रेलवे स्टेशन से 5 किमी. एवं एअर पोर्ट बमरौली से 20 किमी की दूरी पर स्थित है।

3. उपलब्ध पाठ्यक्रम

परिसर में मुख्यतया विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) शोधकार्य होता है। इसके अतिरिक्त दूरस्थ शिक्षण माध्यम से प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य (साहित्य, व्याकरण, ज्यौतिष) एवं प्राक्शास्त्री सेतु, शास्त्री सेतु, आचार्य सेतु (साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष) पाठ्यक्रमों में अध्ययन-अध्यापन कार्य होता है।।

1. विद्यावारिधि (पीएच्. डी.)।
2. अनुसंधान प्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान पाठ्यक्रम।
3. मुक्तस्वाध्यापीठम् के विभिन्न पाठ्यक्रम (दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से)–

   प्राक्शास्त्री सेतु,

   प्राक्शास्त्री (साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष),

   शास्त्री सेतु (साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष),

   शास्त्री (साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष),

   आचार्य सेतु (साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष),

   आचार्य (साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष)।

4. परिसर के लक्ष्य और उद्देश्य/परिसर की प्रमुख गतिविधियाँ

- भारतीय प्राच्य विद्या में मौलिक शोध को प्रोत्साहन।
- संस्कृत के दुर्लभ मातृकाओं/ग्रन्थों का सम्पादन/प्रकाशन/अनुवाद।
- अन्तर्राष्ट्रिय ख्याति की प्राच्यविद्यामयी शोध-पत्रिका "जर्नल आफ द गंगानाथ झा कैम्पस्" का प्रकाशन।
- प्राच्यविद्याध्ययनोपयोगी विशाल पुस्तकालय का संवर्धन।
- संस्कृत की पाण्डुलिपियों का संग्रह/संकलन/संरक्षण/सूचीकरण एवं सम्पादन।
- शोध छात्रों को शोधकार्य करने की सुविधा प्रदान करना।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि हेतु शोधकार्य के लिए परिसर प्रतिवर्ष निश्चित संख्या में शोध छात्रों को प्रविष्ट करता है। प्रविष्ट शोध-छात्र इस परिसर के प्राध्यापकों के मार्गदर्शन में शोध कार्य करते हैं तथा परिसर में उपलब्ध पुस्तकालय एवं पाण्डुलिपि अनुभाग की सुविधाओं का उपयोग करते हैं। यहाँ की पुस्तकों एवं पाण्डुलिपियों का उपयोग मात्र परिसर के छात्रों तक ही सीमित नहीं है, अपितु नगर एवं नगर के बाहर के विद्वान् तथा शोध छात्र भी लाभान्वित होते हैं। यह परिसर संस्कृत में तथा प्राचीन भारतीय संस्कृति में अभिरुचि रखने वाले समाज के सभी वर्गो के विद्वानों एवं शोधार्थियों को पुस्तकालय की क्षमतानुसार उपयोग का अवसर प्रदान करता है।

परिसर के आचार्य शोधच्छात्रों के मार्ग-दर्शन करने के अतिरिक्त विभिन्न शोधपरियोजनाओं पर कार्य करते हैं तथा अप्रकाशित पाण्डुलिपियों का सम्पादन करते हैं जिनका प्रकाशन परिसर द्वारा किया जाता है। परिसर द्वारा अब तक 120 पुस्तकों, 67 जर्नल ग्रन्थों, 11 उशती ग्रन्थों और 12 वर्णनात्मक पाण्डुलिपि ग्रन्थसूचियों का प्रकाशन किया जा चुका है।

अन्य क्रियाकलाप

- संस्कृत दिवस का आयोजन
- हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन
- महिला दिवस का आयोजन
- स्थापना दिवस का आयोजन
- शिक्षक दिवस का आयोजन
- स्वच्छता दिवस का आयोजन
- वसन्तोत्सव का आयोजन
- अन्त:परिसरीय युवा समारोह

विशिष्ट व्याख्यान

- शास्त्रीय विषयों पर आधारित संगोष्ठी (राष्ट्रिय/अन्ताराष्ट्रिय)
- परिसरीय विद्वानों की शास्त्रचर्चा
- आचार्य मण्डनमिश्र स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन
- विशिष्ट व्याख्यानमालाओं का आयोजन
- शोधच्छात्रों की भाषण प्रतियोगिता
- माइक्रोफिल्म का डिजिटाइजेशन
- पाण्डुलिपियों का डिजिटाइजेशन
- ई-ग्रन्थालय के अन्तर्गत डाटा इन्ट्री का कार्य

- स्वाध्याय केन्द्र की सम्पर्क कक्षाओं में यथासमय अध्यापनकार्य
- पी-एच.डी. की सत्रार्द्ध परीक्षा एवं स्वाध्याय केन्द्र की वार्षिक परीक्षा
- परिसरीय पत्रिका उशती का प्रकाशन
- शोधरत छात्रों के लिए क्रीडा प्रांगण की व्यवस्था

गंगानाथ झा परिसर एक शोध-संस्थान है। इस परिसर का प्रमुख कार्य है-शोध एवं प्रकाशन। वर्तमान में यहाँ 7 आचार्य एवं 4 सहायकाचार्य शोध छात्रों को विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि हेतु मार्ग-निर्देशन करते हैं एवं परिसर के संग्रहालय में उपलब्ध अप्रकाशित दुर्लभ महत्त्वपूर्ण हस्तलेखों का सम्पादन करते हैं। सम्पादित ग्रन्थों का प्रकाशन संस्थान के लिए परिसर कराता है। इनके अतिरिक्त संस्थान द्वारा अनुमोदित शोध योजनाओं पर भी विद्वानों द्वारा कार्य सम्पादित किये जाते हैं।

शैक्षिक विभाग के अग्रलिखित कार्य प्रगति पर है–

- मीमांसाचन्द्रिका (ब्रह्मानन्दसरस्वतिविरचिता) सम्पादन कार्य
- विधवोद्वाहशंकासमाधिः (कालोकशेपनामक श्री राजाराम शास्त्री इत्यनेन निर्मितः) सम्पादन कार्य।
- 'गंगा-शशिलेखा व्याख्योपेतम्, गीतगोविन्दमहाकाव्यम्' टीकाकार महाकवि कृष्णदत्त (अठारहवीं शताब्दी) प्रकाशनाधीन।
- लिङ्गनिर्णयः, लिङ्गप्रकाशः लिङ्गानुशासनसूत्रवृत्तिः आख्यात चन्द्रिका।
- सम्बन्ध विवेक-शूलपाणि (बंग एवं मैथिल लिपि) सम्पादनाधीन।
- वशिष्ठस्मृति की विद्वन्मोदिनी टीका (संयुक्त सम्पादन) सम्पादनाधीन।
- रुक्मिणी पत्रिका प्रकाशनाधीन।
- नाचिकेतोपाख्यान (सम्पादन कार्य)।
- उपचारमाला महामुद्गल भट्ट कृत सम्पादन एवं हिन्दी अनुवाद कार्य समाप्त (प्रकाशनाधीन)।
- नन्दसमुच्चय का सम्पादन (शीघ्र प्रकाश्यमाण)।
- तत्त्वदीपिनी टीका प्रकाशनाधीन।
- महामहोपाध्याय सर गंगानाथ झा प्रकाशनाधीन।
- प्रस्तावसागर प्रकाशनाधीन।
- श्रृंगारसप्तशतिका प्रकाशनाधीन।
- द्रव्यसारसंग्रह प्रकाशनाधीन।
- आनन्द रघुनन्दनम् प्रकाशनाधीन।
- प्रातिशाख्य पारिभाषिक कोष (शीघ्र प्रकाश्यमाण)।
- जर्नल आफ दी गंगानाथ झा कैम्पस अंक 68, 69, 70, 71 शीघ्र प्रकाश्यमाण।
- उशती पत्रिका का सम्पादन (अंक द्वादशांक) प्रकाश्यमाण।

संकाय सदस्यों द्वारा पुनश्चर्या पाठ्यक्रम/अभिविन्यास पाठ्यक्रम।

स्थानान्तरण

1. परिसर के प्रभारी प्राचार्य और ज्योतिष के आचार्य प्रो. सर्वनारायण झा का संस्थान मुख्यालय में स्थानान्तरण हुआ।
2. साहित्यविभाग के सहाचार्य डॉ. उदयनाथ झा का पुरी परिसर में स्थानान्तरण हुआ।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त – 06

उत्तर प्रेषित – 06

4.2.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा)

परिसर-परिचय

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के द्वारा संस्थापित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मानित-विश्वविद्यालय के अन्तर्गत द्वादश परिसरों में पुरी में स्थापित श्री सदाशिव परिसर सबसे प्राचीन, सुसमृद्ध तथा बृहत्तम है। यह संस्था पहले सदाशिव संस्कृत महाविद्यालय के नाम से उत्कल सरकार के अधीन थी। उत्कल प्रदेश के महान् विद्वान् पण्डित हरिहरदास महोदय ने बलरामपुर के श्री दिग्विजय सिंह महोदय की सहायता से 1865 ई. में संस्कृत विद्यालय की स्थापना की। बाद में महामहोपाध्याय सदाशिव मिश्र जी ने 1981 ई. में इस विद्यालय को महाविद्यालय में परिवर्धित किया। यहां साहित्य, व्याकरण, नव्यन्याय, वेदान्त, स्मृति, पुराण, मीमांसा, सांख्ययोग, सर्वदर्शन, धर्मशास्त्र, ज्योतिष आदि शास्त्रीय क्षेत्रों में प्रख्यात विद्वानों का प्रादुर्भाव हुआ। पुनः 15 अगस्त 1971 ई. में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के अधीन राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान ने केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के रूप में इसे अधिकृत किया। तत्पश्चात् मानव संसाधन विकास मन्त्रालय ने राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को 07.05.2002 में मानित विश्वविद्यालय के रूप में घोषित कर मान्यता दी। पुनः 13.6.2002 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने इस मानित विश्वविद्यालय को स्वीकृति देते हुए 03.07.2002 को उद्घाटित किया। अखिल भारतवर्ष में इस सम विश्वविद्यालय के बारह परिसर स्वीकृत हुए। जिसमें श्री सदाशिव परिसर अन्यतम है।

परिसर की अवस्थिति

श्री सदाशिव परिसर गाँधीघाट मौजा के अन्तर्गत 4.780 एकड़ भूखण्ड पर वर्ष 2001 में निबन्धित हुआ, तथा यहाँ मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के द्वारा नये भवन का निर्माण किया गया। पुरी के बालुखण्ड मौजा नामक स्थान में 10.05 एकड़ भूखण्ड निबन्धित हुआ था, जिसमें छात्रों के लिए आवास का निर्माण किया जा रहा है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

इस परिसर में प्राक्शास्त्री से लेकर आचार्य तक की पढ़ाई होती है। शास्त्री एवं आचार्य में साहित्य, व्याकरण, न्याय, अद्वैतवेदान्त, पुराण, सांख्ययोग, सर्वदर्शन, धर्मशास्त्र एवं ज्योतिष आदि विषयों में शिक्षा दी जाती है। आधुनिक विषयों में हिन्दी, अंग्रेजी, उडिया एवं इतिहास की पढ़ाई होती है। संस्थान के पाठ्यक्रम के अनुसार प्राक्शास्त्री से लेकर शिक्षाशास्त्री तक संगणक एव परिवेश-शिक्षा भी दी जाती है। छात्र-शिक्षकों के लिए शिक्षाशास्त्री एव शिक्षा आचार्य की शिक्षा भी यहाँ दी जाती है। शिक्षाशास्त्री के लिए 127 एवं शिक्षा आचार्य के लिए 35 स्थान सुरक्षित हैं। विभिन्न विषयों में शोध कार्य के लिए 'विद्यावारिधि' की उपाधि भी यहाँ प्रदान की जाती है। हमारे परिसर के अनेक विद्वान उच्च पदों पर महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में कार्यरत हैं।

अन्यान्य कार्यक्रम तथा विभिन्न संगोष्ठियाँ एवं उत्सव आदि अखिल भारतीय स्पर्धा

सातवाँ अन्तः परिसरीय युवमहोत्सव 20-23 दिसम्बर 2014 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की तरफ से शृङ्गेरी में आयोजित किया गया था। वहां हमारे परिसर के 60 छात्र और छात्राएं प्रो. विमलप्रसाद महान्ति, प्रो. सूर्यमणि रथ, डॉ. शम्भुनाथ महालिक, डॉ बिस्वरञ्जन पति, डॉ. स्नेहानन्द इत्यादि अनुभवी शिक्षकों के साधु मार्गदर्शन में भाग ग्रहण किए। श्री नीलकण्ठ दास महोदय की सहायता से 17 पदक प्राप्त किए। उनमें 9 स्वर्ण पदक, 5 रजत पदक, 3 कांस्य पदक सम्मिलित हैं। हमारे परिसर के छात्र मिताली मल्लिक, बलभद्र बढई विशिष्ट क्रीड़ा पुरस्कार से सम्मानित किए गए।

दूसरा अन्तः विश्वविद्यालय युवमहोत्सव 6-9 जनवरी 2015 को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान की तरफ से अगरतला के एकलव्य परिसर में आयोजित किया गया। हमारे परिसर के 7 छात्रों ने डॉ बिस्वरञ्जन पति के मार्गदर्शन में 10 पदक प्राप्त किए। उनमें 8 स्वर्ण पदक, 1 रजत पदक एवं 1 कांस्य पदक सम्मिलित है।

वर्तमान शैक्षिक सत्र में 27-30 जनवरी 2015 को राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति के द्वारा आयोजित नवम अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा समारोह में डॉ. गणपति शुक्ल

जी के मार्गदर्शन में इसी परिसर के 9 छात्र विविध प्रतियोगिताओं में भाग ग्रहण किए। उनमें कुमारी सुकन्या सेनापति ने व्याकरण भाषण में स्वर्ण पदक से, कुमारी मिनतीखमारी ने सांख्ययोग भाषण में रजत पदक से इस परिसर का गौरव बढाया।

इस वर्ष 17-20 मार्च 2015 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के द्वारा अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा का आयोजन किया गया। वहां हमारे परिसर के 12 छात्र डॉ. भगवान सामन्तराय, डॉ. विकासिनी गुमानसिंह के मार्गदर्शन में सोत्साह भाग ग्रहण किया। उनमें शास्त्री द्वितीय वर्ष की छात्रा सस्मिताराणी परिडा वेदान्त शलाका परीक्षा में प्रोत्साहन मूलक 1500 रुपये का नगद पुरस्कार प्राप्त किया।

संस्कृत-सप्ताह-समारोह

संस्कृत सप्ताह समारोह राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के दिशा निर्देशानुसार श्रावण मास की शुक्लपक्ष चतुर्दशी से कृष्ण पक्ष तृतीया तिथि तक (9-13 अगस्त 2014) हमारे परिसर में हर्षोल्लास से संस्कृत सप्ताह समारोह मनाया गया। इस दौरान दिनाङ्क 9 अगस्त को हमारे प्राचार्य डॉ जी. गङ्गन्ना जी की अध्यक्षता में संस्कृत सप्ताह का शुभारम्भ हुआ। इस सभा में तिरुपति से राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के कुलपति आचार्य हरेकृष्ण शतपथी जी मुख्यातिथि, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. रामचन्द्र दाश सम्मानित अतिथि के रूप में विराजमान थे। दिनाङ्क 13 अगस्त को समापन समारोह कार्यक्रम में श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति आचार्य नीलकण्ठपति मुख्यातिथि के रूप में तथा उत्कल विश्वविद्यालय में संस्कृत विभाग के पूर्वतन विभागाध्यक्ष आचार्य गोपाल दाश सम्मानित अतिथि के रूप में विराजमान थे। इस शुभ अवसर पर श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व आचार्य बृजकिशोर स्वॉई, सेवानिवृत्त संस्कृत शिक्षक श्री नारायण महापात्र जी को परिसर ने सहर्ष सम्मानित किया।

ग्लोरिफेस्ट महोत्सव

इस वर्ष दिनाङ्क 12-16 जनवरी 2015 में ग्लोरिफेस्ट महोत्सव में परिसर के 15 छात्रों ने भाग ग्रहण किया। इस महोत्सव में शोधछात्र सुब्रत षडङ्गी एकपात्राभिनय में प्रथम पुरस्कार तथा हास्य भूमिका में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। वहीं हमारे छात्रों ने नाटक में प्रथम पुरस्कार, नृत्य में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में डॉ. नन्दिघोष महापात्र, श्री विश्वनाथ मिश्र ने छात्रों का मार्गदर्शन किया।

वसन्त महोत्सव

वर्तमान शैक्षिक सत्र में 4-6 फरवरी 2015 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली द्वारा आयोजित वसन्त महोत्सव में परिसर के 17 छात्र भवभूति विरचित 'महावीरचरितम्' नाटक को प्रस्तुत किए। इस नाटक में हमारे परिसर को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इस नाटक में शोधछात्र सुब्रत षडङ्गी को नायक की भूमिका के लिए प्रथम पुरस्कार, शास्त्री द्वितीय वर्षीय छात्र अमित कुमार भोई को दशरथ की भूमिका के लिए द्वितीय पुरस्कार तथा आचार्य द्वितीय वर्षीय छात्रा को राक्षसी भूमिका के लिए तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस नाटक का निर्देशन साहित्य विभाग के अध्यापक डॉ. एम. सुदर्शन चिपलुङ्कर, डॉ. विजयलक्ष्मी महापात्र ने किया। इस नाटक के लिए सहायक का कार्य भी कमलाकान्त महापात्र ने किया।

हिन्दी पखवाड़ा समारोह

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के निर्देशानुसार इस वर्ष भी 14-30 सितम्बर 2014 को हमारे हमारे परिसर में हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया। डॉ. केतकी महापात्र महोदया इस आयोजन की संयोजिका थी। उद्घाटन कार्यक्रम में प्रो. अजयकुमार पटनायक सम्मानित अतिथि तथा प्रो. सुकान्त सेनापति मुख्यवक्ता के रूप में उपस्थित थे। उद्यापन सत्र में सम्मानित अतिथि प्रो. अतुलकुमार नन्द महोदय ने हिन्दी दिवस का महत्त्व प्रतिपादित किया। इस कार्यक्रम में परिसर के सभी अध्यापक, कर्मचारीगण व छात्रों ने हर्षोल्लास से भाग ग्रहण किया।

मातृभाषा दिवस समारोह

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के निर्देशानुसार इस वर्ष पहली बार 21 फरवरी 2015 को श्री सदाशिव परिसर में मातृभाषा दिवस समारोह बड़ी धूम-धाम से मनाया। इस दिन प्रबन्ध लेखन प्रतियोगिता व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष का छात्र सत्यव्रत मिश्र ने प्रथम स्थान, आचार्य द्वितीय वर्ष की छात्रा अनुकम्पा मिश्रा ने द्वितीय स्थान तथा प्राक्शास्त्री का छात्र गौरप्रसाद पण्डा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं प्रबन्ध प्रतियोगिता में शिक्षाशास्त्र विभाग की ज्ञानलिप्सा प्रियदर्शिनी प्रथम स्थान, प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष का छात्र यङ्गचान्द ओझा

द्वितीय स्थान, प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष का छात्र कालीप्रसाद आचार्य तृतीय स्थान पर रहे। इस कार्यक्रम की सफलता का श्रेय डॉ. दयानन्द पाणिग्रही, डॉ. बसन्तकुमार मुद्रा, डॉ. अजयकुमार दास, डॉ. प्रियरञ्जन रथ, डॉ. विश्वरञ्जन पति, डॉ. स्नेहलता मिश्रा व कुमारी रञ्जिता बरीक को जाता है।

अन्त में डॉ. नृसिंहचरण साहु जी के मार्गदर्शन में आयोजित सभा में तत्कालीन प्रभारी प्राचार्य प्रो. अतुलकुमार नन्द महोदय व मुख्यातिथि डॉ. केतकी महापात्र जी के करकमलों से विजेताओं को प्रमाण पत्र व पुरस्कार प्रदान किए गए। इसी दिन हमारे परिसर के सेवानिवृत अध्यापक श्री राधामोहन नन्द जी को भी सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रमोदकुमार दलाई ने किया।

परिसर का विशिष्ट कार्यक्रम

इस वर्ष हमारे परिसर में स्वामी विवेकानन्द का 151 वीं जयन्ती के उपलक्ष में **'वैदिकसाहित्ये स्वच्छभारतम्'** नामक विषय पर 13 से 15 जनवरी तक त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के कुलपति आचार्य हरेकृष्ण शतपथी मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित थे। परिसर के सभी विद्वानों ने सक्रिय रूप से भाग ग्रहण किया।

परिसरीय शैक्षिक प्रतियोगिता

हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी परिसर में सत्र 2014-15 के वार्षिकोत्सव के सन्दर्भ में सञ्चालित विविध शास्त्रीय प्रतियोगिताओं में अनेक छात्रों ने भाग ग्रहण किया। कनिष्ठ वर्ग में शास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्र अविनाश भोई ने व्याकरण भाषण, हिन्दी भाषण व अन्त्याक्षरी प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करके सम्पूर्ण परिसर में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। वहीं वरिष्ठ वर्ग में आचार्य द्वितीय वर्ष की छात्रा अनुकम्पा मिश्रा ने इतिहास भाषण, हिन्दी भाषण व संस्कृत निबन्ध लेखन में प्रथम स्थान तथा ओडिया भाषण में द्वितीय स्थान प्राप्त कर परिसर में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया।

परिसरीय वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता

श्री सदाशिव परिसर की वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता 26 अक्टूबर 2014 पुरी के केन्द्रीय विद्यालय के क्रीड़ाङ्गण में सम्पन्न हुई। इन प्रतियोगिताओं में 128 छात्रों ने भाग ग्रहण किया। वरिष्ठ पुरुष वर्ग में शास्त्री प्रथम वर्ष का छात्र बलभद्र बढेई व कनिष्ठ पुरुष वर्ग में प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष का छात्र जीवनज्योति बेहरा, वहीं वरिष्ठ महिला वर्ग में शास्त्री प्रथम वर्ष की छात्रा मितालि मल्लिक व कनिष्ठ महिला वर्ग में प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष की छात्रा कुमुदिनी वाग को सर्वश्रेष्ठ विजेता घोषित किया गया।

स्वच्छ भारत अभियान

श्री सदाशिव परिसर में शिक्षाशास्त्र विभाग ने 24 नवम्बर 2014 को स्वच्छ भारत अभियान का कार्यक्रम प्रारम्भ किया। इस कार्यक्रम का शैक्षिक वर्ष की समाप्ति तक प्रत्येक बुधवार को आयोजित किया गया। शिक्षाशास्त्र विभाग के सभी छात्र छात्राएं उत्साह से इस कार्यक्रम में हिस्सा लिए। विभागाध्यक्ष डॉ. निर्मला पाणिग्रही, डॉ. रमाकान्त मिश्र व सभी अध्यापकों ने इस कार्यक्रम में छात्रों को उचित मार्गदर्शन व सहयोग प्रदान किया।

शिक्षकों द्वारा सम्पन्न पुनश्चर्या एवं ओरिएन्टेशन पाठ्यक्रम

1. डॉ. दुर्गाचरण षडङ्गी, सह-आचार्य (नव्य व्याकरण)
2. डॉ. उमेश चन्द्र मिश्र, सह-आचार्य (नव्य व्याकरण)
3. डॉ. श्रीमती केतकी महापात्र, सह-आचार्य (हिन्दी)
4. डॉ. श्रीमती राधामणि प्रतिहारि, सह-आचार्य (पुराणेतिहास)
5. डॉ. नृसिंहचरण साहु, सह-आचार्य (ओड़िआ)
6. डॉ. मखलेश कुमार, सह-आचार्य (पुराणेतिहास)
7. डॉ. भगवान सामन्तराय, सह-आचार्य (अद्वैतवेदान्त)

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 05

उत्तर प्रेषित - 05

4.2.3 श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)

1. परिचय-परिचय

जम्मू एवं कश्मीर के पूर्व शासक महाराजाधिराज श्री रणवीर सिंह ने संस्कृत विद्या के पारम्परिक एवं अगाध अद्भुत ज्ञान के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से जम्मू प्रान्त में सन् 1873 ईस्वी में रघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय की स्थापना की थी। श्री रघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय का दिनांक 01 अप्रैल, 1971 को केन्द्र सरकार ने अधिग्रहण करके 'श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ' नाम दिया गया। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के सम विश्वविद्यालय के रूप में घोषणा के बाद विद्यापीठ को श्री रणवीर परिसर के रूप में नामित किया गया। जिसमें अध्ययनविषयानुरूप व्याकरण, ज्योतिष (फलित एवं सिद्धान्त), साहित्य, वेद, दर्शन और शिक्षाशास्त्र ये 6 विभाग हैं।

जिनमें प्राक्शास्त्री से आचार्य स्तर तक के अनुशासित छात्रों को सुयोग्य प्राध्यापकों द्वारा शिक्षा प्रदान की जा रही है। संस्कृत शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए यहाँ 1979 में शिक्षाशास्त्री (बी.एड्.) पाठ्यक्रम का आरंभ किया गया है और शास्त्री तक शास्त्रीय विषयों के साथ ही हिन्दी, डोगरी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र और इतिहास जैसे आधुनिक विषय भी पढ़ाए जाते हैं। यहाँ छात्रों के लिए संगणक, पर्यावरण विज्ञान, संगीत और योग के प्रशिक्षण की भी समुचित व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त बहुआयामी शोध के उद्देश्य से 1978 से अब तक 102 शोधच्छात्र विद्यावारिधि (पी.एच. डी.) उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। वर्तमान में पंजीकृत शोधार्थियों की संख्या 09 है। परिसर शैवदर्शन से सम्बद्ध शोधों को बढ़ावा देने के लिए कश्मीर शैव दर्शन कोश परियोजना को भी सञ्चालित कर रहा है। परिसर में अपना सुसमृद्ध पुस्तकालय है। जिसमें विविध विषयों की लगभग 38,243 पुस्तकें उपलब्ध हैं और यहाँ से 20 पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है।

व्यवस्थित अधिगम के लिए परिसर में उच्चकोटि के संगणक कक्ष, शैक्षिक तकनीकि प्रयोगशाला, मनोविज्ञान प्रयोगशाला भी हैं।

परिसर में स्टाफ के लिए आवासीय कक्षों की व्यवस्था के साथ ही उन्नत स्तर का अतिथिगृह भी बनाया गया है। इसके अतिरिक्त आधुनिक व उत्कृष्ट कोटि का मन्त्रणा सभागार, सम्मेलन कक्ष और क्रीड़ा स्थल भी परिसर में विद्यमान है।

वर्ष 2014-15 के दौरान विभिन्न कक्षाओं में 392 छात्रों ने प्रवेश लिया। जिसमें 307 छात्र और 50 छात्राएँ शामिल हैं। इनके निवास के लिए परिसर में (60+24=84 कमरों के) अलग-अलग त्रितलीय छात्रावास बनाए गए हैं। वर्ष 2014-15 के दौरान 106 छात्रों और 35 छात्राओं के लिए आवास व्यवस्था प्रदान की गई।

2. परिसर की अवस्थिति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय), श्री रणवीर परिसर, कोट-भलवाल, जम्मू में स्थित है।

3. उपलब्ध पाठ्यक्रम

1. प्राक्-शास्त्री
2. शास्त्री
3. शिक्षाशास्त्री
4. आचार्य
5. शिक्षाचार्य
6. विद्यावारिधि

2. समारोह/संगोष्ठियाँ एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

- दिनांक 03-07-2014 से प्राक्-शास्त्री प्रथम एवं शास्त्री प्रथम वर्ष की प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हुई।
- दिनांक 07-07-2014 से 11-07-2014 तक शिक्षा-शास्त्री विभाग में प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न हुई।
- दिनांक 10-07-2014 को परिसर में शैक्षणिक सत्र 2014-2015 का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर वैदिक रीति-रिवाज से हवन का आयोजन डॉ. चन्द्रमौलि

रैणा के संयोजन में किया गया।

- दिनांक 15-07-2014 से 21-08-2014 तक शिक्षाचार्य में प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न हुई।
- दिनांक 17-07-2014 को शिक्षा-शास्त्री एवं शिक्षाचार्य कक्षाओं का शुभारम्भ किया गया।
- दिनांक 18-07-2014 को परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग में साप्ताहिक संगोष्ठी का उद्घाटन परिसर प्राचार्य के द्वारा किया गया।
- दिनांक 21-07-2014 से 30-07-2014 तक परिसर में संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन किया गया।
- दिनांक 24-07-2014 को परिसर में वाणी विलास परिषद् का उद्घाटन राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित परिसर के पूर्व प्राचार्य प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री द्वारा किया गया। वाणी विलास परिषद के संयोजक का दायित्व डॉ. रामदास संगोत्रा को दिया गया।
- दिनांक 25-07-2014 को परिसर में श्रीशंकर शास्त्रार्थ परिषद का उद्घाटन परिसर के प्राचार्य प्रो. रामानुज देवनाथन के कर कमलों के द्वारा किया गया। परिसर के व्याकरण विभागाध्यक्ष प्रो. हरिनारायण तिवारी ने मुख्य वक्ता के रूप में "व्याकरणोऽन्वाख्येया शब्दा" विषय पर व्याख्यान दिया।
- दिनांक 05-08-2014 से 22-08-2014 तक शिक्षाशास्त्र विभाग में प्रबोधन वर्ग का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत छात्रों को विविध शास्त्रों के विषय में जानकारी दी गई।
- दिनांक 11 से 14 अगस्त 2014 को संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। संस्कृत सप्ताह का उद्घाटन दिनांक 11-08-2014 को हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में शान्तमनु मण्डलायुक्त, जम्मू सम्भाग, एवं सारस्वत अतिथि डॉ. प्रियतम चन्द्र शास्त्री, पूर्व प्राचार्य, जम्मू परिसर, उपस्थित रहे। संस्कृत सप्ताह के अन्तर्गत संस्कृत गान प्रतियोगिता, आशुभाषण, निबन्ध लेखन, वाद-विवाद, श्लोकान्त्याक्षरी एवं संस्कृत जागरूकता शोभायात्रा का आयोजन किया गया। संस्कृत सप्ताह के अन्तर्गत दिनांक 13-08-2015 को वी राघवन-स्मृति-व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। व्याख्यानमाला के मुख्यवक्ता प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय, अध्यक्ष, शोध एवं प्रकाशन विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली ने "राघवनमहोदयस्य कारयित्रीप्रतिभाविमर्श" विषय में व्याख्यान दिया।
- दिनांक 14-08-2015 को संस्कृत जागरूकता शोभा यात्रा का आयोजन इन्दिरा चौक, जम्मू से श्री रणवीरेश्वर मन्दिर जम्मू तक किया गया। शोभा-यात्रा का समापन बाबा श्री कैलख धाम समिति ने सौजन्य से श्री कैलख धाम मन्दिर प्राङ्गण में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री शक्ति पाठक, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी रहे।
- संस्कृत सप्ताह का समापन समारोह दिनांक 14-08-2015 को किया गया। समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. एस.के. शर्मा, सूचना आयुक्त, जम्मू-काश्मीर एवं सारस्वत अतिथि प्रो. राम प्रताप वेदालङ्कार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य द्वारा की गई। अतिथियों के द्वारा प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।
- माह अगस्त में दिनांक 15-08-2014 को श्रीरणवीर परिसर में स्वतन्त्रता दिवस उल्लासपूर्वक मनाया गया। परिसर प्राचार्य के द्वारा ध्वजारोहण किया गया।
- दिनांक 22-08-2014 को परिसर में श्रीशंकरशास्त्रार्थ परिषद् के द्वितीय अधिवेशन में सर्वदर्शन विभागाध्यक्षा डॉ. सावित्री शतपथी के द्वारा "भारतीय दर्शनेषु आत्म-तत्वविचार" विषय पर व्याख्यान दिया गया। सर्वदर्शन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कृष्ण मुरारी मणि त्रिपाठी ने भी व्याख्यान दिया।
- दिनांक 29-08-2014 को परिसर में गणेश चतुर्थी के शुभअवसर पर गणेश पूजन का आयोजन किया गया।
- दिनांक 04-09-2014 को परिसर में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. चन्द्रमौलि रैणा के संयोजन में किया गया।
- दिनांक 05-09-2014 को परिसर में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिक्षा-शास्त्री के छात्रों द्वारा एक नाटक का मंचन किया गया।
- दिनांक 18-09-2014 से 22-09-2014 तक हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं तथा निबन्ध लेखन, भाषण एवं काव्यपाठ का आयोजन किया गया। 18 सितम्बर 2014 को हिन्दी पखवाड़ा का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रपति सम्मानित सीमा सुरक्षा बल विद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.

एस. खोखर उपस्थित रहे। दिनांक 22 सितम्बर 2014 को हिन्दी पखवाड़ा का समापन समारोह का आयोजन किया गया। समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली के पूर्व कुलपति, राष्ट्रपति सम्मानित प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के द्वारा प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

- दिनांक 02-10-2014 को गांधी जयंती के अवसर पर परिसर में स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- दिनांक 13-10-2014 से 17-10-2014 तक श्रीशारदा-विस्तार व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। श्रीशारदा-विस्तार व्याख्यान माला के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. वाचस्पति द्विवेदी पूर्व संकाय अध्यक्ष, शिक्षा संकाय सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रो. वाचस्पति द्विवेदी ने मुख्य वक्ता के रूप में "क्रियात्मक अनुसंधान" विषय पर व्याख्यान दिया।
- दिनांक 15-10-2014 को व्याख्यान माला की श्रृंखला में प्रो. जागीर सिंह पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय ने "काश्मीर शैवदर्शन" विषय पर व्याख्यान दिया।
- दिनांक 16-10-2014 को परिसर में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन परिसर के वेद विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार मिश्र के संयोजन में किया गया।
- दिनांक 16-10-2014 को व्याख्यान माला की श्रृंखला में प्रो. राजेश्वर प्रसाद मिश्र, संस्कृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने "वैदिकस्वराणां महत्त्वम्" विषय पर व्याख्यान दिया।
- दिनांक 17-10-2014 को श्रीशारदाविस्तार व्याख्यानमाला के समापन सत्र में डॉ. हरिराम मिश्र, विशिष्ट अध्ययन केन्द्र, संस्कृत विभाग, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने "व्याकरणनिकाये वाक्तत्त्वविमर्श:" विषय पर व्याख्यान दिया। समापन सत्र के अन्तर्गत ही प्रो. रमाकान्त पाण्डेय निदेशक, मुक्त स्वाध्याय केन्द्र, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने "शास्त्र काव्य" विषय पर व्याख्यान दिया। समापन सत्र की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य के द्वारा की गई।
- दिनांक 27-10-2014 से 02-11-2014 तक परिसर में अन्तर-परिसरीय युवा महोत्सव की चयन प्रक्रिया का आयोजन ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. पी.के. महापात्र एवं डॉ. राजेन्द्र लाल के संयोजन में किया गया।
- दिनांक 11-11-2014 को परिसर में राष्ट्रिय शिक्षा दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्रो. एन्.आर. शर्मा विभागाध्यक्ष शिक्षा-विभाग केन्द्रीय विश्वविद्यालय जम्मू रहे। कार्यक्रम का संयोजन शिक्षा-शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. जगदीश राज शर्मा, के द्वारा किया गया।
- दिनांक 17-11-2014 को परिसर में छात्र-संसद का आयोजन किया गया।
- दिनांक 04-12-2014 को गीता जयंती के अवसर पर श्री रणवीर परिसर के सौजन्य से केन्द्रीय विद्यालय-1 गांधी नगर, जम्मू में गीता श्लोक कंठ पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक उपस्थित रहे।
- दिनांक 12-01-2015 को विवेकानन्द जंयती के अवसर पर परिसर में युवा दिवस का आयोजन किया गया।
- दिनांक 26-01-2015 को परिसर में गणतन्त्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। ध्वजारोहण परिसर के प्राचार्य द्वारा किया गया।
- दिनांक 27-01-2015 को परिसर में राज्य स्तरीय शास्त्री स्पर्धा का आयोजन प्रो. मनोज कुमार मिश्र के संयोजन में किया गया। इस स्पर्धा में जम्मू काश्मीर प्रान्त के विद्यालयों एवं महाविद्यालयों छात्रों ने भाग लिया विजेता छात्रों को परिसर प्राचार्य द्वारा पुरस्कृत किया गया।
- दिनांक 30-01-2015 को वृक्षों के संरक्षण पर परिचर्चा का आयोजन किया गया, इस कार्यक्रम में भारतीय वन सेवा के अधिकारी श्री ओ.पी. विद्यार्थी ने पर्यावरण के प्रति छात्रों को जागरूक किया।
- दिनांक 19-24 फरवरी 2015 तक परिसर में क्रीड़ा सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के लिए विभिन्न क्रीड़ा प्रतियोगितायें आयोजित की गई। क्रीड़ा सप्ताह का उद्घाटन परिसर प्राचार्य प्रो. रामानुज देवनाथन के द्वारा किया गया। क्रीड़ा सप्ताह का

समापन समारोह 25 फरवरी 2015 को किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में श्री रजत चौहान अन्तर्राष्ट्रीय तीरंदाज एवं 17वें एशियन खेल इचियोन (दक्षिण कोरिया) 2014 के स्वर्ण पदक विजेता उपस्थित रहे। समापन समारोह के अन्तर्गत श्री रजत चौहान का छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि के द्वारा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। क्रीड़ा सप्ताह के समापन सत्र की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य द्वारा की गई। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. पी.के. महापात्र द्वारा किया गया।

- दिनांक 25-02-2015 को परिसर में श्री शंकर शास्त्रार्थ परिषद् के तृतीय अधिवेशन में ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. प्रभात कुमार महापात्र के द्वारा "मानव जीवने वकिग्रहाणां प्रभाव:" विषय पर व्याख्यान दिया गया। ज्योतिष विभाग के सहायक आचार्य डॉ. चन्द्रमौलि रैना व डॉ. निगम पाण्डेय ने भी व्याख्यान दिये।
- दिनांक 09-03-2015 को परिसर में श्री शंकरशास्त्रार्थ परिषद के चतुर्थ अधिवेशन में वेद विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार मिश्र के द्वारा "कालिदासस्य श्रौतकर्माभिज्ञता" विषय पर व्याख्यान दिया। वेद विभाग के सहायक आचार्य डॉ. डी. दयानाथ व डॉ. अरूण कुमार मिश्र ने भी इस अवसर पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- दिनांक 21-03-2015 को परिसर के शिक्षा-शास्त्री विभाग में सामुदायिक सेवा के अन्तर्गत परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. जगदीश राज शर्मा व डॉ. नगेन्द्र नाथ झा ने किया।
- दिनांक 27-03-2015 को परिसर में श्रीशंकरशास्त्रार्थ परिषद का समापन समारोह आयोजित किया गया। समापन समारोह के अवसर पर मुख्यातिथि प्रो. रामप्रताप वेदालङ्कार उपस्थित रहे। समापन सत्र के अवसर पर साहित्य विभागाध्यक्ष डॉ. सतीश कुमार कपूर के द्वारा "काव्यमार्गे स्वरविचार:" विषय पर व्याख्यान दिया गया साहित्य विभाग के डॉ. तेजनाथ पौडेल एवं डॉ. राज कुमार मिश्र ने भी व्याख्यान प्रस्तुत किया।

संकाय सदस्यों द्वारा पुनश्चर्या पाठ्यक्रम/अभिविन्यास पाठ्यक्रम

1. डॉ. श्रीमती सावित्री शतपथी
2. डॉ. चन्द्रमौली रैणा
3. डॉ. सच्चिदानन्द शर्मा
4. श्रीमती निर्मल गुप्ता
5. डॉ. रामदास संगोत्रा

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 15

उत्तर प्रेषित - 15

4.2.4 गुरुवायूर परिसर, पुरनाट्टुकरा, त्रिचूर (केरल)

परिसर-परिचय

गुरुवायूर परिसर 16.07.1979 को गुरुवायूर साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ, जो गुरुवायूर के पास पावरत्ती में स्थित था और जिसकी स्थापना स्व. श्री पी.टी. कुरियाकोश मास्टर द्वारा की गई थी, के अधिग्रहण के फलस्वरूप स्थापित हुआ। (यह पूर्ववर्णित विद्यापीठ केरल के अन्दर और बाहर के समस्त क्षेत्रों में संस्कृत ज्ञान के प्रमुख केन्द्र के रूप में प्रसिद्ध था और स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर तक, मद्रास विश्वविद्यालय के साथ 1934 से, केरल विश्वविद्यालय 1958 से और कालिकट विश्वविद्यालय के साथ 1968 से सम्बद्धता प्राप्त करके, शिक्षा प्रदान करता था।) जनवरी 1970 में यह प्राचीन पारम्परिक अध्ययन का भण्डारगृह भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से सम्बद्ध हो गया। 7 मई 2002 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को सम विश्वविद्यालय की मान्यता प्राप्त होने पर इस केन्द्रीयविद्यापीठ को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के गुरुवायूर परिसर का नाम दिया गया।

गुरुवायूर परिसर के दो केन्द्र हैं एक पुरनाट्टुकरा में और दूसरा पावरती में। प्रमुख केन्द्र पुरनाट्टुकरा में है जो 14 एकड़ के विस्तार में अत्यन्त सौन्दर्यपूर्ण प्राकृतिक वातावरण में स्थित है। इसमें प्रमुख शैक्षणिक खण्ड, प्रशासनिक खण्ड, पुस्तकालय, छात्रों और छात्राओं के छात्रावास, अतिथि गृह, आडिटोरियम, खेल का मैदान, अर्ध कार्यरत भवन और आवासीय भवन स्थित हैं। पावरती केन्द्र 50 सेन् की विस्तृत भूमि में बसा है और इसका नाम इस विद्यापीठ के पूर्वोक्त संस्थापक श्री पी. टी. कुरियाकोश मास्टर के नाम पर पी.टी.कुरियाकोस स्मृति भवन रखा गया। इसमें एकमंजिला भवन है जिसमें दो बड़े हॉल हैं, एक प्रशासनिक कक्ष है और अन्य दस कक्षा गृह है जो आधुनिक सुविधाओं से सम्पन्न हैं।

परिसर की अवस्थिति

गुरुवायूर परिसर का मुख्य केन्द्र केरल में त्रिचूर जिले में आदत पञ्चायथ स्थान पर एक शैक्षिक संकुल क्षेत्र में स्थित है और इसके चारों ओर आमला मेडिकल महाविद्यालय, श्रीरामकृष्ण आश्रम एस.आर्.के.जी.वी.एम्. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और शारदा बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, केन्द्रीय विद्यालय तथा आई.ई.एस्. इन्जीनियरिग कॉलेज स्थित है। त्रिचूर शहर से गुरुवायूर परिसर उत्तर पूर्व में 8 किलोमीटर दूर है। कोच्चि अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, जो नेदुम्बेसेरी में स्थित है, परिसर से केवल 61 किलोमीटर दूर है। पावरती में कुरियाकोस मास्टर स्मृति भवन मुख्य परिसर से 15 किलोमीटर की दूरी पर है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

वर्तमान में पुरुनाट्टुकरा स्थित परिसर में निम्नलिखित पाठ्यक्रम पढ़ाए जा रहे हैं-

1. प्राक्शास्त्री (इन्टरमीडिएट)
2. शास्त्री (ग्रेजुएशन) - वेदान्त, साहित्य, व्याकरण, न्याय और ज्योतिष।
3. आचार्य (स्नातकोत्तर) - वेदान्त, साहित्य, व्याकरण और न्याय।
4. शिक्षा-शास्त्री (बी.एड्)
5. विद्यावारिधि (पी.एच्.डी)

संस्थान और परिसर के अधिकारी वर्ग जल्द ही यहाँ शिक्षाचार्य पाठ्यक्रम को प्रारम्भ करने के लिए प्रयासरत हैं। आधुनिक जगत से परिचित कराने के लिए परिसर में आधुनिक विषय भी यथा - इतिहास, अंग्रेजी, मलयालम, योग, संगणक शिक्षा एवं पर्यावरण अध्ययन प्राक्शास्त्री से शास्त्री तक विद्यार्थियों को पढ़ाए जाते हैं।

पी.टी. कुरियाकोस स्मृति भवन का उपयोग मुक्तस्वाध्याय पीठ, त्रैमासिक अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण, पत्राचार पाठ्यक्रम एवं हस्तलिपि संग्रहण केन्द्र आदि के रूप में किया जाता है।

शैक्षणिक विभाग

वर्तमान में परिसर में कार्यरत सात विभाग अधोलिखित हैं:

1. नव्य व्याकरण
2. साहित्य
3. अद्वैत वेदान्त
4. न्याय

5. ज्यौतिष
6. शिक्षाशास्त्र
7. आधुनिक विषय

ग्रन्थालय

परिसर का पुस्तकालय, संस्थान के अन्य श्रेष्ठ पुस्तकालयों में एक माना जाता है। इस पुस्तकालय की स्थापना 16 जुलाई सन् 1979 को हुई थी। यह पुस्तकालय ज्ञान का भण्डार है। उच्चतर अध्ययन के क्षेत्र में, संस्थान के सबसे महत्वपूर्ण एवं अभिन्न अंग के रूप में यह कार्य करता है। इस पुस्तकालय में लगभग 32,208 पुस्तकें, 250 हस्तलिपियाँ, पत्रिकायें, समाचार पत्र शोधप्रबन्ध और लघु शोधप्रबन्ध हैं। ये सभी के सभी विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के लिए यहाँ उपलब्ध हैं।

पुस्तकालय में संगणक की सुविधा है जिसमें इन्टरनेट का संयोजन भी है। पुस्तकालय की आवश्यक पुस्तकों की उपलब्धता के लिए एक क्रय-विक्रय समिति का गठन किया गया है। समकालीन विषयों से संबन्धित पाठ्य सामग्री भी पुस्तकालय में हैं। प्रत्येक विभाग के विषय विशेषज्ञ इस पर कार्य कर रहे हैं। परिसर के शोधार्थी एवं अन्य जगहों से आने वाले भी इस पुस्तकालय का सही इस्तेमाल करते हैं। परिसर के कर्मचारी एवं विद्यार्थी इन्टरनेट की सुविधा प्राप्त करते हैं। इन्टेरनेट के उपयोग में समय की पाबन्दी नहीं है। फिर भी छात्रों के लिए दोपहर का समय निर्धारित किया गया है। पुस्तकालय की सेवाएँ संगणक द्वारा संयोजित है।

दूरस्थ शिक्षा

छात्रों की कुल संख्या 117 है। प्राक्-शास्त्री जैसे पाठ्यक्रमों में इस वर्ष से प्रवेश कराया गया है-सेतु, साहित्य, व्याकरण, फलितज्योतिष; शास्त्री-सेतु साहित्य, ज्योतिष, व्याकरण, आचार्य; आचार्य-सेतु साहित्य, सेतु फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष, आदि इन पाठ्यक्रमों की पुरनाट्टुकरा परिसर में नियमित पाठ्यक्रमों की तरह बराबर मान्यता है।

अन्य क्रिया कलाप

वसंत महोत्सव

इस साल वसंत महोत्सव 04-02-2015 से 6-2-2015 तक नई दिल्ली के शंकरलाल मंर्सेट सभागार में मनाया गया। गुरुवायूर परिसर की ओर से मुद्राराक्षस नाटक का मंचन हुआ। प्रतियोगिता में शास्त्री त्रितीय वर्ष के ता, एस.हरिप्रसाद ने सर्वोच्च अभिनेता का पुरस्कार प्राप्त किया।

अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा इस साल नई दिल्ली में मार्च 17 से लेकर बीस तारीख तक चलाई गई। परिसर की ओर से तीन विद्यार्थियों ने विविध शास्त्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिये।

युवमहोत्सव - राष्ट्रीय क्रीडा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ

सन् 2014-2015 का युव महोत्सव राजीवगाँधी परिसर श्रृंगेरी में दिसंबर बीस तारीख से लेकर तेईस तारीख तक आयोजित हुआ। परिसर की ओर से 63 सदस्यों के एक दल ने जिसमें 60 विद्यार्थियों और तीन अध्यापक शमिल थे, विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

साहित्य एवं कला प्रतियोगितायें

परिसर की 2014-15 की साहित्यिक एवं कला प्रतियोगितएँ मार्च ग्यारह और बारह तारीख को (11-3-2015 से 12-3-2015) परिसर के सभागार में सम्पन्न हुई। कालटी, शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय के सेवा निवृत्त प्रो. श्रीमती कलामंडलम क्षेमावती, संगीतकार बी.के.हरिनारायण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। उनके कर कमलों से कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। पैंकुलम नारायणचाम्यार ने कूडियाट्टम की प्रस्तुति की। उस दौरान विद्यार्थियों की कई कला प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयी।

विकासशील गतिविधियाँ

शोध प्रविधि, हस्तलिपि, पाठानुसंधान पर कार्यशिविर 11-02-2015 से 3-3-2015 तक

शोध प्रविधि, हस्तलिपि, पाठानुसंधान आदि विषयों पर सन् 2015 फरवरी ग्यारह तारीख से लेकर मार्च महीने की तीन तारीख तक परिसर द्वारा इक्कीस दिवस के कार्यशिविर का आयोजन किया गया। कार्य शिविर में तैंतीस विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ। प्राचार्य प्रो. सि.एच.एल.शर्मा कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं श्री सुब्रमहण्य शर्मा वेदान्त विभाग के सहायक आचार्य संयोजक रहे। कार्य शिविर का उद्घाटन कालटी श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलसचिव

डॉ.टी.पी. रवीन्द्रन ने किया था। निर्दिष्ट विषय पर कई विद्वानों ने भाषण प्रस्तुत किये। सभी शोधार्थी इस कार्यशिविर में भाग लिये। प्रतिपुष्टि हेतु शोधार्थियों को निर्दिष्टाभ्यास भी दिये गये।

कार्यशिविर का समापन समारोह मार्च तीन सन् 2015 को संपन्न हुआ। केरल साहित्य अकादमी त्रिचूर के सचिव श्री आर. गोपालकृष्ण कार्यक्रम के मुख्यातिथि रहे। परिसर के पूर्व प्राचार्य प्रो. एम.एम. बाबू सम्मेलन के सम्माननीय अतिथि रहें।

विशिष्ट व्याख्यानमाला

परिसर द्वारा विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें अनेक श्रेष्ठ पंडितों ने शास्त्रीय एवं आधुनिक विषयों पर भाषण प्रस्तुत किये। सभी भाषण अंतरअनुशासनीय स्वभाव के थे ताकि शास्त्रिय सिद्धान्तों का सही मूल्यांकन सम्भव हो सके। इस साल दिनांक 17-08-2014 को प्रो. अशोक अक्लुजकर, प्रोफेसर् इमरिटस्, ब्रिटिश कोलम्बिया यूनिवर्सिटी कनेडा "आधुनिक और पश्चिमी दर्शन को समझने के लिए भर्तृहरि का योगदान" विषय पर भाषण प्रस्तुत किये और दिनांक 10 से 11-03-2015 को प्रो. विश्वनाथगोपालकृष्ण, प्राचार्य, श्री गौतमी विद्यापीठम् प्राचार्य विद्याकलाशाला, राजमहेन्द्रपुरम् "शब्दवृत्तिविचार: और ब्रह्मकारणतावाद इति विषय पर भाषण प्रस्तुत किये।

पी.टी. कुर्याकोस मास्टर अंतराष्ट्रीय भाषण

श्री पी.टी. कुरियाँकोस मास्टर के 125वीं जन्म वार्षिक के अवसर पर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान पावर्ती परिसर द्वारा संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। संगोष्ठी का विषय था। 'केरल में संस्कृत के बढावा के लिए पी.टी.कुरियाकोस मास्टर का योगदान' सम्मेलन का उद्घाटन कवि श्री राधाकृष्ण कम्माश्शेरी ने किया था। गुरुवायूर परिसर के प्राचार्य प्रो. सि. एच.एय.एन. शर्म ने अध्यक्षीय भाषण दिया। श्रीमती विमला सेतुमाधवन पावर्ती ग्राम पंचायत अध्यक्षा, कालटी एस.एस.सू. एस. के डीन प्रो. एस.राधा, गुरुवायूर परिसर के पूर्व प्राचार्य प्रो.एल.ए.बाबू, श्रीथाँमस पावर्ती थोमियास अडवैहोसिंह कालटी, एस, एस. यू. एस. के सहायक आचार्य फान्सीस अरम्भ्य कवि आन्रनी इंलजिक्कल, प्रो. कवि आन्टनी इंलजिक्कल, प्रो. केएल. सेवास्टियन पूर्व विभागाध्यक्षा, आधुनिक विभाग, गुरुवायूर परिसर ने अपने आर्शीवचन भाषण से अनुगृहीत किया। प्रो. के.पि.केशवन पावरती केन्द्र के प्रभारी ने सम्मेलन में सबका स्वागत किया। डॉ. ई.पी.श्रीदेवी सहायक आचार्य, मुक्तस्वाध्याय पीठ ने कृतज्ञता ज्ञापित की।

समापन सम्मेलन 23-02-2015 को पावरटी परिसर के पी.टी. कुरियाकोस स्मृति भवन में संपन्न हुआ। रेवरेन्ट फादर डॉ. फ्रान्सीस आलप्पाट ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। कलामण्डलम गोपि सम्मेलन के सम्माननीय अतिथि रहे। गुरुवायूर परिसर प्राचार्य प्रो.के.एय द्वारा संपन्न हुआ। पावर्ती, एम.एस.पी. संयोजक प्रो. के.पि.केशवन ने सबका स्वागत किया। पावर्ती ग्राम पंचायत अध्यक्षा श्रीमती विमला सेतुमाधवन, गुरुवायूर परिसर पावर्ती केन्द्र के विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा अनुभागी अधिकारी आदि ने आर्शीवचन भाषण दिए। एम.एस.पी. पावर्ती के संयुक्त संयोजक डॉ.इ.पी.श्रीदेवी ने कृतज्ञता ज्ञापित की।

वृत्तिदान पुरस्कार

इन पुरस्कारों के अतिरिक्त राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मानित विश्वविद्यालय द्वारा 5000/-रुपए का नकद पुरस्कार देने का निर्णय लिया गया। सदशासन दिवस के अवसर पर चलाये गये भाषण प्रतियोगिता तकनीकी का उपयोग एवं सद्शासन बढाने में नवप्रवर्तन 22-12-2014 को श्रृंगेरी परिसर में सद्शासन दिवस की शाम को संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में परिसर की छात्रा कुमारी इ.ए.आथा (आचार्य प्रथम वर्ष) ने तीसरा स्थान ग्रहण किया।

शिक्षा शास्त्री कक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को प्रो.सि.एच.एल.एन शर्मा द्वारा अपने माता-पिता की स्मृति में एक हजार रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाता है। इस साल यह पुरस्कार श्रेयास प्रसन्न (अंक 823) को प्राप्त हुआ प्राक्शास्त्री प्रथम और द्वितीय वर्ष में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को डॉ.एस.वी. रमणमूर्ति द्वारा पाँच सौ रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाता है। प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष में कुमारी सिल्जा अंक (596) और प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष की छात्रा उण्णिमाया अंक (505) ने इस साल यह पुरस्कार जीता है। शास्त्री प्रथम, द्वितीय और तृतीय कक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को आठ सौ रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाता है। यह पुरस्कार शास्त्री प्रथम वर्ष में मृदुला वी.वी. अंक 670, शास्त्री द्वितीय वर्ष में, अतिरा ए. अंक (579) को दिया जाता है।

चौथी पर्चा अंग्रेजी साहित्य में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने

वाले शास्त्री प्रथम और द्वितीय वर्ष के प्रत्येक विद्यार्थी को आठ सौ रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाता है। यह पुरस्कार शास्त्री प्रथम वर्ष के अमृता पी.वी. अंक (83), द्वितीय वर्ष के मीरा ऐ.जे. और विजीषा को (83) दिया जाता है।

डॉ. पी.इन्दिरा द्वारा अपने माँ-बाप की पुण्य-स्मृति में आचार्य प्रथम वर्ष में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को पाँच सौ रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाता है। इस साल यह पुरस्कार रेश्मा टी.एम. को जाता है। अध्यापक-अभिभावक समिति द्वारा भी वृत्तिदान पुरस्कार दिये गये। प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष, शास्त्री तृतीय वर्ष, आचार्य, द्वितीय वर्ष और शिक्षा शास्त्री में सर्वोच्च अंक प्राप्त किये गये प्रत्येक विद्यार्थी क्रमशः उन्निमाया अंक (505), आतिरा ए (अंक 579), अश्वती मोहन (अंक 878) और श्रेयास प्रसन्ना (अंक 823) को वृत्तिदान पुरस्कार दिया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस)

डॉ.पी.इंदिरा सन् 2014-15 अध्ययन वर्ष के एन.एस.एस प्रोग्राम अधिकारी चुनी गयी। डॉ. के.के.हर्षकुमार, श्री. सुधीर के.आर. सहायक प्रोग्राम अधिकारी रहे। एक सौ वोलंटिएर नामांकित किये गये। कुमारी हरिता टी. एवं कुमारी अजया को सचिव एवं संयुक्त सचिव के पद के लिए चुनी गयी।

इस अध्ययन वर्ष में एन.एस.एस. द्वारा आयोजित की गयी कार्यक्रमों की सूची हैं :-

1. एन.एस.एस. बोलंटिएर का दायित्व एवं उनका महत्व इस विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। एन. एस.एस. के बारे में अवबोध जगाना इस विषय पर श्री केरल वर्मा कॉलेज मलयालम विभाग के सहायक अध्यापक डॉ.पी.वी.प्रकाश बाबू द्वारा भाषण का आयोजन किया गया।
2. केरल राज्य द्वारा आयोजित पैंतीसवीं देशीय खेल-कूद समारोह के रन केरला रन मारथन में परिसर के शारीरिक शिक्षा विभाग के नेतृत्व में एन.एस.वोलंटिएर ने भाग लिया।
3. परिसर की स्वच्छ सफाई कार्यक्रमों में एन.एस.एस. बोलंटिएर ने भाग लिया।
4. वैयक्तिक विकास कार्यक्रम का आयोजन हुआ था जिसका नेतृत्व बलवर्म ईटरनेश्नल के सी.इ.ओ. त्री विनोद उग्नेशियस ने किया।

वसंत महोत्सव

इस साल वसंत महोत्सव 04-02-2015 से 06-02-2015 तक नई दिल्ली के शंकरलाल मंर्सेट सभागार में चलाया गया। गुरुवायूर परिसर की ओर से **मुद्राराक्षस** नाटक का मंचन हुआ। प्रतियोगिता में शास्त्री तृतीय वर्ष के ता एस. हरिप्रसाद ने सर्वोच्च अभिनेता का पुरस्कार प्राप्त किया।

अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

अखिल भारतीय शास्त्रीया स्पर्धा इस साल नई दिल्ली में मार्च 17 से लेकर बीस तारीख तक आयोजित की गई। परिसर की ओर से तीन विद्यार्थियों ने विविध शास्त्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिए।

विकासशील गतिविधियाँ

कार्यशिविर शोध प्रविधि, हस्तलिपि, पाठानुसंधान पर 11-02-2015 से 03-03-2015 तक

शोध प्रविधि, हस्तलिपि, पाठानुसंधान आदि विषयों पर सन् 2015 फरवरी ग्यारह तारीख से लेकर मार्च महीने से तीन तारीख तक परिसर द्वारा इक्कीस दिवस के कार्यशिविर का आयोजन किया गया। कार्य शिविर में तैंतीस विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ। प्राचार्य प्रो.सि.एच.एल.एन.शर्मा कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं श्री सुब्रमहण्य शर्मा वेदान्त विभाग के सहायक आचार्य संयोजक रहे। कार्य शिविर का उद्घाटन कालडी श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ.टी.पी.रवीन्द्रन ने किया था। निर्दिष्ट विषय पर कई विद्वानों ने भाषण प्रस्तुत किये। सभी शोधार्थियों ने इस कार्यशिविर में भाग लिया। प्रतिपुष्टि हेतु शोधार्थियों को निर्दिष्टाभ्यास भी दिये गये।

कार्यशिविर का समापन समारोह मार्च तीन सन् 2015 को संपन्न हुआ। केरल साहित्य अकादमी त्रिचूर के सचिव श्री. आर.गोपालकृष्ण कार्यक्रम के मुख्यातिथि रहे। परिसर के पूर्व प्राचार्य प्रो.एम.एम.बाबू सम्मेलन के सम्माननीय अतिथि थे।

स्वतंत्रता दिवस

68वीं स्वतंत्रता दिवस समारोह पन्द्रह अगस्त सन् 2014 को प्रातः 8.30 बजे परिसर प्राचार्य प्रो. च.ल.न. शर्मा महोदय ने पताका ध्वजन के साथ मनाया गया। विद्यार्थियों को मिठाइयाँ बाँट दी गयी।

हिन्दी दिवस एवं पखवाडा समारोह

सन् 2014 का हिन्दी दिवस एवं पखवाड़ा समारोह सोलह सितंबर से तेईस सितंबर तक मनाया गया। समापन सम्मेलन का उद्घाटन ऐ.ए.एस.इ. त्रिचूर की हिन्दी प्राध्यापिका डॉ.आर लक्ष्मी ने किया। रामवर्मपुरम् केन्द्रीय विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती फिलोमिना मेचेरी सम्मेलन की मुख्यातिथि रही। आधुनिक विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.वी.आर. मूर्ती ने सबका स्वागत किया। डॉ. नन्दकिशोर तिवारी ने कृतज्ञता ज्ञापित की।

स्वच्छ भारत अभियान

संस्थान से प्राप्त सूचना के अनुसार पर, भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के जन्मदिवस के अवसर पर दो अक्टूबर सन् 2014 को प्रत्येक परिसर द्वारा स्वच्छ भारत अभियान का प्रारम्भ किया गया है। गाँधीजी के आदेशों का पालन करते हुए परिसर को स्वच्छ रखने का प्रण लेते हुए स्वच्छ भारत अभियान का कार्यक्रम 25-09-2014 से 31-10-2015 तक चलाया गया जिसमें परिसर के अध्यापकगण विद्यार्थीगण कर्मचारियों एवं अभिभावक की सक्रिय भागीदारी हुई। सभी कार्यक्रमों का विस्तार से प्रतिवेदन संस्थान को भेज दिया गया।

राष्ट्रीय एकता दिवस

संस्थान के कार्यालय से प्राप्त सूचनानुसार सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म दिवस 31 अक्टूबर सन् 2014 को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। एकता दिवस को मनाते हुए परिसर के विद्यार्थी, अध्यापक तथा कर्मचारी वर्ग ने एकता की दौड़ में भाग लिया। कई क्रियाकलापों का आयोजन भी किया गया जैसे सरदार वल्लभभाई पट्टेल के योगदान को लेकर चर्चा, वाद-विवाद प्रतियोगिता इत्यादि।

रन केरल सन मैराथन का आयोजन

31 जनवरी 2015 से फरवरी 13 तक चलाया गये देशीय खेलकूद समारोह के दौरान परिसर में बीस तारीख प्रातः 10. 30 को केरला रन मैराथन का आयोजन किया गया था। इसमें परिसर के चालीस विद्यार्थियों ने भाग लिए। परिसर के कर्मचारी वर्ग ने भी मैराथन में भाग लिया। परिसर प्राचार्य द्वारा मैराथन का उद्घाटन हुआ।

12 दिसंबर 2014 को परिसर में द्वितीय संस्कृत कमीशन का निरीक्षण हुआ था। इस दौरान अध्यापक और विद्यार्थियों के बीच कमीशन की अच्छी बातचीत भी हुई थी।

गणतंत्र दिवस

66वीं गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को प्रातः 8.30 बजे परिसर प्राचार्य प्रो.सि.एच.एल.एन.शर्मा जी द्वारा पताका ध्वजन के साथ मनाया गया। सभी बच्चों को मिठाइयाँ बाँट दी गयीं।

नेत्र संरक्षण कैम्प का आयोजन

वासन ऐ मेयर अस्पताल और परिसर ने मिलकर 24 और 26 फरवरी, 2015 को परिसर में नेत्रसंरक्षण कैम्प का आयोजन किया गया। कम्प्यूटर प्रणाली द्वारा आँखों की नेत्र विद् द्वारा जाँच भी की गयी थी।

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम/संकाय सदस्यों द्वारा ओरिएंटेशन कोर्स (2014-2015)

1. डॉ. गिरिधर राव, सहायक आचार्य (शिक्षा शास्त्री)-अभिविन्यास-यूजीसी एकेडमिक कॉलेज, यूनिवर्सिटी, हिमाचल प्रदेश-25.08.2014 से 20.09.2014-ग्रेड ए
2. डॉ. नन्दकिशोर तिवारी, सहायक आचार्य-पुनश्चर्या-यूजीसी एकेडमिक कॉलेज, यूनिवर्सिटी, लखनऊ-02.02.2015 से 23.02.2015-ग्रेड ए

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 08

उत्तर प्रेषित - 08

4.2.5 जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

परिसर-परिचय

राजस्थान राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. श्री शिवचरणमाथुर महोदय के अनुरोध पर पद्मश्री डॉ. मण्डनमिश्र (पूर्व निदेशक) के सद् प्रयासों से प्रथम निदेशक आचार्य रामकरण शर्मा के द्वारा 13-05-1983 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली का परिसर 'केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ', जयपुर के नाम से स्थापित किया गया। वर्तमान में यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान सम विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के नाम से प्रसिद्ध है। परम्परागत शिक्षा के प्रचार प्रसार के लिए, दुर्लभ पाण्डुलिपियों के संरक्षण, उनके प्रकाशन के लिए, संस्कृत विद्या क्षेत्र में शोध कार्यों के संवर्धन के लिए, शास्त्र ज्ञान के साथ-साथ आधुनिक, लोकोपयोगी नूतन विषयों के ज्ञान प्रदान के लिए प्रयासरत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का यह जयपुर-परिसर प्रसिद्ध है। वर्तमान सत्र में यह परिसर न केवल राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के दसों परिसरों में श्रेष्ठ रहा है अपितु छात्र संख्या तथा शैक्षिक उपलब्धियों की दृष्टि से भी देश के अनेक सुप्रतिष्ठित संस्कृत विश्वविद्यालयों में श्रेष्ठ रहा है।

परिसर की अवस्थिति

डॉ. सरोजिनी महिषी महोदया के उपाध्यक्ष काल में उनके सत्प्रयास से केन्द्र सरकार के द्वारा दी गई वित्तीय सहायता तथा जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जयपुर नगर के गोपालपुरा बाई पास पर स्थित त्रिवेणीनगर, जोकि जयपुर रेलवे स्थानक से 21 कि.मी. दूरी पर 7.27 एकड़ भूखण्ड में 60 कमरों से युक्त संस्थान परिसर बना है। यहाँ अध्यापन, प्रशासनखण्ड, व्यायामशाला, सुसज्जित सभागार, पुस्तकालय, परियोजना खण्ड, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, प्राकृतशोध अध्ययन केन्द्र, मुक्तस्वाध्याय केन्द्र, छात्र-छात्राओं का पृथक् पृथक् छात्रावास, प्राध्यापक-कर्मचारी आवास, क्रीडा मैदान, बगीचे जैसी भौतिक सम्पदाओं से युक्त यह परिसर शोभायमान है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम-

1. प्राक्शास्त्री	2. शास्त्री
3. आचार्य	4. शिक्षाशास्त्री
5. शिक्षाचार्य	6. विद्यावारिधि

विषय–साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष (सिद्धान्त ज्योतिष, फलित ज्योतिष), धर्मशास्त्र, जैनदर्शन, सर्वदर्शन, वेद, शिक्षाशास्त्र, शिक्षाचार्य, विद्यावारिधि।

वर्ष 2014-15 के अन्तर्गत परिसर में आयोजित कार्यक्रम

1. सरस्वती पूजन सत्रारम्भ समारोह, 01 जुलाई 2014
2. शिक्षाशास्त्री एवं च शिक्षाचार्य प्रवेश, 03-11.07.2014
3. फलित ज्योतिष एवं वास्तुशास्त्र परिचय पाठ्यक्रम सत्र, 23-07-2014 से 09-10-2014
4. ज्योतिष परिषद् गठन, 09-10-2014
5. एकविंशतिदिवसीया शोधप्रविधिपाण्डुलिपि विज्ञान कार्यशाला, 25-07-2014 से 14-08-2014
6. स्वतन्त्रता दिवस समारोह, 15-08-2014
7. संस्कृत सप्ताह महोत्सव, 20-08-2014 से 22-08-2014
8. व्याकरण परिषद गठन, 28-08-2014
9. शिक्षक दिवस समारोह, 05-09-2014
10. भाषाबोधन वर्ग कार्यशाला, 08-09-2014 से 19-09-2014
11. हिन्दी पखवाड़ा, 14-09-2014
12. स्वच्छता अभियान, 25-09-2014 से 31-10-2014
13. शिक्षाशास्त्र विभागस्य पाठप्रदर्शनम्, 13-10-2014 से 14-10-2014
14. राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा, 21, 22-10-2014
15. शिक्षाचार्य शोध संगोष्ठी, 03-11-2014 से 05-11-2014
16. वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिता, 05-11-2014 से 07-11-2014
17. प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण, 11-12-2014 से 16-12-2014
18. युव महोत्सव शृंगेरी परिसर, 20 से 23-12-2014
19. सामुदायिक सेवा, स्वच्छता अभियान एवं रैली, 09-01-2015

20. फलित ज्योतिष एवं वास्तुशास्त्र द्वितीय परिचय पाठ्यक्रम सत्र 2014-15 द्वितीय चक्र, 21-01-2015 से 21-04-2015
21. वसन्त पंचमी एवं सरस्वती पूजन, 24-01-2015
22. कौमुदी महोत्सव, 04-02-2015 से 06-02-2015
23. स्काउट एवं गाईड प्रशिक्षण, 10-03-2015 से 16-03-2015
24. अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा, 17-03-2015 से 21-03-2015
25. शैक्षिक भ्रमण शिक्षाशास्त्री, 24-03-2015
26. गणतन्त्र दिवस, 26-01-2015

1. सत्रारम्भ - दिनांक 01-07-2014 को जयपुर परिसर में वैदिकमन्त्रोचरण तथा सरस्वतीपूजन के साथ-साथ सत्र का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में परिसर के प्राचार्य सहित सभी आचार्य, प्राध्यापक एवं छात्र हिन्दकेसरी सभागार में शामिल हुए।

2. एकविंशतिदिवसीया शोधप्रविधिपाण्डुलिपि विज्ञान कार्यशाला - दिनांक 25-07-2014 से 14-08-2014 तक एकविंशतिदिवसीया शोधप्रविधिपाण्डुलिपि विज्ञान कार्यशाला का आयोजन प्रो. वाई.एस.रमेश के निर्देशन में किया गया। जिसमें 85 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

3. शिक्षक दिवस समारोह - दिनांक 05-09-2014 को जयपुर परिसर में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता ज्योतिष विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. इन्द्रमणि दास महोदय ने की। इस कार्यक्रम में परिसर के सभी आचार्यों तथा प्राध्यापकों को परिसर के छात्रों ने मौली बांधकर तथा तिलक लगाकर सम्मानित किया।

4. हिन्दी दिवस समारोह - जयपुर परिसर में दिनांक 14-09-2014 को हिन्दकेसरी सभागार में हिन्दी दिवस समारोह का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में परिसर के सभी आचार्य एवं प्राध्यापक सम्मिलित हुए तथा छात्रों के समक्ष राष्ट्रभाषा के महत्त्व को दर्शाते हुए कार्यालयीय गतिविधियों में इसका अधिक से अधिक उपयोग करने पर बल दिया।

5. सरस्वती पूजा - 24-01-2015 को डॉ. हिन्दीकेसरी सभागार में सरस्वती पूजन समारोह वैदिकमन्त्रोच्चारण तथा पौराणिक विधियों के अनुसार सम्पूर्ण परिसरीय कर्मचारी तथा छात्रों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

6. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण वर्ग - जयपुर परिसर में हिन्दकेसरी सभागार में अनौपचारिकसंस्कृतशिक्षण वर्ग का समायोजन एवम् उद्घाटन हुआ जिसकी अध्यक्षता कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. इन्द्रमणिदास महोदय ने की तथा मुख्यवक्ता के रूप में प्रो. वाई.एस. रमेश तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. सुदेश कुमार शर्मा ने वर्ग को उद्बोधित किया।

7. संस्कृत सप्ताह समारोह - जयपुर परिसर में दिनांक 20-08-2014 तः 22-08-2014 तक संस्कृत सप्ताह का कार्यक्रम अत्यधिक उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में देवर्षि कलानाथ शास्त्री उपस्थित हुए। सभा की अध्यक्षता परिसर के प्राचार्य डॉ. प्रकाश पाण्डेय महोदय ने की तथा कार्यक्रम का संचालन प्रो. श्रीधर मिश्र ने किया। इस कार्यक्रम में संस्कृत में वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ, भाषण आदि शैक्षिक कार्यक्रम समयोजित हुए। कार्यक्रम के समापन समारोह में प्रसिद्ध संस्कृत राष्ट्रपति सम्मानित विद्वान् प्रो. हरिराम आचार्य उपस्थित हुए।

8. युवसमारोह प्रतियोगिता - दिनांक 20-23 दिसम्बर 2014 को शृंगेरी परिसर में समायोजित युवसमारोह प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु जयपुर परिसर से छात्रों का एक दल प्रो. गजेन्द्र शर्मा तथा प्रो. शिवकान्त झा, तथा प्रो. श्रीधर मिश्र, प्रो. सत्यमकुमारी एवं डॉ. शीशराम के मार्गदर्शन में भेजा गया।

परिसर कार्यक्रमों में आमंत्रित विद्वान्

क्र.सं.	सम्मानित विद्वान्	सम्मानित पद
1.	प्रो. रामानुजदेवनाथन	कुलपति, ज.रा.रा.सं.वि.वि. जयपुर
2.	प्रो. एन.आर.कण्णन्	भूतपूर्व कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
3.	डॉ. बी.के.सिंह	कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

4.	प्रो. हरिराम-आचार्य	भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय
5.	देवर्षि कलानाथ शास्त्री	राष्ट्रपति सम्मानित
6.	प्रो. बीना अग्रवाल	आचार्य और अध्यक्ष संस्कृत विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय
7.	डॉ. श्रीकृष्ण शर्मा	भूतपूर्व विभागाध्यक्ष जयनारायणव्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर
8.	डॉ. कमलनयन शर्मा	भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, धर्मशास्त्र विभाग, जयपुर परिसर
9.	डॉ. जगन्नारायण पाण्डेय	भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, साहित्य विभाग जयपुर परिसर
10.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग, जयपुर परिसर
11.	प्रो. फतह सिंह	प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र विभाग, जयपुर परिसर
12.	प्रो. वासुदेव सिंह	प्रोफेसर, ज्योतिष विभाग, जयपुर परिसर
13.	डॉ. रमाकान्त पाण्डेय	निदेशक, मुक्तस्वाध्यायपीठ, नई दिल्ली
14.	प्रो. सुषमा सिंघवी	अध्यक्षा, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
15.	डॉ. सतीश किलावत	भूतपूर्व प्राचार्य, जयपुर परिसर
16.	राणूलाल शर्मा	पतञ्जलियोगसमिति
17.	श्री अशोक गौतम	पतञ्जलियोगसमिति
18.	वैद्य पवन अग्रवाल	पतञ्जलियोगसमिति
19.	हरेन्द्र पाल सिंह	पतञ्जलियोगसमिति
20.	डॉ. मञ्जुलाभाटी	पतञ्जलियोगसमिति
21.	श्रीमती अल्काशर्मा	पतञ्जलियोगसमिति
22.	श्रीमती सुनीता जैन	पतञ्जलियोगसमिति
23.	डॉ. एस.बी. दवे	पतञ्जलियोगसमिति
24.	श्री वी.पी. शुक्ला	पतञ्जलियोगसमिति
25.	श्री लक्ष्मण सिंहः	पतञ्जलियोगसमिति
26.	महन्तमोहनशरणशास्त्री	निम्बाई आश्रम भीलवाड़ा
27.	डॉ. विनोद शर्मा	ज्योतिष विभागाध्यक्ष ज.रा.रा.सं.वि.वि., जयपुर
28.	डॉ. भगवान सहाय शर्मा	प्राचार्य, महाराजसंस्कृत-आचार्य महाविद्यालय, जयपुर
29.	डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा	सहाचार्य, ज.रा.रा.सं.वि.वि., जयपुर
30.	डॉ. दिवाकर मिश्रः	सहाचार्य, ज.रा.रा.सं.वि.वि., जयपुर
31.	प्रो. कमलेश कुमार जैन	काशीहिन्दू विश्वविद्यालय
32.	प्रो. अशोक तिवारी	व्याकरणविभागाध्यक्ष, ज.रा.रा.सं.वि.वि., जयपुर
33.	डॉ. राजधर मिश्र	सहायकाचार्य व्याकरण विभाग, ज.रा.रा.सं.वि.वि., जयपुर

34.	प्रो. मनोज कुमार मिश्र	जम्मू
35.	प्रो. दयानन्द भार्गव	जयपुर
36.	प्रो. गोपीनाथ मिश्र	जयपुर
37.	प्रो. ओमप्रकाश भड़ाना	भोपाल परिसर
38.	प्रो. सन्तोष मित्तल	भोपाल परिसर
39.	डॉ. उमाकान्त चतुर्वेदी	काशीहिन्दू विश्वविद्यालय

शैक्षिक सत्र की विशेष उपलब्धियाँ

सत्र 2014-15 में जयपुर परिसर के छात्रों ने महाविद्यालय राज्यस्तरीय एवं राष्ट्रिय स्तर पर अनेक प्रतियोगिताओं में भाग लेकर विशिष्ट स्थान प्राप्त किया। जिसका संक्षिप्त विवरण अधोलिखित है–

1. दिनांक 23-12-2014 से 25-12-2014 तक शृंगेरी परिसर में समायोजित अन्तः परिसरीय युवसमारोह प्रतियोगिता में जयपुर परिसर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसमें स्वर्णपदक-12, रजतपदक-09, तथा कॉस्य पदक-08 कुल 29 पदक शामिल थे।
2. दिनांक 20-10-2014 से 21-10-2014 तक समायोजित राजस्थान राज्यस्तरीय चयन प्रतियोगिता में जयपुर परिसर का वर्चस्व रहा। इसमें परिसर के छात्रों ने 18 प्रथम तथा 04 छात्रों ने द्वितीय स्थान प्राप्त किये।
3. दिनांक 04-02-2015 से 06-02-2015 तक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान दिल्ली द्वारा समायोजित नाटक प्रस्तुति में परिसर को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।
4. दिनांक 17-03-2015 से 21-03-2015 तक दिल्ली में समायोजित अखिल भारतीय शलाका एवं भाषण प्रतियोगिता में इस परिसर के छात्रों ने 01 स्वर्णपदक, 04 रजतपदक तथा 5 काँस्य पदक प्राप्त कर राजस्थान के साथ-साथ जयपुर परिसर को गौरवन्वित किया।
5. दिनांक 06-01-2015 से 09-01-2015 तक एकलव्य परिसर अगरतला में सम्पन्न होने वाली इंटरयूनिवर्सिटी युव महोत्सव प्रतियोगिताओं में जयपुर परिसर के 18 छात्रों ने भाग लिया तथा 17 स्वर्ण पदक एवं 01 रजत पदक प्राप्त किये।
6. सान्ध्यकालीन कक्षा के अन्तर्गत फलित ज्योतिष परिचय पाठ्यक्रम एवम् वास्तुशास्त्र परिचय पाठ्यक्रम के प्रथम चक्र में कुल 39 छात्रों ने तथा द्वितीय चक्र में कुल 29 छात्रों ने अध्ययन कर प्रमाणपत्र प्राप्त किये।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 19

उत्तर प्रेषित - 19

4.2.6 लखनऊ परिसर, लखनऊ (उ.प्र.)

परिसर-परिचय

उत्तर-प्रदेश की राजधानी लखनऊ में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के लखनऊ परिसर की स्थापना 2 अगस्त, 1986 को केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के रूप में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के अधीन हुई। आरम्भिक समय से ही यह केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ परम्परागत संस्कृत विद्या की उन्नति प्रचार-प्रसार, अध्ययन-अध्यापन एवं शोध के क्षेत्र में अग्रणी रूप से कार्यरत है। वर्ष 2002 में सम विश्वविद्यालय घोषित होने के पश्चात् राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली का यह परिसर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ लखनऊ से लखनऊ परिसर के रूप में संस्कृत भाषा के उन्नयन हेतु प्रयत्नशील है, लखनऊ परिसर में अन्य भाषाओं के साथ ही पाली एवं प्राकृत भाषाओं के अध्ययन केन्द्र की भी स्थापना की गई है। संस्कृत भाषा के अनेक विद्वानों एवं लेखकों ने इस परिसर के विकास में अपना योगदान दिया है। अवध क्षेत्र में स्थित होने के कारण यह परिसर क्षेत्र के लोगों ने भारतीय संस्कृति, राष्ट्रिय एकता एवं धार्मिक सौहार्द को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है।

परिसर की अवस्थिति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान सम विश्वविद्यालय लखनऊ परिसर उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में विशाल खण्ड-4, गोमती नगर लखनऊ में विशाल भवन में स्थित है। परिसर के अन्दर ही महिला छात्रावास, संकाय एवं कर्मचारी आवास भी उपलब्ध है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

(अ) परिसर में सञ्चालित नियमित पाठ्यक्रम

शास्त्रीय-

1. नव्य व्याकरण 2. प्राचीन व्याकरण 3. साहित्य 4. सिद्धान्त ज्योतिष 5. फलित ज्योतिष 6. बौद्धदर्शन 7. वेद

आधुनिक विषय विभाग-

1. हिन्दी 2. इंग्लिश 3. राजनीति विज्ञान 4. अर्थशास्त्र 5. संगणक (प्राक् शास्त्री तथा शास्त्री कक्षा में पढ़ाये जाते हैं)

(ब) नियमित कक्षाओं का विवरण

प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष

प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष

शास्त्री प्रथम वर्ष

शास्त्री द्वितीय वर्ष

शास्त्री तृतीय वर्ष

आचार्य प्रथम वर्ष

आचार्य द्वितीय वर्ष

शिक्षाशास्त्री

विद्यावारिधि (पी.एच.डी.)

(स) मुक्तस्वाध्यायपीठम् (दूरस्थ शिक्षा), स्वाध्याय केन्द्र, लखनऊ के अन्तर्गत सञ्चालित कक्षाएँ-

प्राक्शास्त्री सेतु

प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष

प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष

शास्त्री सेतु

शास्त्री प्रथम वर्ष

शास्त्री द्वितीय वर्ष

शास्त्री तृतीय वर्ष

आचार्य सेतु

आचार्य प्रथम वर्ष

आचार्य द्वितीय वर्ष

दूरस्थ शिक्षा में सम्प्रति प्राक्शास्त्री, शास्त्री सेतु, शास्त्री, आचार्य सेतु एवम् आचार्य स्तर पर शास्त्रीय विषयों में साहित्य, व्याकरण एवं फलित ज्योतिष तथा प्राक्शास्त्री एवं शास्त्री स्तर पर आधुनिक विषयों के अन्तर्गत हिन्दी, इंग्लिश, इतिहास, अर्थशास्त्र एवं राजनीतिविज्ञान के पाठ्यक्रम सञ्चालित हैं।

शैक्षणिक गतिविधियाँ-

1. सत्रारम्भ समारोह (03-07-2014)
2. शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपिविज्ञान कार्यशाला (21-07-2014 से 10-08-2014 पर्यन्त)
3. संस्कृत सप्ताह महोत्सव (01-08-2014 से 10-08-2014 पर्यन्त)
4. हिन्दी पखवाड़ा समारोह (14-09-2014 से 28-09-2014 पर्यन्त)
5. स्वास्थ्य परीक्षण शिविर (21-09-2014)
6. स्वच्छता अभियान (25-09-2014 से 31-10-2014 पर्यन्त)
7. राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह (31-10-2014)
8. छात्रसंसद का आयोजन (17-11-2014)
9. अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा एवं शलाका परीक्षा हेतु उत्तर प्रदेश राज्यस्तरीय चयन स्पर्धा का आयोजन (05-01-2015 एवं 06-01-2015)
10. ज्योतिष परिचय पाठ्यक्रम का आयोजन (11-01-2015 से 18-03-2015 पर्यन्त)
11. बालचर शिक्षक प्रशिक्षण तथा शैक्षिक भ्रमण का आयोजन (13-01-2015 से 20-01-2015 पर्यन्त)
12. ज्योतिषशास्त्रीय विशिष्ट व्याख्यान (18-01-2015)
13. वसन्त पञ्चमी उत्सव (24-01-2015)
14. कौमुदीमहोत्सव (नई दिल्ली) में परिसर की नाट्यप्रस्तुति (05-02-2015)
15. खेलकूद परिचर्चा (जेवलिन थ्रो चैम्पियन सुश्री अन्नू रानी की छात्र-छात्राओं से परिचर्चा) का आयोजन (13-02-2015)
16. मातृभाषा दिवस का आयोजन (21-02-2015)
17. साहित्यशास्त्रीय विशिष्ट व्याख्यान (19-03-2015)
18. वार्षिकोत्सव-2014-15 का आयोजन (20-03-2015)
19. व्याकरणशास्त्रीय विशिष्ट व्याख्यान (27-03-2015)
20. शिक्षाशास्त्रीय विशिष्ट व्याख्यान (27-03-2015)
21. भारतरत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन (13-04-2015)
22. साहित्यविभाग की ओर से 'साहित्यसमाख्या' पत्रिका का प्रकाशन
23. पालि अध्ययन केन्द्र की षाण्मासिक शोध-पत्रिका 'पालि-प्राकृत-अनुशीलनम्' के दो अङ्कों का प्रकाशन
24. परिसरीय वार्षिक पत्रिका 'गोमती' (अङ्क-6, सत्र-2014-15) का प्रकाशन

विशिष्ट उपलब्धियाँ

(1) सप्तम युवमहोत्सव (2014-15), शृंगेरी में परिसरीय छात्रों की उपलब्धियाँ–

1. दीपक कुमार (शिक्षाशास्त्री) - गोलाफेंक - स्वर्णपदक
2. आस्था (शास्त्री द्वि.व.) - बैडमिण्टन - स्वर्णपदक
3. धर्मेन्द्र कुमार यादव (शास्त्री प्र.व.) - भाला फेंक - कांस्यपदक
4. विशाल शर्मा (शास्त्री प्र.व.) - कुश्ती - रजतपदक
5. मुनिदेव आर्य (शिक्षाशास्त्री) - कुश्ती - रजतपदक
6. वॉलीबॉल दल (शिक्षाशास्त्री) - वॉलीबॉल - रजतपदक
7. उषा शर्मा (शिक्षाशास्त्री) - शास्त्रीय एकल नृत्य - रजतपदक
8. सचिन (शिक्षाशास्त्री) - वादविवाद (पक्ष) - रजतपदक

(2) अन्तः संस्कृत विश्वविद्यालयीय युवमहोत्सव (2015), अगरतला में परिसरीय छात्रों की उपलब्धियाँ–

1. आस्था (शास्त्री द्वि.व.) - बैडमिण्टन - स्वर्णपदक
2. नवीन कुमार (विद्यावारिधि) - कबड्डी एवं वॉलीबॉल - स्वर्णपदक
3. लीलाधर (विद्यावारिधि) - कबड्डी एवं वॉलीबॉल - स्वर्णपदक
4. हेमन्त उपाध्याय (शिक्षाशास्त्री) - वॉलीबॉल - स्वर्णपदक
5. ललित विजय (शास्त्री द्वि.व.) - वॉलीबॉल - स्वर्णपदक

6. रवि भट्ट (शास्त्री द्वि.व.) - वॉलीबॉल - स्वर्णपदक
7. दीपक कुमार (शिक्षाशास्त्री) - गोलाफेंक - स्वर्णपदक
8. योगेश पाण्डेय (शास्त्री द्वि.व.) - वादविवाद (पक्ष) - कांस्यपदक

(3) उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान की ओर परिसरीय आचार्यों को विशिष्टविद्वत्सम्मान एवं पुस्तक पर पुरस्कार राशि प्रदान की गयी-

1. प्रो. अर्कनाथ चौधरी - रू. 51000/- विशिष्ट विद्वत्सम्मान
2. प्रो. विजय कुमार जैन - रू. 11000/- पुस्तक पर पुरस्कार
3. प्रो. लोकमान्य मिश्र - रू. 11000/- पुस्तक पर पुरस्कार
4. डॉ. नीरज तिवारी - रू. 25000/- वेदपण्डित पुरस्कार

परिसर प्राध्यापकों की सम्मेलन आदि में सहभागिता-

1. प्रो. अर्कनाथ चौधरी - प्राचार्य (प्र.)

1. मई-2014 में श्री रंगलक्ष्मी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वृन्दावन की प्रबन्ध समिति की बैठक में सदस्य के रूप में भागग्रहण।
2. मई-2014 में ही गरुडध्वज वेद पाठशाला, नैमिषारण्य का निरीक्षण समिति के अध्यक्ष के रूप में निरीक्षण कार्य सम्पन्न कर महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन को प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।
3. जुलाई-2014 में परिसर में आयोजित 21 दिवसीय शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपिविज्ञान कार्यशाला में शोधप्रविधि में अन्तर्निहित विषयों पर विशिष्ट व्याख्यान की प्रस्तुति।
4. सितम्बर-2014 में हनुमान सेतु, लखनऊ स्थित वेद विद्यालय 'पाणिनीयशिक्षा' पर विशिष्ट व्याख्यान की प्रस्तुति।
5. अक्टूबर-2014 में उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान के द्वारा समायोजित वाल्मीकि जयन्ती कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में प्रतिभागिता।
6. अक्टूबर-2014 में ही कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत महाविद्यालय, दरभंगा के प्राध्यापकों की प्रोन्नति समिति के सदस्य के रूप में कार्य सम्पादन।
7. नवम्बर-2014 में संस्थान मुख्यालय में केन्द्रीय शोधमण्डल की बैठक में प्रतिभाग।
8. दिसम्बर-2014 में नवगठित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अर्द्धवार्षिक बैठक में सदस्य के रूप में प्रतिभाग।
9. दिसम्बर-2014 में ही नवचेतना केन्द्र, लखनऊ के 'विचारमञ्च' में मुख्य वक्ता के रूप में उद्बोधन।
10. जनवरी-2015 में एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा आयोजित संस्कृत पाठ्यपुस्तक समीक्षा कार्यशाला में भागग्रहण।
11. जनवरी-2015 में ही रानी पद्मावती तारा योग आदर्श संस्कृत महाविद्यालय की प्रबन्ध एवं वित्त समिति में संस्थान के प्रतिनिधि के रूप में दायित्व निर्वहण।
12. फरवरी-2015 में महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी में काशी मिथिला समाज के वार्षिकोत्सव में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमन्त्रित एवं सम्मानित।
13. फरवरी-2015 में ही लखनऊ विश्वविद्यालय में संस्कृत प्राध्यापकों के लिए पुनश्चर्या कार्यक्रम में विशिष्ट व्याख्यान।
14. दिनाङ्क-16-02-2015 को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के धर्म-संस्कृति-विज्ञान विभाग में व्याकरण, दर्शन और भारतीय संस्कृति इन तीनों विषयों पर तीन व्याख्यानों की प्रस्तुति।
15. दिनाङ्क-17 एवं 18 मार्च 2015 को अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा के निर्णायक के रूप में कार्य।
16. दिनाङ्क-22-03-2015 को डॉ. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मुजफ्फरपुर की प्रबन्ध समिति एवं प्रोन्नति समिति की बैठक में संस्थान के प्रतिनिधि सदस्य के रूप में उपस्थिति।
17. दिनाङ्क-20-04-2015 को कामेश्वर सिंह दरभङ्गा संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्ताराष्ट्रिय संस्कृत सम्मेलन के सत्र की अध्यक्षता।
18. उपर्युक्त सभी के अतिरिक्त अनेक विश्वविद्यालयों के शोधप्रबन्ध परीक्षक तथा शोध वाक्परीक्षक के दायित्व का निर्वहण।

2. आचार्य सुरेन्द्र पाठक-

1. नवम्बर-2014 में कामेश्वर सिंह दरभङ्गा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभङ्गा (बिहार) के व्याकरण विभाग में शोध वाक्परीक्षक के दायित्व का निर्वहण।

3. विजयकुमार जैन-

1. सितम्बर-2014 में सारनाथ (वाराणसी, उत्तर प्रदेश) में स्थित महाबोधि सभा द्वारा समायोजित राष्ट्रीय पालि सङ्गोष्ठी में प्रतिभागिता।
2. दिसम्बर-2014 में श्रमणवेलगोला स्थित प्राकृत शोध संस्थान में समायोजित राष्ट्रीय प्राकृत सङ्गोष्ठी में प्रतिभागिता।

4. आचार्य लोकमान्य मिश्र-

1. अप्रैल-2014 में उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार; जून-2014 में श्रीलाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली तथा फरवरी-2015 में श्रीजगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी (उड़ीसा) के शिक्षाशास्त्र विभाग की प्रायोगिक परीक्षा में बाह्य परीक्षक के रूप में आमन्त्रित एवं दायित्व का निर्वहण।
2. अनेक विश्वविद्यालयों के शिक्षाशास्त्र के प्रश्नपत्रों का निर्माण, शोध प्रबन्धों का परीक्षण एवं शोध वाक्परीक्षक के दायित्व का निर्वहण।

5. आचार्य रामलखन पाण्डेय-

1. नवम्बर-2014 में संस्थान मुख्यालय में केन्द्रीय शोध मण्डल की बैठक में प्रतिभाग।
2. दिनाङ्क-24 से 30 जनवरी-2015 को कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन (मध्य प्रदेश) द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कालिदास समारोह में 'अभिज्ञानशाकुन्तले प्रस्तावना' विषय पर शोधपत्र वाचन।

6. आचार्य मदनमोहन पाठक-

1. कामेश्वर सिंह दरभङ्गा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभङ्गा (बिहार) द्वारा आयोजित सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में विषय प्रवर्तन।
2. रा.सं.सं., मुम्बई परिसर में छात्रों की वाक्स्पर्द्धा में निर्णायक का कार्यसम्पादन।
3. श्रीजगन्नाथ पञ्चाङ्ग एवं 'भास्करोदय' पत्रिका का सम्पादन एवं प्रकाशन।

7. आचार्य अवनीश अग्रवाल-

1. नवम्बर-2014 में तिरुवनन्तपुर में निर्देशन-परामर्श से सम्बद्ध अन्ताराष्ट्रिय सम्मेलन में स्रोत विदुषी के रूप में प्रतिभागिता।
2. फरवरी-2015 में पूर्वांचल विश्वविद्यालय में 'सम्प्रेषण कौशल एवं व्यक्तित्व विकास' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान की प्रस्तुति।
3. फरवरी-2015 में ही भगवानदीन आर्य कन्या स्नातकोत्तर विश्वविद्यालय, लखीमपुर खीरी (उत्तर प्रदेश) में आयोजित अन्ताराष्ट्रिय सम्मेलन में 'गीतादर्शनं समग्रदर्शनम्' विषय पर शोधपत्रवाचन।
4. 'शिक्षाया: अधिकार:' विषय पर लखनऊ नगर में आयोजित सङ्गोष्ठी में मञ्चस्थ अतिथि के रूप में व्याख्यान प्रस्तुति।

8. डॉ. धनीन्द्र कुमार झा-

1. जुलाई-2014 एवं दिसम्बर-2014 में रामजी मेहता आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, मुज़फ्फरपुर की प्रबन्ध समिति की बैठक में संस्थान प्रतिनिधि के रूप में उपस्थिति।
2. फरवरी-2015 में श्रीरामसुन्दरदास विश्वविद्या प्रतिष्ठान, दरभङ्गा की प्रबन्ध एवं वित्त समिति की बैठक में संस्थान प्रतिनिधि सदस्य के रूप में प्रतिभागग्रहण।

9. डॉ. अवधेश कुमार चौबे-

1. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के प्रतिनिधि के रूप में श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कोलकाता के बौद्धदर्शन विभाग में एक्सटेंशन व्याख्यान दिया।
2. भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद् के विपुलखण्ड, गोमती नगर, लखनऊ स्थित एकेडेमिक सेण्टर में 'राजभाषा पखवाड़ा' के अन्तर्गत आयोजित विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में निर्णायक की भूमिका का निर्वहण किया।
3. श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कोलकाता के बौद्धदर्शन विभाग के विद्यार्थियों के लिए 'शान्तिदेव का बोधिचर्यावतार' विषय पर आयोजित एक व्याख्यान श्रृङ्खला में व्याख्यान प्रस्तुत किये।
4. दिनाङ्क-21-07-2014 से 10-08-2014 तक रा.सं.सं., लखनऊ परिसर में आयोजित 21 दिवसीय 'शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपिविज्ञान कार्यशाला' का संयोजन किया तथा उसमें 'प्रतिष्ठित पाण्डुलिपि केन्द्र (Eminent Manuscripts Centres)' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान भी प्रस्तुत किया।

10. डॉ. देवीप्रसाद द्विवेदी-

1. राजकीय महाराजा आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर में समायोजित राष्ट्रिय सङ्गोष्ठी में प्रतिभागिता।
2. मुख्य छात्रावास अधीक्षक के रूप में छात्र कल्याण परिषद् एवं चिकित्सा परिषद् का संयोजन कर इनके अन्तर्गत विद्यार्थियों के स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन तथा 'स्वाइन फ्लू' रोग के निदानोपचार हेतु वैद्यकीय सुविधा का व्यवस्थापन।

11. डॉ. गुरुचरण सिंह नेगी-

1. दिनाङ्क-21-07-2014 से 10-08-2014 तक रा.सं. सं., लखनऊ परिसर में शोधार्थियों के आयोजित 21 दिवसीय 'शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपिविज्ञान कार्यशाला' का सह-संयोजन किया तथा उसमें 'Possiblities of restoration of Indian texts from the Bhot Manuscripts' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान भी प्रस्तुत किया।
2. पालि अध्ययन केन्द्र, लखनऊ द्वारा शोध-पत्रिका 'पालि-प्राकृत-अनुशीलनम्' के द्वितीय अङ्क का सम्पादन किया।
3. केन्द्रीय तिब्बती अध्ययन विश्वविद्यालय, सारनाथ, वाराणसी के कुलपति महोदय द्वारा शोधोपाधि समिति में विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नामित किया गया तथा दिनाङ्क-17-11-2014 को सारनाथ में समिति की बैठक में भाग लिया।

12. डॉ. अमित कुमार शुक्ल-

1. राजकीय महाराजा आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित 'कौटिलीयमर्थशास्त्रम् ; अतीते वर्तमाने च प्रासङ्गिकता' राष्ट्रिय सङ्गोष्ठी में प्रतिभागिता।

13. डॉ. रामबहादुर दुबे-

1. दिनाङ्क-28-29 अगस्त-2014 को काशी हिन्दू विश्व-विद्यालय, वाराणसी के साहित्य विभाग द्वारा आयोजित अखिल भारतीय महाकवि श्रीहर्ष समारोह/संगोष्ठी में 'श्रीहर्ष का नैषधीयचरित महाकाव्य' विषय पर पत्रवाचन।

14. डॉ. कुलदीप शर्मा-

1. राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में गाँधी अध्ययन केन्द्र द्वारा समायोजित अन्ताराष्ट्रिय सङ्गोष्ठी में 'महात्मा गाँधी का शिक्षा दर्शन' विषय पर शोधपत्रवाचन।
2. राजकीय महाराजा आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रिय सङ्गोष्ठी में प्रतिभागिता करते हुए शोधपत्रवाचन।

15. डॉ. ग़ज़ाला अंसारी-

1. फरवरी-2015 में ही भगवानदीन आर्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखीमपुर खीरी (उत्तर प्रदेश) में आयोजित अन्ताराष्ट्रिय सम्मेलन में 'वाल्मीकि-बुद्ध-भवभूतीनां महाकरुणाविमर्श:' विषय पर शोधपत्रवाचन।

16. श्री वाचस्पति नाथ झा-

1. अक्टूबर-2014 में देहरादून के राजभवन में समायोजित अन्ताराष्ट्रिय सम्मेलन में 'परम्परागतसंस्कृतशिक्षणस्य दशा दिशा च' विषय पर शोधपत्रवाचन किया।
2. फरवरी-2015 में भगवानदीन आर्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखीमपुर खीरी (उत्तर प्रदेश) में आयोजित अन्ताराष्ट्रिय सम्मेलन में 'संस्कृतवाङ्मये स्त्रीशिक्षाविमर्श:' विषय पर शोधपत्रवाचन।

17. डॉ. चन्द्रश्री पाण्डेय-

1. फरवरी-2015 में भगवानदीन आर्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखीमपुर खीरी (उत्तर प्रदेश) में आयोजित अन्ताराष्ट्रिय सम्मेलन में भागग्रहण।

18. डॉ. नीरज तिवारी-

1. दिनाङ्क-17 फरवरी-2015 को वाराणसी में अखिल भारतीय वेद सङ्गोष्ठी में 'वैदिक एवं बौद्धकालीन वर्णव्यवस्था' विषय पर शोधपत्रवाचन।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 12

उत्तर प्रेषित - 12

4.2.7 श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक)

परिसर-परिचय

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने अपने अंगीभूत इकाई के रूप में 13 जनवरी 1992 को राजीवगांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना शृंगेरी में की। उस समय भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मन्त्री डॉ. अर्जुन सिंह, संस्थान के अध्यक्ष थे। भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम श्री आर. वेंकटरमण के कर कमलों द्वारा दिनांक 05 मार्च 1992 को इस परिसर का उद्घाटन हुआ। वर्तमान में यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा.वि.) राजीव गांधी परिसर के नाम से जाना जाता है। इस परिसर के मुख्य भवन का निर्माण केन्द्रीय निर्माण विभाग ने 1.63 करोड की लागत से किया। द्वितीयचरण में छात्र एवं छात्राओं के लिए छात्रावास प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए आवास का निर्माण रु. 4.17 करोड की लागत से किया गया।

परिसर हेतु कर्णाटक राज्यसरकार द्वारा शृंगेरी, मेणसे में 10.2 एकड भूमि प्रदान की गई है, जो राज्य के चिकमगलूरु जिले में स्थित है। यह परिसर मंगलूर से 120 कि.मी., बेंगलूरु से 380 कि.मी., उडुपि से 90 कि.मी. और शिमोगा जंक्शन से 105 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। शिमोगा (जं.) बेंगलूरु से रेलमार्ग द्वारा जुड़ा है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम-

यह परिसर साहित्य, नव्यव्याकरण, अद्वैतवेदान्त, मीमांसा, नव्यन्याय और फलितज्योतिष विषयों में आचार्य (एम.ए.), शास्त्री (बी.ए.) स्तर तक की, शिक्षाशास्त्री (बी.एड्) और प्राक्शास्त्री (इण्टरमीडिएट) स्तर तक की शिक्षा प्रदान करता है।

इस परिसर द्वारा शोधछात्रों को शोध कार्य पूर्ण करने के पश्चात् विद्यावारिधि (पी-एच्.डी.) की उपाधि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त आधुनिक विषयों के अंतर्गत हिन्दी, कन्नड, अंग्रेजी, इतिहास, कम्प्यूटर विज्ञान और शारीरिक शिक्षा की विशेष व्यवस्था है।

अन्य क्रियाकलाप, समारोह, संगोष्ठियों का विवरण

इस परिसर में नियमित पाठ्यक्रम के अतिरिक्त छात्र-छात्राओं के लाभ हेतु चार प्रमुख परिषदों- 1. वाग्वर्धिनीपरिषद्, 2. स्पर्धिष्णुपरिषद्, 3. वाक्यार्थपरिषद् और 4. शारदा विशिष्ट-व्याख्यानमाला का गठन किया गया है।

अन्य क्रियाकलाप, समारोह, संगोष्ठियों का विवरण

इस परिसर में नियमित पाठ्यक्रम के अतिरिक्त छात्र छात्राओं के लाभ हेतु चार प्रमुख परिषदों–वाग्वर्धिनीपरिषद्, स्पर्धिष्णुपरिषद, वाक्यार्थपरिषद् और शारदा विशिष्टव्याख्यानमाला का गठन किया गया है। डॉ. नवीन होल्ला (सहायक आचार्य) डॉ. हरिप्रसाद के. (सहायक आचार्य) शैक्षित सत्र 2014-15 के लिए वाग्वर्धिनी परिषद् के समन्वयक नियुक्त किए गए हैं। श्री प्रशान्त गोनकर (A-II) और कुमारी के. अन्नपूर्णा (A-II) सचिव नियुक्त किए गए हैं।

स्पर्धिष्णु परिषद् - इस परिषद् में प्रान्तीय एवं राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धाओं में भाग लेने के लिए छात्र-छात्राओं को उत्साहित एवं प्रशिक्षित किया जाता है। प्रो. के.ई. मधुसूदन, डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट (सहायक आचार्य) शैक्षिक सत्र 2014-15 के समन्वयक नियुक्त किए गए हैं। परिणाम स्वरूप अनेक छात्र छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया और विविध पुरस्कारों के साथ संस्थान परिसर के लिए 'वैजयन्ती' पुरस्कार अर्जित किया जिसका विवरण प्रतिवेदन के साथ प्रस्तुत है।

वाक्यार्थपरिषद्

परिसर के छात्रों को शास्त्रीय कौशल एवं प्रेरणा देने के लिए वाक्यार्थ परिषद् का गठन किया जाता है। इसके समन्वयक डॉ. राघवेन्द्र भट्ट और डॉ. सूर्यनारायण भट्ट सहायक आचार्य थे। जिसमें प्राध्यापक वाक्यार्थ करके छात्रों को प्रशिक्षण देते हैं।

शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला

इस परिषद् के समन्वयक डॉ. सोमनाथ साहु और डॉ. रामचन्द्र जोईस सहायकाचार्य थे जिनके द्वारा सात विशिष्ट व्याख्यानमालाओं का आयोजन सत्र 2014-15 में किया गया जिसका विवरण निम्नलिखित है।

1. 31 जुलाई, 2014 को प्रो. गंगाधर पण्डा, कुलपति श्री जगन्नाथयूनिवर्सिटी, उड़ीसा के करकमलों द्वारा शारदा

विशिष्ट व्याख्यानमाला का उद्घाटन और परिषद् का प्रथम उपाख्यान "प्राचीनकाले शैक्षणिकशिक्षा तत्वानि"।

2. 5 सितम्बर, 2014 को प्रो. के. सत्यनारायण का "द्वितीयकारिका विचार" व्याकरण संबधित विषय पर विशिष्ट व्याख्यान हुआ।

3. 17 नवम्बर, 2014 को प्रो. श्रीपाद सुब्रह्मण्यम् का शाब्दबोध न्याय पर विशिष्ट व्याख्यान हुआ।

4. 20 फरवरी, 2015 को आर.आर. सोमयजयुलयू (Somayajulu) का मीमांसा शास्त्र पर विशिष्ट व्याख्यान हुआ।

5. 25 फरवरी, 2015 को एन. पुरुषोत्तमशर्मा का ध्वनिशास्त्र पर विशिष्ट व्याख्यान हुआ।

6. 27 फरवरी, 2015 को प्रो. वी. रामकृष्णभट्ट "ब्रह्मसत्य" वेदान्त पर विशिष्ट व्याख्यान हुआ।

7. 16 मार्च, 2015 को प्रो. हरिदासभट्ट का ज्योतिषशास्त्र पर विशिष्ट व्याख्यान हुआ।

वाक्यार्थ परिषद् सत्र 2014-15

प्रथम सत्र 26 अगस्त, 2014
अध्यक्षता-डॉ. एन.आर्. कण्णन्

1.	प्रो. एम.पी. भट्ट	आचार्य	वेदान्त
2.	डॉ. चन्द्रकान्त	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	डॉ. नवीन होल्ला	सहायक आचार्य	न्यायशास्त्र
4.	डॉ. सोमनाथ साहु	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
5.	डॉ. रामकृष्ण	सहायक आचार्य	ज्योतिषशास्त्र

द्वितीय सत्र 24 सितम्बर, 2014
अध्यक्षता- ए.पी. सच्चिदानन्द

1.	डॉ. ईश्वरभट्ट	सहायकाचार्य	ज्योतिषशास्त्र
2.	डॉ. आर्. बालाजी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	डॉ. हरि प्रसाद	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	डॉ. चन्द्रकला आर्. कोण्डी	सहायकाचार्य	साहित्यशास्त्र
5.	डॉ. सूर्यनारायण भट्ट	सहायकाचार्य	मीमांसा शास्त्र

तृतीय सत्र 28 अक्टूबर, 2014
अध्यक्षता-प्रो. एम.पी. भट्ट

1.	प्रो. के.ई. मधुसूदन	आचार्य	न्यायशास्त्र
2.	डॉ. सी.एस.एस.एन्. मूर्ति	सहआचार्य	व्याकरणशास्त्र
3.	डॉ. राघवेन्द्र भट्ट	सहायकाचार्य	साहित्यशास्त्र
4.	वेंकटेश तातार्य	सहायकाचार्य	मीमांसाशास्त्र
5.	डॉ. श्रीकर जी.एन्.	संविदा प्राध्यापक	वेदान्तशास्त्र

चतुर्थ सत्र 18 नवम्बर, 2014
अध्यक्षता-प्रो. के.ई. मधुसूदन

1.	चन्द्रशेखरभट्ट	सहायकाचार्य	व्याकरणशास्त्र
2.	डॉ. गणेशईश्वरभट्ट	सहायकाचार्य	वेदान्तशास्त्र
3.	डॉ. रामचन्द्र जोइस	सहायकाचार्य	साहित्यशास्त्र
4.	श्री आर. नवीन	संविदा प्राध्यापक	न्यायशास्त्र
5.	डॉ. विनायक रजत भट्ट	संविदा प्राध्यापक	व्याकरणशास्त्र

पंचमसत्र 29 जनवरी, 2015
अध्यक्षता-डॉ. चन्द्रकान्त

1.	डॉ. गणेश पंडित	सहायकाचार्य	व्याकरणशास्त्र
2.	डॉ. के. विनयकुमार	संविदा प्राध्यापक	साहित्यशास्त्र
3.	डॉ. प्रमोदभट्ट	सहायकाचार्य	व्याकरणशास्त्र
4.	डॉ. मुरलीकृष्ण	संविदा प्राध्यापक	ज्योतिषशास्त्र

षष्ठ सत्र-25 फरवरी, 2015
अध्यक्षता-डॉ. ईश्वरभट्ट

1.	प्रो. ए.पी. सच्चिदानन्द	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
2.	डॉ. के. पद्मनामम्	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	डॉ. वेंकटरमण भट्ट	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	श्री श्यामसुन्दर भट्ट	सहायकाचार्य	न्यायशास्त्र
5.	श्री गणपति वी. हेगड़े	संविदा प्राध्यापक	वेदान्तशास्त्र
6.	डॉ. श्रीनिवासमूर्ति	सहायकाचार्य	साहित्यशास्त्र

परिसरीय अन्य गतिविधियाँ

1. संस्कृतोत्सव-इस परिसर में 14 अगस्त, 2014 को संस्कृतोत्सव का आयोजन किया गया। डॉ. सुरेश आचार्य जी ने जिसका उद्घाटन संस्कृत महापाठशाला के प्राचार्य के करकमलों द्वारा हुआ और उन्होंने संस्कृत के महत्त्व पर भाषण दिया। परिसर प्राचार्य डॉ. एन्.आर्. कण्णन् जी ने अध्यक्षता की। संस्कृत समारोह में अन्य स्कूलों के अनेक छात्र-छात्राओं ने परिसर द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में सहभागिता की।

2. स्वतन्त्रता दिवस- 15 अगस्त 2014 को परिसर में

स्वतन्त्रता दिवस का आयोजन हुआ। परिसर-प्राचार्य डॉ. एन्. आर. कण्णन् द्वारा झंडारोहन किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों, छात्र-छात्राओं ने स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य में भाषण दिए तथा बाद में छात्रों द्वारा देशप्रेम से सम्बन्धित कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

शिक्षक दिवस समारोह - 05 सितम्बर, 2014 को शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। पेरड्डूर हाईस्कूल के संस्कृत और हिन्दी अध्यापक श्री जनार्दन और श्रीमती यशोदा जी मुख्याध्यापिका गवर्नमेण्ट हाईस्कूल कोपा को सम्मानित किया गया। दोपहर के सत्र में छात्र-छात्राओं के द्वारा अध्यापकों के लिए कई सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए।

हिन्दी दिवस समारोह–23 सितम्बर 2014 को हिन्दी दिवस मनाया गया। बंगलोर विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष प्रो. प्रभाशंकर प्रेमी ने "ब्रिटिश शासनकाल में राष्ट्र की सुरक्षा" विषय पर व्याख्यान दिया। परिसर में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए और उनके करकमलों द्वारा हिन्दी प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

स्वच्छ भारत अभियान -शृंगेरी परिसर में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार 02 अक्टूबर 2014 को प्राचार्य एन.आर. कण्णन् के मार्गदर्शन में सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों ने मिलकर परिसर में स्वच्छता को बढावा दिया।

शिक्षाशास्त्र विभाग - राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के पाठ्यक्रम के अनुसार शृंगेरी में शिक्षाशास्त्र के छात्रों के लिए तीन दिन का 20 अक्टूबर 2014 से 22 अक्टूबर 2014 तक कार्यानुभव पाठ्यक्रम का आरम्भ किया गया। इस कार्यक्रम वे लिए सुयोग्य अध्यापकों के द्वारा भिन्न-भिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रो. ए.पी. सच्चिदानन्द विभागाध्यक्ष शिक्षाशास्त्र विभाग इस प्रोग्राम के समन्वयक रहे।

राष्ट्रिय एकता दिवस - स्वर्गीय लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के उपलक्ष्य में एकता दिवस मनाया गया। परिसर के सभी अध्यापकों, कर्मचारियों तथा छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई।

कन्नड राज्योत्सव- कन्नड राज्योत्सव समारोह का आयोजन परिसर में नवम्बर 2014 को मनाया गया। इस समारोह का उद्घाटन प्रसिद्ध कन्नड विद्वान् प्रो. चन्द्रशेखर केडिलया के करकमलों द्वारा हुआ और उन्होंने कन्नड में भाषण भी दिया इस समारोह पर कई सांस्कृतिक प्रोग्रामों का आयोजन किया गया जिसमें कई छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

युवमहोत्सव- शृंगेरी परिसर में दिनांक 20.12.2014 से 23.12.2014 तक अन्त: परिसरीय युवा महोत्सव आयोजित किया गया। जबकि शृंगेरी जैसी जैसे गांव के लिए इतना बड़ा युवमहोत्सव असंभव जैसा लगता था परन्तु बहुत अच्छा आयोजन हुआ। हर एक व्यक्ति ने इसके परिश्रम किया और परिसर ने विजयवैजयन्ती पुरस्कार प्राप्त किया।

गणतन्त्र दिवस- 26 जनवरी, 2015 को परिसर में गणतन्त्र दिवस का आयोजन हुआ। परिसर प्राचार्य डॉ. एन्. आर्. कण्णन् द्वारा झंडारोहण किया गया। शिक्षकों तथा अन्य कर्मचारियों ने इस समारोह में भाग लिया। इस अवसर परिसर के छात्र छात्राओं के द्वारा देश प्रेम से संवधि कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

मुक्तस्वाध्यायपीठ- इस केन्द्र के समन्वयक डॉ. चन्द्रकान्त है और डॉ. सोमनाथ साहु सहायक आचार्य है। सत्र 2014-15 में 20 छात्रों ने प्रवेश लिया। मुक्तस्वाध्यायपीठ में व्याकरण, साहित्य, फलित, ज्योतिष, प्राक्शास्त्री सेतु, प्राक्शास्त्री, शास्त्री सेतु, शास्त्री, आचार्य सेतु तथा आचार्य की परीक्षाएँ हर वर्ष होती है। छात्रों की सहायता के लिए परीक्षा के पूर्व पांच बार वर्ष में सम्पर्क कक्षाओं का आयोजन किया जाता है। परिसर के मुक्तस्वाध्याय केन्द्र को संचालित करने के लिए आर्थिक सहायता राष्ट्रिय संस्थान प्रदान करता है।

शोध संगोष्ठी- परिसर में शोध छात्रों के लिए 6 अप्रैल 2015 से कक्षाएँ प्रारम्भ की गई है। डॉ. सी.एस्.एन्. मूर्ति (सह आचार्य) इस कार्य के संयोजक है इस वर्ष बीस शोध छात्रों ने प्रवेश लिया है।

परिसर का विस्तार- राजीव गाँधी परिसर के मुख्य भवन के विस्तार के लिए तथा होस्टल के लिए प्राचार्य डॉ. एन्. आर्. कण्णन् ने प्रयास करके आठ करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत कराया है।

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम और अभिविन्यास पाठ्यक्रम– डॉ. वेंकटेशताताचार्य जी ने अगस्त 2014 को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रक में सहभागिता ली।

4.2.8 वेद व्यास परिसर, बलाहार (हिमाचल प्रदेश)

परिसर-परिचय

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जो भारत सरकार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के अधीन संचालित एक स्वायत संस्था है उसका एक परिसर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ नाम से 16.09.1997 को हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के गरली ग्राम में भारत की स्वर्णिम जयन्ती के अवसर पर स्थापित हुआ। वर्ष 2002 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के सम विश्वविद्यालय बनने से लेकर यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान समविश्व-विद्यालय वेदव्यास परिसर के नाम से नामित है।

वेद व्यास परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के स्वप्न एवं लक्ष्य को वास्तविकता में परिणत करने में सतत प्रगतिशील है। परिसर के लक्ष्य एवं उद्देश्य संस्कृत भाषा एवं उसके विविध शास्त्रीय परम्परा का परिरक्षण करना है। परिसर व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य एवं अद्वैत वेदान्त दर्शन विषयों में प्राक्शास्त्री, शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों को संचालित कर रहा है। उपर्युक्त विषयों में विद्यावारिधि (पी.एच.डी.) उपाधि के लिए शोध भी प्रगति पर है। इसके अलावा संगणक विज्ञान, पर्यावरण, हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास एवं अर्थशास्त्र आदि आधुनिक विषयों को भी स्नातक स्तर तक पढ़ाया जाता है। यह उल्लेखनीय है कि एक ग्रामीण क्षेत्र में संचालित होने से परिसर के विकास एवं संस्कृत भाषा के प्रचार हेतु अधिक सम्भावना है। हिमाचल प्रदेश के लोग अत्यन्त नम्र और उदार प्रकृति के होते हैं तथा धार्मिक परम्पराओं एवं भारतीय संस्कृति में विश्वास रखते हैं। यह परिसर समीपस्थ जन समुदायों को संस्कृत से जोड़ने के लिए प्रयासरत हैं। इस दिशा में परिसर के छात्रों एवं अध्यापकों का योगदान उल्लेखनीय है।

परिसर की अवस्थिति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, समविश्वविद्यालय, वेदव्यास परिसर हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में देहरा के पास बलाहर नामक एक लघु ग्राम में व्यास नदी के तट में अवस्थित है। इस परिसर के आस-पास के क्षेत्रों में प्रसिद्ध देवी-देवताओं के मन्दिर चिन्तपूर्णी, ज्वालाजी एवं कालेश्वर महादेव अवस्थित हैं।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

नियमित पाठ्यक्रम :-

परिसर में निम्नलिखित नियमित पाठ्यक्रम परिचालित हैं-

क्र.सं.	कक्षा का नाम	अवधि	समकक्ष	विषय (शास्त्रीय)	विषय (आधुनिक)
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	बारहवीं	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, दर्शन	हिन्दी, अंग्रेजी, संगणक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा
2.	शास्त्री	3 वर्ष	बी.ए.	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, वेदान्त	हिन्दी, अंग्रेजी, संगणक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, पर्यावरण
3.	आचार्य	2 वर्ष	एम.ए.	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, वेदान्त	

4.	विद्यावारिधि	2 वर्ष	पीएच.डी	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, वेदान्त
5.	शिक्षा-शास्त्री	1 वर्ष	बी.एड.	

दूरस्थ पाठ्यक्रम :-

परिसर में मुक्तस्वाध्यायपीठ के स्वाध्याय केन्द्र द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम पत्राचार माध्यम से संचालित है।

क्र.सं.	कक्षा का नाम	अवधि	विषय (शास्त्रीय)	विषय (आधुनिक)
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	इतिहास, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र
2.	शास्त्री	3 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	इतिहास, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र
3.	आचार्य	2 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	
4.	प्राक्शास्त्री सेतु (संस्कृतावतरणी)	6 माह	सामान्य संस्कृत	
5.	शास्त्री सेतु (संस्कृतावगाहनी)	1 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	
6.	आचार्य सेतु (शास्त्रावगाहनी)	1 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	

अनौपचारिक पाठ्यक्रम :-

उपर्युक्त नियमित एवं पत्राचार व दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम के अलावा परिसर में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के माध्यम से सरल संस्कृत सम्भाषण शिक्षण कक्षाएँ भी 2 भागों में संचालित हैं। 1. प्रथम दीक्षा, 2. द्वितीया दीक्षा।

पाठ्येतर गतिविधियाँ -

अध्ययनारम्भ दिवस - (07-07-2014)

प्रागपुर पंचायत के पूर्व प्रधान श्री देवराज तथा वर्तमान प्रधान श्री रूपेन्द्र सिंह डैनी एवं प्रागपुर स्थित सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया के शाखा प्रबन्धक श्री अजय सिंगला के वक्तव्यों के साथ सत्रीय अध्ययन का औपचारिक उद्घाटन हुआ।

शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपिविज्ञान कार्यशाला

विश्वविद्यालयानुदानायोग के शोध नियमों के अनुसार परिसर में नवप्रविष्ट शोध छात्रों के लिये कार्यशाला का आयोजन दिनांक 10 जुलाई 2014 से 30 जुलाई 2014 तक हुआ।

वाग्वर्धिनी परिषद का प्रारम्भ एवं अन्य परिषदों का परिचय

भावव्यक्तीकरण सभी प्रकार के विकास के लिये अनिवार्य साधन है। छात्रों में इस प्रवृत्ति को जगाने तथा विकास हेतु वाग्वर्धिनी एवं अन्य परिषदों की परिकल्पना विगत वर्ष की गयी। दिनांक 06-08-2014 को इन सत्रीय परिषदों का औपचारिक उद्घाटन किया गया।

नवप्रविष्ट छात्रों के सुविधा हेतु इस अवसर पर सभी विभागों का परिचय तत्तद् विभागाध्यक्ष प्रस्तुत किये।

संस्कृत सप्ताह

भारत सर्वकार के आदेशानुसार हर वर्ष श्रावणपूर्णिमा को संस्कृत दिवस के रूप में मनाया जाता है तथा प्राप्त निर्देशों के अनुरूप संस्कृत सप्ताह का भी आयोजन इस सन्दर्भ में किया जाता है। इस सत्र में दिनांक 08-08-2014 से 14-08-2014 तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। इस सन्दर्भ में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ।

- उद्घाटन सत्र के मुख्यातिथि आचार्य ओमप्रकाश उपाध्याय, कुलपति, गुरु रविदास आयुर्वेद विश्वविद्यालय, होशियारपुर रहे।
- समापन सत्र की मुख्यातिथि नलेटी स्थित केन्द्रीय विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती उषा भाटिया रही।

बालचर प्रशिक्षण (02-09-2014 से 08-09-2014)

शिक्षाशास्त्र के अन्तर्गत बालचर प्रशिक्षण (बेसिक स्काउट मास्टर/गाईड कैप्टेन प्रशिक्षण) शिविर का आयोजन इस वर्ष परिसर में ही सम्पन्न हुआ। दूरवर्ती स्थानों से प्रविष्ट छात्रों की सुविधाओं तथा भौगोलिक परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए परिसर प्रांगण में विशेष व्यवस्थाओं की परिकल्पना की गई।

शिक्षक दिवस

स्वर्गीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भारत सरकार के द्वारा हर वर्ष मनाये जाने वाला शिक्षक दिवस परिसर में भी श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर परिसर में स्काउट प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 132 छात्राध्यापक तथा छात्राध्यापिकाओं की विशेष सहभागिता रही।

हिन्दी पखवाड़ा (15-09-2014 से 29-09-2014)

विभिन्न भाषाओं से समृद्ध भारत वर्ष की विशेषता है अनेकता में एकता। संस्थान के परिसरों में कार्यरत कर्मचारी, अध्यापक तथा छात्र/छात्राएं प्राय: विभिन्न भाषाओं से तथा विभिन्न राज्यों से सम्बद्ध रखते हैं। इस प्रकार के स्थान में एक सामान्य भाषा का प्रचलन सौहार्दपूर्ण वातावरण को अवश्य ही बनाता है। सरकार के प्रयासों के तथा निर्देशों के अनुरूप परिसर में भी हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया।

- हिन्दी को सार्वजानिक बनाने का दायित्व प्रशासन पर रहता है। स्थानीय प्रशासन को परिसरस्थ गतिविधियों से अवगत कराना भी परिसर संचालन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। हिन्दी पखवाड़ा के उद्घाटन कार्यक्रम में दिनांक 15-09-2014 को मुख्यातिथि के रूप में देहरा उपमण्डल के उपमण्डलाधिकारी श्री विनय कुमार उपस्थित रहे।
- हर प्रकार की सुरक्षा उपलब्ध कराने पर ही शिक्षा संस्थाओं का मुख्य उद्देश्य पूरा हो सकता है। आन्तरिक सुरक्षा का दायित्व यद्यपि प्रशासन का होता है तथापि आगन्तुक, कर्मचारी, छात्र/छात्राओं को विशेष सुरक्षा प्रदान करने का दायित्व स्थानीय प्रशासन का होता है। समापन सत्र में पुरस्कार वितरण हेतु तथा सुरक्षा से सम्बन्धित विशिष्ट व्याख्यान हेतु देहरा उपमण्डल की उपाधीक्षक श्रीमती रेणु शर्मा मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

स्थापना दिवस

परिसर का अठ्ठारहवाँ स्थापना दिवस प्रेरणा तथा संकल्प दिवस के रूप में दिनांक 16-09-2014 को मनाया गया। ध्यातव्य है कि इस परिसर की स्थापना सितम्बर 16 सन् 1997 को हुई थी।

- मुख्यातिथि - श्री मुनीश कुमार, विकास खण्ड अधिकारी, प्रागपुर
- विशिष्टातिथि - श्री रूपेन्द्रसिंह डैनी, प्रधान, प्रागपुर

अन्तर्राष्ट्रीय ज्योतिष शोध संगोष्ठी (18-10-2014 से 19-10-2014 तक)

ज्योतिष विभाग द्वारा संचालित ज्योतिष परियोजना के तत्त्वावधान में दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इस गोष्ठी में विभिन्न देशों के 15 विदेशी विशेषज्ञ तथा स्थानीय विषय विशेषज्ञ तथा अभिरूचि रखने वाले छात्र/छात्राएँ भाग लिए। इस गोष्ठी में लगभग 25 शोधपत्रों का वाचन हुआ। कर्म, पुनर्जन्म तथा सृष्टि पर आधारित इस गोष्ठी का मुख्य आकर्षण विशेष परिचर्चा सत्र रहा।

राष्ट्रीय एकता दिवस

भारत के प्रथम गृहमन्त्री तथा लौह पुरुष स्वर्गीय सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। परिसर के वरिष्ठ शैक्षिक अधिकारी डॉ. अशोक चन्द्र गौड़ और सभी उपस्थित लोगों को एकता की शपथ दिलायी। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य आचार्य लक्ष्मी निवास पाण्डेय ने की।

एक दिवसीय संस्कृत सम्मेलन (01-11-2014)

परिसर के संस्कृत प्रचार मंच के संयोजन में एक दिवसीय संस्कृत सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि संस्कृत भारती के प्रान्त संयोजक श्री नरेन्द्र रहे। सम्मेलन में मंच के संयोजक डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी, सहसंयोजक वासु मोहन ने अपने वक्तव्य दिये। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य ने की।

दस दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर (27-10-2014 से 05-11-2014 तक)

संस्कृत प्रचार मंच के द्वारा दिनांक 27 अक्टूबर से दिनांक 05 नवम्बर तक सम्भाषण शिविर का आयोजन किया गया।

छात्र संसद (17-11-2014)

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र दिवस के उपलक्ष्य में "शिक्षित भारत सक्षम भारत - सभी को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा" शीर्षक पर छात्र संसद का आयोजन दिनांक 17-11-2014 को अपराह्न में हुआ। परिचर्चा के उपरान्त प्रतिवेदन निर्देशों के अनुरूप मुख्यालय भेजा गया।

युवा महोत्सव (20-12-2014 से 23-12-2014)

कर्णाटक के श्रृंगेरी परिसर में आयोजित युवा महोत्सव में परिसर के छात्रों की उपलब्धियों का विवरण इस प्रकार है–

- कुश्ती में चार स्वर्ण पदक एवं एक रजत पदक
- योग, बैडमिण्टन तथा कबड्डी में एक एक स्वर्ण पदक
- शैक्षिक प्रतियोगिता में तीन स्वर्ण पदक
- अन्य प्रतियोगिताओं में तीन रजत तथा पांच कांस्य पदक
- कुल पदक स्वर्ण-10, रजत-4, कांस्य-5
- कुल पदकों की संख्या-19
- उपलब्धियों के क्रम में सभी परिसरों में वेदव्यास परिसर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

राज्यस्तरीय प्रतियोगिता (24 से 25-01-2015)

53वाँ अखिल भारतीय संस्कृत भाषण स्पर्धा में भाग लेने हेतु राज्य स्तर के प्रतिनिधियों का चयन करने की प्रक्रिया दिनांक 24 तथा 25 जनवरी को की गई।

इस प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में–

- आचार्य हरेराम त्रिपाठी, लाल बहादुर शास्त्री, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नव देहली
- आचार्य सच्चिदानन्द तिवारी, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नव देहली
- डॉ. विनोद शर्मा, लाल बहादुर शास्त्री, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नव देहली उपस्थित रहे। इसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए कुल 14 छात्र छात्राओं का चयन हुआ।

प्रेरणा पक्ष

स्वामी विवेकानन्द तथा सुभाष चन्द्र बोस के जयन्ती के उपलक्ष्य में तथा शहीद दिवस की संस्मृति में परिसर में "प्रेरणा पखवाड़ा" मनाया गया। इस अवसर पर सभी कक्षाओं के छात्रों को विभिन्न वर्गों में विभक्त कर स्वच्छता, वृक्षारोपण, शैक्षिक शारीरिक आध्यात्मिक आदि विकासों के लिए प्रस्ताव निर्माण आदि का दायित्व दिया गया था। इस अवसर पर दिनांक 23-01-2015 को 30 वृक्षों का आरोपण किया गया। यह कार्यक्रम प्रागपुर में स्थित सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया के सौजन्य से किया गया। दस दस के भागों में विभक्त इस वृक्षवाटिका में तीनों युगपुरुषों की सूक्तियों को प्रदर्शित करने का प्रस्ताव है।

वसन्तोत्सव (04-02-2015 से 07-02-2015)

संस्थान के द्वारा नवदेहली में आयोजित वसन्तोत्सव में परिसर के छात्रों द्वारा बाल रामायण के पहले तीन अंको का मंचन किया गया। नाटक के निर्देशक डॉ. मनोज श्रीमाल, सह निर्देश श्री पुरुषोत्तम, डॉ. राधावल्लभ शर्मा, श्रीमती प्रीति शर्मा एवं श्री श्रीनाथधर द्विवेदी के मार्गदर्शन में छात्रों ने नाटक का सफल मंचन किया।

द्वितीय ज्योतिष शोध संगोष्ठी (14-02-2015)

ज्योतिष परियोजना तथा ज्योतिष विभाग में संयुक्त तत्वावधान में द्वितीय शोध संगोष्ठी दिनांक 14-02-2015 को सम्पन्न हुई। इस कार्यक्रम में विशेष वक्ता के रूप में भौतिक विज्ञान के विशेषज्ञ श्री अनुराग सूद तथा श्री सुरजीत ठाकुर उपस्थित रहें। इस शोध संगोष्ठी का मुख्य विषय "मानव पर ग्रहों के प्रकाश के माध्यम से प्रभाव" पर विभागीय शोधछात्र, अध्यापकों तथा छात्रों को अवगत कराने के पश्चात् परिचर्चा का आयोजन किया गया।

दर्शन शास्त्र संगोष्ठी (16-02-2015)

दिनांक 16-02-2015 को परिसर में एक दिवसीय दर्शन शास्त्र संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में साधु आश्रम से आचार्य नरसिंह चरण पण्डा, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ से आचार्य अनन्ताचार्य एवं डॉ. प्रभाकर प्रसाद उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अशोक चन्द्र गौड़ शास्त्री रहे।

व्याकरणशास्त्रे निपातार्थनिर्णय: (09-02-2015)

परिसर के व्याकरण विभाग के द्वारा आयोजित एक दिवसीय व्याकरण संगोष्ठी का संयोजन उपाचार्य डॉ. अशोक चन्द्र गौड़ शास्त्री ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भोपाल परिसर के आचार्य सुबोध शर्मा तथा जयपुर परिसर के आचार्य श्रीधर मिश्र उपस्थित रहे।

नाट्यशास्त्रोक्त कर्णाङ्गहाराणां प्रायोगिक पक्ष (19-03-2015)

परिसरस्थ साहित्य विभाग एवं कलारञ्जनी परिषद तथा महिला अध्ययन केन्द्र के द्वारा दिनांक 19-03-2015 को संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें पत्र वाचन के साथ-साथ पुरी से पधारें कलाकारों श्री नारायण पाण्डेय, सुश्री रोजालिन माहान्ति, सुश्री सन्दीप्ता साहू, सुश्री नन्दिता प्रियदर्शिनी ने प्रायोगिक पक्ष प्रस्तुत किया। दिनांक 20-03-2015 को उक्त कलाकारों के साथ परिषद एवं केन्द्र के सदस्यों का जीवन्त अन्त:क्रियात्मक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

स्थानीय शोध समिति की बैठक

इस सत्र में स्थानीय शोध समिति की बैठक दो बार सम्पन्न हुई।

1. दिनांक 28-10-2014 को सम्पन्न बैठक में 31 शोध-संक्षिप्तिकाओं पर किये गए विचारानुरूप प्रस्तावों को अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित करने का निर्णय लिया गया।
2. दिनांक 17-02-2015 को समिति की दूसरी बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में आचार्य अभिराज राजेन्द्र मिश्र तथा आचार्य नरसिंह चरण पण्डा बाह्य विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। इस बैठक में पूर्व में निरस्त किये गये शोध शीर्षकों के सन्दर्भ में तथा प्रस्तुत नूतन प्रारूपों पर विचार विमर्श के उपरान्त अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित करने का निर्णय लिया गया।

अन्य स्मरणीय गतिविधियाँ

छात्र सहभागिता/उपलब्धियाँ

छात्र विकास कार्य :-

क. शिक्षणेत्तर गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निरन्तर निम्नलिखित कार्यक्रम सायं काल में चलाए जाते हैं इन गतिविधियों के लिए हर एक के लिए विभिन्न अध्यापक, अध्यक्ष एवं संयोजक के रूप में मार्गदर्शन देते हैं तथा एक छात्र एवं एक छात्रा प्रतिनिधि इसका संचालन करते हैं।–

सोमवार एवं मंगलवार - विभागश: शास्त्र प्रबोधन कार्य एवं परामर्श।

बुधवार - हर महीने के प्रथम एवं तृतीय विभागश: तथा द्वितीय एवं चतुर्थ सामूहिक वाग्वर्धिनी परिषद् द्वारा शास्त्रीय भाषण का अभ्यास।

गुरुवार एवं शुक्रवार - स्वास्थ्य क्लब, पर्यावरण क्लब, मीडिया क्लब, संस्कृत प्रचार मञ्च, कलारञ्जनी, छात्र परामर्श केन्द्र के कार्यक्रम।

प्रत्येक गुरुवार - शोध परिषद्

ख. छात्रावास - किराए पर दो छात्रावासों को लिया गया है। पुरुष छात्रावास प्रागपुर में 67 छात्र, अधिष्ठाता-मनोज श्रीमाल, श्री पुरुषोत्तम, महिला छात्रावास नगरोटा में 78 छात्राएँ, अधिष्ठात्री सुश्री. मीना तथा श्रीमती श्रद्धाजंलि

महापात्र।

ग. परिसरीय बस व्यवस्था - प्रतिदिन 3 चक्कर लगाकर नगरोटा, गरली प्रागपुर से छात्रों के गमनागमन व्यवस्था संयोजक डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम् के पर्यवेक्षण में होता है।

घ. कैन्टीन - **"अन्नपूर्णा मन्दिर"**-कैण्टीन में अध्ययनार्थी छात्रों के लिए स्वास्थ्यकर एवं पौष्टिक भोजन न्यून मूल्य पर उपलब्ध कराया जाता है।

अन्तःमहाविद्यालयीय संस्कृतसम्भाषणादि प्रतियोगिता (13-03-2015)

पंजाब विश्वविद्यालय के अन्तर्गत होशियारपुरस्थ विश्वेश्वरानन्द विश्वबन्धु संस्कृत एवं भारतभारती अनुशीलन संस्थान, होशियारपुर के छात्र परिषद द्वारा संचालित संस्कृत सम्भाषण प्रतियोगिता में परिसर के निम्नलिखित छात्र भाग लिये तथा कई पुरस्कार प्राप्त किये। इस स्पर्धा में परिसर के छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर भाषण तथा श्लोकोच्चारण में चल विजयोपहार प्राप्त हुए।

1. भाषण - राधा शर्मा - तृतीय
2. भाषण - बलवीर सिंह - द्वितीय
3. श्लोकोच्चारण - दीपेन्द्र गौतम - द्वितीय
4. श्लोकोच्चारण - गौरव शर्मा - द्वितीय
5. वेदमन्त्रपाठ - पद्मराज रेग्मी - द्वितीय
6. पुराण प्रश्नोत्तरी - अमरजीत, सौरभ शर्मा - द्वितीय

ग्लोरी फेस्टीवल

11 जनवरी 2015 से 15 जनवरी 2015 तक ओडिशा राज्य स्थित पुरी नगरी में नेशनल यूथ इन्टीग्रेटेड सेन्टर द्वारा आयोजित राष्ट्र स्तरीय अन्तर्महाविद्यालयविश्वविद्यालय सांस्कृतिक उत्सव 19वें ग्लोरी फेस्ट में परिसर में कार्यरत अनुबन्धित आंग्ल अध्यापक डॉ. गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में 09 छात्र भाग लिये तथा कई पुरस्कार प्राप्त किये।

1. लाईट इन्स्ट्रुमेन्टल - गौरव शर्मा - प्रथम
2. लोक नृत्य - करुण कुमार - द्वितीय
3. लोक नृत्य - शिवा कुमारी - द्वितीय
4. लोक नृत्य - ज्योति ठाकुर - द्वितीय
5. लोक नृत्य - नीलम कुमारी - द्वितीय
6. लोक नृत्य - राधा शर्मा - द्वितीय
7. एकपात्राभिनय - सोनाली - द्वितीय
8. एकल गीत - साहिल शर्मा - तृतीय

अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिभागिता

शास्त्री तृतीय वर्ष के छात्र शुभम् आर्य के चिल्ली में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में भाग लिया तथा रिथमिक योग एवं एस्थटिक योग में दो स्वर्ण पदक प्राप्त किए।

मकरसंक्रमण यज्ञ

अन्य सामाजिक संस्थाओं के साथ कार्यक्रमों का आयोजन तथा कार्यक्रम में सहभागिता छात्रों में सामाजिक दायित्व निर्वहण करने का अनुभव तथा सामाजिक ज्ञान को बढ़ाने में मदद करते हैं। साथ ही इस प्रकार के कार्यो से व्यावहारिक ज्ञान भी बढ़ता है। इसी सिलसिले में कांगड़ा जनपद के साई सेवा समिति के आग्रह पर दिनांक 14-01-2015 को परिसर के 108 छात्र यज्ञ में आचार्य तथा ऋत्विक के रूप योगदान किये। परिसर में प्रस्तावित कर्मकाण्ड विभाग के मद्देनजर तथा देश विदेश में वैदिक कार्य सम्पादक तथा परामर्शक के रूप में उपलब्ध अनेक अवसरों का समुचित लाभ लेने के लिए इस प्रकार के कार्य उपयुक्त होंगे। इसी सन्दर्भ में छात्रों से भी कर्मकाण्ड में कार्यशालाओं के आयोजन की मांग प्राप्त हुई है। इस सत्र में विभिन्न कारणों से कार्यशाला का आयोजन नहीं हो सका। अग्रिम सत्र में कर्मकाण्ड में प्रशिक्षण को आजीविका की दृष्टि से बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा।

अन्य सहभागितायें

1. राधाकृष्ण मन्दिर, देहरा में आयोजित भजन प्रतियोगिता में श्री नरेश शर्मा तथा श्री अमित वालिया के मार्गदर्शन में भाग ग्रहण।
2. पुलिस विभाग द्वारा आयोजित यातायात जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत लोरेट कालेज, कथोग में आयोजित प्रतियोगिता में श्री गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में भाग ग्रहण।
3. स्थानीय कबड्डी प्रतियोगिता में परिसर विजेता।
4. कुरुक्षेत्र में अन्तर्विश्वविद्यालयीय कुश्ती एवं योग स्पर्धा में भागग्रहण।

5. अगरतला में अन्त:संस्कृतविश्वविद्यालय युवा महोत्सव में भागग्रहण।
6. जिला संस्कृत सम्मेलन कांगड़ा में 08 एवं 09 नवम्बर, 2014 को 50 छात्रों को भाग ग्रहण।
7. हिमाचल प्रदेश के कई जिलों हेतु आयोजित 10 दिवसीय आवासीय संस्कृत भाषा बोधन वर्ग पपरोला में 30 दिसम्बर से 10 जनवरी 2015 तक परिसर के छात्रों ने भाग लिया तथा प्राध्यापक वैद्य सुब्रह्मण्यन् जी ने अध्यापन कार्य किया।
8. परिसर में 13 मार्च, 2015 को आयोजित रक्तदान शिविर में 85 सदस्यों ने रक्तदान किया।

रोजगार समाचार (आजीविका प्राप्ति)

इस परिसर से शास्त्री तथा आचार्य करने के उपरान्त वर्तमान सत्र में कई छात्र हिमाचल माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा शास्त्री अध्यापक नियुक्त किये गये-

1. अमन सिंह - परिसर में शोधकार्यरत तथा परिसर से ही शास्त्री और आचार्य उपाधि प्राप्त।
2. यतीश शर्मा - परिसर में आचार्य कक्षा में अध्ययनरत तथा इसी परिसर से शास्त्री उपाधि प्राप्त।
3. कैलाश शर्मा - परिसर से आचार्य उपाधि प्राप्त।
4. अमन शारदा - परिसर से शास्त्री तथा आचार्य उपाधि प्राप्त।
5. प्रतिभा - परिसर से आचार्य कक्षा में अध्ययनरत।
6. गंगा देवी - परिसर में आचार्य कक्षा में अध्ययनरत।

विभिन्न केन्द्रों की गतिविधियाँ

ज्योतिष परियोजना

परिसर में इस सत्र में डॉ.पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम् के निर्देशकत्व में ज्योतिष परियोजना "आधुनिक विज्ञान की दिशा में ज्योतिष में अनुसन्धान के परिप्रेक्ष्य" का शुभारम्भ अगस्त 2014 में हुआ। इस परियोजना में निम्नलिखित सदस्य कार्यरत हैं-

1. श्री महिन्द्र कुमार - परियोजना सहायक
2. श्री अभिषेक शर्मा - परियोजना सहायक
3. कुमारी सुषमा - परियोजना सहायक

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	- 03
उत्तर प्रेषित	- 03

4.2.9 भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)

1. परिसर-परिचय

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के भोपाल परिसर की स्थापना वर्ष 2002 में मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में हुई थी। मध्यप्रदेश के तत्कालीन महामहिम राज्यपाल भाई महावीर जी ने 16 सितम्बर, 2002 को इसका औपचारिक शुभारम्भ किया था। इस परिसर के विकास हेतु मध्यप्रदेश शासन ने बागसेवनिया में 10 एकड़ भूमि निःशुल्क प्रदान की है, जिस पर शैक्षिक, प्राशासनिक, पुस्तकालय एवं प्रेक्षागार निर्माण हेतु तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री माननीय श्री अर्जुन सिंह जी ने 19 सितम्बर, 2005 को शिलान्यास किया था। अब वह भवन निर्मित हो चुका है, अतः मई 2010 से परिसर की सभी शैक्षिक गतिविधियाँ इस नवनिर्मित अपने भवन में प्रारम्भ हो गई हैं। परिसर में शैक्षिक एवं प्राशासनिक, मुक्ताकाश मंच, पुरुष छात्रावास, महिला छात्रावास, अतिथि गृह एवं आवासीय भवन निर्मित हो चुका है।

2. परिसर की स्थिति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)

भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बागसेवनिया,

भोपाल-462 043, म.प्र.

दूरभाष 0755-2418043, दूरप्रेष्य 0755-2418003

ईमेल : rsks_bhopal@yahoo.com

वेव साइट : www.rsksbhopal.ac.in

3. पाठ्यक्रम

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के भोपाल परिसर में पाठ्यक्रम के अन्तर्गत शिक्षण, प्रशिक्षण एवं शोध के तीन विभाग संचालित हैं। शिक्षण विभाग में प्राक्शास्त्री (10+2), शास्त्री (B.A.) एवं आचार्य (M.A.) की कक्षाओं का अध्यापन होता है। जिनमें साहित्यशास्त्र, व्याकरणशास्त्र एवं ज्योतिषशास्त्र (सिद्धान्त एवं फलित), जैन दर्शन के साथ हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र, इतिहास, कम्प्यूटर विज्ञान एवं पर्यावरण की शिक्षा दी जाती है। प्रशिक्षण विभाग में शिक्षाशास्त्र (B.Ed.) तथा शिक्षाचार्य (M.Ed.) का पाठ्यक्रम संचालित है। शोध विभाग में साहित्यशास्त्र, व्याकरणशास्त्र, ज्योतिषशास्त्र (सिद्धान्त एवं फलित), शिक्षाशास्त्र एवं संस्कृत विद्या की अन्य धाराओं में विद्यावारिधि (Ph.D.) उपाधि हेतु शोध छात्र अनुसंधान करते हैं। इसके अतिरिक्त परिसर में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुक्तस्वाध्यायपीठम् का स्वाध्याय केन्द्र भी सञ्चालित है। इसके अतिरिक्त परिसर में 3 महीने के अनौपचारिक शिक्षण केन्द्रों का सञ्चालन होता है।

पाठ्य सहगामी गतिविधियाँ

- **संविद्-विकास-परिषद् –** विद्यार्थियों की वाक्क्षमता, शास्त्रीय पाण्डित्य एवं प्रतिपादन सामर्थ्य के विकास के लिए परिसर में प्रति शुक्रवार संविद्-विकास-परिषद् का आयोजन होता है, जिनमें विद्यार्थी साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, शिक्षाशास्त्र एवं अन्य सम्बन्धित प्राच्यविद्याओं के अधीन गहन सिद्धान्तों की चर्चा एवं व्याख्या करते हैं।
- **शास्त्रमीमांसा समिति –** शास्त्र चर्चा के माध्यम से प्राध्यापकों में शास्त्रीय तेजस्विता के विकास के लिये शास्त्रमीमांसा समिति का संघटन किया गया है। शिक्षकों के संकल्पानुसार प्रतिमास आरम्भिक शुक्रवार को शास्त्र-मीमांसा समिति का आयोजन किया जाता है, जिसमें पूर्व निर्धारित विषय पर प्राध्यापकों द्वारा शास्त्र-चर्चा प्रस्तुत की जाती है। सत्रान्त में शास्त्रमीमांसा पत्रिका में शोध निबन्धों का प्रकाशन किया जाता है।
- **शास्त्रार्थ प्रशिक्षण –** परिसर में विभिन्न शास्त्रों के मार्मिक एवं दुरूह पक्षों के परिष्कार हेतु विद्यार्थियों को शास्त्रार्थ का प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसमें किसी शास्त्र के विशिष्ट सिद्धान्त पर पूर्वपक्ष एवं उत्तरपक्ष के साथ शास्त्रसम्मत एवं प्रामाणिक तर्क उपस्थापित होते हैं। उसके अन्त में सैद्धान्तिक निष्कर्ष तक पहुँचा जाता है।
- **शलाका एवं कण्ठपाठ –** अध्येताओं की स्मृति, मेधा

एवं अवबोधन शक्ति के परीक्षण हेतु विभिन्न शास्त्रों एवं काव्यों पर आधारित शलाका एवं कण्ठपाठ का अभ्यास कराया जाता है। शलाका परीक्षा में स्मृति, मेधा एवं अवबोधन तीनों का परीक्षण होता है। जबकि कण्ठपाठ में केवल स्मृति का ही परीक्षण होता है।

- **विस्तार व्याख्यानमाला –** परिसर में शिक्षासत्र के मध्य विभिन्न शास्त्रों में विस्तार व्याख्यानमाला का आयोजन होता है, जिसमें विभिन्न शास्त्रों के विशिष्ट एवं पारंगत विद्वानों का व्याख्यान होता है, इससे विद्यार्थियों को अपने अधीत शास्त्रों के विस्तार हेतु मार्गदर्शन प्राप्त होता है।
- **स्मृति व्याख्यानमाला** - सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन् की स्मृति में उनके जन्म दिवस के अवसर पर 5 सितम्बर को डॉ. राधाकृष्णन् स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन प्रतिवर्ष होता है।
- **प्रदेशिक वाक्स्पर्धा** - भोपाल परिसर में अधिराज्यीय वाक्स्पर्धा का आयोजन किया जाता है, जिसमें मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्यों के पारम्परिक संस्कृत विद्यार्थियों की निर्धारित आठ शास्त्रों में प्रतियोगिताएँ आयोजित होती हैं। उनमें प्रतिशास्त्र एवं प्रतिराज्य विजेता छात्रों का राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय के द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा के लिए चयन किया जाता है। इस कार्यक्रम में शास्त्रीय शलाका, काव्य शलाका, कण्ठपाठ एवं श्लोकान्त्याक्षरी की प्रतियोगितायें भी आयोजित होती हैं।
- **अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा –** राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा में भाग लेने के लिये प्रादेशिक वाक्स्पर्धा में चुने हुए विद्यार्थियों को भोपाल परिसर में शास्त्रीय भाषण, शास्त्रीय शलाका, काव्य शलाका, कण्ठपाठ एवं श्लोकान्त्याक्षरी का विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है।
- **क्रीड़ा एवं योगासन –** परिसर में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के शारीरिक एवं आध्यात्मिक विकास हेतु विभिन्न शारीरिक क्रियाओं, योग एवं क्रीड़ा का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रतिवर्ष विजेता छात्रों का अखिल भारतीय युव महोत्सव हेतु चयन किया जाता है और उन्हें पुरस्कृत किया जाता है।
- **अखिल भारतीय युवमहोत्सव –** राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय के द्वारा प्रतिवर्ष अखिल भारतीय युवमहोत्सव का आयोजन किया जाता है, जिसमें परिसरीय प्रतिभावान् युवा विद्यार्थियों को क्रीड़ा, योग, चित्रांकन, अभिनय, नृत्य, संगीत एवं श्लोक गान आदि विविध पाठ्यसहगामी प्रवृत्तियों के विकास हेतु प्रोत्साहन एवं प्रशिक्षण दिया जाता है।
- **नाट्याभिनय एवं कलाएँ –** परिसर में विद्यार्थियों को पारम्परिक नाट्य शास्त्रीय अभिनय कला का प्रशिक्षण दिया जाता है और ग्रीष्मावकाश में संस्थान के सहयोग से अन्य संस्थाओं में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रशिक्षण हेतु प्रेषित किया जाता है। प्रशिक्षित विद्यार्थियों के द्वारा संस्कृत नाटकों का रूपायन किया जाता है एवं उन्हें कौमुदी महोत्सव और युवमहोत्सव के अन्तर्गत आयोजित नाट्य प्रतियोगिताओं में प्रस्तुत किया जाता है।

अन्य शैक्षिक गतिविधियाँ

- **दूरस्थ शिक्षा** - राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में मुक्तस्वाध्यायपीठम् स्थापित है, जिसके अन्तर्गत परिसर में दूरस्थ शिक्षण केन्द्र संचालित है। यह केन्द्र पंजीकृत स्वाध्यायी अध्येताओं को पाठ्यसामग्री भेजता है और आवश्यकतानुसार अवकाश के दिनों में स्वाध्यायी छात्रों के लिए कक्षाओं का आयोजन भी करता है। इस प्रकार परिसर से दूर अपने गृहनगर में रहने वाले पंजीकृत स्वाध्यायी छात्र भी इस केन्द्र के माध्यम से अध्ययन करके प्राक्शास्त्री, शास्त्री और आचार्य पाठ्यक्रमों की परीक्षा देते हैं तथा उत्तीर्ण होने पर पाठ्यक्रमों का प्रमाणपत्र/उपाधि प्राप्त करते हैं।
- **नाट्यशास्त्र अनुसन्धान केन्द्र** - पारम्परिक एवं समकालीन भारतीय रंगमंच पर अनुसंधान एवं प्रयोग, संस्कृत रंगमंच की प्रायोगिक दिशाओं का अन्वेषण और नाट्यशास्त्रीय अनुसन्धान एवं प्रयोग में कार्यरत-देश-विदेश की संस्थाओं से सक्रिय संबंध करने की दृष्टि से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर में नाट्य शास्त्र अनुसन्धान केन्द्र स्थापित हुआ है। उसके अन्तर्गत नाट्यशास्त्रीय ग्रन्थ का प्रकाशन, नाट्यशास्त्रीय प्रशिक्षण, कार्यशाला, संस्कृत-गानमण्डल एवं संस्कृत रंगमण्डल का गठन करके प्रयोग-कार्य प्रचलित हैं।
- **अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण** - संस्कृत भाषा, संस्कृत के काव्य एवं संस्कृत शास्त्रों को शिक्षक के बिना स्वयं पढ़ने की क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से संस्थान ने

संस्कृत स्वाध्याय पाठ्यक्रम का विकास किया है। इसमें पाँच सत्र/दीक्षा हैं। प्रत्येक सत्र/दीक्षा में छह-छह मास अध्ययन करना होगा। नि:शुल्क कक्षा आयोजन की सूचना समय-समय पर समाचार-पत्रों के माध्यम से दी जाती है।

- **भारतीय ज्योतिष परिचय एवं भारतीय वास्तुशास्त्र पाठ्यक्रम** - भारतीय फलित ज्योतिष एवं वास्तुशास्त्र में रुचि रखने वाले साधारण पाठकों के लिए भारतीय ज्योतिष परिचय एवं वास्तुशास्त्र का त्रैमासिक पाठ्यक्रम परिसर के द्वारा संचालित है। इस पाठ्यक्रम में अध्ययन करके किसी भी उम्र का कोई भी व्यक्ति फलित ज्योतिष एवं वास्तुशास्त्र के सामान्य सिद्धान्तों का परिचय प्राप्त कर सकता है। इसकी कक्षायें सायंकालीन होती हैं, जिसमें रुपए 1000/- मात्र पंजीकरण शुल्क देय है। समाचार पत्रों के माध्यम से इस पाठ्यक्रम में प्रवेश की सूचना प्रसारित की जाती है। इस वर्ष इसमें एक सौ अभ्यर्थी पंजीकृत थे।
- **संस्कृत अन्तर्जाल परियोजना** - परिसर में संस्कृत के प्राचीन शास्त्रों को अन्तर्जाल में संस्थापित करने हेतु संस्कृत अन्तर्जालपरियोजना प्रचलित है। विभिन्न संस्कृत ग्रंथों को टंकित करके अर्न्तजाल में स्थापित करना इस परियोजना का मुख्य कार्य है। इस योजना के अन्तर्गत परिसर के द्वारा साहित्य दर्पण और अलंकार सर्वस्वम्, परिभाषेन्दुशेखर ग्रंन्थ की स्थापना अन्तर्जाल में हो चुकी है। इसी प्रकार संस्कृत विद्वत्परिचायिका (who is who) नाम से संस्कृत विद्वानों की एक पंजिका विश्व संस्कृत सम्मेलन के अवसर पर जनवरी 2012 में प्रकाशित हो चुकी है और उसे अन्तर्जाल में स्थापित किया गया है।
- **संस्कृत शिक्षानुसन्धान सर्वेक्षण** - 1980 से 2012 तक भारत के संस्कृत विश्वविद्यालयों में शिक्षाशास्त्र सम्बद्ध एम.एड., एम.फिल., पीएच.डी. तथा डी.लिट् के शोध कार्यों का सारांश संकलित एवं सम्पादित किया गया। इस बृहत् अनुसन्धान परियोजना के प्रधान अनुसन्धाता डॉ. नीलाभ तिवारी हैं।
- **शब्दकोश-परियोजना** - बोली एवं उपबोली शब्दकोश परियोजना के अन्तर्गत परिसर से बुन्देली-संस्कृत (हिन्दी अर्थ सहित) शब्दकोश तथा मालवी-संस्कृत (हिन्दी अर्थ सहित) शब्दकोश प्रकाशित हो चुके है।
- **संगोष्ठी एवं कार्यशाला** - परिसर में विभिन्न शास्त्रों पर राष्ट्रिय एवं क्षेत्रीय शोध संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं का सफल आयोजन किया गया है। शास्त्रीय ज्ञान का आदान-प्रदान, शोध तथा वैदुष्य का विकास करना संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य रहा है।
- **प्रशिक्षण** - अनौपचारिक संस्कृत भाषा विकास के शिक्षकों का उनके शिक्षण कौशल तथा पाण्डित्य में विकास हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन होता है। संस्कृत भाषा एवं शास्त्रों के प्रति रुचि उत्पन्न तथा उस दिशा में प्रावीण्य प्राप्त कराना प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य होता है।
- **पुस्तक विक्रय केन्द्र** - राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा प्रकाशित संस्कृत विषय की पाठ्यपुस्तकें एवं अन्य महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ सर्वसाधारण जन को उचित मूल्य पर उपलब्ध कराने के लिए परिसर में विक्रय केन्द्र का संचालन होता है।

अन्य क्रियाकलाप/समारोह/कार्याशालाओं सहित पूर्ण विवरण

- **सत्रारम्भ** - 14 जुलाई 2014

* **संस्कृत सप्ताह समारोह** - 07-13 अगस्त 2014

भाषण, कण्ठपाठ, श्लोकान्त्याक्षरी, सूत्रान्त्याक्षरी, प्रश्नमंच आदि अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन मुख्यातिथि - माननीय दीपक जोशी, शिक्षाराज्य मन्त्री मध्यप्रदेश शासन।

- **स्वतन्त्रता दिवस समारोह** - 15 अगस्त 2014
- **डॉ. राधाकृष्णन्स्मृतिव्याख्यानमाला** - 5 सितम्बर, 2014

मुख्यवक्ता - प्रो. अशोक कुमार कालिया, पूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृतविश्वविद्यालय, वाराणसी।

विषय - भारतीय प्राचीन शिक्षादर्शन

विशिष्टातिथि - श्री अनिल दवे, सांसद, राज्यसभा

अध्यक्ष - प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, पूर्व कुलपति।

- **हिन्दी सप्ताह समारोह** - 15 सितम्बर, 2014
- **स्थापना दिवस समारोह** - 16 सितम्बर, 2014

स्थापना दिवस समारोह को परिसरीय अध्यापक, कर्मचारियों एवं छात्रों द्वारा मनाया गया।

- **प्रो. आजाद मिश्र, प्राचार्य का विदाई समारोह** - 31 अक्टूबर 2014
- **द्वितीय संस्कृत आयोग के सदस्यों के साथ चर्चा** - 06 दिसम्बर 2014

  अध्यापकों तथा संस्कृत छात्रों से चर्चा
- **संस्कृत विकीपीडिया परिचय कार्यशाला** - 15 दिसम्बर, 2014

  संस्कृत विकीपीडिया केन्द्र अहमदाबाद के सौजन्य से।
- **युवा महोत्सव** - 20-23 दिसम्बर, 2014

  वर्ष 2014-15 हेतु युवा महोत्सव का आयोजन, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी, चिकमंगलूर, कर्नाटक में आयोजित किया गया। जिसमें परिसर के 60 छात्रों ने प्रतिभागिता की। इस प्रतियोगिता में भोपाल परिसर को पाँचवा स्थान प्राप्त किया। जिसमें छात्रों के निम्न विवरणानुसार पुरस्कार प्राप्त हुए –

  क्रीडा प्रतियोगिता

  प्रथम पुरस्कार - नीलेश शर्मा, शास्त्री द्वितीय - 800 मीटर दौड़

  प्रथम पुरस्कार - दीपक कुमार पाठक, शिक्षा आचार्य - भाला फेंक

  द्वितीय पुरस्कार - नीलेश शर्मा, शास्त्री द्वितीय - 400 मीटर दौड़

  द्वितीय पुरस्कार - राज्यगुरुचिन्तन, शिक्षाशास्त्री - ऊँची कूद

  तृतीय पुरस्कार - अंजली शर्मा, शिक्षाशास्त्री - गोला फेंक

  तृतीय पुरस्कार - राज्यगुरुचिन्तन, शिक्षाशास्त्री - लम्बी कूद

  तृतीय पुरस्कार - हर्षद आर्य, शास्त्री तृतीय - कुश्ती 50 किग्रा.

  तृतीय पुरस्कार - सतीश आर्य, शास्त्री प्रथम - कुश्ती 55 किग्रा.

  तृतीय पुरस्कार - पवनकुमार आर्य, शास्त्री तृतीय - कुश्ती 74 किग्रा.

  शैक्षिक सांस्कृतिक स्पर्धा

  द्वितीय पुरस्कार - अभिषेक तिवारी, शिक्षाशास्त्री - संगणक

  द्वितीय पुरस्कार - कुलदीपदत्त, शिक्षाशास्त्री - आशुचित्रणम्

  तृतीय पुरस्कार - विष्णुदत्त, शिक्षाचार्य - एकल शास्त्रीय गायन
- **त्रिदिवसीय शास्त्रीय प्रतियोगिता** - 05-07 जनवरी, 2015

  परिसर में त्रिदिवसीय शास्त्रीय प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ दिनांक 05 जनवरी 2015 को किया गया एवं समापन दिनांक 07 जनवरी 2015 को किया गया।
- **अर्न्तसंस्कृतविश्वविद्यालयीय युवमहोत्सव, अगरतला** - 05-08 जनवरी, 2015

  अगरतला में अर्न्तसंस्कृतविश्वविद्यालयीय युवमहोत्सव का आयोजन 05 से 08 जनवरी 2015 तक अगरतला में किया गया। जिसमें निम्न प्रतिभागियों ने पुरस्कार प्राप्त किया।

  मार्गदर्शक - प्रो. ओम प्रकाश भडाना

  प्रथम पुरस्कार - दीपक पाठक, शिक्षाचार्य छात्र - भाला फेंक प्रतियोगिता

  प्रथम पुरस्कार - नीलेश शर्मा, शास्त्री द्वितीय वर्ष - 1500 मीटर दौड़

  प्रथम पुरस्कार - नीलेश शर्मा, शास्त्री द्वितीय वर्ष - बालीबॉल
- **अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा** - 06-07 जनवरी, 2015

  परिसर में अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन 06 एवं 07 जनवरी 2015 को किया गया। जिसमें निम्न प्रतिभागियों ने पुरस्कार प्राप्त किया।

  मार्गदर्शक - डॉ. ब्रजभूषण ओझा

  प्रथम पुरस्कार - रागिनी शर्मा, व्याकरण शलाका

  द्वितीय पुरस्कार - मनोज, अष्टाध्यायी

  तृतीय पुरस्कार - राजू तिवारी, ज्योतिष भाषण

  सान्त्वना पुरस्कार - अनमोल उपाध्याय, धातुकण्ठ प्रतियोगिता

- **18 दिवसीय संस्कृत भाषा लेखन एवं सम्भाषण कार्यशाला** - 16 जनवरी 2015

  परिसर में ज्योतिष विभाग द्वारा आयोजित 18 दिवसीय संस्कृत भाषा लेखन एवं सम्भाषण कौशल विकास कार्यशाला का उद्घाटन किया गया।

- **गणतन्त्र दिवस समारोह** - 26 जनवरी, 2015

- **वसन्तोत्सव** - 04-06 फरवरी 2015

  संस्थान मुख्यालय द्वारा वसन्तोत्सव, नई दिल्ली में अन्त: परिसरीय संस्कृत नाट्य प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 04-06 फरवरी 2015 तक आयोजित किया गया। जिसमें परिसर के 28 छात्रों ने भाग लिया। भोपाल परिसर की प्रस्तुति महाकवि-भवभूति विरचित-मालती-माधवम् (4-7 अंक) दिनांक 05 फरवरी 2015 को हुई।

  पुरस्कार - समग्र प्रतियोगिता में परिसर को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

  सर्वश्रेष्ठ निर्देशन पुरस्कार - डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव

  नाट्य लेखन एवं निर्देशन - डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव

  सह निर्देशन - डॉ. सनन्दन कुमार त्रिपाठी

  संगीत - डॉ. संजय द्विवेदी

  मार्गदर्शन - प्रो. विद्यानन्द झा

  प्रस्तुति - प्रो. पी.एन. शास्त्री

  मालतीमाधवम् नाटक में पुरस्कार -

  प्रथम पुरस्कार - आयुष दीक्षिति, शास्त्री तृतीय, माधव पात्र हेतु।

  द्वितीय पुरस्कार - कल्याणी फगरे, शास्त्री तृतीय, कामन्दकी पात्र हेतु।

  तृतीय पुरस्कार - चन्द्रेश शर्मा, शास्त्री द्वितीय, मालती पात्र हेतु।

- **भारतीय फलित ज्योतिष एवं वास्तुशास्त्र परिचय पाठ्यक्रम** - 06 फरवरी - 08 मई, 2015

  परिसर में भारतीय फलित ज्योतिष एवं वास्तुशास्त्र परिचय पाठ्यक्रम (तीन माह) का शुभारम्भ किया गया जिसका उद्घाटन दिनांक 06 फरवरी 2015 को परिसर में किया गया। समापन दिनांक 08 मई 2015 को किया गया।

  प्रतिभागी फलित ज्योतिष - 73

  प्रतिभागी वास्तुशास्त्र - 45

- **आधुनिक समय में योग की अनुकूलता - व्याख्यान**- 13 फरवरी, 2015

  परिसर में आधुनिक समय में योग की अनुकूलता पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें व्याख्यानकर्ता प्रो. रामचन्द्र भट्ट, कुलपति, योग विश्वविद्यालय, बेंगलुरु द्वारा "आधुनिक समय में योग की अनुकूलता" पर प्रकाश डाला।

- **त्रिदिवसीय राष्ट्रिय शोध सम्मेलन** - 24-26 मार्च 2015

  परिसर में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय शोध सम्मेलन का उद्घाटन दिनांक 24 मार्च 2015 को किया गया। जिसमें

  शीर्षक - "वैश्विक परिप्रेक्ष्य में शान्ति एवं मूल्य शिक्षा" था।

  संरक्षक - प्रो. पी.एन. शास्त्री

  अध्यक्ष - प्रो. प्रभादेवी चौधरी

  सचिव - डा. नीलाभ तिवारी

  समन्वयक - डा. नितिन जैन

  विशिष्ट व्याख्यान -

  1. प्रो. जे.एस. राजपूत, पूर्व निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी., एन.सी.टी.ई.
  2. प्रो. चान्द किरण सलूजा, आचार्य, केन्द्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय।

  पठित शोध पत्र - 115

  सम्मेलन प्रक्रिया - प्रकाशित।

- **वार्षिकोत्सव एवं राष्ट्रीय शोध सम्मेलन का समापन** - 26 मार्च, 2015

- **विशिष्ट व्याख्यान - व्याकरण** - 30 मार्च, 2015

  शीर्षक :- शब्दाद्वैतविमर्श पर प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी जी का विशिष्ट व्याख्यान।

- **षाण्मासिक पीएच.डी. कोर्सवर्क एवं 21 दिवसीय शोध प्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान कार्यशाला का उद्घाटन** - 16 अप्रैल 2015

- **कुलपति महोदय का अभिनन्दन समारोह** - 02 मई 2015

  परिसर में कुलपति महोदय के प्रथम आगमन पर दिनांक 02 मई 2015 को कुलपति महोदय का अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया।

- **शोध प्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान कार्यशाला का समापन** - 06 मई, 2015
- **10 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण एवं पाठलेखन राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन** - 01 जून, 2015
- **10 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण एवं पाठलेखन राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन** - 10 जून, 2015
- **प्रकाशन**

1. श्री भोजराज पंचाग (विक्रम संवत् 2072) - आई.एस.एस.एन. नम्बर 2277-2030 - सम्पादक प्रो. भारतभूषण मिश्र, प्रो हंसधर झा, डॉ. अशोक थपलियाल
2. शास्त्रमीमांसा - आई.एस.बी.एन. नम्बर 2231-2129 - सम्पादक डॉ. ब्रजभूषण ओझा
3. वैश्विक परिप्रेक्ष्य में शान्ति और मूल्य शिक्षा - आई.एस.बी.एन. नम्बर 978-81-927656-7-9 - सम्पादक डॉ. नीलाभ तिवारी, डॉ. नितिन जैन
4. भारतीय शिक्षा मनोविज्ञान - आई.एस.बी.एन. नम्बर 978-81-927656-6-2 - सम्पादक प्रो. प्रभादेवी चौधरी, डॉ. नीलाभ तिवारी, डॉ. नितिन जैन
5. राष्ट्री - आई.एस.एस.एन. नम्बर 2329-6948 - सम्पादक डॉ. कैलाश चन्द्र दाश

संकाय सदस्यों द्वारा सामान्य पुनश्चर्या पाठ्यक्रम/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम में भागग्रहण

1. डॉ. अर्चना दूबे, 15-07-2014 से 04-08-2014, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वराणसी
2. डॉ. संगीता गुंदेचा, 25-08-2014 से 20-09-2014, हि.प्र. यूनिर्वसिटी समर हिल, शिमला

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 00

उत्तर प्रेषित - 00

4.2.10 के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

परिसर-परिचय

भारत के पश्चिमी तट पर निहित, लगभग 2.5 करोड़ की आबादी वाला मुम्बई महानगर, देश के चार महानगरों में से एक है। यह महाराष्ट्र की राजधानी कहलाता है। महानगर की अधिष्ठात्री मुम्बादेवी के चरण कमलों में पल्लवित यह स्थान भारत की आर्थिक राजधानी के नाम से जाना जाता है।

संस्कृत पारम्परिक विद्या में नवाचारों एवं नवोन्मेषों का समन्वय करते हुए, शास्त्रीय आर्ष परम्परा के प्रचार-प्रसार हेतु महानगरस्थ-सुप्रसिद्ध के.जे.सोमैया ट्रस्ट द्वारा, केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ को प्रारम्भ करने हेतु, भवन निर्माण के लिए एक एकड़ भूमि दानरूप में प्रदान करने की योजना रखी। जिसको साकार करने के लिए राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थान मानित विश्वविद्यालय द्वारा एक कमेटी का गठन किया गया। कमेटी सदस्यों द्वारा दानरूप में प्राप्त भूमि का जायजा लिया गया, और विद्यापीठ मुम्बई में प्रारम्भ किया जा सकता है, ऐसे आश्वस्त होकर, एक प्रतिवेदन मानव संसाधन विकास मन्त्रालय को अग्रेषित किया।

मन्त्रालय द्वारा 31 मार्च 2002 को केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ आरम्भ करने की संस्तुति प्रदान की तथा के.जे. सोमैया ट्रस्ट ने विभिन्न कक्षाओं के पाठ्यक्रम आरम्भ करने की अनुमति प्रदान की।

परिसर की अवस्थिति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुम्बई परिसर का उद्घाटन तत्कालीन मानव संसाधन विकास मन्त्री, भारत सरकार के माननीय डॉ. मुरली मनोहर जोशी द्वारा 16 मई 2002 को किया गया। के.जे.सोमैया संस्कृत विद्यापीठ में प्राक्शास्त्री (+2), शास्त्री (बी.ए.), आचार्य (एम.ए), साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष शास्त्रीय विषयों में, सम्बद्ध शास्त्रों में पी.एच.डी. (विद्यावारिधि) तक के शिक्षण का प्रावधान है। इसके साथ-साथ, अंग्रेजी, हिन्दी, राजनीति विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान व पर्यावरण विज्ञान जैसे आधुनिक विषयों का भी शिक्षण होता है जो, संस्थान के पाठ्यक्रमानुसार पढाया जाता है। यह पाठ्यक्रम व्यवसाय उन्मुख होने के साथ ही मुक्त स्वाध्याय केन्द्र के द्वारा संस्कृत पढ़ने का एक सर्वोत्तम साधन भी है। हिन्दी, अंग्रेजी, आधुनिक पद्धति के साथ संस्कृत अनिवार्य के रूप में शिक्षकों के प्रशिक्षण 100 छात्रों के लिए एक वर्ष का शिक्षाशास्त्री (बी.एड्.) प्रोफेशनल कोर्स (व्यावसायिक प्रशिक्षण) भी करवाया जाता है। (सत्र 2015-16 से पाठ्यक्रम दो वर्ष का हो गया है) इसका आरम्भ एन.सी.टी.ई. के अनुमोदन के बाद शैक्षिणक वर्ष 2007 में शुरु किया गया था।

वर्तमान में के.जे.सोमैया ट्रस्ट ने विद्याविहार में ही बहुमूल्यीय एक एकड़ भूमि विद्यापीठीय भवन निर्माण के लिए उपलब्ध करायी है। यहाँ भवन निर्माण की समस्त औपचारिकताएँ पूरी हो चुकी हैं।

इस समय सोमैया विद्याविहार परिसर में ही ट्रस्ट के सौजन्य से विद्यापीठ का प्रशासनिक कार्य और पुस्तकालय पॉलिटेक्निक भवन में; अध्ययन-अध्यापन, प्रशिक्षण, शोध आदि कार्य चाणक्य भवन तथा सुरुचि (कला) भवन में चल रहा है।

मिशन एवं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की दृष्टि-

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के लक्ष्य है कि

1. संस्कृत को हर तरह से सुविधाजनक बनाने, दूसरी भाषाओं के साथ संस्कृत साहित्य का शिक्षा से सम्बन्ध, पारम्परिक धारा के क्षेत्रों में संस्कृत शिक्षा और अनुसन्धान की पारम्परिक प्रणालियों को बढ़ावा देने, संस्थान के विभिन्न कार्यक्रम और प्रचार व प्रसिद्धि तथा पारम्परिक संस्कृत विज्ञान के सर्वांगीण विकास के लिए नीतियों को लागू करना है।
2. संस्कृत की सम्पूर्ण पृष्ठभूमि के साथ, कुशल मानव

संसाधनों का उत्पादन, संस्कृत साहित्य के सन्दर्भ में, विज्ञान के क्षेत्र में अनुसन्धान तथा तुलनात्मक अध्ययन के लिए तथा संस्कृत सीखने व आधुनिक तकनीकों के माध्यम से संस्कृत संसाधन उपलब्ध कराने की सभी शाखाओं के संचालन के लिए सर्वविध प्रयास करना है।

3. वैश्विक स्तर पर आधुनिक तकनीकों के माध्यम से संस्कृत संसाधन उपलब्ध कराने तथा संस्कृत सीखने की महिमा स्थापित करने के लिए एक दृश्य के साथ विश्व स्तर के विश्वविद्यालय के रूप में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को विकसित करने के लिए हरसंभव प्रयास करना है।

संचालित पाठ्यक्रम

1. प्राक्शास्त्री (2 वर्षीय)
2. शास्त्री (3 वर्षीय) (सत्रार्द्ध प्रणाली के साथ)
3. आचार्य (2 वर्षीय)
4. शिक्षाशास्त्री (1 वर्षीय) (सत्र 2014-15 से द्विवर्षीय होगा)
5. विद्यावारिधि (पी.एच.डी.)
6. अनौपचारिक संस्कृत प्रशिक्षण (त्रैमासिक)
7. मुक्त स्वाध्याय केन्द्र
7. भारतीय ज्योतिष में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (त्रैमासिक)

मुख्य रूप से परिसर में व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष एवं शिक्षाशास्त्र इन चार विषयों का अध्ययन, अध्यापन एवं शोध कार्य चल रहे हैं।

अन्य क्रियाकलाप/समारोह/कार्यशालाओं सहित पूर्ण विवरण।

• विद्यापीठ प्रकाशन

1. विद्याश्री

छात्रों द्वारा लिखित कविता आदि पत्रिका में प्रथम बार 2014-15 में प्रकाशित हुई।

2. शिक्षारश्मि

शिक्षाशास्त्र विभाग से **शिक्षारश्मि** नाम की विभागीय वार्षिक पत्रिका का द्वितीय अंक प्रकाशन किया गया। विभागीय प्राध्यापक एवं छात्राध्यापकों ने विभिन्न प्रकार के शोध लेख, विभागीय गतिविधियों का पत्रिका में प्रकाशन किया।

3. विद्यारश्मिः

वार्षिक शोध पत्रिका में भारत में विख्यात सभी विद्वानों के लेख प्रकाशित किए गए। **विद्यारश्मिः** नाम की वार्षिक पत्रिका का आई.एस.एस.एन. नम्बर-2277-6443 है।

• शैक्षणिक कार्यक्रम-

4. गुरु पूर्णिमा

गुरु पूर्णिमा के दिन छात्रों एवं गुरुओं ने मिलकर पारम्परिक रूप से उत्सव का आयोजन किया। सभी छात्रों को गुरु पूर्णिमा के महत्व के बारे में बताया गया।

5. संस्कृत संभाषण शिविर

सत्रारम्भ में सभी छात्रों को संस्कृत सम्भाषण के प्रति जागरूक करने के लिए विद्यापीठ में दस दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन किया गया।

6. संस्कृत सप्ताह समारोह

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी संस्कृत सप्ताह दिनांक 11-08-2014 से 13-08-2014 मनाया गया। जिसमें शोभा यात्रा से उद्घाटन, सम्भाषण शिविर समापन समारोह, श्रावणी उपाकर्म, संस्कृत कवि सम्मेलन, शैक्षणिकस्पर्धा, समापन समारोह आदि का आयोजन किया गया। संस्कृत सप्ताह के उद्घाटन कार्यक्रम में कवि कुलगुरु कालिदास विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. उमा वैद्य अध्यक्षा के रूप में उपस्थित थीं। समापन में तिरुपति स्थित राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के कुलपति एवं राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित प्रो. एन.एस. रामानुजताताचार्य महोदया मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित थे। संस्कृत समारोह में मुम्बई स्तरीय अन्तविश्वविद्यालय एवं अन्तमहाविद्यालयीय वाद-विवाद, संस्कृत भाषण, गीता पाठ, श्लोकवाचन स्पर्धाओं का आयोजन किया गया था।

7. शिक्षक दिवस

सितम्बर 2014 को डॉ. सर्वपल्लि राधाकृष्णन् जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में विद्यापीठ में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

8. विभिन्न स्पर्धा

• क्रीडा उत्सव

दिनांक 16-17 अक्टूबर 2014 को छात्रों के शारीरिक विकास एवं मानसिक विकास के लिए विद्यापीठ में क्रीडा उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों ने विविध शारीरिक क्रीड़ा स्पर्धाओं तथा सांस्कृतिक स्पर्धाओं में भाग लिया। जिसमें शारीरिक शिक्षक एवं क्रीडा संयोजक श्री शंकर आंधळे ने कार्यक्रम का आयोजन किया।

• शैक्षिक-सांस्कृतिक स्पर्धा

दिनांक 20-21 अक्टूबर 2014 को विद्यापीठ के छात्र/छात्राओं ने शैक्षिक-सांस्कृतिक-चित्र रचना स्पर्धाओं में भाग ग्रहण किया। इस कार्यक्रम के संयोजक के रूप में साहित्य विभाग के डॉ. ई.आर नारायणन् थे।

9. वाग्वर्धिनी परिषद्

परिसर में वाग्वर्धिनी परिषद् के अन्तर्गत छात्रों के भाषण कौशल और शास्त्रार्थ कौशल के विकास हेतु सभी विभागों में प्रति शुक्रवार को वाग्वर्धिनी सभा का आयोजन सफलता पूर्वक किया गया।

10. हिन्दी पखवाड़ा

राष्ट्रभाषा हिन्दी के सम्मान के रूप में विद्यापीठ में सितम्बर 16 से 29-2014 तक **हिन्दी पखवाड़ा** पर्व मनाया गया। उद्घाटन में विशिष्टातिथि के रूप में श्री समीर सोमैया, सम्मानित अतिथि के रूप में कवि श्री राकेश, कौशिक, समापन समारोह में मुख्यातिथि के रूप में दैनिक पत्रिका के सम्पादक श्री अभिलाष अवस्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम में हिन्दी विभाग की प्राध्यापिका डॉ. गीता दूबे संयोजिका थी। कार्यक्रम में हिन्दी भाषण, लेखन, वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

11. शिक्षणाभ्यास कार्यक्रम

शिक्षाशास्त्री छात्राध्यापकों ने पाठ्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 10-11-2014 से 10-12-2014 तक मुम्बई स्थित केन्द्रीय विद्यालय के विभिन्न विद्यालयों में शिक्षण अभ्यास कार्यक्रम संपादित किया। 11 स्कूलों में शिक्षण अभ्यास कार्यक्रम संपन्न किया।

12. प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण कार्यक्रम

विद्यापीठ में शिक्षाशास्त्री छात्राध्यापकों द्वारा प्राथमिक उपचार शिक्षण कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।

• सहशैक्षणिक कार्यक्रम

1. युव महोत्सव

19 से 23 दिसम्बर 2014 तक को शृंगेरी परिसर में मुख्यालय द्वारा आयोजित अन्तः परिसरीय युव महोत्सव का आयोजन हुआ। जिसमें परिसर के छात्रों ने उत्साह से भाग लिया। तस्य गणस्य श्री शंकर आंधळे, डॉ. राकेश कुमार जैन, डॉ. प्रेमसिंह सिकरवार, डॉ. श्वेता सूद उपस्थित थे। विद्यापीठ को युव महोत्सव में - स्वर्ण पदक (1), रजत पदक (1), कास्य पदक (2) प्राप्त हुए।

2. कौमुदी महोत्सव (वसन्तोत्सव)

दिनांक 4 से 6 फरवरी 2014 तक मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा आयोजित **कौमुदी महोत्सव** में परिसर के छात्रों ने **मालतीमाधवम् प्रकरण** का मंचन अत्यन्त रोचकता के साथ प्रस्तुत किया।

3. महाराष्ट्र-गोवा राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा

53वाँ अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा के उपलक्ष्य में दिनांक 16 दिसम्बर 2014 को महाराष्ट्र-गोवा राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा आयोजित की गई, जिसमें प्रो. मदन मोहन पाठक, प्रो. श्रीधर मिश्र महोदय, प्रो. रामकुमार शर्मा, प्रो. मल्हार कुलकर्णी, प्रो. प्रकाशचन्द्र, डॉ. एन्. जोशी आदि विद्वान् **परीक्षक** के रूप में उपस्थित थे।

4. विशिष्ट व्याख्यानमाला

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष आन्तरिक प्रत्यायन परिषद में आन्तरिक गुणवत्ता संवर्धन के अन्तर्गत विशिष्ट व्याख्यानमाला साहित्य-दिनांक 16-01-2015 को, शिक्षाशास्त्री-27-02-2015 को, व्याकरण-दिनांक 10-03-2015 को, ज्योतिष-11-03-2015 को आयोजन किया गया।

5. वार्षिक शास्त्रीय स्पर्धा

दिनांक 13-02-2015 को शैक्षिक सत्र में व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, शिक्षाशास्त्री का परिसर द्वारा वार्षिक शास्त्रीय स्पर्धाओं का आयोजन किया गया।

6. साहित्य में शतावधान कार्यक्रम

दिनांक 22-01-2015 को **कालिदासकाव्येषुवधानम्** इस विषय पर डॉ. पी.टी.जी.वाई. रंगाचार्यजी का अवधान कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

7. एक दिवसीय शिक्षाशास्त्री राष्ट्रिय संगोष्ठी

दिनांक 26-02-2015 को शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा एक दिवसीय शिक्षाशास्त्री राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सोमैया महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वसुन्धरा पद्नाभन एवं जयपुर परिसर के प्रो. वाई.एस. रमेश मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित थे। 43 प्राध्यापक, शोध छात्रों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए। संयोजक के रूप में प्रो. मदनमोहन झा, एवं सहसंयोजक के रूप में डॉ. देवदत्त सरोदे उपस्थित थे।

8. ज्योतिष वास्तुशास्त्र शिक्षण केन्द्र

विद्यापीठ में ज्योतिष वास्तुशास्त्र परिचय पाठ्यक्रम का ज्योतिष विभाग द्वारा संचालन किया गया। केन्द्र का समन्वयन डॉ. सुभाषचन्द्र मिश्रा द्वारा किया गया।

9. ई-ग्रन्थालय

डॉ. एस.एल. सीताराम शर्मा, एवं डॉ. मन्था श्री निवासु द्वारा परिसर में छात्र, प्राध्यापक के सुलभ हेतु 1500 ई-ग्रन्थान् ई-ग्रन्थालय में संग्रहित किया गया है।

10. संगणक प्रयोगशाला

विद्यापीठ में छात्र सुविधा हेतु शिक्षाशास्त्र विभाग में 10 संगणक, प्राक्शास्त्री, शास्त्री आचार्य में-06 संगणक प्रयोगशालाओं व्यवस्था की गई है।

छात्राणाम् उपलब्धि

- **सुश्री विदुषी बोल्ला** व्याकरण विभाग शास्त्री में 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यापीठ के लिए **स्वर्णपदक प्राप्त** कर परिसर की कीर्ति बढ़ाई है।
- अन्त परिसरीय युव महोत्सव 2014-15 में शृंगेरी परिसर में आयोजित 4 पदक प्राप्त हुए है।

1. प्रियंका थापा ने योग (महिला) में स्वर्णपदक प्राप्त किया।
2. रवि कुमार आर्य, चतुरंग में रजतपदक प्राप्त किया।
3. आशा छेडा, व्यंग्य चित्र में कांस्यपदक प्राप्त किया।
4. भगवती प्रसाद नन्द ने साहित्य रचना में कांस्यपदक प्राप्त किया।

उत्तम नायिका पुरस्कार

वसन्तोत्सव में शिक्षाशास्त्र विभाग की छात्रा **सुश्री मनस्मिता महापात्र ने मालती माधव** प्रकरण में **उत्तम नायिका** का पुरस्कार प्राप्त हुआ।

संकाय सदस्यों द्वारा पुनश्चर्या पाठ्यक्रम/अभिविन्यास पाठ्यक्रम में भागग्रहणम्

- परिसर के प्रो. प्रकाशचन्द्र, डॉ. देवदत्त सरोदे सोमैया कला महाविद्यालय में संस्कृत विभाग में अध्ययनमण्डल की बैठक के सदस्य के रूप में भाग ग्रहण किया।
- दिनांक 16-02-2015 से 21-02-2015 तक **डॉ. वी. एस.वी. भास्कर रेड्डी** ने शिक्षाशास्त्र विषय में **ए.एस. सी. मुम्बई विश्वविद्यालय** में Faculty Development Programme में भाग लिया।
- फरवरी में गोवा में आयोजित आन्तरराष्ट्रिय संगोष्ठी में परिसर के डॉ. गायत्री मुरली कृष्ण एवं श्री धनंजय मिश्र ने शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- वसन्तोत्सव में साहित्य विभाग के संविदा अध्यापक डॉ. राकेश कुमार जैन ने मालती माधव प्रकरण में संगीत संयोजन में दिल्ली से पुरस्कृत वसन्तोत्सव के सर्वोत्तम संगीत संयोजक का पुरस्कार प्राप्त हुआ।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	- 01
उत्तर प्रेषित	- 01

4.2.11 दिल्ली परिसर, नई दिल्ली

परिसर-परिचय

वर्तमान में दिल्ली परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय के भवन 56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली-58 में स्थापित किया गया है। पत्राचार पाठ्यक्रम एवं दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम दिल्ली परिसर द्वारा चलाये जा रहे हैं। इस परिसर के पास पुस्तकालय, प्रकाशन खण्ड एवं शोध केन्द्र इत्यादि भी है। परिसर की गतिविधियाँ अधोलिखित हैं–

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण
2. पत्राचार पाठ्यक्रम
3. मुक्त स्वाध्यायपीठम् के दिल्ली स्वाध्याय केन्द्र द्वारा दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम।
4. संगोष्ठियों/कार्यशालाओं इत्यादि का संयोजन।
5. मुक्तस्वाध्यायपीठम् के द्वारा लक्षित समूह की आवश्यकतानुसार अल्पकालीन शिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन।
6. शोध गतिविधियों का संयोजन
7. अधोलिखित कार्यक्रमों का संगठन
    - संस्कृत सप्ताह
    - स्थापना दिवस
    - राष्ट्रिय संगोष्ठियाँ
    - युव महोत्सव
    - कौमुदी महोत्सव
    - अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

दिल्ली परिसर द्वारा संगठित/संयोजित कार्यक्रमों का विवरण वार्षिक प्रतिवेदन के 5वें अध्याय (वर्ष के मुख्य समारोह) में दिया गया है।

4.2.12 एकलव्यपरिसर, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा

1. परिचय

भारत के सुदूर पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं संस्कृत की महान परम्पराओं के पुनरुज्जीवन और प्रचार प्रसार हेतु संस्थान द्वारा कृत संकल्प तथा तत्कालीन कुलपति एवं कुलसचिव महोदय के सत्प्रयास के परिणामस्वरूप त्रिपुरा राज्य की राजधानी अगरतला के मोहनपुर क्षेत्र में संस्थान परिसर का आरम्भ स्वामी विवेकानन्दमहाविद्यालय में 04 जून, 2013 को किया गया। वर्तमान में त्रिपुरा सरकार ने ओल्ड आई.ए.एस.ई. भवन के रिक्त होने के कारण एकलव्य परिसर को संचालन करने के लिए दिया है जो कि अगरतला नगर के बीच में स्थित है। सत्र 2015-16 में इसी स्थान पर एकलव्य परिसर का अध्ययन व अध्यापन होगा।

इस प्रदेश का नाम त्रिपुरा यहाँ की प्रसिद्ध अधिष्ठात्री देवी माता त्रिपुरेश्वरी के कारण से पड़ा। त्रिपुरा को मुख्यरूप से जनजातियों की भूमि कहा जाता है। यहां पर मुख्यरूप से देवबर्मा, रियाङ्, जमातिया, चकमा, हालम, लुसाई, मोग्स इत्यादि जनजातियां निवास करती हैं। बंगलादेश का विभाजन होने के बाद बंगाली भी बहुत बड़ी संख्या में त्रिपुरा में बसे हुए हैं।

त्रिपुरा की राजधानी अगरतला साक्षात् हवाई सेवा द्वारा कोलकाता, दिल्ली, चेन्नई, मुम्बई, हैदराबाद एवं गुवाहाटी इन क्षेत्रों से जुड़ी हुई है। त्रिपुरा का राष्ट्रीय उच्च मार्ग नं. 44 अगरतला को असम के साथ भारत के दूसरे हिस्सों से भी जोड़ता है। जिसे त्रिपुरा की जीवनरेखा के नाम से भी जाना जाता है। सन् 2008 से यह रेल माध्यम से भी भारत के दूसरे हिस्सों से जुड़ गया है।

यहां के दर्शनीय स्थलों में माताबडी (त्रिपुरेश्वरी) कमला सागर, नीरमहल, जगन्नाथ मन्दिर, चतुर्दश देवता मन्दिर तथा उनकोटी इत्यादि स्थल बहुत प्रसिद्ध हैं। यहां पर दुर्गापूजा एवं सरस्वती पूजा धूमधाम से मनाई जाती है। यहां पर खान-पान में अधिकतर आमिष का प्रयोग है। यहां का प्राकृतिक सौन्दर्य एवं वातावरण बहुत रमणीय है।

2. परिसर की अवस्थिति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, त्रिपुरा राज्य के पश्चिम त्रिपुरा जिले में अगरतला के पास स्थित राधानगर में अवस्थित है। इस परिसर के आसपास के क्षेत्रों में प्रसिद्ध देवी देवताओं के माताबडी (त्रिपुरेश्वरी) कमला सागर, जगन्नाथ मन्दिर, चतुर्दश देवता मन्दिर तथा उनकोटी अवस्थित है।

2. उपलब्ध पाठ्यक्रम

1. प्राक्शास्त्री (2 वर्षीय)
2. शास्त्री (3 वर्षीय)
3. आचार्य (2 वर्षीय)
4. विद्यावारिधि (2 वर्षीय)
5. शिक्षा-शास्त्री (2 वर्षीय)

3. परिसर में विद्यमान प्रयोगशालाएँ

मनोविज्ञान प्रयोगशाला

परिसर में विविध उपकरणों से सुसज्जित मनोविज्ञान प्रयोगशाला है, जिनसे परम्परागत संस्कृत छात्रों को विविध मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का अभ्यास करवाया जाता है ताकि वे छात्रों से सम्बन्धित समस्याओं का निवारण कर अपने शिक्षण में नूतन पद्धतियों का अनुसरण कर सकें।

शैक्षणिक तकनीकि एवं भाषा प्रयोगशाला

संस्थान परिसर में शैक्षिक तकनीकि प्रयोगशाला भी विविध नवीनतम उपकरणों से युक्त है, जिसमें भावी अध्यापकों एवं छात्रों को ओवर हैड प्रोजेक्टर, कम्प्यूटर द्वारा पावर पॉइन्ट प्रेजेन्टेशन, स्लाइड प्रोजेक्टर आदि का प्रयोग करते हुए संस्कृत शिक्षण को प्रभावी बनाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से श्रवण एवं भाषण कौशलों का विकास किया जाता है।

संगणक (कम्प्यूटर) प्रयोगशाला

संस्थान परिसर में छात्रों को कम्प्यूटर की अनिवार्य शिक्षा देने के लिए एक कम्प्यूटर प्रयोगशाला भी है।

4. छात्रावास व्यवस्था

पुरुष तथा महिला छात्रावास की व्यवस्था उपलब्ध है। नियमित छात्र एवं छात्राओं को परिसर से दूरी एवं गत कक्षा में वरीयता के आधार पर छात्रावास में स्थान दिया जाता है।

5. परिसर की गतिविधियाँ

1. सत्रारम्भ -

दिनांक 15.06.2014 को एकलव्य परिसर में वैदिकमन्त्रोच्चारण तथा सरस्वतीपूजन के साथ सत्र का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में परिसर के प्राचार्य सहित सभी आचार्य एवं कार्यालय कर्मचारी सम्मिलित हुए।

2. संस्कृत सप्ताह -

दिनांक 08.08.2014 से 14.08.2014 तक संस्कृत सप्ताह मनाया गया, जिसमें छात्रों के लिए अनेक प्रतियोगिताएँ आयोजित हुईं। इस सप्ताह में छात्रों एवं अध्यापकों ने मिलकर संस्कृत शोभा यात्रा का आयोजन किया। उद्घाटन कार्यक्रम में त्रिपुरा के डॉ. बी. पालित, उच्च शिक्षा के निदेशक मुख्यतिथि रहे एवं सम्माननीय अतिथि एम.बी.बी. महाविद्यालय के पूर्व आचार्य रामेश्वर भट्टाचार्य रहे।

3. स्वतन्त्रता दिवस -

परिसर ने दिनांक 15 अगस्त, 2014 को स्वतन्त्रता दिवस मनाया। इस अवसर पर परिसर के प्राचार्य आचार्य के.बी. सुब्बरायुडु के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर परिसर के छात्रों ने अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस अवसर पर परिसर के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

4. गणेश पूजा -

दिनांक 29.08.2014 को छात्रों द्वारा परिसर के सम्मेलन कक्ष में गणेश पूजा का आयोजन किया। परिसर के सभी कर्मचारियों एवं छात्रों ने इसमें भाग लिया।

5. गुरु दिवस -

दिनांक 05.09.2014 को गुरु दिवस के दिन छात्रों एवं गुरुओं ने मिलकर पारम्परिक रूप से उत्सव का आयोजन किया। इस अवसर पर त्रिपुरा विश्वविद्यालय के पूर्व आचार्य सीता नाथ डे भी सम्मिलित हुए। उन्होंने सभी छात्रों को गुरु पूर्णिमा के महत्व के बारे में बताया।

6. हिन्दी सप्ताह समारोह -

परिसर में दिनांक 14.09.2014 से 20.09.2014 तक हिन्दी सप्ताह का कार्यक्रम परिसर के प्राचार्य आचार्य के.बी. सुब्बरायुडु की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस सप्ताह में सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति आचार्य राजेन्द्र मिश्र, त्रिपुरा के उपमहालेखाकार (लेखा परीक्षा) श्री सतीश कुमार एवं त्रिपुरा के हिन्दी अधिकारी डॉ. मुनीन्द्र कुमार मिश्र को मुख्य वक्ता के रूप में बुलाया गया। इस समारोह का यही उद्देश्य था कि हिन्दी का राष्ट्रीय भाषा और एकता के रूप में सफल प्रचार हो सके।

7. स्वच्छ भारत अभियान -

एकलव्य परिसर में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के निर्देशानुसार 02 अक्टूबर को ए.सी.एस.टी. वेल्फेयर एसोसियेशन के निदेशक श्री आर.एम. मालाकार जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने परिसर के सभी छात्रों एवं कर्मचारियों से मिलकर परिसर में स्वच्छता को बढ़ावा दिया।

8. महामहिम का परिसर भ्रमण -

दिनांक 02 अक्टूबर को त्रिपुरा के माननीय राज्यपाल श्री पद्मनाभ बालकृष्ण आचार्य जी ने परिसर का भ्रमण किया। परिसर के प्रभारी प्राचार्य प्रो. एल.के. साहू और प्रो. आर.के. बर्मन जी ने उनका स्वागत किया। महामहिम ने परिसर के सभी कर्मचारियों एवं छात्रों से मुलाकात की और उन्होंने उत्तरपूर्व भारत में संस्कृत के संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार में परिसर की सराहना की।

9. प्रथमोपचार प्रशिक्षण -

दिनांक 27 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक परिसर के शिक्षा-विभाग के छात्रों का प्रथमोपचार प्रशिक्षण दिया गया। छात्रों को त्रिपुरा राज्य की भारतीय रेड क्रास सोसाईटी ने प्रशिक्षण दिया।

10. युव महोत्सव -

इस वर्ष संस्थान के शृंगेरी परिसर में 20 से 23 दिसम्बर 2014 तक आयोजित युवा महोत्सव में छात्रों ने विभिन्न क्रीडा, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक स्पर्धाओं में भाग लिया।

11. राष्ट्रिय शिक्षा दिवस -

दिनांक 11 नवम्बर 2014 को परिसर में राष्ट्रिय शिक्षा दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता धर्म-शास्त्र विभाग के प्रो. एल.के. साहू ने की। मुख्यातिथि प्रो. वाचस्पति द्विवेदी पूर्व शिक्षासंकाय प्रमुख एवं अध्यक्ष शिक्षाविभाग ने शिक्षा दिवस की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में परिसर के आचार्यों एवं प्राध्यापकों को परिसर के छात्रों ने पारंपरिक रूप से सम्मानित किया।

12. गणतंत्र दिवस समारोह -

दिनांक 26 जनवरी 2014 को गणतंत्र दिवस का आयोजन परिसर के निर्मित भवन, लेम्बूछरा नामक स्थान में किया गया। इस अवसर पर परिसर के प्राचार्य आचार्य के.बी. सुब्बरायुडु एवं श्री दिलीप दास ने राष्ट्रिय झंडे को फहराया।

13. द्वितीय अन्तर संस्कृत विश्वविद्यालय युवा महोत्सव-

दिनांक 6 जनवरी से 9 जनवरी तक परिसर में द्वितीय अन्तर संस्कृत विश्वविद्यालय युवा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन उच्च शिक्षा मंत्री श्री तपन चक्रवर्ती ने किया। इस महोत्सव में भारत के विभिन्न संस्कृत विश्वविद्यालयों के छात्रों ने विविध क्रीड़ा, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक स्पर्धाओं में भाग लिया।

14. सरस्वती पूजन -

दिनांक 25 जनवरी को परिसर में सरस्वती पूजन का आयोजन किया गया। परिसर के कर्मचारी एवं छात्र इस पूजन में शामिल रहे।

6. परिसर में अन्य विशिष्ट व्याख्यान -

1. परिसर के शिक्षा शास्त्री विभाग में 03 अक्टूबर एवं 10 नवम्बर 2014 को विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान के लिए श्री लालबहादुर शास्त्री के पूर्व कुलपति प्रो. श्रीधरवाशिष्ठ एवं सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व संस्थानाध्यक्ष एवं शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रो. वाचस्पति द्विवेदी को आमन्त्रित किया गया।
2. परिसर के साहित्य विभाग ने 11 सितम्बर को परिसर में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया। इस व्याख्यान के लिए सम्पूर्णानन्द विश्वविद्यालय के साहित्य के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. शिवाजी उपाध्याय को आमन्त्रित किया गया।
3. परिसर के ज्योतिष विभाग ने भी 13 मार्च 2015 को विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान के लिए श्री लाल बहादुर शास्त्री विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभाग के प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी जी को आमन्त्रित किया गया।
4. दर्शन विभाग ने 20 मार्च को एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया। इस व्याख्यान के लिए रांची विश्वविद्यालय के सह आचार्य डॉ. नीलिमा पाठक ने विशिष्ट व्याख्यान दिया।

5. 10 दिन नाटक कार्यक्रम प्रशिक्षण -

दिनांक 19 से 29 जनवरी 2015 को परिसर में 10 दिन नाट्य प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसमें परिसर के छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के साहित्य विभाग के सहायकाचार्य डॉ. कृपाशंकर शर्मा ने की।

6. कौमुदी महोत्सव -

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय नई दिल्ली द्वारा 20 से 23 दिसम्बर 2014 द्वारा आयोजित कौमुदी महोत्सव में परिसर की ओर से संस्कृत नाटक 'अनारकली' संस्कृत नाटक का मंचन हुआ था। प्रस्तुत प्रतियोगिता में परिसर के दल को पहला स्थान प्राप्त हुआ।

7. वार्षिक क्रीडा स्पर्धा -

दिनांक 24 से 25 मार्च को असम राईफल पब्लिक स्कूल अगरतला में परिसर ने वार्षिक क्रीडा स्पर्धा का आयोजन किया। परिसर के सभी छात्रों ने विविध क्रीडा स्पर्धाओं में भाग लिया।

8. संकाय सदस्यों द्वारा पुनश्चर्या पाठ्यक्रम/अभिविन्यास पाठ्यक्रम -

1. डॉ. एस.जी. पाण्डेय, सहायकाचार्य (शिक्षा-शास्त्री) 26.05.2014 से 15.06.2014 तक नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

10. 'सूचना का अधिकार' अधिनियम के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 01

उत्तर प्रेषित - 01

5. वर्ष-2014-2015 की प्रमुख गतिविधियाँ

5.1 संस्कृत सप्ताहोत्सव

दिनांक 08.08.2014 से 14.08.2014 तक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली के द्वारा संस्कृत-सप्ताह मनाया गया। इस अवधि के दौरान संस्कृत के प्रचार व प्रसार हेतु विभिन्न कार्यक्रमों यथा-संगोष्ठी, व्याख्यान एवं स्पर्धा इत्यादि का आयोजन किया गया। इस सप्ताह के मध्य दिनाङ्क 10.08.2014 को मानव संसाधन विकास मन्त्रालय भारत सरकार, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली एवं श्रीलालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में संस्कृत दिवस का भी आयोजन राष्ट्रिय-संग्रहालय-सभागार में किया गया। समापन समारोह का आयोजन दिनाङ्क 14.10.2014 को 'चिन्मय मिशन' नई दिल्ली में किया गया जिसमें सम्मानित अतिथियों द्वारा स्पर्धा के विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किए गए।

5.2 स्वच्छ भारत अभियान

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के मुख्यालय सहित देश के विविध प्रान्तों में स्थित सभी 11 परिसरों में दिनांक 25.09.2014 से 31.10.2014 तक स्वच्छ-भारत-अभियान का आयोजन किया गया। इस अवधि के दौरान विविध प्रकार की स्वच्छता-सम्बन्धि-क्रियाकलापों का अनुष्ठान किया गया। इन कार्यक्रमों में सभी अधिकारियों, शिक्षकों, छात्रों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दिनांक 02.10.2014 को गाँधी जयन्ती के अवसर पर मुख्यालय, नई दिल्ली सहित सभी परिसरों में स्वच्छता-स्थापनार्थ शपथ-ग्रहण का आयोजन भी किया गया।

स्वच्छ भारत अभियान में स्वच्छता की शपथ दिलाते हुए संस्थान के अधिकारी

5.3 स्थापना दिवस

राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थान का 45वाँ स्थापना दिवस समारोह, दिनांक 15.10.2014 को संस्थान मुख्यालय नई दिल्ली में मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक-निदेशक एवं प्रसिद्ध विद्वान् आचार्य रामकरण शर्मा, आचार्य सत्यव्रत शास्त्री, अध्यक्ष द्वितीय संस्कृत आयोग एवं अन्य सम्मानित विद्वान् उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री आर.पी. सिसोदिया, आई.ए.एस. संयुक्त सचिव (भाषा) भारत सरकार ने की।

5.4 राष्ट्रीय एकता दिवस

दिनांक 31 अक्टूबर 2014 को 'राष्ट्रिय एकता दिवस' संस्थान एवं इसके अङ्गभूत सभी परिसरों में सोल्लास मनाया गया। इस अवसर पर 'संगठित भारत के निर्माण में सरदार वल्लभ भाई पटेल की भूमिका' इस विषय पर विभिन्न विद्वानों ने अपने उद्गार प्रगट किए।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उद्बोधन करते हुए प्रो. सर्वनारायण झा

5.5 राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

महान् स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी, उत्कृष्ट शिक्षाविद् तथा भारत के प्रथम केन्द्रीय शिक्षा मन्त्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्मदिनोत्सव के अवसर पर दिनांक 11 नवम्बर 2014 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा 'राष्ट्रीय शिक्षा दिवस' मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. धर्मेन्द्र कुमार, सचिव दिल्ली संस्कृत अकादमी, प्रो. सर्वनारायण एवं प्रो. रमाकान्त पाण्डेय ने विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में समुपस्थित वक्ता, मुख्यातिथि एवं कुलसचिव

17-20 मार्च, 2015 तक आयोजित अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा के संपूर्ति सत्र में प्रो. रामचन्द्र झा को सम्मानित करते हुए कुलसचिव डा. बिनोद कुमार सिंह पूर्णप्रज्ञ संसोधन मन्दिर के निदेशक डॉ. ए.वि. नागसम्पिगे जी एंव श्री रणवीर परिसर के प्राचार्य प्रो. आर्. देवनाथन भी मंच पर उपस्थित थे।

अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा में विजेता को पुरस्कृत करते हुए अतिथिगण

53वीं अ.भा.शा. स्पर्धा में विजयवैजयन्ती को प्राप्त करते हुए कर्णाटक के स्पर्धालु गण

गुरुवायूर परिसर में संपन्न 21 दिवसीय शोधप्रविधि कार्यशाला का एक दृश्य

12.12.2014 को गुरुवायूर परिसर में संस्कृत आयोग के द्वारा निरीक्षण के सन्दर्भ में उपस्थित विद्वान

5.6 12वाँ संस्कृत नाट्योत्सव (4-6 फरवरी, 2015)

नई दिल्ली में 4 से 6 फरवरी तक आयोजित 12वाँ संस्कृत नाट्योत्सव के उद्घाटन सत्र एवं छात्रों के द्वारा प्रदर्शित नाटकों की दृश्यावली–

12वाँ संस्कृत नाट्योत्सव की दृश्यावली

प्रबन्ध मण्डल के सदस्यों की सूची

(1.04.2014 से 31.03.2015)

1.	(क)	डा. एन.आर्. कण्णन्, कुलपति (प्र.) (01.04.14 से 06.07.2014)	अध्यक्ष
	(ख)	श्री आर.पी. सिसोदिया, आई.ए.एस., कुलपति (प्र.) (07.07.2014 से 12.10.2014) संयुक्त सचिव (भाषाएँ)	अध्यक्ष
	(ग)	शशि प्रकाश गोयल, कुलपति (प्र.) (13.10.2014 से 13.11.2014) संयुक्त सचिव (भाषाएँ)	अध्यक्ष
	(घ)	सुखबीर सिंह सन्धू, कुलपति (प्र.) (14.11.2014 से 31.03.2015) संयुक्त सचिव (भाषाएँ)	अध्यक्ष
2.		प्रो. अशोक कुमार कालिया "श्रीनिवास" बी-1/19, कल्याण-विहार (सैक्टर 'के') अलीगंज, लखनऊ-226024	सदस्य (अध्यक्ष द्वारा नामित)
3.		प्रो. राजेन्द्र मिश्र पूर्व कुलपति, सनराईज विला (नजदीक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल) लोअर समर हिल, शिमला-171005	सदस्य (अध्यक्ष द्वारा नामित)
4.		प्रो. श्रीपति त्रिपाठी न्यू क्वार्टर-7, श्यामबाग, कामेश्वरसिंहदरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, जिला दरभंगा, बिहार	सदस्य (अध्यक्ष द्वारा नामित)
5.		प्रो. हरेकृष्ण शतपथी कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय) तिरुपति (आ.प्र.)	सदस्य (केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित)
6.		डा. एन.आर्. कण्णन् राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) प्राचार्य, राजीव गांधी परिसर, मेनसे शृंगेरी-577139 जि-चिकमंगलूर (कर्नाटक)	सदस्य

क्रमशः....

7.	प्रो. पी.एन. शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बागसेवनिया, भोपाल-462043 (म.प्र.)	सदस्य
8.	प्रो. ए.पी. सच्चिदानन्द राष्टिय संस्कृत संस्थान, राजीव गांधी परिसर, मेनसे, शृंगेरी-577139 जिला चिकमंगलूरु (कर्णाटक)	सदस्य
9.	प्रो. इन्द्रमणि दास राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुर बाईपास, जयपुर-302018 (राजस्थान)	सदस्य
10.	निदेशक (भाषा)/उप सचिव (भाषा) भाषा अनुभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	
11.	डॉ. गोपी रमण मिश्र परीक्षा नियन्त्रक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली	स्थायी आमन्त्रित
12.	डा. बिनोद कुमार सिंह कुलसचिव राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), जनकपुरी, नई दिल्ली-110058	सचिव

विद्वत् परिषद के सदस्यों की सूची
(31 मार्च 2015 के अनुसार)

1.	कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) 56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली - 110 058	अध्यक्ष
2.	प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु संकायाध्यक्ष, वेद वेदांग संकाय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) एकलव्य परिसर, फटीकचकरा, वाया-कमालघाट, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा - 799 210	सदस्य
3.	प्रो. वैद्यनाथ झा संकायाध्यक्ष, दर्शन संकाय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर - 302 018 (राजस्थान)	सदस्य
4.	प्रो. शैलकुमारी मिश्रा संकायाध्यक्ष, साहित्य संकाय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) गंगानाथ झा परिसर, चन्द्रशेखर आजाद पार्क, इलाहाबाद - 211 108 (उ.प्र.)	सदस्य
5.	प्रो. ए.पी. सच्चिदानन्द संकायाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र संकाय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) राजीव गांधी परिसर, पो.ओ. श्रृंगेरी, जि. चिकमंगलूर - 577139 (कर्नाटक)	सदस्य
6.	प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय संकायाध्यक्ष, आधुनिक विषय संकाय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर, लखनऊ - 226 010 (उ.प्र.)	सदस्य

क्रमशः....

7. निदेशक, मुक्तस्वाध्यायपीठम् — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

8. प्रो. प्रभुनाथ द्विवेदी — सदस्य
डी-65/421, पी.नं.-12, 'निर्मल प्रभु', निर्मल नगर,
फुलवरिया मार्ग लहारतारा, वाराणसी-221002

9. प्रो. सी. उपेन्द्रराव चौधरी — सदस्य
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (कार्यकारी)
विशिष्ट संस्कृत अध्ययन केन्द्र,
जे.एन.यू., नई दिल्ली - 110 067

10. डॉ. भगीरथिनन्द — सदस्य
श्री लालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठ,
शहीद जीत सिंह मार्ग,
कटवारिया सराय, कुतुब इन्स्टीट्यूशनल एरिया,
नई दिल्ली - 110 016

11. प्रो. बलबीर आचार्य — सदस्य
महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय
रोहतक - 124 001 (हरियाणा)

12. प्रो. रामकिशोर त्रिपाठी — सदस्य
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,
वाराणसी-221 002 (उत्तरप्रदेश)

13. प्रो. जी.एस.आर. कृष्णमूर्ति — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ,
तिरुपति - 517 507

14. प्रो. आजाद मिश्र — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बाग सेवनिया,
भोपाल - 462 043 (मध्यप्रदेश)

15. डॉ. एस.वी. भट्ट — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
राजीव गांधी परिसर, पो.ओ. शृंगेरी,
जि. चिकमंगलूर - 577139 (कर्नाटक)

16. प्रो. पी.एन. शास्त्री — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बाग सेवनिया,
भोपाल - 462 043 (मध्यप्रदेश)

17. डॉ. जी.पी. दास — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

18. प्रो. एस.के सिंघाई — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

19. प्रो. इन्द्रमणि दास — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

20. प्रो. भगवती सुदेश — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

21. डॉ. के. रघुनाथन — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

22. प्रो. विजय कुमार जैन — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर,
लखनऊ - 226 010 (उ.प्र.)

23. श्री एस.वी. रमणमूर्ति — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गुरुवायूर परिसर, पो.ओ. पुरनाट्टुकरा,
जि.: त्रिचूर-680 551 (केरल)

24. डॉ. मिनति रथ — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

25. प्रो. सन्तोष मित्तल — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

26. प्रो. एम. चन्द्रशेखर — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
के.जे. सोमैय्या संस्कृत परिसर,
द्वितीय तल, एस.आई.एम.एस.आर. बिल्डिंग, विद्याविहार,
मुम्बई - 400 077 (महाराष्ट्र)

27. प्रो. प्रकाशचन्द्र — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
के.जे. सोमैय्या संस्कृत परिसर,
द्वितीय तल, एस.आई.एम.एस.आर. बिल्डिंग, विद्याविहार,
मुम्बई - 400 077 (महाराष्ट्र)

28. प्रो. खगेश्वर मिश्र — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

29. प्रो. रामलखन पाण्डेय — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर,
लखनऊ - 226 010 (उ.प्र.)

30. प्रो. विद्यानन्द झा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बाग सेवनिया,
भोपाल - 462 043 (मध्यप्रदेश)

31. प्रो. सोहन लाल पाण्डेय — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

32. प्रो. के.पी. केशवन — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गुरुवायूर परिसर, पो.ओ. पुरनाट्टुकरा,
जि.: त्रिचूर-680 551 (केरल)

33. प्रो. शिवकान्त झा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

34. प्रो. यशपाल खजूरिया — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गरली परिसर, ग्राम गरली, प्रो.ओ. प्रागपुर,
तहसील देहरा, जि. कांगड़ा-177 108 (हि.प्र.)

35. डॉ. के. नम्बूदिरी — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गुरुवायूर परिसर, पो.ओ. पुरनाट्टुकरा,
जि.: त्रिचूर-680 551 (केरल)

36. डॉ. सी. एच.एन.वी. प्रसाद राव — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

37. श्री शरतचन्द शर्मा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री रणवीर परिसर, ग्राम-प्रो.ओ. कोटभलवाल,
नजदीक सेन्ट्रल जेल, जम्मू-181 122 (जम्मू एवं कश्मीर)

38. श्री रामचन्द्रुलु बालाजी — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
राजीव गांधी परिसर, पो.ओ. श्रृंगेरी,
जि. चिकमंगलूर - 577139 (कर्नाटक)

39. श्री रमाकान्त मिश्र — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

40.	श्री के.के. शैन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) गुरुवायूर परिसर, पो.ओ. पुरनाट्टुकरा, जि. त्रिचूर-680 551 (केरल)	सदस्य
41.	कुलसचिव राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) 56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली - 110 058	सचिव

वित्त समिति के सदस्यों की सूची

(31 मार्च 2015 के अनुसार)

1.	कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली	अध्यक्ष
2.	प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा "सन्निधानम्" 483, बैरागीपथेडा, तिरुपति-517501	सदस्य
3.	प्रो. अशोक कुमार कालिया बी-I/19, सेक्टर-के, अलीगंज, लखनऊ यू.पी.-226024	सदस्य
4.	श्रीमती गीतिकना सूर 3/73, विपुल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (उ.प्र.)	सदस्य
5.	संयुक्त सचिव (संस्कृति एवं भाषा) मानव संसाधन विकास मन्त्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
6.	संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
7.	डा. बिनोद कुमार सिंह कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली-110058	सचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (समविश्वविद्यालय) के संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण

(31 मार्च 2015 के अनुसार)

1. श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उ.प्र.)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. शैल कुमारी मिश्रा	प्राचार्य (का.)	साहित्य
2.	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी	आचार्य	व्याकरण
3.	प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय 'मणि'	आचार्य	साहित्य
4.	प्रो. विश्वम्भर नाथ गिरि	आचार्य	साहित्य
5.	प्रो. सुब्राय वी. भट्ट	आचार्य	मीमांसा
6.	प्रो. बनमाली बिश्वाल	आचार्य	व्याकरण
7.	प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय 'परमहंस'	आचार्य	धर्मशास्त्र
8.	डॉ. अपराजिता मिश्रा	सहायक आचार्य	साहित्य
9.	डॉ. शैलजा पाण्डेय	सहायक आचार्य	पुराणेतिहास
10.	डॉ. रामजी पाण्डेय	सहायक आचार्य	व्याकरण
11.	डॉ. सुरेश पाण्डेय	सहायक आचार्य	व्याकरण

2. श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. जी. गंगन्ना	प्राचार्य	अद्वैत वेदान्त
2.	प्रो. अतुल कुमार नन्द	आचार्य	धर्मशास्त्र
3.	प्रो. हरेकृष्ण महापात्र	आचार्य	नव्यव्याकरण
4.	प्रो. खगेश्वर मिश्र	आचार्य	धर्मशास्त्र
5.	प्रो. विमल प्रसाद महान्ति	आचार्य	शारीरिक शिक्षा
6.	प्रो. श्रीमती मिनती रथ	आचार्य	पुराणेतिहास
7.	प्रो. सूर्यमणि रथ	आचार्य	साहित्य
8.	प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति	आचार्य	सर्वदर्शन

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
9.	प्रो. श्रीमती गौरप्रिया दाश	आचार्य	सर्वदर्शन
10.	डॉ. सी.एच.एन.वी. प्रसाद राव	उपाचार्य	अद्वैतवेदान्त
11.	डॉ. के. रघुनाथन	उपाचार्य	सर्वदर्शन
12.	डॉ. उदयनाथ झा	उपाचार्य	साहित्य
13.	डॉ. श्रीमती निर्मला पाणिग्रही	सह-आचार्य	शिक्षाशास्त्र
14.	डॉ. रमाकान्त मिश्र	सह-आचार्य	शिक्षाशास्त्र
15.	डॉ. वृन्दावन पात्र	सह-आचार्य	शिक्षाशास्त्र
16.	डॉ. शम्भुनाथ महालीक	सह-आचार्य	अद्वैतवेदान्त
17.	डॉ. भगवान सामन्तराय	सह-आचार्य	अद्वैतवेदान्त
18.	डॉ. वी.पी. श्रीनिवास	सह-आचार्य	शिक्षाशास्त्र
19.	डॉ. दुर्गाचरण षडङ्गी	सह-आचार्य	नव्य व्याकरण
20.	डॉ. बी.के. निर्मल	सह-आचार्य	ज्योतिष
21.	डॉ. सुशान्त कुमार राज	सह-आचार्य	साहित्य
22.	डॉ. महेश झा	सह-आचार्य	नव्यन्याय
23.	डॉ. गणपति शुक्ल	सह-आचार्य	नव्यन्याय
24.	डॉ. अशोक कुमार मीना	सह-आचार्य	सांख्ययोग
25.	डॉ. मखलेश कुमार	सह-आचार्य	पुराणेतिहास
26.	डॉ. बिस्वरञ्जन पति	सह-आचार्य	ज्योतिष
27.	डॉ. श्रीमती राधामणि प्रतिहारि	सह-आचार्य	पुराणेतिहास
28.	डॉ. श्रीमती केतकी महापात्र	सह-आचार्य	हिन्दी
29.	डॉ. नृसिंह चरण साहु	सह-आचार्य	उड़िया
30.	श्री पूर्णचन्द्र महापात्र	सह-आचार्य	इतिहास
31.	श्री दुर्गाप्रसाद दासमहापात्र	सह-आचार्य	इतिहास
32.	डॉ. उमेश चन्द्र मिश्र	सह-आचार्य	नव्यव्याकरण

3. श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. रामानुज देवनाथन	प्राचार्य	
2.	डॉ. मनोज कुमार मिश्र	प्रोफेसर	वेद
3.	डॉ. हरि नारायण तिवारी	एसो. प्रोफेसर	व्याकरण

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
4.	श्री शरत्चन्द्र शर्मा	एसो. प्रोफेसर	अंग्रेजी
5.	डॉ. प्रभात कुमार महापात्र	एसो. प्रोफेसर	फलित ज्योतिष
6.	डॉ. जगदीश राज शर्मा	एसो. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
7.	डॉ. नागेन्द्र नाथ झा	एसो. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. विजय पाल कच्छवाह	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. चन्द्रमौलि रैना	सहायकाचार्य	फलित ज्योतिष
10.	डॉ. सतीश कुमार कपूर	सहायकाचार्य	साहित्य
11.	डॉ. निर्मल गुप्ता	सहायकाचार्य	डोगरी
12.	डॉ. सच्चिदानन्द शर्मा	सहायकाचार्य	व्याकरण
13.	डॉ. रामदास संगोत्रा	सहायकाचार्य	फलित ज्योतिष
14.	डॉ. सावित्री शतपथी	सहायकाचार्य	सर्व-दर्शन

4. गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. सि.एच.एल.एन शर्मा	प्राचार्य	शिक्षा शास्त्र
2.	प्रो.सि.एल.सिसिली	आचार्या	व्याकरण
3.	डॉ. ए. प्रसन्ना उन्नित्तान	सहायकाचार्य	व्याकरण
4.	डॉ. विजयलक्ष्मी राधाकृष्णन्	सहायकाचार्य	व्याकरण
5.	डॉ. नन्दकिशोर तिवारी	सहायकाचार्य	व्याकरण
6.	प्रो. पी.सी. मुरलीमाधवन	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	साहित्य
7.	डॉ. के. कृष्णन् नम्बूतिरि	सहाचार्य	साहित्य
8.	डॉ. ई. एम. राजन	सहाचार्य	साहित्य
9.	डॉ. पी. इन्दिरा	सहाचार्य	साहित्य
10.	डॉ. के. विश्वनाथन्	सहायकाचार्य	साहित्य
11.	डॉ. सि. शान्ता	सहायकाचार्या	साहित्य
12.	डॉ. पी.वी श्रीदेवी	प्रोफेसर	साहित्य
13.	डॉ. आर्.प्रतिभा	सहाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	अद्वैत वेदान्त
14.	डॉ. एस. सुब्रह्मण्य शर्मा	सहाचार्य	अद्वैत वेदान्त
15.	डॉ. आर. बालमुरुगन	सहायक आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	न्याय
16.	डॉ. एन. आर. श्रीधरन	सहायकाचार्य	न्याय
17.	डॉ. ओ. आर. विजयराघवन	सहायकाचार्य	न्याय

क्रमश:....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
18.	डॉ. के. के. षैन	सहायकाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	शिक्षा शास्त्र
19.	डॉ. के.के. हर्षकुमार	सहायक आचार्य	शिक्षा शास्त्र
20.	डॉ. के. गिरिधर राव	सहायक आचार्य	शिक्षा शास्त्र
21.	डॉ. एस.वी. रमणमूर्ति	सहाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	आधुनिक
22.	श्रीमती के.ए. जेस्सी (मलयालम)	सहायकाचार्य	आधुनिक
23.	प्रो. के.पी. केशवन	आचार्य	मुक्तस्वाध्यायकेन्द्र
24.	डॉ. ई.पी. श्रीदेवी	सहायकाचार्य	मुक्तस्वाध्यायकेन्द्र
25.	डॉ. ललिता चन्द्रन	सहायकाचार्य	मुक्तस्वाध्यायकेन्द्र

5. जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. प्रकाश पाण्डेय	प्राचार्य	
2.	प्रो. शिवकान्त झा	प्रोफेसर	व्याकरण
3.	प्रो. कमलचन्द्र योगी	प्रोफेसर	व्याकरण
4.	प्रो. श्रीधर मिश्र	प्रोफेसर	व्याकरण
5.	डॉ. विष्णुकान्त पाण्डेय	एसोसिएट प्रोफेसर	व्याकरण
6.	प्रो. वासुदेव शर्मा	प्रोफेसर	ज्योतिष
7.	डॉ. शुभस्मिता मिश्रा	असि. प्रोफेसर	ज्योतिष
8.	डॉ. विजेन्द्र कुमार शर्मा	असि. प्रोफेसर	ज्योतिष
9.	प्रो. रामकुमार शर्मा	प्रोफेसर	साहित्य
10.	डॉ. किशोर कुमार दलाई	असि. प्रोफेसर	साहित्य
11.	डॉ. हरीशचन्द्र तिवाड़ी	असि. प्रोफेसर	साहित्य
12.	प्रो. भगवती सुदेश	प्रोफेसर	धर्मशास्त्र
13.	प्रो. श्रेयांश कुमार सिंघई	प्रोफेसर	जैनदर्शन
14.	डॉ. कमलेश कुमार जैन	प्रोफेसर	जैनदर्शन
15.	प्रो. वैद्यनाथ झा	प्रोफेसर	सर्वदर्शन
16.	प्रो. (श्रीमती) सत्यम् कुमारी	प्रोफेसर	सर्वदर्शन
17.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
18.	प्रो. फतह सिंह	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
19.	प्रो. सोहनलाल पाण्डेय	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
20.	प्रो. वाई.एस्.रमेश	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
21.	डॉ. बत्तीलाल मीणा	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
22.	डॉ. दरियाव सिंह	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
23.	डॉ. शीशराम	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
24.	डॉ. लीना तिवारी	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
25.	प्रो. गजेन्द्र प्रसाद शर्मा	प्रोफेसर	शारीरिक-शिक्षा
26.	डॉ. सीमा अग्रवाल	असि. प्रोफेसर	राजनीतिविज्ञान
27.	डॉ. रेखा पाण्डेय	असि. प्रोफेसर	हिन्दी

6. लखनऊ परिसर, लखनऊ

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. अर्कनाथ चौधरी	प्र. प्राचार्य	
2.	प्रो. सुरेन्द्र पाठक	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	व्याकरण
3.	प्रो. भारतभूषण त्रिपाठी	आचार्य	व्याकरण
4.	डॉ. धनीन्द्र कुमार झा	सह-आचार्य	व्याकरण
5.	प्रो. रामलखन पाण्डेय	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	साहित्य
6.	डॉ. ग़ज़ाला अंसारी	सहाचार्य	साहित्य
7.	डॉ. पवन कुमार	सहायक आचार्य	साहित्य
8.	डॉ. राम बहादुर दुबे	सहायक आचार्य	साहित्य
9.	डॉ. माला चन्द्रा	सहायक आचार्य	साहित्य
10.	प्रो. मदन मोहन पाठक	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	ज्योतिष
11.	डॉ. अमित कुमार शुक्ला	सहायक आचार्य	ज्योतिष
12.	प्रो. विजय कुमार जैन	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	बौद्धदर्शन
13.	डॉ. अवधेश कुमार चौबे	सह आचार्य	बौद्धदर्शन
14.	डॉ. गुरुचरण सिंह नेगी	सहायक आचार्य	बौद्धदर्शन
15.	प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय	संकायाध्यक्ष एवं आचार्य	हिन्दी
16.	डॉ. रमेश सिंह	सह आचार्य	शारीरिक-शिक्षा
17.	श्री जगन्नाथ झा	सहायक आचार्य	राजनीति-शास्त्र
18.	डॉ. एस.पी. सिंह	सहायक आचार्य	अर्थशास्त्र
19.	डॉ. कविता विसारिया	कनिष्ठ-व्याख्याता	अंग्रेजी

20.	प्रो. लोकमान्य मिश्र	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	शिक्षाशास्त्र
21.	प्रो. अवनीश अग्रवाल	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
22.	डॉ. बच्चा भारती	सह आचार्य	शिक्षाशास्त्र
23.	डॉ. देवी प्रसाद द्विवेदी	सह आचार्य	शिक्षाशास्त्र
24.	डॉ. कुलदीप शर्मा	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र

7. श्री राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. एन्. आर्. कण्णन्	प्राचार्य	न्याय
2.	प्रो. ए. पी. सच्चिदानन्द	प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्र
3.	डॉ. महाबलेश्वर पी.भट्ट	आचार्य	अद्वैत वेदान्त
4.	प्रो. डॉ. के. ई. मधुसूदनन्	आचार्य	नव्य न्याय
5.	डॉ. ईश्वर भट्ट	एसो. प्रोफेसर	प. ज्योतिष्य
6.	डॉ. सी.एस्.एस्.एन्.मूर्ति	असि. प्रोफेसर	व्याकरण
7.	डॉ. चन्द्रकान्त	असि. प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्री
8.	डॉ. रामचन्द्रुल बालाजी	असि. प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्री
9.	डॉ. नवीन होल्ला	असि. प्रोफेसर	नव्य-न्याय
10.	डॉ. चन्द्रशेखर भट्ट	असि. प्रोफेसर	व्याकरण
11.	डॉ. के. ए. पद्मनाभम्	असि. प्रोफेसर	व्याकरण
12.	डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट	असि. प्रोफेसर	अद्वैत-वेदान्त
13.	डॉ. राघवेन्द्र भट्ट	असि. प्रोफेसर	साहित्य
14.	डॉ. हरीप्रसाद्. के	असि. प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्र
15.	डॉ. सोमनाथ साहु	असि. प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्र
16.	डॉ. चन्द्रकला आर् कोण्डी	असि. प्रोफेसर	साहित्य
17.	डॉ. रामचन्द्र जोईस	असि. प्रोफेसर	साहित्य
18.	डॉ. सूर्यनारायण भट्ट	असि. प्रोफेसर	मीमांसा
19.	डॉ. गणेश टी पण्डित	असि. प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्र
20.	डॉ. वेंकटरमण एस् भट्ट	असि. प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्र
21.	श्री वेंकटेश ताताचार्य	असि. प्रोफेसर	मीमांसा

8. वेदव्यास परिसर, बलाहर (हिमाचल प्रदेश)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय	आचार्य एवं प्रभारी प्राचार्य	शिक्षाशास्त्र
2.	के.वी. सोमयाजुलु	आचार्य	व्याकरण
3.	डॉ. अशोक चन्द्र गौड	उपाचार्य	व्याकरण
4.	डॉ. मधुकेश्वर भट्ट	सहायकाचार्य	व्याकरण
5.	प्रो. विजयपाल शास्त्री	आचार्य	साहित्य
6.	डॉ. सुज्ञान कु. माहान्ति	सहायकाचार्य	साहित्य
7.	डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम्	सहायकाचार्य	ज्योतिष
8.	डॉ. एच.एन. द्विवेदी	सहायकाचार्य	ज्योतिष
9.	डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	डॉ. अशोक कुमार कछवाह	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र

9. भोपाल परिसर, भोपाल (म.प्र.)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. आजाद मिश्र	प्राचार्य (31.10.2014 को सेवानिवृत्त)	--
2.	प्रो. पी.एन. शास्त्री	प्राचार्य	
3.	डॉ. सुबोध शर्मा	सहाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	व्याकरण
4.	डॉ. ब्रजभूषण ओझा	सहायकाचार्य	व्याकरण
5.	डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
6.	डॉ. कैलाशचन्द्र दाश	सहायकाचार्य	व्याकरण
7.	डॉ. नरेश कुमार पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
8.	प्रो. विद्यानन्द झा	आचार्य	साहित्य
9.	डॉ. सनन्दन कुमार त्रिपाठी	सहायकाचार्य	साहित्य
10.	डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव	सहायकाचार्य	साहित्य
11.	डॉ. मोहिनी अरोरा	सहायकाचार्य	साहित्य
12.	डॉ. संगीता गुन्देचा	सहायकाचार्य	साहित्य
13.	प्रो. भारत भूषण मिश्र	आचार्य	ज्योतिष
14.	प्रो. हंसधर झा	प्रोफेसर	ज्योतिष

15.	डॉ. अशोक थपलियाल	सहायकाचार्य	ज्योतिष
16.	प्रो. सन्तोष मित्तल	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
17.	प्रो. वी.एन. चौधरी	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
18.	प्रो. पी.डी. चौधरी	एसो. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
19.	प्रो. जे. भानूमूर्ति	एसो. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. के.के. हर्षकुमार	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
21.	डॉ. नीलाभ तिवारी	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
22.	प्रो. ओ.पी. भदाना	प्रोफेसर	शारीरिक-शिक्षा
23.	डॉ. अर्चना दुबे	सहायकाचार्य	हिन्दी

10. के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. एम्. चन्द्रशेखर	प्राचार्य (प्र.)	
2.	प्रो. प्रकाशचन्द्र	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	व्याकरण
3.	प्रो. बोध कुमार झा	आचार्य	व्याकरण
4.	डॉ. नारायणन्. ई. आर्	सहायकाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	साहित्य
5.	प्रो. मदन मोहन झा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	शिक्षाशास्त्र
6.	डॉ. देवदत्त सरोदे	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
7.	डॉ. वी.एस.वी. भास्कर रेड्डी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. गायत्री मुरली कृष्ण	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र

11. दिल्ली परिसर, नई दिल्ली

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. सर्वनारायण झा	आचार्य/प्रभारी योजनाएँ	ज्योतिष
2.	प्रो. रमाकान्त पाण्डेय	आचार्य/निदेशक (मुक्तस्वाध्यायपीठम्)	साहित्य
3.	डॉ. एस. एन. तिवारी	आचार्य/उप-निदेशक (मुक्तस्वाध्यायपीठम्)	साहित्य
4.	डॉ. जय प्रकाश नारायण	सहायकाचार्य	साहित्य
5.	डॉ. श्यामदेव मिश्र	सहायकाचार्य	ज्योतिष
6.	डॉ. रत्न मोहन झा	सहायकाचार्य	दूरस्थ शिक्षा

क्रमश:....

7.	श्री कू. वेंकटेश मूर्त्ति	सहायकाचार्य	दूरस्थ शिक्षा
8.	डॉ. अजय कुमार मिश्र	सहायकाचार्य	दूरस्थ शिक्षा
9.	डॉ. परमानन्द वत्स	सहायकाचार्य	साहित्य
10.	डॉ. छोटी बाई मीणा	सहायकाचार्य	साहित्य
11.	डॉ. मो. हनीफ खान	सहायकाचार्य	पुराणेतिहास
12.	डॉ. सुनीता गुप्ता	सहायकाचार्य	साहित्य
13.	डॉ. प्रफुल्ल गड़पाल	सहायकाचार्य	साहित्य
14.	डॉ. तङ्कपल्लि महेन्द्रा (धारणाधिकार - 18.09.2014 से)	सहायकाचार्य	साहित्य
15.	डॉ. माला चन्द्रा (17.10.2014 से)	सहायकाचार्य	साहित्य

12. एकलव्य परिसर, अगरतला (पश्चिम त्रिपुरा)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु	आचार्य	
2.	एल.के. साहु	आचार्य	धर्मशास्त्र
3.	प्रो. आर.के. वर्मन	आचार्य	वेदान्त
4.	डॉ. एस.जी. पाण्डेय	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्री
5.	डॉ. पवन कुमार	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्री
6.	डॉ. गौराङ्ग बाघ	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्री
7.	डॉ. कृपाशंकर शर्मा	सहायकाचार्य	साहित्य

विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण

(वर्ष 2014-15 के दौरान)

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
१.	कैलाश चन्द मीणा (१०३८)	जयपुर परिसरः	राजस्थाने प्रारम्भिकशिक्षायां, विशेषतः संस्कृत-शिक्षायाः परिप्रेक्ष्ये सर्वशिक्षाभियानस्य योगदानम्	शिक्षाशास्त्र
२.	मीनाक्षी कर (१०२५)	पुरी परिसरः	अमरुशतकस्य विद्याकरकृतटीकायाः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्यम्
३.	पंकज कुमार (१०३१)	इलाहाबाद परिसरः	वासुदेवप्रणीत युधिष्ठिरविजयमहाकाव्यस्य साहित्यिकं सामीक्षिकाञ्चाध्ययनम्	साहित्यम्
४.	आरती शर्मा (१०४४)	जयपुर परिसरः	अभिराजराजेन्द्रमिश्रप्रणीतस्य अभिराजयशोभूषणस्य समीक्षणम्	साहित्यम्
५.	भारत भूषण धर द्विवेदी (१०३२)	इलाहाबाद परिसरः	दुर्गादत्तविरचिताया वृत्तमुक्तावल्याः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्यम्
६.	अशोक कुमार शर्मा (१०३०)	जयपुर परिसरः	परिभाषेन्दुशेखरस्य तत्वादर्शहैमवतीव्याख्य-योस्तुलनात्मकमध्यनम्	व्याकरणम्
७.	श्रीदेवी ए.पी. (९५८)	गुरुवायूर परिसरः	संस्कृतग्रन्थेषु प्रसाधनसामग्रीणा समीक्षा	साहित्यम्
८.	श्याम बिहारी शर्मा (१०३९)	जयपुर परिसरः	राजस्थानराज्ये उच्चमाध्यमिकस्तरे अध्ययन-रतानां बालकानां सर्जनात्मकतायाः स्तरस्य संस्कृतविषये उपलब्धेः च तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
९.	प्रदीप चन्द्र आचार्य (१०३५)	पुरी परिसरः	नैष्कर्म्यसिद्धिपञ्चदशीग्रन्थयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	अद्वैतवेदान्तः
१०.	शारदा कुमारी (१०५०)	जयपुर परिसरः	धर्मकीर्तिकृतरूपावतारस्य धातुप्रत्ययपञ्चिकाया आर्धधातुकपरिच्छेदस्य शिक्षणविधिदृष्ट्या समीक्षणम्	शिक्षाशास्त्र
११.	अजय कुमार (१०३३)	भोपाल परिसरः	नवमकक्षासंस्कृतछात्राणां वाचिकाधिगमे सामाजिक-मनोवैज्ञानिककारकाणां प्रभावविश्लेषणम्	शिक्षाशास्त्र
१२.	गीता आर्या (१०१०)	जयपुर परिसरः	स्वतन्त्रतासंग्रामे संस्कृतज्ञानामवदानम्	साहित्यम्
१३.	अमूल्य कुमार महापात्र (१०५९)	पुरी परिसरः	योगवासिष्ठे निर्वाणप्रकरणोत्तरार्द्धप्रति-पादिताऽद्वैततत्त्वानां समीक्षणम्	अद्वैतवेदान्तः

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
१४.	कान्हु चरण पण्डा (१०१५)	पुरी परिसरः	भाषाशिक्षणे नवशिक्षणप्रविधीनां समीक्षणम्	व्याकरणम्
१५.	कपिल कुमार भार्गव (१०४६)	भोपाल परिसरः	नैतिकमूल्य-महत्त्वाकांक्षा-सामाजिकार्थिकस्तराणां सम्बन्धे छात्राणां शैक्षिकोपलब्धेः अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
१६.	मनीष कुमार पाण्डेय (१०३७)	लखनऊ परिसरः	अध्यापकानां सांवेगिकाध्यात्मिकप्रज्ञयोः विद्यार्थिनामुपलब्धिसन्दर्थेऽध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
१७.	अमिता मिश्र (१०५७)	पुरी परिसरः	नित्याचारक्रमसूचिकायाः समीक्षात्मकं संपादनम्	धर्मशास्त्रम्
१८.	सुमित कुमार शर्मा (१०७२)	जयपुर परिसरः	सर्वकारीय तदितरमाध्यामिकविद्यालयानामध्यापकैः प्रयुज्यमानायाः शैक्षिकप्रौद्योगिक्याः विद्यालयीयवातावरणे छात्रोपलब्धौ च सम्भाव्वयस्य प्रभावस्य अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
१९.	विनोद कुमार तिवाड़ी (१०४५)	जयपुर परिसरः	नाट्यशास्त्रालोके महामहोपाध्याय रेवाप्रसाद द्विवेदीप्रणीतस्य नाट्यानुशासन ग्रन्थस्य समीक्षणम्	साहित्यम्
२०.	स्नेहाञ्जली मिश्र (१०६७)	पुरी परिसरः	श्रीमत्कृष्णमिश्रयतिप्रणीतस्य प्रबोधचन्द्रोदयनाटकस्य टीकानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्यम्
२१.	कृष्णन. के. वि. (१००७)	गुरुवायूर परिसरः	क्रियासारस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	अद्वैतवेदान्तः
२२.	इन्दिरा कुमारी (१०६५)	गरली परिसरः	श्रीरामावतारमिश्र कृतश्रीदेवीचरितमहाकाव्यस्य-काव्यशास्त्रीयमध्ययनम्	साहित्यम्
२३.	प्रमिता शुक्ला (१०८१)	इलाहाबाद परिसरः	अनुभवपुराणस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्यम्
२४.	महेन्द्र कुमार वर्मा (१०२२)	जयपुर परिसरः	भर्तृहरिकृतसाधनसमुद्देशस्य मीमांसान्याय-मतालोचनपूर्वकं परिशीलनम्	व्याकरणम्
२५.	कृष्णमुरारी शर्मा (१०३४)	जयपुर परिसरः	व्याकरण विनोदसञ्जनेन्द्रप्रयोगकल्पद्रुमग्रन्थयोः समासतद्धितप्रकरणयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरणम्
२६.	विद्वान् वै. श्रीनाथ (१०६१)	पूर्णप्रज्ञसंशोधन मन्दिरम्	श्रीजनार्दनभट्टचार्यप्रणीतायाः तत्त्वोद्योत-टीकाटिप्पण्याः पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनम्	अद्वैतवेदान्तः
२७.	गौरांग बाघ (१०८४)	शृंगेरी परिसरः	कालिदासकृतिष्ठ शिक्षामनोविज्ञानम्	शिक्षाशास्त्र
२८.	श्यामसुन्दर बेहेरा (१०७०)	पुरी परिसरः	प्रायश्चित्तमयूखप्रायश्चित्तविलोचनयोस्तुलनात्मक-मध्ययनम्	धर्मशास्त्रम्
२९.	पुरुषोत्तम व्यास (१०७६)	जयपुर परिसरः	माध्यमिकस्तरीय छात्राणां संस्कृतव्याकरणाधिगमे संगणकसहकृतशिक्षणविधेः प्रभावः	शिक्षाशास्त्र

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
३०.	प्रेम सिंह सिकरवार (१०७७)	जयपुर परिसरः	उच्चमाध्यमिकस्तरे केन्द्रीयमाध्यमिकशिक्षामण्डलस्य विज्ञानवाणिज्यवर्गयोः छात्राणाम् आधुनिकविषयेषु संस्कृतविषये च अभिरुचेः तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
३१.	तेजमल शर्मा (१०६०)	भोपाल परिसरः	विंश शतकस्य उत्तरार्धे रचितेषु संस्कृत कथा साहित्येषु लोकचेतना	साहित्यम्
३२.	श्रीभगवान (१०४७)	जम्मू परिसरः	महात्मागांधी अब्दूलकलामयोः शिक्षादर्शनम् भारतीय शिक्षा व्यवस्थयां तत् प्रभावश्च	शिक्षाशास्त्र
३३.	राघवेन्द्र राव् आर्. (१०२८)	पूर्णप्रज्ञसंशोधन मन्दिरम्	वेदव्याख्याने श्रीमन्मध्वाचार्याणां विशिष्टं योगदानम्	द्वैतवेदान्तः
३४.	अमरेश यादव (१०८५)	इलाहाबाद परिसरः	अनन्तदेवरचित कृष्णभक्तिचन्द्रिका नाटकस्य नाटयशास्त्रदिशा समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्यम्
३५.	कौशलेश शर्मा (१०४८)	लखनऊ परिसरः	शाब्दिकाभरणस्य अन्याभिः धातुवत्तिभिः सह तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरणम्
३६.	मुकेश कुमार साहु (१०७१)	जयपुर परिसरः	कोटा संभागे स्थितेषु केन्द्रीय विद्यालयेषु उच्च माध्यमिक विद्यालयेषु च कार्यरतानाम् अध्यापकानाम् अध्यापिकानां च विद्यालयीय समायोजनस्य तुलनात्मकम् अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
३७.	स्वामी शङ्करानन्द सरस्वती (१०५३)	पुरी परिसरः	शाङ्करनिगमानन्ददर्शनयोः तुलनात्मकसमीक्षा	अद्वैतवेदान्तः
३८.	तङ्गिराल श्रीलक्ष्मी (१०५६)	शृंगेरी परिसरः	गरलपुरीशशास्त्रिविरचितस्य चम्पूरामायण-युद्धकाण्डस्य समीक्षात्मकमध्ययनं लक्ष्मण-सूरिविरचितेन सह तुलनात्मकमध्ययनञ्च	साहित्यम्
३९.	अमित सिंह (१०७९)	भोपाल परिसरः	चिकित्साज्योतिषशास्त्रयोः दृष्टया कैंसर-रोगस्यानुशीलनम्	ज्योतिषम्
४०.	सीमा शर्मा (१०७३)	जयपुर परिसरः	महोपाध्यायमेघविजयगणिकृतहस्तसञ्जीवन-स्य आधुनिकपरिप्रेक्ष्ये समीक्षात्मकमध्ययनम्	फलित ज्यौतिषम्
४१.	ओम नारायण मिश्रा (१०४०)	भोपाल परिसरः	आर्थिकरूपेण समर्थवञ्चितवर्गयोः छात्राणां सर्जनात्मकतायाः नैतिकसामाजिकमूल्यानाञ्च तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
४२.	योगेश कुमार व्यास (१०७५)	जयपुर परिसरः	प्रमुखज्योतिषग्रन्थेषु विद्याप्राप्तियोगानामाधुनिकपरिप्रेक्ष्ये समीक्षा	फलित ज्यौतिषम्
४३.	आशीष कुमार चौधरी (१०८९)	भोपाल परिसरः	द्वादशज्योतिर्लिङ्गानां तन्त्रदृष्ट्या वास्तुशास्त्रीयं विश्लेषणम्	ज्यौतिषम्
४४.	अम्बिका प्रसाद (९७०)	जम्मू परिसरः	पाणिनेः अष्टाध्याय्यामसिद्ध काण्ड मीमांसा	व्याकरणम्

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
४५.	भट् विनायकरजत एम्. गणेश (१०६९)	शृंगेरी परिसरः	पाणिनीयाष्टाध्यायीमाधृत्य तद्धितान्तशब्दानां निष्पादनाय तन्त्रांशनिर्माणप्रयासः	व्याकरणम्
४६.	मोनिका पारीक (१०८७)	लखनऊ परिसरः	उत्तराखण्डराज्यस्य वरिष्ठमाध्यमिकविद्यालयेषु संस्कृताध्ययनरतानां सामान्याध्ययनरतानाञ्च बालिकानां महिलाशक्तीकरणं प्रति दृष्टिकोणस्य तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
४७.	वेङ्कटेश बि.डि. (१०४३)	पूर्णप्रज्ञसंशोधन मन्दिरम्	ब्रह्मसूत्रभाष्य तत्त्वप्रकाशिकाव्याख्यानस्य श्रीसुमतीन्द्रतीर्थविरचितस्य भावरत्नकोशग्रन्थस्य सम्पादनं तथा विमर्शात्मकमध्ययनम्	द्वैतवेदान्त
४८.	प्रहलाद कुमार शर्मा (१०८८)	जयपुर परिसरः	कविवरदशरथद्विवेदिप्रणीतस्य जानकीजीवन-महाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयमध्ययनम्	साहित्यम्
४९.	प्रवीण कुमार (१०९१)	लखनऊ परिसरः	लखनऊमण्डलान्तर्गतानां माध्यमिकविद्यालयच्छात्राणां व्यक्तित्वस्य विविधपक्षाणां तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
५०.	चन्द्रप्रकाश उप्रेती (१०९८)	दिल्ली परिसरः	श्रीरमाकान्तशुक्लप्रणीतस्य 'सर्वशुक्लोत्तरा'-कविता-सङ्ग्रहस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्यम्
५१.	चन्द्रकान्तः (११०६)	शृंगेरी परिसरः	कर्णाटकस्थसंस्कृत महापाठशालासु अध्यापयतां शिक्षकाणां समस्यानाम् (दशार्याः) अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
५२.	विजेन्द्र कुशवाहा (११०९)	पुरी परिसरः	ईशादिनवोपनिषत्सु मनोवैज्ञानिकतत्त्वानां समीक्षणात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
५३.	राधारमण पाण्डेय (१०४१)	इलाहाबाद परिसरः	श्रीचोक्कनाथविरचितस्य सेवन्तिकापरिणयनाटकस्य नाट्यशास्त्रदृशाऽध्ययनम्	साहित्यम्
५४.	वै.एस्. रोचबदरीनाथ (१०४९)	पूर्णप्रज्ञसंशोधन मन्दिरम्	वैद्यनाथपायगुण्डविरचितायाः शब्दकौस्तुभव्याख्या-प्रभायाः पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनम्	व्याकरणम्

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (समविश्वविद्यालय)
से सम्बद्ध संस्थाएं

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
बिहार		
1.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्या आश्रम संस्कृत विद्यालय, पोस्ट अफिस-लगमा वाया-लोहना रोड़, जिला दरभंगा-847407(बिहार)	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम उत्तरमध्यमा-प्रथम
2.	देवराहा बाबा भक्त शिव शंकर संस्कृत महाविद्यालय (संस्कृतनगर) रामचन्द्रपुर, अन्धैल, पो. पटेली, वाया-ऊजियारपुर, जिला–समस्तीपुर, पिन–848132 (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
3.	डॉ. रामजी मेहता संस्कृत महाविद्यालय मालीघाट, मुजफ्फरपुर (बिहार) 842001	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, प्राचीन व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, सर्वदर्शन)
4.	राजकुमारी गणेश शर्मा आदर्श संस्कृत विद्यापीठ जिला–दरभंगा (बिहार) 846003	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, सिद्धान्त ज्योतिष, नव्यव्याकरण, फलित)।
5.	सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जिला-बेगूसराय, बिहार–851101	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
6.	रामसुन्दर संस्कृत विश्व विद्या प्रतिष्ठान रमोली बेलान (लक्ष्मीनाथ नगर) वाया बहेरा, जिला–दरभंगा 847407 (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, शास्त्री–प्रथम, द्वितीय,

क्रमशः....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
		तृतीय, आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, वेद, ज्योतिष)
7.	डॉ. मंडन मिश्र संस्कृत महाविद्यालय, संजात, जिला–बेगुसराय (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
8.	अजित कुमार संस्कृत शिक्षण संस्थान, उमाकान्त नगर, पो. लढोरा, जिला–समस्तीपुर–848302 (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य फलित ज्योतिष)
9.	लक्ष्मी हरिकान्त संस्कृत प्राथमिक सहमाध्यमिक विद्यालय, झंझारपुर, जिला–मधुबनी, बिहार–847404	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
10.	दीनानाथ मिथिला संस्कृत विद्यापीठ, ग्राम-कालीधाम, पो. कथरा जिला–दरभंगा (बिहार) 847423	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
11.	जे.एन.बी. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो. ऑ. लगमा, वाया लोहना रोड, जिला–दरभंगा (बिहार) 847407	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, वेद, व्याकरण और धर्मशास्त्र)।
	दिल्ली	
12.	श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय, रमेश नगर, नई दिल्ली–110015	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, न्याय)
13.	ब्रह्मर्षि राम प्रपन्नाचार्य संस्कृत वेद वेदांग महाविद्यालय राजघाट के पीछे, पुराना पावर हाऊस, नई दिल्ली–2	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
14.	श्रीराम ज्योतिष कर्मकाण्ड महाविद्यालय, (राम विद्या मन्दिर एजुकेशन सोसायटी के अन्तर्गत) मंडावली, दिल्ली–110092	आचार्य–प्रथम, द्वितीय (फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, कर्मकाण्ड, पौरोहित्य)
15.	वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यालय वसंत विहार, नई दिल्ली–110057	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
16.	राम दल संस्कृत महाविद्यालय 1612 दरीबा कलाँ, दिल्ली–6	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
17.	शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ, 1021-1024, गली शक्ति मन्दिर दरियागंज, नई दिल्ली–110002	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
18.	समन्त भद्र संस्कृत महाविद्यालय दरियागंज, नई दिल्ली–110002	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, जैन-दर्शन)
19.	श्री महावीर विश्व विद्यापीठ ए-6, पश्चिम विहार, चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110063	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, सर्वदर्शन)
20.	श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय एफ-487/3, रघुवीर नगर नई दिल्ली–110027	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
21.	आर्य कन्या गुरुकुल न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली–110060	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
22.	राम ऋषि संस्कृत महाविद्यालय करावला, दिल्ली–110081	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
		प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
23.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ हरेवली, दिल्ली–110039	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय (परम्परागत शास्त्र एवं आधुनिक ऐच्छिक विषय)
24.	बाल विद्या मन्दिर (नजदीक रोहिणी-सेक्टर-20), पूठ कलाँ दिल्ली–110041	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
गुजरात		
25.	श्री रघुवर रामानंद वेदांत महाविद्यालय श्री कौशलेन्द्र मठ, सुरखेज रोड, पो. पलाडी, अहमदाबाद, गुजरात–380007	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (रामानंद वेदांत)
हरियाणा		
26.	आलोक संस्कृत महाविद्यालय चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) – 123039	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
27.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ पो. बघौला, तहसील–पलवल जिला–फरीदाबाद (हरियाणा) 121102	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
28.	श्री रामानन्द ब्रह्मर्षि संस्कृत महाविद्यालय विराट नगर, पिंजौर (हरियाणा) 134102	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
29.	श्री लज्जाराम संस्कृत महाविद्यालय तीर्थ, पाण्डु पिण्डारा, जीन्द (हरियाणा)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
जम्मू व कश्मीर		
30.	श्री गुरु गंगादेव संस्कृत महाविद्यालय, शिवकाशी, सुन्दरवनी	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय

क्रमशः....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
	जिला–राजौरी, जम्मू	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष वेद)
	झारखण्ड	
31.	लक्ष्मी देवी शर्राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, काली रेखा, वैद्यनाथ धाम देवघर, झारखण्ड, पिन : 814112	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
	कर्नाटक	
32.	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिर पूर्णप्रज्ञा विद्यापीठ, पूर्णप्रज्ञा नगर, कठरीगुप्पा मेन रोड, बैंगलोर–560028	विद्यावारिधि
	केरल	
33.	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय पिलात्तरा रोड, वाया मंडुर जिला–कन्नूर – 670501 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
34.	श्री रामकृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय रामकृष्ण मठ, पो.–अरुणापुरम, पलै जिला–कोट्टायम – 686574 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (अद्वैत वेदान्त)
35.	श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ पो. इड्डाकाडोम, वा. इजहूकोन, जिला–क्वीलोन (केरल) 691505	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
36.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पो. बालूसरी, जिला–कालीकट – 673612	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, अद्वैत वेदान्त)
37.	कोंडगलूर विद्वत्पीठम् पैलेस रोड, पो. कोडंगलूर जिला–त्रिचूर (केरल) - 680664	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
38.	वूमेंस चैरिटेबल सोसाइटी, श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ, ओवर बिज जंक्शन, एम.जी. रोड़ तिरुवन्तपुरम, 695003 केरल	प्राक् शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
39.	महेश्वरी संस्कृत कॉलेज गाँव व पो. कक्कुर जिला–कोजीकोड–673619 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
महाराष्ट्र		
40.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय भारतीय विद्याभवन, के.एम. मुन्शी मार्ग मुम्बई–400007	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय, आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त)
41.	श्री अंबाजी संस्कृत महाविद्यालय निवेतिया रोड, मलाड (पूर्व) मुम्बई (महाराष्ट्र) – 400097	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
मणिपुर		
42.	मणिपुर संस्कृत महाविद्यालय डी.एम. कॉलेज कैम्पस, इम्फाल, मणिपुर–795001	पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय, उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय, प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
43.	राधा माधव संस्कृत महाविद्यालय, पो. नाम्बोल, मणिपुर–795134	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन)
पंजाब		
44.	बाबा हरदित गिरि संस्कृत विद्यालय संस्कृत-प्रचारिणी श्रीदसनामी अखाड़ा सरहिन्द शहर, जिला–फतेहगढ़ साहिब, पंजाब 140406	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
45.	श्री सरस्वती संस्कृत कॉलेज पो0 खन्ना, जिला–लुधियाना (पंजाब) 141401	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
राजस्थान		
46.	नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ, सिंधी कालोनी, गंगापुर सिटी, जिला–सवाई माधोपुर (राजस्थान) 322201	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–द्वितीय
उत्तर-प्रदेश		
47.	रानी पद्मावती तारा योग तंत्र आदर्श महाविद्यालय, इन्द्रपुर, (शिवपुर) वाराणसी उत्तरप्रदेश	उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, कर्मकाण्ड, सर्वदर्शन एवं वेद)
48.	श्री बटुकनाथ संस्कृत महाविद्यालय बी-22/195, द्वारिकाधीश मन्दिर, शंकुलधारा, वाराणसी–221010	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण)
49.	गिन्नी देवी संस्कृत विद्यापीठ, मोदीनगर, जिला गाजियाबाद–201204 उत्तर प्रदेश	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
50.	श्री टिबरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय, नैनीताल रोड, बरेली, उत्तर प्रदेश–248005	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
51.	गान्धी संस्कृत महाविद्यालय, पँवरी गौहनिया, पो. जसरा, इलाहाबाद-212107 (उ.प्र.)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
52.	अनन्ता देवी संस्कृत महाविद्यालय ग्रा. व पो. कौंधियार, इलाहाबाद (उ.प्र.)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
53.	रानी पद्मावती योग तन्त्र उच्च माध्यमिक विद्यालय इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी (उ.प्र.)	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
	उत्तराखण्ड	
54.	ज्वाल्पा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय श्री. ज्वल्पाधाम, पो. पाटीसैण जिला-पौडी गढ़वाल-246167 उत्तराखण्ड	शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
55.	आदर्श संस्कृत परिषद सल्ड महादेव, तहसील-धूमाकोट जिला–पौडी गढ़वाल–246279 (उत्तराखण्ड)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
	पश्चिम बंगाल	
56.	पगलानन्द संस्कृत विद्यालय (स्कूल लेवल) आचार्य भवन, प्लाट नं. 216, ग्राम व पो. दरुआ, थाना-कान्ताई, जिला-पूरबा, मेदिनीपुर-721401 (प.बं.)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
57.	श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड, कोलकाता–700035	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, नव्यन्याय, अद्वैत वेदान्त, वेद, ज्योतिष, बौद्ध दर्शन, धर्म-शास्त्र)
58.	हरेश्वर संस्कृत महाविद्यालय लिंग्से, दार्जीलिंग हरलोक लिंग्से, वाया रीनोक (प.बं.) – 737133	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
59.	कालियाचक विक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, गाँव–कालियाचक पोस्ट ऑफिस हेरिया जिला–मिदनापुर (पश्चिम बंगाल) – 721430	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य, धर्मशास्त्र और अद्वैत वेदान्त)
60.	मदर उषा मेमोरियल ओरियन्टल सैन्ट्रल इंस्टीट्यूशन एण्ड आगम (तंत्र) रिसर्च सेन्टर, ग्राम व प्रो. तेनोहरी, जिला–उत्तर दीनाजपुर (पश्चिम बंगाल) – 733123	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
61.	भारती चतुष्पती संस्कृत महाविद्यालय, श्री श्रीगुरु कर्ण निकेतन, अमूल्य पारा, नवद्वीप, नादिया, (पश्चिम बंगाल) – 741302	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, अद्वैत वेदान्त)
62.	रामकृष्ण मठ विवेवकानन्द वेद विद्यालय, पो. ओ. वेलूर मठ जिला–हावड़ा (पश्चिम बंगाल) – 711202	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
63.	ठाकुर गदाधर संस्कृत विद्यापीठ पोस्ट ऑफिस आरामबाग (कलिपुर) जिला हुगली (पश्चिम बंगाल)-712601	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय

परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
1.	भारत सरकार, कैबिनेट सचिवालय, कार्मिक विभाग, नई दिल्ली नं. 6/12/71 स्थापना (डी)	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्.
2.	मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग नं. 796/786/1 (3)/72 दिनांक 5.12.1972	–वही–
3.	पंजाब सरकार, नं. 472-468-II/72/2686 दिनांक जनवरी, 1971	–वही–
4.	गोआ, दमन व दीव, विशेष-स्थापना-2065-II दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	–वही–
5.	भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय/शिक्षा, नई दिल्ली सं.एफ. 7-2/83-संस्कृत-2, दि. 31.12.1992	शिक्षा आचार्य-एम.एड.
6.	तमिलनाडु सरकार, ज्ञापन सं. 94120/एच-172-2-शिक्षा पत्र संख्या-एल.डिस 35033/04 दिनांक 2 जनवरी, 1973	1. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 2. प्रथमा-मिडिल स्कूल 3. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 4. पूर्वमध्यमा-मैट्रिक
7.	महाराष्ट्र सरकार, 82/ दिनांक 24-9-92 अनुशेष सं. एस.एस.एन. 3371/137427-ई दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	1. उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री- उच्चविद्यालय प्रमाणपत्र

क्रमशः....

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
8.	उत्तर प्रदेश सरकार, सं. 10/3/1972 नियुक्ति (4) लखनऊ, दिनांक 27 अगस्त, 1973	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल (आठवीं कक्षा) 2. पूर्वमध्यमा-हाई स्कूल 3. उत्तरमध्यमा-इण्टर 4. शास्त्री-बी.ए. 5. आचार्य-एम.ए. 6. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 7. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 8. वाचस्पति-डी.लिट्
9.	हरियाणा सरकार, सं. 278, जी. शिक्षा (4ई) 74/14620 चंडीगढ़, दिनांक 13.5.1974 ज्ञापन सं.-डी 4/50-73-सीओ(2) चंडी दिनांक 21.10.1986	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी या इण्टरमीडिएट 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट् 7. शिक्षाशास्त्री-ओ.टी. (संस्कृत)
10.	गुजरात सरकार, प्रस्ताव सं. एसएसएन-3266/72127 (73) ई 78583-जी सचिवालय, गान्धीनगर, दिनांक 30 अप्रैल 1986	1. शिक्षा-शास्त्री-बी.एड.
11.	हिमाचल प्रदेश सरकार, सं. 23-62/70/सेक्रे/ एजु-ए वोल् 3 दिनांक 17.3.1973	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्
12.	त्रिपुरा सरकार, सं. एफ. 83 (4-12) डीई/73 अगरतला, दिनांक 15.7.1972	–वही–
13.	राजस्थान सरकार, पी 9 (75) एस.पी./71/शिक्षा-5 दिनांक 18.3.1975 शिक्षा (ग्रुप 8) सं. एफ 10 व 74 शिक्षा (ग्रुप 4)/72 दिनांक 22 मई, 1978	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्

क्रमश:....

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
14.	जम्मू व कश्मीर सरकार, सं एजु. - 9/ई/74 स्वीकृत दिनांक 22.6.1975	1. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी अथवा पी.यू.सी. 2. शास्त्री-बी.ए. 3. आचार्य-एम.ए. 4. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट्
15.	ओडिशा सरकार 176/10/ईवाइई दिनांक 19.6.1975 सं. 20/32/75/828	1. शास्त्री-बी.ए. 2. आचार्य-एम.ए.
16.	पश्चिम बंगाल सरकार, शिक्षा विभाग सेक. ब्राँच, सं. 441 - एजु. (एस) 6 सी-II/89 कोलकाता, दिनांक 6 मई 1990	शिक्षाशास्त्री-बी.एड.
17.	बिहार सरकार, संकल्प सं. 8/आर.-2003/86 के.ए. 9139/पटना दि. 25-6-1987	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-पूर्व मैट्रिक (अंग्रेजी रहित) मैट्रिक (अंग्रजी सहित) 3. शास्त्री-(अंग्रेजी सहित) बी.ए. 4. आचार्य-(बी.ए. अंग्रेजी सहित उत्तीर्ण) एम.ए.

परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
1.	महाराजा सायाजीराव बडौदा विश्वविद्यालय, पत्र सं. एसी/II/221 दिनांक 4.9.73	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
2.	सागर विश्वविद्यालय, सागर, पत्र सं. सामान्य/मान्यता/974 दिनांक 16.6.73 तथा दिनांक 9.4.1973	मध्यमा शास्त्री आचार्य	इंटरमीडिएट बी.ए. एम.ए.
3.	विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.) पत्र सं. प्रशासन/मान्यता/73 दिनांक 9 अगस्त, 1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
4.	आन्ध्र विश्वविद्यालय, पत्र सं. 1 (6) 3925/72 दिनांक 27.9.73 वाल्टेयर	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
5.	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर पत्र सं. एफ-4-1/72 शैक्षिक-II/1146/ए दिनांक 22.5.73	शास्त्री	बी.ए.
6.	कालीकट विश्वविद्यालय संदर्भ सं. जी ए (डी 4) 899/72 दिनांक 28.11.1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. (संस्कृत मुख्य) एम.ए. (संस्कृत मुख्य) बी.एड. (संस्कृत) पी-एच.डी. डी.लिट्
7.	श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति संख्या-सी.आई. 33017/73 दिनांक 19.1.76	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. (संस्कृत) में प्रवेश के प्रयोजन से)

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
8.	मगध विश्वविद्यालय, बोध गया	मध्यमा	हायर सेकेण्डरी
	पत्र सं. 4767/48-23 डी II/बोध गया	शास्त्री	बी.ए.
	दिनांक 4.12.73	आचार्य	एम.ए.
		शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
		विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
9.	जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू	मध्यमा	प्री-यूनिवर्सिटी
	पत्र संख्या-एफ शैक्षिक/V/153/74/4195-99	शास्त्री-भाग-1	बी.ए. (भाग-1)
	दिनांक 14.2.1974	शास्त्री-भाग-3	बी.ए. (अंतिम वर्ष)
		आचार्य	एम.ए., संस्कृत या साहित्याचार्य
10.	अन्नामलाई विश्वविद्यालय	शास्त्री	बी.ए.
	एल. डिस्. पी-बी 21/83/73	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 22.2.1974		
11.	बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान	मध्यमा	विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम
	आर.सी.आई/सम/141/376/74		
	दिनांक 24.6.74	शास्त्री	कला-स्नातक परीक्षा (त्रिवर्ष)
		आचार्य	एम.ए.
		विद्यावारिधि	डी.फिल्.
		वाचस्पति	डी.लिट्
12.	कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर	शास्त्री	बी.ए.
	पी एस के वी/बोर्ड/4318/74-75	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 22.11.74		
13.	उत्कल विश्वविद्यालय, पत्र सं.	शास्त्री	बी.ए. (द्रष्टव्य क्रम सं. 32 भी)
	ए सी-1/आर.एम./171/51046/75		
	दिनांक 1.7.1975		
14.	पूना विश्वविद्यालय, पूना	प्राक्शास्त्री	प्री-डिग्री
	ईएलजी/सम-109/3949	शास्त्री	बी.ए. (संस्कृत)
	दिनांक 26.4.1975	आचार्य	एम.ए. (संस्कृत)
		शिक्षाशास्त्री	बी.एड. (संस्कृत)
15.	जयपुर विश्वविद्यालय,	शास्त्री	बी.ए.
	पत्र सं. ई./3013	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 13.5.1975		

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
16.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र	शास्त्री	बी.ए., शास्त्री
	पत्र सं. ए सी एम-II/6115	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 6.6.1975 और ए सी		
	एम/II/137/76/18904		
	दिनांक 7.8.76, ए सी एम-II/137/81/4139		
	दिनांक 19.3.81		
	ए सी एम-II/08/एफ/37/3695 दिनांक 1-4-08	प्राक्शास्त्री	+2 स्तर परीक्षा
	ए सी एम-II/08/एफ/37/4788 दिनांक 25-4-08	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
17.	गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद,	शास्त्री	बी.ए.
	परीक्षा/बी. मान्यता सं. 32482 दिनांक 17.9.1975	आचार्य	एम.ए.
18.	केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली	प्रथमा	आठवीं
	देखिए डी.ओ.सं. 80628	पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष	दसवीं
	दिनांक 27-5-1988	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री-II	बारहवीं
	सी बी.एस.इ./कोआर्ड/एसओसीडी/		
	2009/6147 दिनांक 3.3.09		
19.	केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम	शास्त्री	बी.ए.
	पत्र सं. सी.-3/720/76	आचार्य	एम.ए.
	जिला त्रिवेन्द्रम दिनांक 22.3.76,	विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
	एसी. सी 3/1600/77	वाचस्पति	डी.लिट्
	दिनांक 3.1.81		
20.	विश्व भारती सं. जी-4-43	शास्त्री	बी.ए.
	दिनांक 23.4.76	आचार्य	एम.ए.
		विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
		वाचस्पति	डी.लिट्
21.	भारतीय विश्वविद्यालय संघ	शास्त्री	बी.ए.
	संघ पत्र सं. ईवी II/(227)/76/32765	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 7.2.76 नई दिल्ली		
22.	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला	शास्त्री	बी.ए.
	पत्र सं. 3-8-74-एच पी यू (शैक्षिक)	शिक्षा-शास्त्री	बी.एड.
	दिनांक 2.7.77, 3-27/79	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 4.7.80	विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
		वाचस्पति	डी.लिट्
23.	दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	शास्त्री	बी.ए. पासकोर्स
	पत्र सं.-1/मान्यता/डी/84		(एम.ए. संस्कृत में प्रवेश
	दिनांक 14.11.84		के प्रयोजन से)
		आचार्य	एम.ए.

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
24.	संभलपुर विश्वविद्यालय, संभलपुर पत्र सं. 11727/शैक्षिक दिनांक 4.5.79, 6824/शैक्षिक दिनांक 27.9.85 संभलपुर	शास्त्री	बी.ए. पासकोर्स (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन हेतु)
		आचार्य	एम.ए.
25.	श्री कामेश्वर सिंह दरभंगा विश्वविद्यालय पत्र संख्या-9356/74 दिनांक 4.10.74	मध्यमा	मध्यमा
		शास्त्री	शास्त्री
		आचार्य	आचार्य
		शिक्षाशास्त्री	शिक्षाशास्त्री
		विद्यावारिधि	विद्यावारिधि
		वाचस्पति	विद्या वाचस्पति
26.	कर्णाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ पत्र सं.-मान्यता/के-108/शैक्षिक/1504 दिनांक 12.7.79	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए.
27.	गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर पत्र सं. सामान्य/मान्यता/3920 दिनांक 22.4.1980	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए.
28.	मद्रास विश्वविद्यालय पत्र सं. सी आर-III/मान्यता/1925 दिनांक 17.3.1980	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए. (यदि पाठ्यक्रम में अंग्रेजी एक विषय के रूप में हो)
29.	पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ पत्र सं. एस-16981 दिनांक 28.11.1980	प्रथमा	प्राज्ञ
		मध्यमा	विशारद
		शास्त्री	शास्त्री
		आचार्य	आचार्य
30.	श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र सं. 5163/84/एस.जे.एस.बी. दिनांक 10.8.84	प्रथमा	प्रथमा
		पूर्वमध्यमा	मध्यमा
		उत्तरमध्यमा	उपशास्त्री
		शास्त्री	शास्त्री
		आचार्य	आचार्य
		विद्यावारिधि	विद्यावारिधि
		वाचस्पति	वाचस्पति
31.	बरहामपुर विश्वविद्यालय/भंज विहार, बरहामपुर, जिला-गंजाम उड़ीसा पत्र सं. 5131/शैक्षिक-II/बी यू/84 दिनांक 16.4.84 सं 5/01/शैक्षिक-I दिनांक 3.6.2005	शास्त्री	बी.ए. (पास)
		आचार्य	एम.ए. (संस्कृत)
		शिक्षा शास्त्री	बी.एड.

क्रमश:....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
32.	उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (उड़ीसा) पत्र सं. ए सी/आर एम/171ए/16292 दिनांक 31.3.84, ए सी/ मान्यता/सामान्य/ए-16178/84 दिनांक 29.3.84	आचार्य शिक्षा-शास्त्री	एम.ए. (संस्कृत) बी.एड.
33.	त्रिभुवन विश्वविद्यालय मछली टेकू, काठमांडू, नेपाल पत्र सं. 372/04 दिनांक 19.9.84	प्राक्शास्त्री शास्त्री	उत्तरमध्यमा शास्त्री
34.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी पत्र सं. जी-458/4019/74-85 दिनांक 28.5.85	प्रथमा पूर्वमध्यमा प्राक्शास्त्री/उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा-शास्त्री शिक्षा-आचार्य	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा-शास्त्री शिक्षा-आचार्य
35.	भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल पत्र सं. 1112/बी यू/शैक्षिक/85 दिनांक 15.3.85	शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए./एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
36.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी पत्र सं. शै.-1722/92 दिनांक 22.12.92	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)
37.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र पत्र सं.-एसीएम/II/137/92/32489 दिनांक 28.12.92	शास्त्री (अंग्रेजी विषय के साथ) शास्त्री आचार्य	बी.ए. (पास) टी डी सी (10+1+3 योजना के अंतर्गत) परंतु विद्यार्थी को अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए। शास्त्री एम.ए. (यदि विद्यार्थी बी.ए. अंग्रेजी विषय के साथ पास हुआ हो)
38.	गांधीजी विश्वविद्यालय, कोट्टायम् सं.एसी.ए. I/3/305/86 (3) दि. 24.10.86	प्राक्शास्त्री तथा उत्तरमध्यमा शास्त्री शिक्षाशास्त्री आचार्य विद्यावारिधि एवं वाचस्पति	प्री.डिग्री (संस्कृत) बी.ए. (संस्कृत) बी.एड. एम.ए. पी.एच.डी.

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
39.	मणिपुर विश्वविद्यालय कांचीपुर, इम्फाल सूचना दिनांक 3 जनवरी, 1992	शास्त्री (अंग्रेजी सहित)	बी.ए.
40.	अजमेर विश्वविद्यालय, अजमेर पत्र सं. एफ 14 (193) शैक्षिक-II/यू ओ ए/92/3400/3506 दिनांक 6 फरवरी, 1992	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
41.	नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, द्वारा सं. परीक्षा/मान्यता/ए/3667 दिनांक 1.4.78	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. भाग I में प्रवेश प्राप्ति हेतु)
42.	उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर, द्रष्टव्य सं. ई/3013 दिनांक 13.5.75	शास्त्री आचार्य	बी.ए. (यदि बी.ए. स्तर के अंग्रेजी विषय में उत्तीर्ण) एम.ए. (यदि बी.ए. स्तर का अंग्रेजी विषय उत्तीर्ण हो)
43.	ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, द्रष्टव्य सं. 1866/1-942/II/शैक्षिक दिनांक 20.4.73 सं. 265/एल/2001/शै.दि. 27.1.2001	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि शिक्षाशास्त्री	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. बी.एड.
44.	महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, द्रष्टव्य सं. ए सी-/III/आर./81/2472 दिनांक 2.3.81	शास्त्री और आचार्य	उपलब्ध उच्चतर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु
45.	हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी, द्रष्टव्य सं.ए.पी.बी./10000/472/ प्रकाश/25-9-03 दिनांक 19.5.05	पूर्व मध्यमा उत्तर मध्यमा/प्राक् शास्त्री	मैट्रिक सीनियर सेकण्डरी
46.	शिक्षा निदेशक, दिल्ली एफ-32/1/25/शिक्षा/72 दिनांक : 28.8.72	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मिडिल स्कूल उच्च माध्यमिक बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्.
47.	शिक्षा निदेशक, मणिपुर II/3/71-एस.ई. दि. 30 अगस्त 1972	-वही-	-वही-

संलग्नक-झ

वार्षिक अनुदान स्वीकृत स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों की राज्य-वार संख्या का विवरण

क्रमांक	राज्य	संगठनों की संख्या
1.	आन्ध्र प्रदेश	07
2.	असम	---
3.	बिहार	22
4.	छत्तीसगढ़	01
5.	दिल्ली	07
6.	गुजरात	01
7.	हरियाणा	11
8.	हिमाचल प्रदेश	03
9.	जम्मू और कश्मीर	--
10.	झारखण्ड	--
11.	कर्नाटक	07
12.	केरल	07
13.	मध्य प्रदेश	14
14.	महाराष्ट्र	03
15.	मणिपुर	01
16.	ओड़िशा	04
17.	पाण्डिचेरी	--
18.	पंजाब	03
19.	राजस्थान	22
20.	सिक्किम	04
21.	तमिलनाडु	09
22.	उत्तर प्रदेश	94
23.	उत्तराखंड	40
24.	पश्चिम बंगाल	91
	कुल	**351**

संलग्नक-ञ

संस्थान की वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण

क्रमांक	अनुदानप्राप्तकर्ता/लेखक	शीर्षक	प्रदत्त अनुदानराशि (रुपयों में)
1.	डॉ. नारायण दाश	समकालीनसंस्कृतसाहित्ये पश्चिमवङ्गस्यावदानम्	46,630/-
2.	डॉ. रामाशीष पाण्डेय	यास्ककालीन पर्यावरण	68,377/-
3.	डॉ. विनय कुमार पाण्डेय	सवाईजयसिंहस्य ज्योतिषेऽवदानम्	25,729/-
4.	डॉ. के.एच. सुब्रह्मण्यम्	काव्यमञ्जरी	16,370/-
5.	डॉ. सुधा गुप्ता	आत्मोत्कर्षक	24,145/-
6.	डॉ. पवन कुमार शास्त्री	श्री गणेशसहस्रनाम्	37,913/-
7.	डॉ. श्रीमती शान्ति पाण्डेय	भारतीय दार्शनिक परम्परा में सत्	52,274/-
8.	श्री बालकान्त झा	स्तोत्र कुसुमाञ्जलि	32,070/-

संलग्नक-ट

प्रकाशन-अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण

क्र.	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
1.	आचार्य डॉ. शिवशंकर त्रिपाठी जयपुर (राजस्थान)	वाग्ब्राहम्णः निर्वचनविज्ञानम्	38,500/-
2.	पं. शशि नाथ झा दरभंगा (बिहार)	लघुरूपकसमुच्चयः	58,400/-
3.	डॉ. मुहम्मद हनीफ खान शास्त्री दिल्ली	वेद और कुरान से जग व्यापी महामन्त्र	64,500/-
4.	डॉ. जगदीश प्रसाद शर्मा मथुरा (उत्तरप्रदेश)	उपनिषद्वाङ्मय में वर्णित विविध विद्याओं का वर्गीकरण	39,550/-
5.	डॉ. मुहम्मद हनीफ खान शास्त्री दिल्ली	मन्त्रशास्त्र और उपयोग	1,05,000/-

क्रमशः....

क्र.	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
6.	प्रो. हरी दत्त शर्मा इलाहाबाद, लखनऊ	नवेक्षिका (सुरगवी-नवगीत-मालिका)	39,700/-
7.	डॉ. जगदीश प्रसाद शर्मा मथुरा (उत्तरप्रदेश)	आचार्य शारदा चरण दीक्षित व्यक्तित्व एवं कृतित्व	42,100/-
8.	डॉ. रामदत्त शर्मा दिल्ली	संस्कृत महाकाव्यों में समाजचित्रण	65,000/-
9.	डॉ. संगीता गुन्देचा भोपाल	कवलम् नारायण पणिक्कर परम्परा और समकालीनता	58,802/-
10.	कुमारी इशिता सिन्हा दिल्ली	निम्बार्कप्रणीतवेदान्तपारिजातसौरभस्य इतरभाष्यै: सह तुलनात्मकमध्ययनम्	43,700/-
11.	प्रो. बृजेश कुमार शुक्ल लखनऊ	सुरगवी-समालोचनिका	74,660/-
12.	डॉ. संतोष कुमार झा झारखण्ड	शब्दार्थसम्बन्धानां समीक्षणम्	97,000/-
13.	विमलेश झा भागलपुर (बिहार)	नवाह्निकमहाभाष्यस्य विमलाटीकायाश्छाया-तत्वालोकाभ्यां सह तुलनात्मकमध्ययनम्	94,300/-
14.	महर्षि अगस्तया, भोपाल	बुंदेली शब्दों का व्युत्पत्ति कोष	75,000/-

आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों का नाम एवं पूर्ण पता (राज्यवार)

राज्य का नाम		आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों का नाम
आन्ध्र प्रदेश	1.	संस्कृत अकादमी (शोध संस्थान), ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश-500007
बिहार	2.	राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठ कोलहन्टा, पटोरी, जिला-दरभंगा, बिहार-846003
	3.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्याश्रम, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पो. लगमा, वाया-लोहनारोड, रामभद्रपुर, जिला-दरभंगा, बिहार-847407
	4.	डॉ. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मालीघाट, मुजफ्फरपुर, बिहार-842001
	5.	स्वामी पराङ्कुशाचार्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हुलासगंज, गया, बिहार-804407
	6.	श्री रामसुन्दर संस्कृत विश्वविद्या प्रतिष्ठान, रमौली-वेलौन (लक्ष्मीनाथनगर) भाया-बहेड़ा, जिला-दरभंगा, बिहार-847201
हरियाणा	7.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ, पो. बघौला, जिला-पलवल, हरियाणा-121102
	8.	श्री दीवान कृष्ण किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, अम्बाला छावनी, हरियाणा-133001
हिमाचल प्रदेश	9.	हिमाचल प्रदेश आदर्श संस्कृत महाविद्यालय जांगला (रोहडू), जिला-शिमला, हिमाचल प्रदेश-171214
	10.	सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, जिला-ऊना, हिमाचल प्रदेश-174307
झारखण्ड	11.	लक्ष्मी देवी शर्राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कालीरेखा, जिला-बी. देवघर, झारखण्ड-814112
कर्नाटक	12.	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मंदिरम्, कत्रिगुप्पा मुख्य सड़क मार्ग, बंग्लौर, कर्नाटक-560028
केरल	13.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पो. बालुशेरी, जिला-कालीकट, केरल-673612
	14.	चिन्मय इंटरनेशनल फाउंडेशन शोध संस्थान आदि शंकरा नीलियम वेलियानाड, एरनाकुलम्, केरल-682319

क्रमशः....

राज्य का नाम	आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों का नाम
महाराष्ट्र	15. वैदिक संशोधन मंडल, तिलक विद्यापीठ, गुलटेकड़ी, पुणे (महाराष्ट्र)-400037
	16. मुम्बा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय द्वारा भारतीय विद्या भवन, कुलापति मुंशी मार्ग, मुम्बई, महाराष्ट्र-400007
मणिपुर	17. श्री राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, नम्बोल, मणिपुर-795134
तमिलनाडु	18. मद्रास संस्कृत महाविद्यालय 84, रोयपीठा हाई रोड, मइलापुर, चेन्नई-600004, तमिलनाडु
	19. अहोबिला मठ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय सन्निधि गली, मदुरान्तकम्, चेन्नई, तमिलनाडु-603306
उत्तराखण्ड	20. श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पो. गुरुकुल कांगड़ी, जिला-हरिद्वार, उत्तराखण्ड, पिन-249404
उत्तरप्रदेश	21. रानी पद्मावती तारा योग तन्त्र आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी उत्तर प्रदेश-221003
	22. श्री एकरसानन्द आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जिला-मैनपुरी, उत्तर प्रदेश-205001
	23. श्री रंगलक्ष्मी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वृन्दावन, जिला-मथुरा, उत्तर प्रदेश-281121
पश्चिम बंगाल	24. कालियाचक बिक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, ग्राम-कालियाचक, पो. हेरिया जिला-पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल-721430
	25. श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड, कोलकाता-700035 पश्चिम बंगाल
राजस्थान	26. श्रीमती लाडदेवी शर्मा पंचोली आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मुनिकुल ब्रह्मचर्याश्रम वेद संस्थानम्, बरुन्दनी, भीलवाड़ा, राजस्थान-311604

आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

31 मार्च 2015 का तुलन पत्र

राशि रुपयों में

संग्रह/पूंजी निधि एवं देनदारियां	अनुसूची	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
संग्रह/पूंजी निधि	1	1,927,800,481.30	1,741,082,124.00
चिन्हित/अक्षय निधि	2	821,717.00	821,717.00
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	3	76,158,990.57	53,464,580.00
योग		**2,004,781,188.87**	**1,795,368,421.00**
स्थायी परिसम्पत्तियाँ वास्तविक परिसम्पत्तियाँ इन्टेंजिबल परिसम्पत्तियाँ केपिटल कार्य प्रगति पर	4	634,535,191.00 515,058,864.00	454,392,850.00 779,686,513.00
निवेश - निर्धारित/दान निधि दीर्घ अवधि लघु अवधि	5	886,391.00	886,391.00
निवेश - अन्य	6		
वर्तमान परिसम्पत्तिया	7	846,256,726.87	550,472,159.00
ऋण, अग्रिम एवं जमा राशि (इस राशि को समाप्त या समायोजित नहीं किया गया है)	8	8,044,016.00	9,930,508.00
योग		**2,004,781,188.87**	**1,795,368,421.00**
महत्त्वपूर्ण वित्त गतिविधियां	23		
आकस्मिक देनदारियां एवं नोट्स खाते	24		

स्थान - दिल्ली

दिनांक

कृते राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)	**उप निदेशक (वित्त)**	**कुलसचिव**

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
नई दिल्ली
31 मार्च 2015 का आय एवं व्यय लेखा

राशि रुपयों में

आय	अनुसूची	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
शैक्षिक प्राप्तियाँ	9	13,842,472.00	14,994,656.00
अनुदान/आर्थिक सहायता	10	1,258,000,000.00	1,539,216,500.00
निवेश से आय	11	-	
अन्य आय	12	34,350,324.00	19,909,420.00
पूर्व अवधि आय	13	9,518,796.00	18,073,007.00
	14	2,629,384.30	
योग (ए)		**1,318,340,976.30**	**1,592,193,583.00**
व्यय			
कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना खर्च)	15	526,410,664.00	482,658,850.00
शैक्षिक व्यय	16	510,530,674.00	483,187,008.00
प्रशासनिक व्यय	17	58,246,122.00	72,649,583.00
यात्रा व्यय	18	1,503,127.00	1,504,536.00
मरम्मत एवं रख रखाव	19	4,664,584.00	9,636,868.00
वित्तीय लाग	20		
ह्रास (अनुसूची 4 में वर्ष के अंत में शुद्ध कुल)	4	22,679,885.00	60,894,580.00
अन्य व्यय	21		
पूर्व अवधि व्यय	22		
योग (बी)		**1,124,035,056.00**	**1,110,531,425.00**
बकाया राशि व्यय पर अधिक आय हो रहा है (ए-बी)		194,305,920.30	481,662,158.00
स्थानांतरण		105,600.00	-
एम.एस.पी.		2,171,884.00	(175,790.00)
एम.एस.पी.		424,674.00	
बिल्डिंग फंड में स्थानान्तरण		-	-
अन्य-पेंशन फंड में स्थानान्तरण		5,000,000.00	
		186,603,762.30	**481,837,948.00**
	24		
	25		

स्थान - दिल्ली

दिनांक

कृते राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)	**उप निदेशक (वित्त)**	**कुलसचिव**

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
नई दिल्ली
तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2015

राशि रुपयों में

	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष	
अनुसूची 1 - कोष/पूंजी निधि				
वर्ष के प्रारंभ में शेष	1,741,082,124.00	-	450,786,959.00	-
जमा : योजना निधि का योगदान	-			
जमा : आय एवं व्यय खाते से	186,603,762.30	-	1,004,213,524.00	-
शुद्ध आय का शेष				
सी.पी.डब्ल्यू.डी के साथ जमा			286,081,641.00	
दान पुस्तक में जमा				
वर्ष 2013-14 33490				
वर्ष 2014-15 17724	51,214.00			
पूर्व वर्ष समायोजन				
सम्पत्ति लिया जाना चाहिए 2013-14	102,791.00			
कम सम्पत्ति की जांच नहीं हुई 2013-14	(39,410.00)			
वर्ष के अन्त में शेष राशि	**1,927,800,481.30**	**-**	**1,741,082,124.00**	**-**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राशि रुपयों में

अनुसूची 2 - नामित / अक्षय निधि कोष	निधि-वार ब्रेक-अप					योग	
							योग
	जिंदल ट्रस्ट	दूबे अवार्ड	सोमैया ट्रस्ट	शुक्ला ट्रस्ट	आर.के.शर्मा		
ए) धन का प्रारंभिक शेष	186,600.00	8,534.00	371,583.00	5000	250000		821,717.00
घटा सावधि जमा भुनाया			250,000.00				404,226.00
जमा वर्ष के दौरान जोड़	148,226.00	6,000.00					-
जमा सावधि जमा कृत	148,226.00	6,000.00	250,000.00				404,226.00
31.03.2015 को शेष	**186,600.00**	**8,534.00**	**371,583.00**	**5,000.00**	**250,000.00**		821,717.00
सी) निधियों के उद्देश्य की दिशा में उपयोग व्यय i) पूंजीगत व्यय स्थायी सम्पत्ति अन्य : स्थायी सम्पत्ति की खरीद पर अग्रिम योग ii) राजस्व व्यय - वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि - अन्य प्रशासनिक व्यय - प्रेषण - प्रायोजित एजेंसियों को वापसी **योग**							
योग (सी)							
वर्ष के अन्त में शुद्ध शेष (ए+बी+सी)							

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2015

	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष	
अनुसूची 3 - वर्तमान देनदारियां एवं प्रावधान				
ए) वर्तमान देनदारियां				
1. कर्मचारियों द्वारा जमा	-	-	-	-
2. छात्रों द्वारा जमा				
3. विविध देनदार				
ए) सामान हेतु	-	-	-	-
बी) अन्य	-	-	-	-
4. अन्य जमा शामिल ई.एम.डी./सुरक्षा	533,723.00		389,571.00	-
5. वैधानिक देनदारियां	-		-	
ए) अतिदेय	-	-	-	-
बी) अन्य	-	-	-	-
6. अन्य वर्तमान देनदारियां				
ए) वेतन	-	-	-	-
बी) प्रायोजित परियोजना के विरुद्ध प्राप्तियाँ	-	-	-	-
सी) शोधछात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति के विरुद्ध प्राप्तियाँ संलग्नक संलग्न	20,791,666.00		2,191,800.00	
डी) अनुपयोगी अनुदान				
ई) अग्रिम अनुदान				
एफ) अन्य निधियाँ				
6. अन्य देनदारियां (विवरण संलग्न)	2,833,601.57		3,883,209.00	-
योग (ए)	24,158,990.57	-	6,464,580.00	-
बी) प्रावधान				
1. टैक्स हेतु	-	-		-
2. ऐच्छिक दान		-		-
3. सुपरएनुएशन/पेंशन	52,000,000.00	-	47,000,000.00	-
4. संचित छुट्टियों का नकदीकरण		-		-
5. व्यापार वारंटी/दावा		-		-
6. अन्य (निर्दिष्ट)		-		-
	-		-	
योग (बी)	52,000,000.00	-	47,000,000.00	-
योग (ए+बी)	76,158,990.57	-	53,464,580.00	-

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

अन्य वर्तमान देनदारियां संलग्नक 31.03.2015

क्र.सं.	विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
1	सा.भ.नि.	184,188.00	59,208,473.00	59,208,473.00	184,188.00
2	सी.पी.एफ.		228,000.00	228,000.00	-
3	जी.आई. प्रीमियम	866,430.00	272,795.00	335,867.00	803,358.00
4	मुम्बई परिसर देनदारियां	100,000.00			100,000.00
5	डी.यू.सी.एल.एस.ए.				-
6	जी.आई.एस.	124,463.00	908,221.76	871,408.19	161,276.57
7	आय कर	(20,141.00)	37,377,830.00	37,362,114.00	(4,425.00)
8	एल.आई.सी.	(24,784.00)	2,186,053.60	2,181,322.60	(20,053.00)
9	परिसरों को प्रेषण	1,997,613.00	9,616,198.00	10,771,344.00	842,467.00
10	एन.पी.एस.	418,415.00	5,661,619.00	5,661,619.00	418,415.00
11	शिक्षक कल्याण निधि				-
12	संघ सदस्यता				-
13	नई पेंशन योजना				-
14	डब्ल्यू.यू.एस. एच.सी. शुल्क				-
15	छात्रकोश	242,600.00			242,600.00
16	पेशेवर कर		615,396.00	504,046.00	111,350.00
17	टी.डी.एस.	(5,575.00)	669,980.00	669,980.00	(5,575.00)
18	पी.एल.आई.		296,155.00	296,155.00	-
19	पी.एस.ए.			-	-
	योग	**3,883,209.00**	**117,040,721.36**	**118,090,328.79**	**2,833,601.57**

संलग्नक ई.एम.डी./जमानती राशि 31.03.2015

क्र.सं.	विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
1	ई.एम.डी.	160,014.00	160,700.00	148,748.00	171,966.00
2	जमानती राशि	229,557.00	212,950.00	80,750.00	361,757.00
		389,571.00	**373,650.00**	**229,498.00**	**533,723.00**

संलग्नक प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति 31.03.2015

क्र.सं.	विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
1	यू.जी.सी. जे. आर. फैलोशिप	28681.00	17397108.00	1393800.00	16,031,989.00
2	एम.एस.पी.	444359.00	2596558.00		3,040,917.00
3	दान गुरुवायूर	1718760.00			1,718,760.00
	योग	**473,040.00**	**19,993,666.00**	**1,393,800.00**	**20,791,666.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2015

अनुसूची - 4 - ह्रास

		ग्रास ब्लाक		वर्ष में ह्रास					नेट ब्लॉक			नेट ब्लॉक
क्र.सं.	एसैट्स हैड	प्रारंभिक शेष 01.04.2014	समायोजन	कटौती	अन्तिम शेष	प्रारंभिक शेष ह्रास	ह्रास की दर	वर्ष में ह्रास	ह्रास/समायोजन	कुल ह्रास	31.03.2014	31.03.2014
1	जमीन				0.00		0%	0		0	0	0.00
2	साइट का विकास				0.00		0%	0		0	0	0.00
3	भवन	385419320.00	196871649		582290969.00	38541932	2%	11645819		50187751	532103218	346877388.00
4	सड़क एवं पुल				0.00		2%	0		0	0	0.00
5	ट्यूबवेल एवं पानी सप्लाई				0.00		2%	0		0	0	0.00
6	सीवरेज एवं ड्रेनेज				0.00		2%	0		0	0	0.00
	पाण्डुलिपियाँ		69000		69000.00		0%	0		0	69000	0.00
7	बिजली संस्थापन एवं उपकरण				0.00		5%	0		0	0	0.00
8	यंत्र एवं मशीनरी				0.00		5%	0		0	0	0.00
	जेनरेटर	28808990.00	1908726		30717716.00	7202248	5%	1535886		8738134	21979582	21606742.00
	प्रयोगशाला उपकरण	838927.00	120018		958945.00	209732	5%	47947		257679	701266	629195.00
9	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण				0.00		8%	0		0	0	0.00
10	कार्यालय उपकरण				0.00		7.50%	0		0	0	0.00
11	दृश्य श्रव्य उपकरण				0.00		7.50%	0		0	0	0.00
12	कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण	5698281.00	271365		5969646.00	569828	20%	1193929		1763757	4205889	5128453.00
13	फर्नीचर, फिक्चर्स एवं फिटिंग्स	59969657.00	1352790		61322447.00	5996966	7.50%	4599184		10596150	50726297	53972691.00
	लकड़ी के विभाजन	838927.00			838927.00	83893	7.50%	62920		146813	692114	755034.00
14	वाहन	4330191.00			4330191.00	649529	10%	433019		1082548	3247643	3680662.00
15	पुस्तकालय एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएँ	11220537.00	885030	0	12105567.00	6732322	10%	1210557		7942879	4162688	4488215.00
16	कम मूल्य की संपत्तियां				0.00		100%	0		0	0	0.00
17	प्रकाशन	18162600	1343648		19506248.00	908130	10%	1950625		2858755	16647493	17254470.00
												0.00
	योग (ए)	**515287430**	**202822226**	**0**	**718109656**	**60894580**		**22679885**	**0**	**83574465**	**634535191**	**454392850**
18	पूंजीगत कार्य प्रगति पर (बी)	**779686513.00**	**26836000.00**	**291463649.00**	**515058864.00**	0.00	0%	0.00	0.00	0	**515058864.00**	**779686513.00**
	अमूर्त संपत्तियाँ	प्रारंभिक शेष 01.04.2014	समायोजन	कटौती	अन्तिम शेष	प्रारंभिक शेष ह्रास		वर्ष में ह्रास	ह्रास/समायोजन	कुल ह्रास	31.03.2014	31.03.2014
19	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	0.00										
20	ई-जरनल	0.00										0
21	पेटेंट	0.00										0
	योग (सी)	**0.00**	**0**	**0**	**0**	**0**		**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
	कुल योग (ए+बी+सी)	**1294973943**	**229658226**	**291463649**	**1233168520**	**60894580**		**22679885**	**0**	**83574465**	**1149594055**	**1234079363**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2015

राशि रुपयों में

अनुसूची 5 - निर्धारित निवेश/दान राशि	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1. केन्द्र सरकार को प्रतिभूतियाँ डी.ए.वी.पी.एस.	53,100.00	53,100.00
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियाँ		
3. अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ	-	-
4. शेयर	-	-
5. ऋणपत्र एवं प्रतिज्ञापत्र	-	-
6. बैंक में अवधि जमा	-	-
जिंदल ट्रस्ट	148,226.00	148,226.00
दूबे ट्रस्ट	6,000.00	6,000.00
सोमैया ट्रस्ट	250,000.00	250,000.00
शुक्ला अवार्ड	5,000.00	5,000.00
आर.के. शर्मा	250,000.00	250,000.00
7. अन्य (निर्दिष्ट किया जाएगा)	-	-
बी.एस.ई.एस.	174,065.00	174,065.00
योग	**886,391.00**	**886,391.00**

अनुसूची 6 - निवेश - अन्य	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1. केन्द्र सरकार को प्रतिभूतियाँ डी.ए.वी.पी.एस.	-	-
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियाँ		
3. अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ	-	-
4. शेयर	-	-
5. ऋणपत्र एवं प्रतिज्ञापत्र	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट किया जाएगा)	-	-
योग	**-**	**-**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2015

राशि रुपयों में

अनुसूची 7 - वर्तमान सम्पत्ति, कर्ज, अग्रिम	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
ए) वर्तमान सम्पत्तियाँ		
1) स्टॉक		
गोदाम एवं पुर्जे		
खुले औजार		-
प्रकाशन		-
प्रयोगशाला रासायनिक	-	-
भवन निर्माण सामग्री	-	-
लेखन सामग्री		
पानी सप्लाई मैटिरीयल		
2) सन्ड्रे डैब्टोरस		
बकाया ऋण 6 महीने से अधिक		
अन्य	-	-
	-	-
3. नगद एवं बैंक में शेष		
हाथ में नकद	407,654.00	436,780.00
हाथ में नकद एम.एस.पी.	7,256.00	33,311.00
बैंक में शेष		
ए) बैंकों के साथ अनुसूचित		
-नगद खाते		-
-अवधि जमा	223,764,000.00	70,500,000.00
-बचत खाते	603,012,166.87	476,784,855.00
-यू.जी.सी./जे.आर.एफ.	16,031,989.00	134,281.00
-एम.एस.पी.	3,033,661.00	2,582,932.00
बी) गैर अनुसूचित बैंकों के साथ		
-नगद खाते	-	-
-जमा खाते	-	-
-बचत खाते	-	-
5. डाक घर बचत खाते		
योग (ए)	846,256,726.87	550,472,159.00

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2015

अनुसूची 8 - कर्ज, अग्रिम एवं अन्य सम्पत्तियाँ	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1. कर्मचारियों को अग्रिम		
ए) वेतन		
बी) त्यौहार		
सी) चिकित्सा हेतु अग्रिम		
डी) अन्य (निर्दिष्ट)	5,683,886.00	7,570,378.00
2. कर्मचारियों को दीर्घ अवधि हेतु अग्रिम		
ए) वाहन ऋण		
बी) घर लोन		
सी) अन्य (निर्दिष्ट		
3. अग्रिम एवं अन्य वसूली योग्य नकद रकम		
ए) मुख्य खाता		
बी) आपूर्तिकर्ताओं को		
सी) अन्य		
4. पेशगी खर्च		
ए) बीमा		
बी) अन्य		
5. अर्जित आय		
ए) निवेश		
बी) निवेश - अन्य		
सी) ऋण एवं अग्रिम		
डी) अन्य		
6. जमा		
दूरभाष, वर्दियां, किराया एवं बिजली		
7. दावा		
सस्पेंस खाता	569,000.00	569,000.00
सस्पेंस खाता नकद	59,122.00	59,122.00
6. यू.जी.सी. से प्राप्त करने योग्य नकद सम्पत्तियां		
प्रायोजित परियोजनाएँ		
प्रायोजित परियोजनाओं में जमा राशि		
दान गुरुवायूर	1,718,459.00	1,718,459.00
अनुदान प्राप्त		
अन्य प्राप्तियां	13,549.00	13,549.00
योग (बी)	8,044,016.00	9,930,508.00

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

31.03.2015 को संलग्नक में ऋण एवं अग्रिम

क्र.सं.	विवरण	प्रारंभिक	समायोजन	दुबारा भुगतान	अन्तिम शेष
1	आकस्मिक अग्रिम	996898	19583208	20786187	(206,081.00)
2	एल.टी.सी. अग्रिम	454360	4539073	3764063	1,229,370.00
3	एच.बी. अग्रिम	2081839	245190	546442	1,780,587.00
4	कम्प्यूटर अग्रिम	895414	732766	812447	815,733.00
5	टी.ए. अग्रिम	-216946	1755793	1728050	(189,203.00)
6	वाहन अग्रिम	3150654	373142	1486050	2,037,746.00
7	चिकित्सा अग्रिम	153394	279000	259000	173,394.00
8	त्यौहार अग्रिम	54765	550625	563050	42,340.00
					-
	योग	**7570378**	**28058797**	**29945289**	**5,683,886.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2015

राशि रुपयों में

अनुसूची 9 - प्रशासनिक प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
छात्रों से प्राप्त शुल्क		
प्रशासन		
1. ट्यूशन शुल्क	1894904.00	385284.00
2. प्रवेश शुल्क		
3. नामांकन शुल्क		
4. पुस्तकाल प्रवेश शुल्क		
5. प्रयोगशाला शुल्क		
6. कला एवं शिल्प शुल्क		
7. एन. एफ. एस. ई.		1,425,472.00
8. दान खाता	25000.00	
9. जे.आर.एफ.	556,275.00	
योग	**2,476,179.00**	**1,810,756.00**
परीक्षाएँ		
1. प्रवेश शुल्क		
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क	6982204.00	6188684.00
3. अंक तालिका, प्रमाणपत्र शुल्क		
4. प्रवेश परीक्षा शुल्क	2853941.00	3728960.00
योग (बी)	**9836145.00**	**9917644.00**
अन्य शुल्क		
1. पहचान पत्र शुल्क		
2. दण्ड/विविध शुल्क		
3. चिकित्सा शुल्क		
4. परिवहन शुल्क	800.00	
5. छात्रावास शुल्क	255263.00	
6. एम.एस.पी.		
योग (सी)	**256063**	**0**
प्रकाशनों का विक्रय		
1. प्रवेश फार्म की बिक्री	1274085.00	3266256.00
2. पाठ्यक्रम एवं प्रशनपत्रों की बिक्री		
3. विवरणिका एवं प्रवेशपत्रों की बिक्री		
योग (डी)	**1274085**	**3266256**
अन्य प्रशासनिक प्राप्तियाँ		
1. कार्यशालाओं एवं कार्यक्रमों हेतु पंजीकरण		
2. पंजीकरण शुल्क (शैक्षिक कर्मचारी महाविद्यालय)		
योग (ई)	**0.00**	**0.00**
कुल योग (ए+बी+सी+डी+ई)	**13842472.00**	**14994656.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

अनुसूची 10 - अनुदान/सब्सिडी (स्थिर अनुदान प्राप्त)

विवरण		योजना			गैर योजना भारत सरकार	चालू वर्ष योग	पूर्व वर्ष योग
		भारत सरकार	यू.जी.सी.				
			योजना	विशिष्ट योजना			
			एम.एस.पी.	जे.आर.एफ.			
शेष बी/एफ			444359	28681			1537226500
जोड़ : वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	यू.जी.सी.			17291508			1290000
	केन्द्रीय योजना	627500000			630500000	1258000000	700000
	राशि हस्तांतरण		2596558	105600			
	योग	**627500000.00**	**444359.00**	**17425789.00**	**630500000.00**	**1258000000.00**	**1539216500.00**
घटा : यू.जी.सी. से वापसी							
शेष		-	-	-	-	-	1539216500
घटा : पूंजीगत व्यय का उपयोग (ए)							
शेष		**627500000.00**	**444359.00**	**17425789.00**	**630500000.00**	**1258000000.00**	**1539216500.00**
राजस्व व्यय का उपयोग (बी)		627500000	0	1393800	630500000	1258000000	1539216500
शेष सी/एफ		**0.00**	**3040917**	**16031989.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2015

अनुसूची 11 - अनुदान/सब्सिडी (स्थिर अनुदान प्राप्त) (धनराशि को हस्तांतरित निर्धारित/बंदोबस्ती कोष में निवेश से आय)	निवेश निर्धारित फंड		निवेश - अन्य	
	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1) ब्याज	-	-	-	-
ए) सरकारी प्रतिभूतियों पर	-	-	-	-
बी) अन्य बॉण्ड/डिबेंचर	-	-	-	-
2) अवधि जमा पर ब्याज	-	-	-	-
	-	-	-	-
3) ब्याज अर्जित किए गए किन्तु अवधि जमा पर कोई देनदारी नहीं	-	-	-	-
4) बचत खाता पर ब्याज				
5) अन्य (निर्दिष्ट)	-	-	-	-
योग	**-**	**-**	**-**	**-**
निर्धारित तबादला/दान खाता	**-**	**-**		

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2015

	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
अनुसूची 12 - अर्जित ब्याज		
1) अवधि जमा :		
ए) सेडियूल बैंक	23,856,186.00	13,235,539.00
बी) नान-सेडियूल बैंक		
2) बचत खाता :		
ए) सेडियूल बैंक	9,890,109.00	6,672,081.00
बी) नान-सेडियूल बैंक		
सी) डाक घर बचत खाता		
डी) अन्य		
3) ऋण		
ए) कर्मचारी	593,718.00	1,800.00
बी) दान	10,311.00	
सी) अन्य		
4) अन्य प्राप्तियों पर ब्याज		
योग	**34,350,324.00**	**19,909,420.00**
नोट - स्त्रोत संकेत पर की जाने वाली टैक्स कटौती		

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2015

राशि रुपयों में

	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
अनुसूची 13 - अन्य आय		
ए) जमीन एवं भवन से आय		
1. छात्रावास कक्ष किराया		
2. लाइसेंस शुल्क	48072	
3. प्रेक्षागृहम् किराया/खेल मैदान/सममेलन कक्ष आदि	16000	
4. बिजली शुल्क वापिस		
5. पानी शुल्क वापिस		
बी) संस्थान प्रकाशन बिक्री		
सी) होल्डिंग इवेंट्स से आय		
1. वार्षिक समारोह/खेल उत्सव से प्राप्त सकल आय	1007378	
घटा : वार्षिक समारोह/खेल उत्सव पर होने वाला खर्च		
2. मेलों से प्राप्त कुल राशि		
3. मेलों पर होने वाला खर्च		
घटा : यात्रा पर होने वाला खर्च		
4. अन्य (अलग से निर्दिष्ट)		
मन्त्रालय प्रकाशन	234907	
डी) अन्य		
1. परामर्श से आय		
2. आर.ओ.आई. शुल्क	270	
3. रायल्टी से आय		
4. आवेदन पत्र बिक्री (भर्ती)		
5. विविध प्राप्तियाँ (निविदा पत्र बिक्री, रद्दी पेपर आदि)		
6. बिक्री से लाभ/सम्पत्ति निपटान		
ए) सम्पत्ति स्वामित्व		
बी) सम्पत्तियाँ		
7. अनुदान/संस्थाओं से प्राप्त दान, वेलफेयर बॉडी एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगठन		
8. अन्य (निर्दिष्ट)	2617857	13,713,086.00
एम.एस.पी.	4937882	4,359,921.00
अवकाश वेतन एवं पी.सी.	656430	
योग	**9,518,796.00**	**18,073,007.00**

	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
अनुसूची 13 - पूर्व अवधि आय		
1. शैक्षिक प्राप्तियाँ		
2. निवेश से आय		
3. अर्जित ब्याज		
4. अन्य आय	2,629,384.30	
योग	**2,629,384.30**	**-**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2015

अनुसूची 13 - कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

राशि रुपयों में

विवरण	चालू वर्ष			पूर्व वर्ष		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
ए) वेतन एवं मजदूरी	119110169	321432634	440542803	116574590	301012987	417587577
बी) भत्ते एवं बोनस			0			
सी) भविष्य निधि को योगदान			0			
डी) अन्य फंड को योगदान (निर्दिष्ट)			0			
एन.पी.एस.	1874210	4505850	6380060	2752175	4025316	6777491
सी.पी.एफ.	76992		76992	74744		74744
जी.पी.एफ. ब्याज	311851	2744453	3056304			
ई) कर्मचारी कल्याण खर्च		72246	72246			
एफ) संवानिवृत्ति एवं टर्मिनल लाभ	7916480	55098569	63015049	7153273	51065765	58219038
जी) एल.टी.सी. सुविधा	1966657	3420819	5387476			
एच) चिकित्सा सुविधा	1017239	5271077	6288316			
आई) चिल्डर शिक्षा भत्ता	748829	770007	1518836			
जे) मानदेय	72582		72582			
के) अन्य (निर्दिष्ट)			0			
योग	133095009	393315655	526410664	126554782	356104068	482658850

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2015

अनुसूची 16 - शैक्षिक व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	चालू वर्ष			पूर्व वर्ष		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
ए) प्रयोगशाला व्यय						
बी) फील्ड कार्य/सम्मेलन सहभागिता		52950	52950			
सी) सेमिनार खर्च/कार्यशाला	2647605	331457	2979062	5241289	616883	5858172
डी) विजिटिंग फैकल्टी भुगतान	160203	184437	344640			
ई) परीक्षा	475526	14598661	15074187	340725	11650889	11991614
एफ) छात्र कल्याण खर्च	31244	79058	110302			
जी) प्रवेश खर्च						
एच) दीक्षांत समारोह खर्च						
आई) प्रकाशन	21019	192956	213975			
जे) वजीफा/योग्यता छात्रवृत्ति						
के) अंशदान खर्च						
एल) अन्य (निर्दिष्ट)						
अखिल भारतीय युवा महोत्सव	5886015.00	739918	6625933	4742513	200974	4943487
वार्षिक उत्सव	193780.00	408574	602354	293694	517183	810877
कांटेस्ट ऑल इण्डिया एलोकेशन	169256.00	200668	369924			
कम्प्यूटर शिक्षा	515486.00	105106	620592	968989	123703	1092692
दूरस्थ शिक्षा	4542657.00	140774	4683431			
सी.सी. आकस्मिकता		41967	41967	43573		43573
ई-टेक्स्ट	100738.00		100738	484484		484484
ई-ग्रन्थालय	1286153.00		1286153			
कौमुदी महोत्सव	2399983.00	307523	2707506	2524217	198247	2722464
उपहार	43770.00	102854	146624			
पी.एस.एस.टी.-शुल्क	20532.00	4383464	4403996			
संस्कृत आयोग	2846357.00		2846357	1037038		1037038
संस्कृत दिवस समारोह	138136.00	627744	765880			
संस्कृत विश्वविद्यालय	3755881.00	35000	3790881			
अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र	9417303.00		9417303	12618362		12618362
हिन्दी दिवस समारोह	38420.00		38420			
महिला अध्ययन केन्द्र	62300.00		62300			

क्रमश.....

ग्लोरी फेस्टिवल		400000	400000	333783		333783
प्रतियोगिताएँ	58273.00		58273			
विश्व संस्कृत सम्मेलन	4667671.00		4667671			
भाषा मन्दाकिनी	174193.00		174193	503384		503384
ज्ञान दर्शन				1231274		1231274
बसन्त महोत्सव		43219	43219			
पालि प्राकृत				5396082		5396082
मु.स्वा.पी.	10565183.00	113154060	123719243	12886523		12886523
	0.00					
योजनाएँ	324182600.00		324182600	307464519	113768680	421233199
योग	**374400284**	**136130390**	**510530674**	**356110449**	**127076559**	**483187008**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2015

अनुसूची 17 - प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

	चालू वर्ष			पूर्व वर्ष		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
ए) आधारभूत संरचना						
i) बिजली एवं पावर	3581083	7846801	11427884	2657124	8111658	10768782
ii) पानी शुल्क	5000	1135333	1140333			
iii) बीमा						
iv) किराया, दर एवं टैक्स (सम्पत्ति कर सहित)	931187	2072772	3003959	1900449	746483	2646932
बी) संचार						
v) डाक खर्च एवं लेखन सामग्री	328678	806926	1135604	488569	2556239	3044808
vi) दूरभाष, फैक्स एवं इन्टरनेट प्रभार	169673	3476042	3645715			
सी) अन्य						
vii) मुद्रण एवं लेखन सामग्री (खपत)	695021	2366250	3061271	784779	4655060	5439839
viii) यात्रा एवं वाहन खर्च	2455084	1626310	4081394	4763686	10839599	15603285
ix) अतिथि-सत्कार						
x) ओडियोर पारिश्रमिक	44280	193810	238090	37375	131210	168585
xi) पेशेवर प्रभार	113950		113950		128697	128697
xii) विज्ञापन एवं प्रचार	119517	1110792	1230309	229986	914138	1144124
xiii) पत्रिकाएं एवं जरनल						
ix) अन्य (निर्दिष्ट)						
आकस्मिक खर्च	7619329	13668225	21287554	9062643	18702815	27765458
संविदा मजदूर	2856157	507300	3363457			
कानूनी खर्च	221500	634433	855933	31312	1152965	1184277
बैंक प्रभार	1820	0	1820			
सुरक्षा हाउस कीपींग	2925289	730686	3655975	953974	3754782	4708756
विविध खर्च	0		0		46040	46040
सी.वी.वी.टी.	2874		2874			0
योग	**22070442**	**36175680**	**58246122**	**20909897**	**51739686**	72649583

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2015

अनुसूची 18 - परिवहन व्यय

	चालू वर्ष			पूर्व वर्ष		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
1. वाहन (संस्था के स्वामित्व में)						0
ए) रनिंग व्यय	858367	77844	936211			0
बी) मरम्मत एवं रखरखाव						0
सी) बीमा व्यय						0
डी) स्टाफ कार व्यय		566916	566916	755292	749244	1504536
2. वाहन किराये/लीज पर लिये गये						0
ए) किराया/लीज व्यय						0
3. वाहन (टैक्सी) किराया व्यय						0
योग	**858367**	**644760**	**1503127**	**755292**	**749244**	1504536

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2015

अनुसूची 19 - मरम्मत एवं रखरखाव

	चालू वर्ष			पूर्व वर्ष		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
ए) भवन						0
बी) फर्नीचर एवं फिक्सर						
सी) प्लांट एवं मशीनरी	764314	3649071	4413385	4582208	5054660	9636868
डी) कार्यालय उपकरण						
ई) कम्प्यूटर	43870	149210	193080			
एफ) प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपकरण						
जी) दृश्य श्रव्य उपकरण						
एच) सफाई सामग्री एवं सेवाएँ						
आई) पुस्तक जिल्द शुल्क						
जे) बागवानी		58119	58119			
के) जायदाद रखरखाव						
एल) अन्य (निर्दिष्ट)						
योग	**808184**	**3856400**	**4664584**	**4582208**	**5054660**	**9636868**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2015

अनुसूची 20 - वित्तीय लागत

	चालू वर्ष			पूर्व वर्ष		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
ए) बैंक प्रभार			0			0
बी) अन्य (निर्दिष्ट)			0			0
			0			0
			0			0
योग	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2015

अनुसूची 21 - अन्य व्यय

	चालू वर्ष			पूर्व वर्ष		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
ए) बैड एवं संदिग्ध ऋण हेतु प्रावधान/अग्रिम			0			0
बी) अप्रतिलभ्य शेष बट्टे खाते में डाला गया			0			0
सी) अन्य संस्थाओं/संगठनों को अनुदान/सब्सिडी			0			0
डी) अन्य (निर्दिष्ट)			0			0
योग	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2015

अनुसूची 22 - पूर्व अवधि व्यय

	चालू वर्ष			पूर्व वर्ष		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
1. स्थापना व्यय			0			0
2. शैक्षिक व्यय			0			0
3. प्रशासनिक व्यय			0			0
4. परिवहन व्यय			0			0
5. मरम्मत एवं रखरखाव			0			0
6. अन्य (निर्दिष्ट)			0			0
योग	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों एवं टिप्पणी के लिए खातों पर अनुसूची

1. वर्ष 2014-15 के लिए संस्थान के वार्षिक खातों को नये स्वरूप के रूप में सी.जी.ए. द्वारा निर्धारित हैं और भारत के सी.ए.जी. द्वारा किए गए अनुमोदन मंत्रालय के पत्र संख्या 29-4/2012-ए.डी. दिनांक 17.04.2015 जी.पी.एफ और एन.पी.एस. के खाते पुराने प्रारुप के अनुसार तैयार किए गए है।
2. संस्थान पूरी तरह से अनुदान सहायता पर संचालित है इसलिए वित्त पोषण संगठन पर आयकर लागू नहीं है।
3. सरकारी अनुदान/सब्सिडी प्राप्ति आधार पर जिम्मेवार है।
4. कर योग्य आय नहीं होने के दृष्टव्य में यह आवश्यक माना गया है कि यहाँ आयकर अधिनियम 1961, आयकर के लिए कोई प्रावधान नहीं है।
5. खातों को नगदी आधार पर तैयार किया गया है (केवल 2014-15 के लिए) जहाँ कहीं भी आवश्यक हो समझा जाये।
6. अनुसूचियाँ जहाँ आवश्यक हों, सलंग्न हैं।
7. सम्पति पर आयकर अधिनियम 1961 में निर्दिष्ट दरों के अनुसार मूल्यह्रास ह्रासमान शेष पद्धति द्वारा तैयार किया गया है।
8. निर्माण कार्य केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जा रहा है।
9. यह कोई लाभप्रद संगठन नहीं है लेकिन मूल्यांकन के बाद देश में संस्कृत के समग्र विकास एवं सवंर्द्धन के लिए बनायी गयी है।
10. सेवानिवृत्ति लाभ भारत सरकार के नियमानुसार लागू है।
11. नई पेंशन योजना 132 कर्मचारियों के उपर लागू है।
12. तुलन पत्र पर मुम्बई परिसर में गबन से सम्बन्धित राशि 6,28,122/- को उचंती खाता में दर्शाया गया है, चूँकि इस प्रकरण पर अन्तिम निर्णय नहीं किया गया है अतएव उक्त राशि को उचंती खाता में ही रखा गया है।
13. वर्ष 2013-14 में एम.एस.पी. द्वारा खरीदी गई रु. 1,02,791/- मूल्य की परिसम्पत्तियों को वर्ष 2014-15 के खातों में दर्शाया गया है तथा इसे अनुसूची कॉर्प्स/पूंजी निधि में भी जोड़ा गया है।
14. रुपये 39,410 की राशि को स्थायी संपत्तियों एवं मूल्यह्रास (अनुसूची-5) के मद संयत्र, कलपुर्जे और उपकरण के अन्तर्गत जमा किया गया है और इसे अनुसूची कॉर्प्स/पूंजी निधि से घटाया गया है।
15. पिछले वर्ष की संपत्तिया जिनका मूल्यांकन रुपये 51,214/- (पूर्व रुपये 33,490/- वर्तमान रुपये 17,724/-) जो कि दान के स्वरूप प्राप्त किये गये। उन्हें सभी पुस्तकालय की पुस्तकों के स्वरूप वर्ष 2014-15 में दर्शाया गया है और इन्हें कोर्प्स/पूंजी निधि में जोड़ दिया गया है।
16. भोपाल में भवन निर्माण का व्यय रुपये 17,85,56,000/- एवं पुरी में भवन निर्माण व्यय रुपये 1,83,15,649/- को भूमि एवं भवन निर्माण अनुसूची स्थायी संपत्तियों के रूप में दर्शाया है। जिनका मूल्यांकन रुपये 19,68,71,649/- है।
17. संस्थान के वार्षिक खातों पर वर्ष 2014-15 के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा अर्थात् वित्त समिति द्वारा 01.06.2015 को अनुमोदित है।

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
नई दिल्ली
31 मार्च 2014 का समेकित प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा

2014-15 को प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता

प्राप्तियाँ	योजना	गैर योजना	योग	भुगतान	योजना	गैर योजना	योग
i. पूर्व बकाया				**i. व्यय**			
हाथ में रोकड़	225910.00	210870.00	436780.00	**a) स्थापना व्यय**	133095009.00	393315655.00	526410664.00
हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	33311.00		33311.00	b) शैक्षिक व्यय	50217684.00	22976330.00	73194014.00
b) बैंक में शेष				c) प्रशासनिक व्यय	22070442.00	36175680.00	58246122.00
i) चालू खाता				d) यातायात व्यय	858367.00	644760.00	1503127.00
ii) जमा खाता				e) मरम्मत एवं देखभाल	808184.00	3856400.00	4664584.00
iii) बचत खाता	339660422.00	137124433.00	476784855.00	f) पूर्व अवधि व्यय			
बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	2582932.00		2582932.00	g) सामान्य भविष्य निधि पर ब्याज			
छात्रवृत्ति	134281.00		134281.00				
ii. अनुदान प्राप्त							
a. भारत सरकार से प्राप्त	627500000.00	630500000.00	1258000000.00				
b. राज्य सरकार से प्राप्त				**ii. निर्धारित भुगतान/इन्डोनमेन्ट निधि**	0.00	404226.00	404226.00
c. भारत के अन्य स्रोत से प्राप्त							
d. परिसर अनुदान	271593000.00	351700000.00	623293000.00	परिसरों को अनुदान			0.00
(पूंजी एवं राजस्व व्यय अनुदान में अलग से दिखाया जाएगा)					10085000.00	613208000.00	623293000.00
कनिष्ठ शोध छात्रवृत्ति (वि.अ.आ.)							
iii. प्रशासनिक प्राप्तियाँ	**171672.00**	**13670800.00**	13842472.00				
अन्य विविध प्राप्तियाँ	6752178.00	2766618.00	9518796.00				
पूर्व अवधि आय	926846.67	1702537.63	2629384.30	**b) प्रायोजित शोधछात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति भुगतान**	324182600.00	113154060.00	437336660.00
				जे.आर. शोधछात्रवृत्ति	1393800.00		1393800.00
iv. निर्धारित प्राप्तियाँ/इन्डोनमेन्ट निधि				मुक्त स्वाध्याय पीठ			0.00
इन्डोनमेंट पुरस्कार		404226.00	404226.00	vi. निर्धारित बैंक में अवधि जमा	146664000.00	6600000.00	153264000.00
v. प्रायोजित परियोजनाओं की प्रतिभूति प्राप्तियाँ/योजनाएँ				vii) स्थायी सम्पत्ति पर खर्च एवं कैपिटल वर्क कार्य प्रगति पर			
a. मुख्यालय से प्राप्त			0.00	a) स्थायी सम्पत्ति	2089223.00	3746759.00	5835982.00
b. अन्य स्रोत से आय				b) कैपिटल वर्क कार्य प्रगति पर	26836000.00		26836000.00
vi. प्रायोजित शोधछात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति प्रतिभूति प्राप्तियाँ				c) सी.पी.डब्ल्यू.डी.			0.00

क्रमश.....

कनिष्ठ छात्र वृत्ति	17291508.00		17291508.00	**xiii. अन्य भुगतान संवैधानिक भुगतान सहित**	23059624.65	95260202.14	118319826.79
vii. निवेश से आय							
a) निर्धारित/इन्डोमेन्ट निधि							
b) अन्य निवेश							
viii) ब्याज प्राप्त							
बैंक में जमा	2288569.00	21567617.00	23856186.00	ix. अनुदान की वापसी			
ऋण एवं अग्रिम (कर्मचारी)	36343.00	557375.00	593718.00	अन्य स्त्रोतो से प्राप्त अनुदान			
बैंक बचत खाता	645776.00	9244333.00	9890109.00	x) जमा एवं अग्रिम	13917996.00	14140801.00	28058797.00
दान पर ब्याज	9087.00	1224.00	10311.00				
a) नकद में निवेश							
स्थायी सम्पत्ति बिक्री				**xii) अन्य परिसर**			
x) कैपिटल कार्य प्रक्रिया में राशि वापसी	**92992000.00**	**1600000.00**	94592000.00	a) रोकड़ शेष	132148.00	275506.00	407654.00
				हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	7256.00		7256.00
				b) बैंक में शेष	362467028.24		362467028.24
xi) अन्य आय (पूर्व अवधि आय सहित)				i) चालू खाते में			
				ii) जमा खाते में			
				iii) बचत खाते में			
				बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	3033661.00	240545138.63	243578799.63
				कनिष्ठ शोध छात्रवृत्ति	16031989.00		16031989.00
xii. जमा एवं अग्रिम	**13960553.00**	**15984736.00**	29945289.00				
xiii. वापसी योग्य प्राप्तियाँ संवैधानिक प्राप्तियाँ	**22066873.22**	**95347498.14**	117414371.36				
a) अन्य							
b) मुख्यालय							
c) अन्य परिसर							
योग	**1398871261.89**	**1282382267.77**	**2681253529.66**	**योग**	**1136950011.89**	**1544303517.77**	**2681253529.66**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
नई दिल्ली
2014-15 के लिए प्राप्तियाँ एवं भुगतान की समेकित अनुसूची

योजना

राशि रुपयों में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	भोपाल	गरली	मुम्बई	शृङ्गेरी	एकलव्य	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायूर	लखनऊ	जयपुर	योग
1	**आदि शेष**													
i	हाथ में रोकड़		41063.00	1946.00	11038.00	20815.00	151048.00							**225910.00**
ii	हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	33311.00												**33311.00**
i	बचत खाता	326383186.00	2020015.00	2297251.00	1812019.00	2903186.00	2614430.00	526006.00	117965.00	222733.00	763630.00			**339660421.00**
ii	बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	2582932.00												**2582932.00**
iii	बचत खाता (शोधछात्रवृत्ति)	134281.00												**134281.00**
i	रखरखाव	627500000.00												**627500000.00**
iii	सहायता सामान्य में योजना अनुदान		49222000.00	35497000.00	23344000.00	123308000.00	31074000.00	2182000.00	744000.00	700000.00	700000.00	2822000.00	2000000.00	**271593000.00**
iv	जे.आर. शोधछात्रवृत्ति (यू.जी.सी.)	17291508.00												**17291508.00**
	पूर्व अवधि आय		771478.00	-126373	136423.92	145318.75								**926847.67**
	योग	**973925218.00**	**52054556.00**	**37669824.00**	**25303480.92**	**126377319.75**	**33839478.00**	**2708006.00**	**861965.00**	**922733.00**	**1463630.00**	**2822000.00**	**2000000.00**	**1259948210.67**
1	**अनुसूची**													
	शैक्षिक प्राप्तियाँ													
	प्रवेश पत्र					109060.00								**109060.00**
	प्रकाशनों की बिक्री								12760.00					**12760.00**
	परीक्षा प्राप्तियाँ					280.00								**280.00**
	प्रकाशनों की बिक्री					4725.00								**4725.00**
	एन.एफ.एस.सी.					847.00								**847.00**
	पी.एस.एस.टी.				19000.00									**19000.00**
	दान पुरस्कार					25000.00								**25000.00**
	योग	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**19000.00**	**139912.00**	**0.00**	**0.00**	**12760.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**171672.00**
2	**अनुसूची (ए)**													
	विविध प्राप्तियाँ	54019.00	104976.00	365840.00	1866.00	16214								**542915.00**
	मन्त्रालय प्रकाशन	234907.00												**234907.00**
	अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा	822038.00												**822038.00**
	ज्ञान दर्शन	185340.00												**185340.00**
	प्रेक्षागृह किराया		16000.00											**16000.00**
	आर.टी.आई.		30.00	30.00										**60.00**
	मुक्त स्वाध्याय पीठ	4937882.00												**4937882.00**
	लाईसेंस शुल्क		13036.00											**13036.00**
	योग	**6234186.00**	**121006.00**	**365870.00**	**1866.00**	**16214.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**6752178.00**
3	**अनुसूची (ए)**													

क्रमश.....

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	भोपाल	गरली	मुम्बई	शृङ्गेरी	एकलव्य	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायूर	लखनऊ	जयपुर	योग
	ब्याज													**0.00**
	बचत खाते पर ब्याज		123240.00	225264.00	159474.00		137798.00							**645776.00**
	सावधि जमा रसीद पर ब्याज					2288569								**2288569.00**
	ऋण/अग्रिम (कर्मचारी) पर ब्याज		24343.00			12000.00								**36343.00**
	दान राशि पर ब्याज					9087.00								**9087.00**
	योग	**0.00**	**147583.00**	**225264.00**	**159474.00**	**2309656.00**	**137798.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**2979775.00**
3	अनुसूची (बी)													
	प्रेषण													
	आय कर		3010082.00	1266574.00	1694100.00	2339767.00	1362648.00							**9673171.00**
	सा.भ.नि.			1366880.00	1334000.00	1246105.00	1914300.00							**5861285.00**
	एन.पी.एस.			478592.00	25920.00	1147322.00	204142.00							**1855976.00**
	जी.आई.एस.		61560.00	48533.22	409054.00	71554.00	23760.00							**614461.22**
	मुख्यालय को प्रेषण (प्रकाशनों की बिक्री)	0.00	22126.00	737906.00	36625.00	1567231.00	1121536.00							**3485424.00**
	सी.पी.एफ.				228000.00									**228000.00**
	प्रोफेशनल कर		109631.00		64975.00	113950								**288556.00**
	एस.डी. अग्रिम धन			60000.00										**60000.00**
	योग	**0.00**	**3203399.00**	**3958485.22**	**3792674.00**	**6485929.00**	**4626386.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**22066873.22**
4	**अनुसूची (सी)**													
	रकम वापसी कैपिटल कार्य प्रगति पर													
i	रकम वापसी कैपिटल कार्य प्रगति पर							92992000						**92992000.00**
	योग							**92992000.00**						**92992000.00**
	योग	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
5	अनुसूची (डी)													
i	एल.टी.सी.			274800.00	281640.00	77000.00								**633440.00**
ii	टी.ए.				91200.00	166000.00								**257200.00**
iii	त्यौहार		42348.00	37875.00	12000.00	41100.00								**133323.00**
iv	वाहन		32000.00	45000.00	56792.00	17625.00								**151417.00**
v	आकस्मिक व्यय			1971100.00	568109.00	1562400.00								**4101609.00**
vi	एच.बी.ए.			33480.00		49992.00								**83472.00**
vii	चिकित्सा			189000.00										**189000.00**
	सा.भ.नि. अग्रिम						8314152.00							**8314152.00**
viii	कम्प्यूटर			23040.00	22300.00	42000.00	9600.00							**96940.00**
	योग	**0.00**	**74348.00**	**2574295.00**	**1032041.00**	**1956117.00**	**8323752.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**13960553.00**
6	गबन रकम की वापसी													**0.00**
	कुल योग	**973925218.00**	**55479886.00**	**44427868.22**	**30306669.92**	**137268933.75**	**46927414.00**	**95700006.00**	**874725.00**	**922733.00**	**1463630.00**	**2822000.00**	**2000000.00**	**1398871261.89**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
नई दिल्ली

गैर योजना

2014-15 के लिए प्राप्तियाँ लेखा की समेकित अनुसूची

प्राप्तियाँ — चालू वर्ष — राशि रुपयों में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायूर	लखनऊ	जयपुर	योग
1	**आदि शेष**								
i	हाथ में रोकड	15077.00	34233.00	48475.00	46431.00	564.00	51201.00	14889.00	**210870.00**
i	बचत खाता	115265397.00	3696583.00	3168592.00	3742101.00	3422425.00	3490899.00	4338436.00	**137124433.00**
	पूर्व अवधि आय		561370.63	159697.00	-456754.00	324826.00	53214.00	1060184.00	**1702537.63**
i	रखरखाव	**630500000**							**630500000.00**
	एच.ओ. जनरल से प्राप्त		72500000.00	47300000.00	36900000.00	60600000.00	59200000.00	75200000.00	**351700000.00**
	योग	**745780474.00**	**76792186.63**	**50676764.00**	**40475178.00**	**64420290.00**	**62795314.00**	**80853909.00**	1121794115.63
	प्रवेश पत्र			**27700.00**		**39260.00**		**63365.00**	**130325.00**
	प्रकाशन की बिक्री		**1036.00**		**50984.00**				**52020.00**
	परीक्षा प्राप्तियां	6747969.00		**229735.00**		**4220.00**			**6981924.00**
	प्रकाशन की बिक्री	1181715.00				**22865.00**			**1204580.00**
	छात्रावास शुल्क					**255263.00**			**255263.00**
	सी.सी प्राप्तियाँ	201725.00						**1452947.00**	**1654672.00**
	पी.एस.एस.टी.	2803497.00				**31444.00**			**2834941.00**
	कक्वे. शुल्क					**800.00**			**800.00**
ii	जे.आर. शोधछात्रवृत्ति (यू.जी.सी.)	0.00			**243400**	**72475**		**240400**	**556275.00**
	योग	**10934906.00**	**1036.00**	**257435.00**	**294384.00**	**426327.00**	**0.00**	**1756712.00**	13670800.00
iii	अन्य विविध प्रप्तियाँ	962760.00	10440.00	383607.00	305337.00	120795.00	292003.00		**2074942.00**
ix	छुट्टियों का वेतन एवं पी.सी.	656430.00							**656430.00**
	लाईसेंस शुल्क		6240.00				20792	8004	**35036.00**
	आर.टी.आई.			90.00			120		**210.00**
	योग	**1619190.00**	**16680.00**	**383697.00**	**305337.00**	**120795.00**	**312915.00**	**8004.00**	2766618.00
xi	सा.भ.नि. पर ब्याज	19088612.00	2479005.00						**21567617.00**
xii	बचत पर बज	5317222.00	3859739.00			67372.00			**9244333.00**
ii	ऋण पर ब्याज (कर्मचारी)		176454.00	6000.00	11931.00	17660	296486	48844.00	**557375.00**
	दान राशि पर ब्याज	1224.00							**1224.00**
	योग	**24407058.00**	**6515198.00**	**6000.00**	**11931.00**	**85032.00**	**296486.00**	**48844.00**	31370549.00
4	अनुसूची (बी)								

क्रमश.....

	प्रेषित राशि								
	आय कर	3006828.00	4663158.00	2272103.00	2618242.00	4062064.00	4625329.00	6606443.00	**27854167.00**
	सा.भ.नि.	10194182.00	8564575.00	6544742.00	4686675.00	5474411.00	6575700.00	11306903.00	**53347188.00**
	एन.पी.एस.		1212207.00	282480.00		665711.00	505292.00	756819.00	**3422509.00**
	जी.आई.एस.	63099.00	133812.01	77284.00	97152.53	65747.00	71280.00	168520.00	**676894.54**
	जी.आई.प्रिमियम	272795.00	0.00						**272795.00**
	अन्य विभागों को प्रेषित राशि		2159170.00	553269.00		259837.00	1942698.00	1241000.00	**6155974.00**
	एल.आई.सी. (वेतन योजना)	698834.00	581151.60		28644.00	586270.00	99670.00	191484.00	**2186053.60**
	आर.डी.पी.ओ.								**0.00**
	प्रोफेशनल कर		190900.00			135940			**326840.00**
	टी.डी.एस.	490163.00		0.00			0.00	30309.00	**520472.00**
	पी.एल.आई.	296155.00							**296155.00**
	छात्रकोश एस.डी.								**0.00**
	लाइब्रेरी जमानती राशि				6300.00		206650.00		**212950.00**
	अग्रिम राशि	70000.00						5500.00	**75500.00**
	योग	**15092056.00**	**17504973.61**	**9729878.00**	**7437013.53**	**11249980.00**	**14026619.00**	**20306978.00**	**95347498.14**
i	सावधि जमा रसीद परिपक्वता (पी.एफ.)		1600000.00						**1600000.00**
ii	सावधि जमा रसीद (जिन्दल ट्रस्ट)	148226.00							**148226.00**
iii	सावधि जमा रसीद (दूबे पुरस्कार)	6000.00							**6000.00**
iv	सावधि जमा रसीद (सोमैया ट्रस्ट)	250000.00							**250000.00**
	योग	**404226.00**	**1600000.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**2004226.00**
6	अनुसूची (डी)								
	अग्रिम खाता								
i	एल.टी.सी.	695901.00	249000.00			561490.00	908700.00	11000.00	**2426091.00**
ii	टी.ए.	356900.00	55000.00	370000.00	360000.00	168350.00	88000.00	62600.00	**1460850.00**
iii	त्यौहार	155250.00	86250.00	26250.00	46750.00	68025.00	61875.00	34200.00	**478600.00**
iv	वाहन	181875.00	191600.00	242478.00	109500.00	90205.00	318500.00	177000.00	**1311158.00**
v	आकस्मिक व्यय	2009538.00	2541500.00	928020.00	1126700.00	830150.00	663300.00	1002700.00	**9101908.00**
vi	एच.बी.ए.	157272.00		24000.00	9784.00	64548.00	163770.00	43596.00	**462970.00**
vii	चिकित्सा	40000.00					30000.00		**70000.00**
viii	कम्प्यूटर	155589.00	63900.00	171600.00	22500.00	135070.00	69000.00	55500.00	**673159.00**
	योग	**3752325.00**	**3187250.00**	**1762348.00**	**1675234.00**	**1917838.00**	**2303145.00**	**1386596.00**	**15984736.00**
	कुल योग	**801990235.00**	**105617324.24**	**62816122.00**	**49955677.53**	**78147787.00**	**79734479.00**	**104120643.00**	**1282382267.77**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
नई दिल्ली

योजना

वर्ष 2014-15 के लिए समेकित प्राप्तियाँ एवं भुगतान लेखा

राशि रुपयों में

भुगतान	मुख्यालय	अगरतला	इलाहाबाद	भोपाल	बलाहार	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृङ्गेरी	पुरी	योग
व्यय													
A) स्थापना व्यय													
a) वेतन एवं मजदूरी		16622529		29730648	21119776					19663484	31973732		**119110169.00**
d) कर्मचारी कल्याण व्यय													**0.00**
f) एल.टी.सी. सुविधा		849564		528027	257820					331246			**1966657.00**
g) चिकित्सा सुविधा		55008		433478	366953					18000	143800		**1017239.00**
h) बच्चों हेतु शिक्षा		131217		88141	356525					46884	126062		**748829.00**
i) मानदेय				14000	58582								**72582.00**
k) सेवानिवृत्ति लाभ (बी)				4812942	862090					43192	2198256		**7916480.00**
एन.पी.एस.		204142		782422	478592					409054			**1874210.00**
सी.पी.एफ. परिसर										76992			**76992.00**
सा.भ.नि. ब्याज		311851											**311851.00**
													0.00
योग (ए)		**18174311.00**	**0.00**	**36389658.00**	**23500338.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**20588852.00**	**34441850.00**	**0.00**	**133095009.00**
													0.00
(बी) शैक्षिक व्यय													**0.00**
अखिल भारतीय युवा महोत्सव	4132345	227778		127807	244278					153681	1000126		**5886015.00**
वार्षिक समारोह		20720		4100	98234					70726			**193780.00**
अखिल भारतीय भाषण स्पर्धा		6400							83632	79224			**169256.00**
कम्प्यूटर शिक्षा				385484	130002								**515486.00**
दूरस्थ शिक्षा			415341		491873	861828	508449	569750	413219	442594		839603	**4542657.00**
परीक्षा		78297		120435	134449					63206	79139		**475526.00**
ई-टेक्स्ट			100738										**100738.00**
ई-ग्रन्थालय			112839				1073606	99708					**1286153.00**
संगोष्ठी/कार्यशाला पर व्यय		953771		93226	222779		116621	94129	89176	119398	98505	860000	**2647605.00**
फील्ड कार्य/सम्मेलन में प्रतिभागिता													**0.00**
कौमुदी महोत्सव	2056157	98327			126882		88617				30000		**2399983.00**
विद्वानों को मानदेय		45729		28675						18010	67789		**160203.00**
उपहार		18770									25000		**43770.00**
प्रकाशन				21019									**21019.00**
पी.एस.एस.टी. - शुल्क										17582	2950		**20532.00**
संस्कृत आयोग	2846357												**2846357.00**
संस्कृत दिवस समारोह		14825		45663						77648			**138136.00**
संस्कृत विश्वविद्यालय		3626244				37800				91837			**3755881.00**
छात्र कल्याण व्यय		5184									26060		**31244.00**
अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा	9222403						22000	88000	22000	18900		44000	**9417303.00**
हिन्दी दिवस समारोह					38420								**38420.00**
महिला अध्ययन केन्द्र					62300								**62300.00**
प्रतियोगिता					58273								**58273.00**

क्रमश.....

भुगतान	मुख्यालय	अगरतला	इलाहाबाद	भोपाल	बलाहार	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृङ्गेरी	पुरी	योग
विश्व संस्कृत सम्मेलन	4667671												4667671.00
भाषा मन्दाकिनी	174193												174193.00
वसंत महोत्सव													0.00
मु.स्वा.पों. (मुख्य रोकड़ बही)	6051975												6051975.00
मु.स्वा.पों. (रोकड़ बही)	4513208												4513208.00
													0.00
													0.00
योग (बी)	**33664309.00**	**5096045.00**	**628918.00**	**826409.00**	**1607490.00**	**899628.00**	**1809293.00**	**851587.00**	**608027.00**	**1152806.00**	**1329569.00**	**1743603.00**	**50217684.00**
(सी) प्रशासनिक व्यय													0.00
a) विद्युत आपूर्ति		387748		1743892	1126518						322925		3581083.00
b) जल शुल्क				5000									5000.00
d) किराया, दरें एवं कर (सम्पत्ति कर सहित)				181142	679308					54993	15744		931187.00
e) डाक व्यय एवं स्टेशनरी		15985		92096	142315					21173	57109		328678.00
f) टेलिफोन, फैक्स एवं इन्टरनेट व्यय		74139								22366	73168		169673.00
g) प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी (खपत)		33895		170948	212261					25947	251970		695021.00
h) यात्रा एवं भत्ता व्यय		588989		626910	713012					158172	368001		2455084.00
j) लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक				44280									44280.00
k) प्रोफेशनल व्यय											113950		113950.00
l) विज्ञापन एवं प्रचार		23538		36578	41974					10227	7200		119517.00
n) अन्य (निर्दिष्ट) आकस्मिक व्यय		2339458		411264	2451663					360283	2056661		7619329.00
o) संविदा श्रमिक				2856157									2856157.00
p) कानूनी व्यय					203700					17800			221500.00
q) बैंक प्रभार				1820									1820.00
r) प्रतिभूति हाउस कीपिंग				2925289									2925289.00
t) विविध व्यय													0.00
u) सी.वी.वी.टी.										2874			2874.00
													0.00
योग (सी)		**3463752.00**	**0.00**	**9095376.00**	**5570751.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**673835.00**	**3266728.00**	**0.00**	**22070442.00**
d) यातायात व्यय													0.00
रनिंग व्यय					858367								858367.00
													0.00
योग (डी)		**0.00**	**0.00**	**0.00**	**858367.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**858367.00**
e) मरम्मत एवं रखरखाव													0.00
मरम्मत एवं रखरखाव													0.00
कम्प्यूटर रखरखाव		419422		59663	232659						52570		764314.00
बागवानी देखभाल		43870											43870.00
													0.00
													0.00
योग (ई)		**463292.00**	**0.00**	**59663.00**	**232659.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**52570.00**	**0.00**	**808184.00**
F) पूर्व अवधि व्यय													0.00
													0.00
													0.00
													0.00
III. प्रायोजित परियोजनाओं के अगेंस्ट भुगतान/योजनाएँ													0.00
छात्रवृत्ति	29599493	784683		2494797	3034449					818534	3979820		40711776.00
अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र		44000			44000								88000.00
शास्त्र चूड़ामणि	5526035.00												5526035.00

क्रमश.....

भुगतान	मुख्यालय	अगरतला	इलाहाबाद	भोपाल	बलाहार	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृङ्गेरी	पुरी	योग
विशेष अभिविन्यास पाठ्यक्रम/व्यावसायिक प्रशिक्षण	156005.00												156005.00
संस्कृत पुस्तकों की खरीद	2799946.00												2799946.00
संस्कृत पुस्तकों की खरीद (पुनर्मुद्रण)	202358.00												202358.00
संस्कृत साहित्य का प्रकाशन	1074020.00												1074020.00
डेक्कन कॉलेज, पुणे	4524046.00												4524046.00
राष्ट्रपति सम्मान	12275749.00												12275749.00
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	164820441.00												164820441.00
स्वैच्छिक संस्कृत संगठन	61180875.00												61180875.00
अखिल भारतीय भाषण स्पर्धा/राज्य स्तर	3688925.00												3688925.00
एन.इ.आर.	13740823.00												13740823.00
एन.जी.ओ./एन.जी.ओ. विश्वविद्यालय	1568938.00												1568938.00
आधुनिक शिक्षकों को अनुदान	9123084.00												9123084.00
उच्चमाध्यमिक/उच्च विद्यालयों को अनुदान	1996000.00												1996000.00
सम्मान राशि	5544035.00												5544035.00
संस्कृत पुस्तकों की खरीद (पुनर्मुद्रण)													0.00
विशिष्ठ सेवा संस्कृत सम्मान	323332.00												323332.00
डी.इ.ओ. इ. ग्रन्थालय				33000	11000	181203			33000	31902			290105.00
पचाग परियोजना				61153									61153.00
संस्कृत सर्वेक्षण परियोजना				454645									454645.00
राज्य स्तरीय भाषण स्पर्धा				149743									149743.00
पालि एवं प्राकृत	766712								2017006				2783718.00
राष्ट्रीय संस्कृत सेमिनार	360000.00												360000.00
इ-पाठशाला पुस्तक	42587.00												42587.00
इ-परियोजना												22000	22000.00
जगन्नाथ वां.के. परियोजना												5000	5000.00
मु.स्वा.पीठम											367801		367801.00
ज्योतिष परियोजना					381508								381508.00
कनिष्ठ शोध अध्येता													0.00
सी.एस.एस.इ.टी.				4952									4952.00
परिसरों को भेजा गया	-10085000												-10085000.00
योग (एफ)	**309228404**	**828683.00**	**0.00**	**3198290.00**	**3470957.00**	**181203.00**	**0.00**	**0.00**	**2050006.00**	**850436.00**	**4347621.00**	**27000.00**	**324182600.00**
V. प्रायोजित शोधछात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति को भुगतान													0.00
कनिष्ठ शोध अध्येता	**1393800**												1393800.00
													0.00
VI. परिसरों को अनुदान		2774000.00	500000	22000	897000	1400000	600000	544000	522000	544000	500000	1782000	10085000.00
VI. राष्ट्रकृत बैंकों में अवधि जमा											53672000	92992000	146664000.00
													0.00
VII. स्थाई सम्पत्तियों एवं कैपिटल कार्य प्रगति पर व्यय													0.00
a) स्थायी सम्पत्तिया													0.00
कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण											192800		192800.00
फर्नीचर, फिक्सर एवं फिटिंग्स		28420		77970	150947					65129			322466.00
पुस्तकालय पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाऐं		476008		118349	95903					17036	7790		715086.00
प्लांट एवं मशीनरी		504500								5690	348681		858871.00

क्रमश.....

भुगतान	मुख्यालय	अगरतला	इलाहाबाद	भोपाल	बलाहार	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृङ्गेरी	पुरी	योग
प्रकाशन													0.00
पाण्डुलिपियां													0.00
प्रयोगशाला उपकरण													0.00
b) कैपिटल कार्य प्रगति पर		0.00											0.00
c) सी.पी.डब्ल्यू.डी.											26836000		26836000.00
													0.00
योग (एफ)	**0.00**	**1008928.00**	**0.00**	**196319.00**	**246850.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**87855.00**	**27385271.00**	**0.00**	**28925223.00**
													0.00
VIII. अन्य भुगतान वैधानिक भुगतान सहित													0.00
आय कर		1362648		2951577	1244858					1700100	2332810		9591993.00
सा.भ.नि.		1914300			1366880					1334000	1246105		5861285.00
जी.आई.एस.		23760		31812	48533.22					25920	75598.43		205623.65
एन.पी.एस.		204142			478592					409054	1147322		2239110.00
सी.पी.एफ.										228000			228000.00
प्रोफेशनल कर				109631						67575			177206.00
एल.आई.सी. वेतन													0.00
बैंकों को भेजी राशि													0.00
अन्य को भेजी राशि													0.00
पुस्तकालय जमानती राशि													0.00
छात्रावास जमानती राशि													0.00
अग्रिम राशि					20000						25200		45200.00
अन्य संस्थाओं से प्राप्त सा.भ.नि.													0.00
अन्य संस्थाओं से प्राप्त राशि													0.00
पी.सी.ए. ब्याज													0.00
अन्य परिसरीय विभागों से प्राप्त राशि					1194651								1194651.00
टी.डी.एस.				58505							6957		65462.00
कनिष्ठ शोध अध्येता													0.00
योग (जी)	**0.00**	**3504850.00**	**0.00**	**3151525.00**	**4353514.22**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**3764649.00**	**4833992.43**	**0.00**	**19608530.65**
IX. अनुदान की वापसी													0.00
अन्य स्रोत से प्राप्त अनुदान													0.00
X. जमा एवं अग्रिम													0.00
वाहन				20000	27600					56792	5100		109492.00
त्यौहार अग्रिम		18000			45000					11250	22500		96750.00
एल.टी.सी. अग्रिम		704532			274800					281640	150000		1410972.00
डाक-व्यय अग्रिम		16500											16500.00
टी.ए.		10000								81200	166000		257200.00
विविध अग्रिम		7566170											7566170.00
कम्प्यूटर अग्रिम		9600		70000	23040						4800		107440.00
आकस्मिक व्यय					1959100					559500	1562400		4081000.00
चिकित्सा अग्रिम					189000								189000.00
एच.बी.ए.					33480						49992		83472.00
टी.ए.ए.													0.00
कार्यालय अग्रिम													0.00
वसूलीयोग्य अग्रिम													0.00
सुरक्षा जमा राशि													0.00
													0.00
योग (एच)	**0.00**	**8324802.00**	**0.00**	**90000.00**	**2552020.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**990382.00**	**1960792.00**	**0.00**	**13917996.00**

क्रमश.....

भुगतान	मुख्यालय	अगरतला	इलाहाबाद	भोपाल	बलाहार	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृङ्केरी	पुरी	योग
XI. अन्य भुगतान (मुख्यालय को भुगतान)													0.00
सी.पी.एस.एस.टी., अगरतला		18000											18000.00
सी.पी.एस.एस.टी., गुवाहाटी		13000											13000.00
प्रवेश लागत का प्रेषण		76078											76078.00
परीक्षा शुल्क		5300											5300.00
छात्र निधि		545325											545325.00
सस्थान से प्राप्त राशि		439677											439677.00
अन्य सस्थाओं से प्राप्त राशि		20887											20887.00
प्रकाशनों की बिक्री				22126									22126.00
प्रवेश पत्र एव विवरणिका													0.00
सी.एस.एस.टी./सी.एस.ए.इ.टी.											23865		23865.00
प्रवेश शुल्क											1093940		1093940.00
पी.एस.एस.टी.													0.00
परीक्षा की बिक्री											247920		247920.00
सी.एस.एस.इ.टी. की बिक्री											65800		65800.00
प्रकाशनों की बिक्री											18461		18461.00
एन.एफ.एस.सी. की बिक्री											26352		26352.00
पूर्व अनुसधान पाठ की बिक्री											15050		15050.00
अनौपचारिक सस्कृत पाठ्यक्रम											21153		21153.00
एम.सी.ए. ब्याज											5040		5040.00
प्रवेश फार्म की बिक्री											24450		24450.00
सुरक्षा एजेंसी पर्यवेक्षण प्रभार													0.00
व्यावसायिक अध्ययन केंद्र										18700			18700.00
अन्य संस्थाओं से रिक. एम.सी.ए.										2125			2125.00
पी.सी.ए.		3269								7500			10769.00
मु.स्वा.पी.													0.00
कनिष्ठ शोध अध्येता											737076		737076.00
													0.00
योग (आई)	**0.00**	**1121536.00**	**0.00**	**22126.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**28325.00**	**2279107.00**	**0.00**	**3451094.00**
													0.00
XI. अन्तिम शेष													0.00
a) हाथ में रोकड		30232.00		30809	19708					21763	29636		132148.00
हाथ में रोकड (मु.स्वा.पी.)	7256.00												7256.00
b) बैंक में शेष													0.00
i. चालू खाता													0.00
ii. जमा खाता													0.00
iii. बचत खाता	344506985	4910983.00	293815.00	2553753	2381084	669549	190707	23138	163967	2149632.92	3686011.32	937403	362467028.24
बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	3033661.00												3033661.00
जे.आर. शोधछात्रवृत्ति	16031989.00												16031989.00
													0.00
योग (जे)	**363579891.00**	**4941215.00**	**293815.00**	**2584562.00**	**2400792.00**	**669549.00**	**190707.00**	**23138.00**	**163967.00**	**2171395.92**	**3715647.32**	**937403.00**	**381672082.24**
योग	**717037787.00**	**46927414.00**	**922733.00**	**55613928.00**	**44793738.22**	**1750380.00**	**2000000.00**	**874725.00**	**2822000.00**	**30308535.92**	**137285147.75**	**95700006.00**	**1136950011.89**

1136950011 89

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
नई दिल्ली
वर्ष 2014-15 में समेकित प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा अनुसूची

गैर योजना

भुगतान	मुख्यालय	इलाहाबाद	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	पुरी	योग
1. व्यय	गैर योजना	गैर योजना	गैर योजना	गैर योजना	गैर योजना	गैर योजना	गैर योजना	गैर योजना
A. स्थापना व्यय								
a) वेतन एवं मजदूरी	62851017	23759957	44350918	56219712	33391931	44724933	56134166	**321432634.00**
d) स्टाफ कार व्यय				72246				**72246.00**
f) एल.टी.सी. सुविधा		261958	992345	1130648			1035868	**3420819.00**
g) चिकित्सा सुविधा	2178380	598921	206839	489239	380852	832096	584750	**5271077.00**
h) बच्चों की शिक्षा		202000		223534			344473	**770007.00**
i) मानदेय								**0.00**
k) सेवानिवृत्ति लाभ (बी)	16971938	5891434	8288164	8420171	5459861	3967120	6099881	**55098569.00**
एन.पी.एस.	797927	533783	696187	756819	282480	505292	933362	**4505850.00**
सा.भ.नि. पर ब्याज							2744453	**2744453.00**
सी.पी.एफ. परिसर								**0.00**
योग (ए)	**82799262**	**31248053**	**54534453**	**67312369**	**39515124**	**50029441**	**67876953**	**393315655.00**
B. शैक्षिक व्यय								
प्रवेश व्यय								
अखिल भारतीय युवा महोत्सव		42449		197025	121897	155135	223412	**739918.00**
वार्षिक समारोह	80305	2245	56215		156630	38179	75000	**408574.00**
अखिल भारतीय भाषण स्पर्धा				128239			72429	**200668.00**
दीक्षान्त व्यय								**0.00**
कम्प्यूटर शिक्षा			105106					**105106.00**
दूरस्थ शिक्षा					140774			**140774.00**
परीक्षा	14115957		61635			147434	273635	**14598661.00**
सी.सी. आकस्मिक व्यय	41967							**41967.00**
ई-टेक्स्ट								**0.00**
ई-ग्रन्थालय								**0.00**
सम्मेलनों/कार्यशालाओं पर व्यय	106160	95447					129850	**331457.00**

क्रमश.....

भुगतान	मुख्यालय	इलाहाबाद	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	पुरी	योग
फील्ड कार्य/सम्मेलनों में प्रतिभागिता				52950				**52950.00**
कौमुदी महोत्सव				77628	229895			**307523.00**
प्रयोगशाला सम्बन्धित व्यय								**0.00**
अतिथि अध्यापकों का मानदेय		24933	23932			33182	102390	**184437.00**
पुरस्कार						42854	60000	**102854.00**
प्रकाशन					192956			**192956.00**
पी.एस.एस.टी. – शुल्क	4352020		31444					**4383464.00**
संस्कृत दिवस समारोह		82263		24787	369858	80936	69900	**627744.00**
संस्कृत विश्वविद्यालय							35000	**35000.00**
छात्रवृत्ति/सह–योग्यता छात्रवृत्ति								**0.00**
छात्र कल्याण व्यय			33269			41320	4469	**79058.00**
अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण								**0.00**
हिंन्दी दिवस समारोह								**0.00**
महिला अध्ययन केंद्र								**0.00**
ग्लोरी महोत्सव	400000							**400000.00**
प्रतियोगिता								**0.00**
वसंत महोत्सव							43219	**43219.00**
अन्य (निर्दिष्ट)								**0.00**
								0.00
योग (बी)	**19096409**	**247337**	**311601**	**480629**	**1212010**	**539040**	**1089304**	**22976330.00**
C. प्रशासनिक व्यय								
विद्युत आपूर्ति	2309990	349716	808061	1369407	803650	2205977		**7846801.00**
जल शुल्क							1135333	**1135333.00**
d) किराया, दरें एवं कर (सम्पत्ति कर सहित)	684220					932237	456315	**2072772.00**
e) डाक व्यय एवं स्टेशनरी	447342	20915	43660	142748	28000	42035	82226	**806926.00**
f) टेलिफोन, फैक्स एवं इन्टरनेट व्यय	3150261	47156	75006		129229	29323	45067	**3476042.00**
g) प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी (खपत)	1832032	50604	86358	89819	117443	71357	118637	**2366250.00**
h) यात्रा एवं भत्ता व्यय		224251	383405	73054	454491	214208	276901	**1626310.00**
j) लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	98280			95530				**193810.00**
k) प्रोफेशनल व्यय								**0.00**
l) विज्ञापन एवं प्रचार	905487	2072	9240	114016	30122	31397	18458	**1110792.00**
n) अन्य (निर्दिष्ट) आकस्मिक व्यय		1100570	1566662	1769219		1979604	739966	**7156021.00**
o) संविदा श्रमिक		507300						**507300.00**
p) कानूनी व्यय	336700	50303	22500		27480	137095	60355	**634433.00**
q) बैंक प्रभार								**0.00**

क्रमश.....

भुगतान	मुख्यालय	इलाहाबाद	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	पुरी	योग
r) प्रतिभूति हाउस कीपिंग				730686				**730686.00**
t) विविध व्यय	4560819				1930271	21114		**6512204.00**
u) सी.वी.वी.टी.								**0.00**
योग (सी)	**14325131**	**2352887**	**2994892**	**4384479**	**3520686**	**5664347**	**2933258**	**36175680.00**
d) यातायात व्यय								
रनिंग व्यय		27570	50274					**77844.00**
स्टाफ कार व्यय	566916							**566916.00**
योग (डी)	**566916**	**27570**	**50274**	**0**	**0**	**0**	**0**	**644760.00**
e) मरम्मत एवं रखरखाव								
मरम्मत एवं रखरखाव	1035060	506212	474368	581609	333883	482053	235886	**3649071.00**
कम्प्यूटर रखरखाव		107550					41660	**149210.00**
बागवानी देखभाल							58119	**58119.00**
योग (ई)	**1035060**	**613762**	**474368**	**581609**	**333883**	**482053**	**335665**	**3856400.00**
f) पूर्व अवधि व्यय								
f) सा.भ.नि. ब्याज								**0.00**
II. निधारित के अगेंस्ट भुगतान/दान निधि								**0.00**
								0.00
III. प्रायोजित परियोजनाओं के अगेंस्ट भुगतान/योजनाएँ								**0.00**
छात्रवृत्ति		1661843	2200201	3732271	1301879	3158714	6290889	**18345797.00**
अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र								**0.00**
कनिष्ठ शोधछात्रवृत्ति		181600						**181600.00**
डाटा इन्ट्री आपरेटर ई-ग्रन्थालय								**0.00**
पंचाग परियोजना								**0.00**
संस्कृत सर्वेक्षण परियोजना								**0.00**
राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता								**0.00**
पालि एवं प्राकृत								**0.00**
राष्ट्रपति सम्मान	12110729.00							**12110729.00**
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	82275534.00							**82275534.00**
ई-परियोजना								**0.00**
जगन्नाथ वी.के. परियोजना								**0.00**
मुक्त स्वाध्याय पीठम								**0.00**
ज्योतिष परियोजना								**0.00**
कनिष्ठ शोध छात्रवृत्ति				240400				**240400.00**
सी.एस.एस.ई.टी.								**0.00**
परिसरों को दिया गया अनुदान	613208000							**613208000.00**

क्रमश.....

भुगतान	मुख्यालय	इलाहाबाद	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	पुरी	योग
योग (एफ)	**707594263**	**1843443**	**2200201**	**3972671**	**1301879**	**3158714**	**6290889**	**726362060.00**
V. शोधछात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति को प्रायोजित भुगतान								
V. शैड्यूल्ड बैंक में अवधि जमा							1600000	**1600000.00**
सावधि जमा रसीद खरीद	5000000							**5000000.00**
सावधि जमा रसीद (जे.टी.)	148226							**148226.00**
सावधि जमा रसीद (डी.ए.)	6000							**6000.00**
सावधि जमा रसीद (शुक्ला पुरस्कार)	250000							**250000.00**
VII. स्थायी सम्पत्तियां एवं कैपिटल वर्क इन प्रोग्रेस पर व्यय								**0.00**
a) स्थायी सम्पत्तियां								**0.00**
भवन								**0.00**
कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण				78565				**78565.00**
फर्नीचर, फिक्चर एवं फिटिंग्स	270780	64318	31660		408388		255178	**1030324.00**
पुस्तकालय पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाओं	2235	2750	59566	20035	24824	9320		**118730.00**
संयंत्र एवं मशीनरी		97350		565515	306649	16960		**986474.00**
प्रकाशन	1071783	271865						**1343648.00**
पाण्डुलिपि		69000						**69000.00**
प्रयोगशाला उपकरण					82600		37418	**120018.00**
योग (जी)	**1344798**	**505283**	**91226**	**664115**	**822461**	**26280**	**292596**	**10750985.00**
b) कैपिटल कार्य प्रगति पर								
c) सी.पी.डब्ल्यू.डी.								
VIII. अन्य भुगतान वैधानिक भुगतान सहित								
आय कर	3006828	2618242	4062064	6606443	2230181	4583205	4663158	**27770121.00**
सा.भ.नि.	10194182	4686675	5474411	11306903	6544742	6575700	8564575	**53347188.00**
जी.आई.एस.	51989	97152.53	65747	168520	77284	71280	133812.01	**665784.54**
एन.पी.एस.			665711	756819	282480	505292	1212207.00	**3422509.00**
सी.पी.एफ.								**0.00**
जी.आई.प्रिमियम	335867							**335867.00**
पी.एल.आई..	296155							**296155.00**
प्रोफेशनल कर			135940				190900	**326840.00**
एल.आई.सी. वेतन	694103	28644.00	586270	191484		99670	581151.6	**2181322.60**
बैंक को भेजा धन								**0.00**
अन्य को भेजा धन					553269	1897150	1006980	**3457399.00**
लाइब्रेरी जमानती राशि						23850		**23850.00**
छात्रावास जमानती राशि						56900		**56900.00**

क्रमश.....

भुगतान	मुख्यालय	इलाहाबाद	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	पुरी	योग
बयाना राशि	50000			53548				**103548.00**
विभिन्न संस्थाओं से प्राप्त सा.भ.नि.								**0.00**
विभिन्न संस्थाओं से प्राप्त राशि								**0.00**
पी.सी.ए. ब्याज								**0.00**
परीसरों द्वारा भेजी गई रकम								**0.00**
टी.डी.एस.	490163			30309	41922	42124		**604518.00**
ix. अनुदान की वापसी								**0.00**
अन्य स्त्रोत से प्राप्त अनुदान								**0.00**
योग (एच)	**15119287**	**7430713.53**	**10990143**	**19114026**	**9729878**	**13855171**	**16352783.61**	**92592002.14**
x. जमा एवं अग्रिम								
वाहन	89650		30000	72000	60000	12000		**263650.00**
त्यौहार अग्रिम	130500	62000	76500		18750	71250	94875	**453875.00**
एल.टी.सी. अग्रिम	439301	1101700	420200	11000		906900	249000	**3128101.00**
डाक हेतु अग्रिम						45000	82500	**127500.00**
टी.ए.	356900	345000	221093	62600	370000	88000	55000	**1498593.00**
विविध अग्रिम							2459000	**2459000.00**
कम्प्यूटर अग्रिम	69126	25000	37200		494000			**625326.00**
कॉन्टीजेन्ट्स	2009538		855500	1002700	857000	608300		**5333038.00**
चिकित्सा अग्रिम	40000					50000		**90000.00**
एच.बी.ए.	161718							**161718.00**
कार्यालय अग्रिम								**0.00**
वसूलीयोग्य अग्रिम								**0.00**
जमानत राशि								**0.00**
योग (एच)	**3296733**	**1533700**	**1640493**	**1148300**	**1799750**	**1781450**	**2940375**	**14140801.00**
xi. अन्य भुगतान (मुख्यालय को भुगतान)								
सी.पी.एस.एस.टी., अगरतला								**0.00**
सी.पी.एस.एस.टी., गुवाहाटी								**0.00**
प्रवेश लागत का प्रेषण								**0.00**
परीक्षा शुल्क			186340	666950			599870	**1453160.00**
छात्र निधि								**0.00**
संस्थान से प्राप्त राशि								**0.00**
अन्य संस्थाओं से प्राप्त राशि			6000					**6000.00**
प्रकाशन विक्रय			67497			15548	24614	**107659.00**

क्रमश.....

भुगतान	मुख्यालय	इलाहाबाद	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	पुरी	योग
प्रवेश पत्र एवं विवरणिका				87350			95500	**182850.00**
सी.एस.एस.टी./सी.एस.ए.ई.टी.							323831	**323831.00**
प्रवेश शुल्क								**0.00**
पी.एस.एस.टी.				486700				**486700.00**
परीक्षा विक्रय								**0.00**
सी.एस.एस.टी. विक्रय								**0.00**
प्रकाशन विक्रय								**0.00**
अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र का विक्रय?								**0.00**
पूर्व अनुसंधान परीक्षण की बिक्री							108000	**108000.00**
अनौपचारिक संस्कृत कोर्स								**0.00**
एम.सी.ए. ब्याज								**0.00**
प्रवेश पत्र की बिक्री								**0.00**
सुरक्षा एजेंसी पर्यवेक्षण								**0.00**
व्यावसायिक शिक्षा केन्द्र								**0.00**
अन्य संस्थाओं की एम.सी.ए. आर.ई.सी.								**0.00**
पी.सी.ए.								**0.00**
मुक्त स्वाध्याय पीठम								**0.00**
योग (जे)		**0**	**259837**	**1241000**	**0**	**15548**	**1151815**	**2668200.00**
12. अन्तिम शेष								**0.00**
ए) हाथ में रोकड़	42562	50036	1270	56978	69827	48993	5840	**275506.00**
बी) बैंक में शेष								**0.00**
i. चालू खाता में रोकड़								**0.00**
ii. जमा खाता में रोकड़								**0.00**
iii. बचत खाता में रोकड़	213573588	4102893.00	4312279	5164467	4510624	4133442	4747845.63	**240545138.63**
योग	**1064198235.00**	**49955677.53**	**77861037.00**	**104120643.00**	**62816122.00**	**79734479.00**	**105617324.24**	**1544303517.77**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
नई दिल्ली
वर्ष 2014-15 की सामान्य भविष्य निधि का समेकित तुलन पत्र

देनदारियां			
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	आदि शेष	42677683.00	24096965.00
2	जोड़ा-अन्य परिसरों से स्थानान्तरित सा.भ.नि. अग्रिम और अंशदान वसूली	65417916.00	95662906.00
3	घटाया - अन्य परिसरों को सा.भ.नि. के अग्रिम एवं निकासी का स्थानान्तरण	49593254.00	91454916.00
4	घटाया - पूर्व वर्ष त्रुटियां	0.00	0.00
5	31.03.2014 को देनदारियां	210816548.00	201042402.00
6	जोड़ा-आय से अधिक व्यय	15727536.00	24146874.00
	योग	**285046429.00**	**253494231.00**
सम्पत्तियां			
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	सावधि जमा	254221154.00	210816548.00
2	वर्तमान सम्पत्तियां	254221154.00	210816548.00
3	बैंक में रोकड़	30825275.00	42677683.00
	योग	**285046429.00**	**253494231.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

वर्ष 2014-15 की सामान्य भविष्य निधि की समेकित आय एवं व्यय का लेखा विवरण

आय			
अर्जित ब्याज		**चालू वर्ष**	**पूर्व वर्ष**
क्र.सं.	**लेखा शीर्ष**	**रुपये**	**रुपये**
	सावधि जमा पर ब्याज	12130889.00	20837332.00
1	बचत खाता	3326769.00	3733451.00
2	मुख्य खाते से स्थानान्तरित ब्याज	6311600.00	7740105.00
3	सा.भ.नि. पर अर्जित ब्याज	0.00	52505.00
4	अंशदान पर संस्थान का हिस्सा	76992.00	74744.00
	कुल योग (ए)	**21846250.00**	**32438137.00**
व्यय			
क्र.सं.	**लेखा शीर्ष**	**चालू वर्ष**	**पूर्व वर्ष**
1	मुख्य खाते में सा.भ.नि. पर ब्याज का स्थानान्तरण	6118636.00	8291103.00
2	बैंक प्रभार	78.00	160.00
3	ग्राहको को दिया गया ब्याज	0.00	0.00
	कुल योग (बी)	**6118714.00**	**8291263.00**
	व्यय से अधिक आय (ए-बी)	**15727536.00**	**24146874.00**
	संतुलन हेतु अधिशेष को सामान्य में आरक्षित	**15727536.00**	**24146874.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

वर्ष 2014-15 की सामान्य भविष्य निधि की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान का लेखा विवरण

प्राप्तियाँ | भुगतान | राशि रुपयों में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	आदि शेष	42677683.00	24096965.00	1	अन्तिम भुगतान	24096847.00	30957591.00
2	सा.भ.नि. से अंशदान	45272415.00	38526267.00	2	सा.भ.नि. अग्रिम	12764114.00	13783722.00
3	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली	11241825.00	10052296.00	3	सावधि जमा की खरीद	163039618.00	104332533.00
4	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली (नकद)	357440.00	157680.00	4	अन्य परिसरों को स्थान्तारित राशि	12732293.00	46713603.00
5	सावधि जमा परिपक्वता	119635012.00	94558387.00	5	मुख्य खाते मं स.भ.नि. ब्याज स्थानान्तरित	6118636.00	8291103.00
6	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	12130889.00	20837332.00	6	बैंक प्रभार	78.00	160.00
7	बचत खाता पर ब्याज	3326769.00	3733451.00	7	अशंदायी को देय ब्याज	0.00	0.00
8	अन्य संस्थाओं से प्राप्त राशि	8546236.00	46926663.00	8	**नगद शेष**		
9	अंशदान पर संस्थान का हिस्सा	76992.00	74744.00		बैंक में रोकड़	30825275.00	42677683.00
10	मुख्य खाते में सा.भ.नि. पर ब्याज का स्थानान्तरण	6311600.00	7740105.00				
11	सा.भ.नि. अंशदान पर अर्जित ब्याज	0.00	52505.00				
12	पूर्व वर्ष त्रुटियां	0.00	0.00				
	कुल योग	**249576861.00**	**246756395.00**		**कुल योग**	**249576861.00**	**246756395.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

वर्ष 2014-15 की सामान्य भविष्य निधि/अंशदायी भविष्य निधि की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान का लेखा विवरण

प्राप्तियाँ

राशि रुपयों में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायुर	जयपुर	लखनऊ	एकलव्य	शृंगेरी	गरली	भोपाल	मुम्बई	कुलयोग
1.	आदि शेष	5531733.00	6683007.00	1824457.00	50386.00	929731.00	816168.00	2656268.00	1292964.00	52885.00	2549144.00	20215319.00	75621.00	**42677683.00**
2.	सा.भ.नि. अंशदान	9249040.00	6773000.00	4082000.00	3305650.00	3014367.00	6056900.00	5036500.00	1855300.00	884305.00	1280869.00	2172484.00	1562000.00	**45272415.00**
3.	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली	962542.00	1513750.00	950034.00	468135.00	2460044.00	2182540.00	1539200.00	141600.00	361800.00	392180.00	270000.00		**11241825.00**
4.	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली (नगद)					357440.00								**357440.00**
5.	सावधि जमा परिपक्व	21500000.00			19564195.00	13476321.00	32598003.00	16640506.00	5000000.00	7700000.00	2688306.00		467681.00	**119635012.00**
6.	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	1028310.00	2147692.00		1872842.00	366938.00	2953714.00	2435907.00	465417.00		249012.00	611057.00		**12130889.00**
7.	बचत खाता पर ब्याज	200526.00	333613.00	92016.00		51579.00	59388.00	93375.00	172326.00	1153638.00	74912.00	401498.00	693898.00	**3326769.00**
8.	अन्य संस्थाओं से प्राप्त राशि		277825.00	1901643.00	917915.00	460178.00	3067498.00	34750.00		1585253.00		301174.00		**8546236.00**
9.	संस्थान का योगदान												76992.00	**76992.00**
10.	मुख्य खाते से सा.भ.नि. ब्याज का स्थानान्तरण		2744453.00				3022658.00				544489.00			**6311600.00**
11.	पूर्व वर्ष त्रुटि													**0.00**
12.	अंशदायी भविष्य निधि पर ब्याज													**0.00**
	योग	**38472151.00**	**20473340.00**	**8850150.00**	**26179123.00**	**21116598.00**	**50756869.00**	**28436506.00**	**8927607.00**	**11737881.00**	**7778912.00**	**23971532.00**	**2876192.00**	**249576861.00**
	भुगतान													
1.	अन्तिम भुगतान	6118726.00	4559628.00	870000.00	300000.00	3256114.00	2985861.00	1500000.00		2200000.00		2306518.00		**24096847.00**
2.	सा.भ.नि. अग्रिम	415000.00	2036950.00	2494744.00	431000.00	1701800.00	2600020.00	936500.00		459000.00	436100.00	386000.00	867000.00	**12764114.00**
3.	सावधि-जमा की खरीद	21500000.00	5000000.00	3000000.00	25218002.00	14808163.00	39539251.00	17502407.00	8417478.00	7800000.00	2500000.00	16454317.00	1300000.00	**163039618.00**
4.	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि	1567561.00	759406.00	301174.00		827804.00	216800.00	4284900.00		1189888.00		3584760.00		**12732293.00**
5.	मुख्य खाते में सा.भ.नि. ब्याज स्थानान्तरण		2479005.00				3022658.00				544489.00		72484.00	**6118636.00**
6.	बैंक प्रभार	5.00									73.00			**78.00**
7.	अंशदायी को देय ब्याज													**0.00**
	नगद शेष													0
8.	बैंक में रोकड़	8870859.00	5638351.00	2184232.00	230121.00	522717.00	2392279.00	4212699.00	510129.00	88993.00	4298250.00	1239937.00	636708.00	**30825275.00**
	योग	**38472151.00**	**20473340.00**	**8850150.00**	**26179123.00**	**21116598.00**	**50756869.00**	**28436506.00**	**8927607.00**	**11737881.00**	**7778912.00**	**23971532.00**	**2876192.00**	**249576861.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
नई दिल्ली
वर्ष 2014-15 हेतु नई पेंशन योजना का समेकित तुलन पत्र

देयताएं

राशि रुपयों में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1.	**पूंजी निधि**		
i)	पूर्व शेष	284943.00	123037.00
ii)	जोड़ा-योगदान+अंशदान	14993812.00	13380077.00
iii)	जोड़ा वर्ष में समायोजन त्रुटि	0.00	0.00
iv)	घटाया - एन.एस.डी.एल. को भुगतान एवं अन्य परिसरों को स्थानान्तरित	14444062.00	-13189250.00
v)	घटाया - 31.3.14 में जमा देनदारियां	940545.00	640545.00
vi)	व्यय से अधिक आय	151407.00	271079.00
	कुल योग	**1926645.00**	**1225488.00**
सम्पत्तियाँ			
क्र.सं.	**लेखा शीर्ष**	**चालू वर्ष**	**पूर्व वर्ष**
i)	सावधि जमा	1240545.00	940545.00
ii)	वर्तमान सम्पत्तियां	1240545.00	940545.00
iii)	बैंक में शेष	686100.00	284943.00
	कुल योग	**1926645.00**	**1225488.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

वर्ष 2014-15 की नई पेंशन योजना लेखा में समेकित आय एवं व्यय

राशि रुपयों में

आय			
अर्जित ब्याज		**चालू वर्ष**	**पूर्व वर्ष**
क्र.सं.	**लेखा शीर्ष**	**रुपये**	**रुपये**
1	सावधि जमा पर ब्याज	9795.00	0.00
2	बचत खाते पर अर्जित ब्याज	142022.00	271313.00
	कुल योग (ए)	**151817.00**	**271313.00**
व्यय		**चालू वर्ष**	**पूर्व वर्ष**
क्र.सं.	**लेखा शीर्ष**	**रुपये**	**रुपये**
1	मुख्य खाते में स्थानांतरित ब्याज	0.00	0.00
2	बैंक संग्रहण प्रभार	410.00	234.00
3	अनुमोदनकर्ता को दिया ब्याज	0.00	0.00
	कुल योग (बी)	**410.00**	**234.00**
	व्यय से अधिक आय	**151407.00**	**271079.00**
	संतुलन हेतु अधिशेष को सामान्य में आरक्षित	**151407.00**	**271079.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
नई दिल्ली
वर्ष 2014-15 की नई पेंशन योजना लेखा में समेकित प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियाँ | भुगतान

राशि रुपयों में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजना	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजना	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
1	**नगद शेष**					1	सावधि जमा क्रय	1400000.00	0.00	1400000.00	1100000.00
						2	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि	408284.00	0.00	408284.00	0.00
i)	आदि शेष	60661.00	224282.00	284943.00	123037.00	3	सरकारी खाते में स्थानान्तरित ब्याज	0.00	0.00	0.00	0.00
ii)	कर्मचारी अंशदान	3021532.00	4475374.00	7496906.00	6695281.00	4	बैंक प्रभार	410.00	0.00	410.00	234.00
iii)	संस्थान का योगदान	3021532.00	4475374.00	7496906.00	6684796.00	5	अन्तिम भुगतान	0.00	0.00	0.00	0.00
iv)	परिसरों से नई पेंशन योजन पर ब्याज	0.00	30476.00	30476.00	180790.00	6	परिसरीय खातों में स्थानान्तरण F/W	0.00	0.00	0.00	0.00
v)	बचत खाते पर ब्याज	101510.00	10036.00	111546.00	90523.00	7	अंशदायी को अधिक राशि की वापसी	0.00	0.00	0.00	0.00
vi)	पूर्व शेष	0.00	0.00	0.00	0.00	8	नई पेंशन न्यास निधि लेखा	5388116.00	8647662.00	14035778.00	13189250.00
vii)	अन्य परिसरों से प्राप्त राशि	0.00	0.00	0.00	0.00	9	**बैंक में शेष**	108425.00	577675.00	686100.00	284943.00
viii)	सावधि जमा की परिपक्वता	1100000.00	0.00	1100000.00	800000.00						
ix)	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	0.00	9795.00	9795.00	0.00						
x)	ब्याज पर अन्तर	0.00	0.00	0.00	0.00						
xi)	टी.आर.	0.00	0.00	0.00	0.00						
xii)	पूर्व त्रुटि	0.00	0.00	0.00	0.00						
	कुल योग	**7305235.00**	**9225337.00**	**16530572.00**	**14574427.00**		**कुल योग**	**7305235.00**	**9225337.00**	**16530572.00**	**14574427.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

वर्ष 2014-15 की नई पेंशन योजना लेखा में समेकित प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियाँ

राशि रुपयों में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायुर	जयपुर	लखनऊ	एकलव्य	शृंगेरी	गरली	भोपाल	मुम्बई	योग
i)	आदि शेष	22550.00		10485.00		191247.00				60661.00				**284943.00**
ii)	कर्मचारी अंशदान	797927.00	933362.00	282480.00	533783.00	665711.00	756819.00	505292.00	204142.00	1147322.00	478592.00	782422.00	409054.00	**7496906.00**
iii)	संस्थान/परिसर का अंशदान	797927.00	933362.00	282480.00	533783.00	665711.00	756819.00	505292.00	204142.00	1147322.00	478592.00	782422.00	409054.00	**7496906.00**
iv)	परिसरों से नई पे.यो. पर ब्याज					30476.00								**30476.00**
v)	पूर्व शेष													**0.00**
v)	बचत खाते से प्राप्त ब्याज	896.00				9140.00				101510.00				**111546.00**
vi)	अन्य परिसरों के प्राप्त राशि													**0.00**
vii)	सावधि जमा परिपक्व									1100000.00				**1100000.00**
viii)	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज					9795.00								**9795.00**
ix)	ब्याज का अन्तर													**0.00**
x)	टी.आर													**0.00**
xi)	पूर्व त्रुटि													**0.00**
	कुल योग	**1619300.00**	**1866724.00**	**575445.00**	**1067566.00**	**1572080.00**	**1513638.00**	**1010584.00**	**408284.00**	**3556815.00**	**957184.00**	**1564844.00**	**818108.00**	**16530572.00**
	भुगतान													
i)	सावधि जमा क्रय									1400000.00				**1400000.00**
ii)	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि								408284.00					**408284.00**
iii)	सरकारी खाते में स्थानान्तरित ब्याज													**0.00**
iv)	बैंक प्रभार									410.00				**410.00**
v)	अन्तिम भुगतान													**0.00**
vi)	परिसरीय खातों में स्थानानन्तरण F/W													**0.00**
vii)	अंशदायी से अधिक राशि की वापसी													**0.00**
viii)	नई पेंशन योजना न्यास निधि लेखा	1595854.00	1866724.00	564960.00	1067566.00	1028336.00	1513638.00	1010584.00		2047980.00	957184.00	1564844.00	818108.00	**14035778.00**
	बैंक में शेष	23446.00		10485.00		543744.00				108425.00				**686100.00**
	कुल योग	**1619300.00**	**1866724.00**	**575445.00**	**1067566.00**	**1572080.00**	**1513638.00**	**1010584.00**	**408284.00**	**3556815.00**	**957184.00**	**1564844.00**	**818108.00**	**16530572.00**

(201)

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

वर्ष 2014-15 हेतु मुक्तस्वाध्यायपीठम् का प्राप्ति एवं भुगतान विवरण

राशि रुपयों में

प्राप्तियां			भुगतान		
क्र.सं.	**लेखा शीर्ष**	**योजना**	**क्र.सं.**	**लेखा शीर्ष**	**योजना**
1	**आदि शेष**		1	परिसरों को अवमुक्त राशि-	
i)	हाथ में रोकड़	33311.00	i	पुरी परिसर	700000.00
ii)	बैंक मे जमा	2582932.00	ii	जम्मू परिसर	500000.00
iii)	प्राप्त अनुदान	4500000.00	iii	इलाहाबाद परिसर	500000.00
iv)	प्राप्त अनुदान (यू.जी.सी.)	0.00	iv	गुरुवायूर परिसर	800000.00
	विविध प्राप्तियाँ		v	जयपुर परिसर	600000.00
i)	पंजीकरण शुल्क	4748301.00	vi	लखनऊ परिसर	500198.00
ii)	ब्याज	81970.00	vii	श्रृंगेरी परिसर	500000.00
iii)	विक्रय	107611.00	viii	गरली परिसर	500000.00
	योग	**12054125.00**	ix	भोपाल परिसर	500132.00
			x	मुम्बई परिसर	500000.00
				योग	**5600330.00**
			2	**स्थापना व्यय**	
			i	वेतनादि एवं भत्ते	1511168.00
				योग	**1511168.00**
			3	**प्रशासनिक व्यय**	
				डाक एवं तार	103044.00
				मरम्मत एवं रखरखाव	0.00
				यात्रा एवं मंहगाई भत्ता	636811.00
				विज्ञापन	8000.00
				स्टेशनरी एवं मुद्रण	23600.00
				विविध आकस्मिकता	465190.00
				परीक्षा आकस्मिकता	649843.00
				दूरभाष खर्च	15222.00
				वसूलीयोग्य अग्रिम	0.00
				संस्थान प्रकाशन	0.00
				योग	**1901710.00**
			4	**पूर्व शेष**	
			i	हाथ में रोकड़	7256.00
				बैंक में शेष	
			i	बचत खाता	3033661.00
				योग	**3040917.00**
	कुल योग	**12054125.00**		**कुल योग**	**12054125.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के लेखों पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक् लेखा-रिपोर्ट

1. हमने राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के 31 मार्च, 2015 के संलग्न तुलनपत्र और 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखों एवं प्राप्ति एवं भुगतान लेखों की लेखा-परीक्षा, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कार्य, शक्तियाँ व सेवा शर्ते) अधिनियम की धारा 20 (1) के अन्तर्गत सम्पन्न की हैं। लेखा-परीक्षा 2017-18 तक की अवधि के लिए सौंपी गई हैं। ये वित्तीय विवरण संस्थान के कार्यकर्ताओं का उत्तरदायित्व है। इन वित्तीय विवरणों में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के ग्यारह एककों के लेखे सम्मिलित हैं। इनमें से एक एकक के लेखों की लेखा परीक्षा की गई। हमारा उत्तरदायित्व इन वित्तीय विवरणों का लेखा-परीक्षा के आधार पर मूल्यांकन प्रकट करना है।

2. इस पृथक् लेखा-परीक्षा रिपोर्ट में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सी.ए.जी.) की टिप्पणी केवल लेखा-विवेचन पर है जो श्रेष्ठ लेखा रीतियों, लेखा-मानकों एवं प्रकटन मानदंडों आदि सहित वर्गीकरण समनुरूपता से सम्बद्ध हैं। विधि, नियम तथा विनियम (उपयुक्तता और नियमितता) के अनुपालन से संबधित वित्तीय लेन-देन तथा कार्यक्षमता-सह-निष्पादन पहलुओं आदि पर लेखा-परीक्षा टिप्पणी कोई हो, निरीक्षण रिपोर्टों/सी.ए.जी. की लेखा-परीक्षा रिपोर्टो के माध्यम से पृथक् रूप से सूचित की जाती है।

3. हमने अपनी लेखा-परीक्षा सामान्यत: भारत में स्वीकृत लेखा-परीक्षा मानकों के अनुरूप सम्पन्न की है। इन मानकों में अपेक्षित है कि वित्तीय विवरणों के आर्थिक, अयथार्थ विवरणों से मुक्त होने के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए हम लेखा-परीक्षा आयोजित एवं सम्पन्न करें। लेखा-परीक्षा के वित्तीय विवरणों में राशियों तथा प्रकटन समर्थक साक्ष्यों की नमूना आधार पर जांच शामिल है। प्रयुक्त लेखा-सिद्धान्तों तथा प्रबन्धन द्वारा किए गए महत्त्वपूर्ण प्राक्कलनों और वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी लेखा-परीक्षा में अन्तर्विष्ट है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा-परीक्षा हमारे विचार को उचित आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखा-परीक्षा के आधार पर हम सूचित करते हैं कि:-

   (i) हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार हमने लेखा-परीक्षा के लिए आवश्यक समस्त सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं।

   (ii) इस प्रतिवेदन के तुलन-पत्र, आय एवं व्यय लेखे/प्राप्ति एवं भुगतान लेखे सामान्यतया भारत सरकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय के आदेश संख्या 29-4/2012-एफ.डी. दिनांक 17 अप्रैल 2015 द्वारा निर्धारित रूपरेखा में तैयार किये गये हैं।

   (iii) हमारा विचार है कि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने उचित लेखा बहियों तथा अन्य सम्बद्ध रिकार्डों का अनुरक्षण किया है। हमारे द्वारा अब तक परीक्षित ऐसी बहियों से यहीं प्रकट होता है।

   (iv) हम आगे सूचित करते हैं कि:-

क. तुलन-पत्र

क.1 परिसंपत्तियां

क.1.1 वर्तमान परिसंपत्तियाँ और प्रावधान (अनुसूची-3) रु. 7.62 करोड़

क.1.1.1 उपरोक्त में 60.34 करोड़ रूपये के अनुपयोगी अनुदान शामिल नहीं किया गया है। जिसके कारण

60.34 करोड़ रूपये की वर्तमान परिसम्पत्तियों का मूलह्रास लगाया गया है। और 60.34 करोड़ रूपये को पूंजी निधि में अधिक आकलन हुआ है।

क.1.1.2 बीमाकिंक मूल्यांकन के आधार पर सेवा निवृत्ति के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है सिवाय पूर्ण सेवा निवृत्ति के जो की खाता सहिंता 15 और भारत सरकार के मानव संसाधन मंत्रालय के प्रारुप के विपरीत है।

क.2 अचल परिसम्पत्तियाँ

क.2.1 वर्तमान परिसम्पत्तियाँ (अनुसूचि-7) रूपये 84.63 करोड़

उपरोक्त में 22.38 करोड़ रुपये का समावेश शीर्षक निर्धारित बैंको की अवधि जमा योजना के अन्तर्गत हुआ है तथा मुख्य खाता (पेंशन निधि) के रुपये 7.55 करोड़ को भी सम्मिलित किया गया है। भौतिक सत्यापन के आधार पर यह पाया गया की मुख्य खाते के वास्तविक अवधि जमा (पेंशन निधि) की रकम 8.04 करोड़ मूल्याकिंत है। इस कारण वर्तमान संपत्ति और पूंजी निधि में 49 लाख रुपये का मूल्यह्रास हुआ है।

ख. तुलनपत्र (जी-पी-एफ खाता)

ख.1 सावधि जमा रसीद रुपये 25.42 करोड़

ख.1.1 उपरोक्त में 4.73 करोड़ रुपये की संस्थान मुख्यालय की धनराशि सम्मिलित है। लेकिन भौतिक सत्यापन के बाद यह पाया गया की निर्धारित बैंको सावधि जमा राशि का मूल्य 31 मार्च 2015 को 4.85 करोड़ है। इस कारण सावधि जमा रसीद (एफ.डी.आर.) में मूल्याह्रास तथा ब्याज आय में 0.12 करोड़ का मूल्यह्रास पाया गया।

ख.1.2 भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के निर्देश संख्या 5-88/2006-ई.पी.आर. दिनांक 14.08.2008 में निवेश के प्ररुप को भविष्य निधि निवेश में उपयोग के लिए दर्शाया गया है। लेकिन संस्थान ने पूरे भविष्य निधि की कुल रकम रुपये 25.42 करोड़ को अवधि जमा योजना के अन्तर्गत विभिन्न बैंको में जमा किया गया है।

ग. आय एवं व्यय खाता

ग.1 आय

अनुदान/सब्सिडि (अनुसूचि-10) रुपये 125.80 करोड़

अनुदान एवं सब्सिडि के अनुसूचि-10 को उचित तरह से नहीं दर्शाया गया है। संस्थान की 47.78 करोड़ की प्रारंभिक जमा राशि जो कि 1 अप्रैल 2014 को थी उसे अनुसूचि में नहीं दर्शाया गया है। सभी योजना एवं गैरयोजना अनुदान को उपयोग दर्शाया गया है। जबकि संस्थान के योजना अनुदान का अन्तिम बकाया राशि 36.63 करोड़ तथा गैरअनुदान राशि का अन्तिम बकाया 23.71 करोड़ पाया गया है। यह चित्रण इस अनुसूचि में इस स्तर तक उचित नहीं है।

घ. सामान्य

घ.1 योजना एवं गैरयोजना अनुदान का मिश्रण

घ.1.1 वर्ष 2013-14 के अन्तिम बकाया को 2014-15 के प्रारंभिक शेष के रूप में लिया जाना चाहिए था। लेकिन 2014-15 के योजना एवं गैरयोजना अनुदान के खाते का विवरण 2013-14 के अन्तिम शेष से उसका मिलान नहीं होता है। पूर्णविवरण नीचे प्रदर्शित किया गया है –

	पिछले वर्ष के अन्तिम बैंक शेष के प्राप्ति एवं भुगतान के विवरण के अनुसार	इस वर्ष के प्रारंभिक बैंक शेष के अनुसार	अनिमिताएं
योजना अनुदान	34,09,81,769	33,96,60,422	13,21,347
गैरयोजना अनुदान	13,58,03,086	13,71,24,433	(-)13,21,347

अभिलेखों की अनुपस्थिति के कारण योजना अनुदानों एवं गैरयोजना अनुदानों की विषमताओं का सत्यापन एवं संशोधन पूर्ण से परिभाषित नहीं किया जा सकता है।

घ.2 ये खाते नकदी आधार पर तैयार किये गये हैं। जोकि उपार्जन आधारित लेखांकन के सिद्धान्त के विपरीत है एवं उसका उल्लंघन है।

घ.3 राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुम्बई परिसर में वर्ष 2008-2009 के अवधि में रुपये 13.51 लाख का गबन दर्शाया गया है। इसमें से 1.42 लाख रुपये दोषी खजांची द्वारा जमा किये गये थे। लेकिन संस्थान ने केवल 6.28 लाख रुपये को उचंति खाते के अंतर्गत वर्ष 2014-15 की तुलनपत्र में दर्शाया है। और 5.81 लाख रुपये की बकाया राशि जिसमें 4.27 लाख रुपये जी.पी.एफ. से सम्बन्धित हैं उन्हें खातों में नहीं दर्शाया गया है। इस मामले की वास्तविक स्थिति को भी खातों में किसी भी टिप्पणी के द्वारा नहीं दर्शाया गया है।

घ.4 सेवानिवृत्ति लाभ के दायित्व हेतु किसी प्रकार का कोई भी प्रावधान नहीं किया गया है। उदाहरण के लिए ग्रेच्युटि, अर्जित की गई छुट्टियों का भुगतान तथा कर्मचारियों की पेंशन उचित मूल्यांकन के अनुसार नहीं दिखाई गई है। कोई उचित लेखांकन नीति भी नहीं दर्शायी गई है।

ङ. सहायता अनुदान

वर्ष 2014-15, में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय से कुल रु. 125.80 करोड़ (योजना रु. 62.75 करोड़ तथा योजनेतर रु. 63.05 करोड़) का अनुदान प्राप्त किया जिसमें से रु. 8.95 करोड़ मार्च 2015 में प्राप्त किये गये। संस्थान द्वारा पूर्व वर्ष का रु. 47.78 करोड़ (योजना रु. 34.18 करोड़ तथा योजनेतर रु. 13.60 करोड़) अव्ययित शेष था। संस्थान ने रु. 6.03 करोड़ (योजना रु. 1.08 करोड़ और योजनेतर रु. 4.95 करोड़) की आय अपने स्त्रोतों से अर्जित की। इन्होंने रु. 119.27 करोड़ (योजना रु. 61.38 करोड़ तथा योजनेत्तर रु. 57.89 करोड़) का उपयोग कर रु. 60.34 करोड़ (योजना रु. 36.63 करोड़ तथा योजनेतर रु. 23.71 करोड़) शेष रहा। लेकिन आय और भुगतान की मदों के अनुसार अव्ययित शेष रुपये 60.34 करोड़ रुपये है (योजना रु. 36.26 करोड़ एवं योजनेतर रु. 24.08 करोड़) जिसका संस्थान ने दर्शाया है कि वर्ष 2015-16 के व्यवसायिक साल के दौरान उचित विवरण के द्वारा दर्शाया जाएगा।

च. प्रबन्धन पत्र

उपचारी/सुधारात्मक कार्यवाही के लिए पृथक् प्रबन्धन-पत्र जारी किया गया। उसमें उन कमियों की सूचना कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को दी गई जिन्हें लेखा-परीक्षा रिपोर्ट में सम्मिलित नहीं किया गया है।

(v) पूर्ववर्ती अनुच्छेदों की हमारी टिप्पणी के अधीन, हम सूचित करते हैं कि रिपोर्ट से सम्बन्धित तुलन-पत्र और आय-व्यय एवं लेखा/प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की लेखा बहियों से अनुरूपता है।

(vi) हमारे विचार में तथा हमें उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार उक्त वित्तीय विवरण, लेखंकन नीतियों और खातों पर टिप्पणी के साथ मिलकर करें। उपर्युक्त महत्त्वपूर्ण मामलों एवं प्रस्तुत लेखा-परीक्षा रिपोर्ट के संलग्नक में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन, भारत में स्वीकृत लेखांकन सिद्धान्तों के समनुरूप सत्य एवं स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

(अ) जहाँ तक यह 31 मार्च 2015 के अनुसार राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कार्यकलापों के तुलनपत्र से सम्बद्ध है; एवं

(ब) जहाँ तक यह उक्त दिनांक को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय-व्यय लेखे से संबद्ध है।

कृते एवं की ओर से

स्थान - नई दिल्ली
दिनांक - 4.11.15

ह०
महानिदेशक लेखा-परीक्षा
केन्द्रीय व्यय

नोटः 'प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक् लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।'

लेखा-परीक्षा रिपोर्ट का संलग्नक

1. आन्तरिक लेखा-परीक्षा की पर्याप्तता

- आन्तरिक लेखा परीक्षा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय एवं परिसरों में से गठित कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। लेकिन वर्ष 2014-15 के दौरान किसी प्रकार का कोई आन्तरिक लेखा परीक्षा नहीं किया गया। जयपुर परिसर आन्तरिक लेखा परीक्षण वर्ष 2012-13 से नहीं किया गया है।
- मुख्यालय का आन्तरिक लेखा-परीक्षा नहीं किया जा रहा है।
- मन्त्रालय द्वारा आन्तरिक लेखा-परीक्षा का संचालन नहीं किया जा रहा है।
- आन्तरिक लेखा-परीक्षा की कोई नियमावली नहीं है।

2. आन्तरिक नियन्त्रण-प्रणाली की पर्याप्तता

आन्तरिक नियन्त्रण-प्रणाली की अपर्याप्तता उपरोक्त दर्शित क्रम संख्या 1 के संदर्भ में दर्शाये गए हैं।

3. परिसम्पत्तियों के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली

स्थायी सम्पत्तियों का भौतिक सत्यापन निर्धारित तौर पर नहीं किया जा रहा और राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय एवं जयपुर परिसर (चुनी गई इकाई) का वर्ष 2014-15 में भौतिक सत्यापन नहीं किया गया।

4. सामान-सूची के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली

समान सूची का भौतिक सत्यापन लगातार नहीं किया जा रहा है तथा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय एवं जयपुर परिसर (चुनी गई इकाई) का वर्ष 2014-15 में भी समान सूची का भौतिक सत्यापन नहीं हुआ है।

5. सांविधिक देय राशि के भुगतान की नियमितता

31-3-2015 को उपलब्ध लेखा के अनुसार सांविधिक देय से सम्बन्धित कोई भी भुगतान छः महीने से अधिक समय तक बकाया नहीं था।